



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 51] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 23, 1978 (पौष 2, 1900)

No. 51] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 23, 1978 (PAUSA 2, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 नवम्बर 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के निम्नलिखित स्थायी सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई अवधि के लिये, अधिकारी आगामी आवेदणों तक जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से, तदर्थ आधार पर, कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया है।

क्र०	नाम	अवधि जिसके लिये अनुभाग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के अधिकारी नियुक्त किया गया	
सं०	1	2	3
1.	श्री एस० आर० खन्ना	1-9-78 से 15-11-78 तक की अवधि के लिए।	
2.	श्री एन० के० ढीगरा	14-9-78 से 12-11-78 तक की अवधि के लिये।	
3.	श्री बी० एल० शर्मा	17-9-78 से 15-11-78 तक की अवधि के लिये।	

1	2	3
4. श्री कैलाश चन्द्र	22-9-78 से 6-11-78 तक की अवधि के लिए।	
5. श्री एन० एम० एल० भट्टाचार्य	9-10-78 से 23-11-78 तक की अवधि के लिए।	
6. श्री एम० एन० अरोड़ा	3-11-78 से 18-12-78 तक की अवधि के लिए।	

दिनांक 28 नवम्बर 1978

सं० ए० 38013/5/76-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री आर० एल० शीगत को राष्ट्रपति द्वारा कार्मिक विभाग के का० ज्ञापन सं० 33/12/73 स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार 30 नवम्बर, 1978 के अपराह्न से वादधंक निवारण आयु हो जाने के कारण सरकारी सेवा से निवृत्ति की सहर्ष अनुमति प्रदान की गई है।

एस० बालाचन्द्रन,
अवर सचिव,
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मन्त्रालय
का० एवं प्र०स० विभाग
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1978

सं० ए०-२००१४/५/७५-प्रशासन-१—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, पश्चिम बंगाल पुलिस के अधिकारी श्री एस० के० बनर्जी को दिनांक २३-१०-७८ के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, कलकत्ता (आधिक प्रपराध स्कन्द) शाखा में अस्थाई रूप से प्रतिनियुक्त पर निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

रिपुदमन सिंह,
प्रशासनिक अधिकारी (लेखा)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-११०००१, दिनांक १ दिसम्बर 1978

सं० ओ० दो० १०९४/७८ स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर स्वरूपानन्द नायक को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ०, ग्रेड-१ (डी० एस० पी०/कम्पनी कमाण्डर) के पद पर २८ सितम्बर, 1978 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

दिनांक २ दिसम्बर 1978

सं० ओ० दो० १०९८/७८-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर रविन्द्र नाथ बहेड़ा को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ०, ग्रेड-१ (डी० एस० पी०/कम्पनी कमाण्डर) के पद पर ५ अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

सं० ओ० दो० १०९९/७८ स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर योगेन्द्र प्रकाश को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ०, ग्रेड-१ (डी० एस० पी०/कम्पनी कमाण्डर) के पद पर ३ नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

दिनांक ४ दिसम्बर 1978

सं० ओ० दो० ८४५/७२ स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर कृष्ण किशोर सैनी को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में सिनियर मैडिकल आफिसर (कमाण्डेन्ट) के पद पर २० अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर कृष्ण किशोर सैनी के सिनियर मैडिकल आफिसर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने बेस हास्पिटल-१ केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, नई दिल्ली में जी० डी० ओ०, ग्रेड-१ के पद का कार्यभार दिनांक ६ अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न से त्याग दिया।

सं० ओ० दो०-१/७८ सी० श्री० स्थापना—राष्ट्रपति ने, विकित्सा अधीक्षक ले० कर्नल आर० एल० सरकार, महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली का त्यागपत्र दिनांक २९ अगस्त, १९७८ से स्वीकृत कर लिया है।

ए० के० बन्दोपाध्याय
सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-११००११, दिनांक २९ नवम्बर 1978

सं० १०/६/७८-प्रशा०-१—इस कार्यालय की तारीख १७ जून, १९७८ की समसंबंधीक अधिसूचना का अधिकान्त करते हुए, राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा की प्रबल सूची के सेलेक्शन ग्रेड अधिकारी श्री वी० पी० पांडे को तारीख २६ मई १९७८ के अपराह्न से तारीख २६ अगस्त १९७८ तक तीन महीने की अवधि के लिए पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ प्राधारपर भारत के उपमहापंजीकार के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

राष्ट्रपति, श्री वी० पी० पांडे को २६ अगस्त, १९७८ के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक अस्थाई तौर पर भारत के उपमहापंजीकार के पद पर नियमित आधारपर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री पांडे का मुख्यालय नई दिल्ली में है।

दिनांक ४ दिसम्बर 1978

सं० ११/५/७७-प्रशा० एक—इस कार्यालय की तारीख १०-९-१९७८ की समसंबंधीक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, केरल में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में अन्वेषक श्री एस० जयशंकर की उसी कार्यालय में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ नियुक्ति की अवधि को तारीख १ अक्टूबर, १९७८ से तारीख ३१ दिसम्बर, १९७८ तक तीन महीने की और अवधि के लिए या अगले आदेशों तक, जो भी समय इनमें कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं। उनका मुख्यालय त्रिवेन्द्रम में ही रहेगा।

पी० पद्मनाभ,
भारत के महापंजीकार

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय, पश्चिम रेलवे

बम्बई, दिनांक ४ दिसम्बर 1978

सं० एस० ए०/एच० क्य०/प्रशासन/पी० सी०/५४१२—श्री एच० टी० कनल, अस्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी ३१-८-१९७८ के अपराह्न से निवर्तमान आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत हो गए।

श० ना० विश्वास
मुख्य लेखा परीक्षक, पश्चिम रेलवे

रक्षा मन्त्रालय

भारतीय आईनेन्स फैक्टरियां सेवा

महानिदेशालय, आईनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता-700016, दिनांक 29 नवम्बर 1978

सं० 80/78/जी०—वार्षिक निवृत्ति आयु (58 वर्ष)
प्राप्त कर, श्री टी० पी० घोष, स्थानापन्थ सहायक प्रबन्धक
(मौलिक एवं स्थायी फोरमैन), दिनांक 28-2-1978 (अपराह्न)
से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता,
सहायक महानिदेशक,
आईनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मन्त्रालय
(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 नवम्बर 1978

आयात तथा नियर्ति व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/661/62-प्रशासन (राज०)/8429—सेवा निवृत्ति
की आयु होने पर, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति (अब
संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति) के कार्यालय, कानपुर में,
श्री एच० एन० सहाय, नियंत्रक, आयात-नियर्ति को 30 अप्रैल,
1976 के दोपहर बाद स सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति
दी गई थी।

2. इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या 6/661/62-
प्रशासन (राज०)/2462 दिनांक 31-3-1977 रद्द की जाती
है।

का० वं० शेषाद्रि,
मुख्य नियंत्रक, आयात नियर्ति

इस्पात और खान मन्त्रालय
(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-700020, दिनांक 26 सितम्बर 1978

सं० ई०-१-१३ (107)/78—श्री हरिमोहन दास, अधीक्षक
को एतद्वारा, दिनांक 13-9-1978 (पूर्वाह्न) से वर्तमान
समय में तीन माह के लिए कामचलाऊ आधार पर सहायक भुगतान
आयुक्त (इसको प्रतिपूरण) के संबंध वाले पद पर तदर्थ
स्थानापन्थ रूप से नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 20 अक्टूबर 1978

सं० ई०-१-१२ (10)/78(.)—वरिष्ठ उप महा लेखापाल,
वाणिज्य, कार्य तथा विविध, कलकत्ता के कार्यालय के लेखा
अधिकारी श्री ए० के० मिश की एतद्वारा 6 अक्टूबर, 1978 के

अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए लेखा अधिकारी पद पर
स्थानापन्थ नियुक्ति की जा रही है।

पी० के० सरकार,
लोहा और इस्पात नियंत्रक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 28 नवम्बर 1978

सं० सी०-5438/707—निम्नलिखित अधिकारियों को
उनके नाम के सामने दी गई तारीख से भारतीय सर्वेक्षण
विभाग में अधिकारी सर्वेक्षक (ग्रुप 'बी' पद) के पद पर 650-
30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-
40-1200 रु० के वेतनमान में पूर्णतः तदर्थ आधार पर अनतिम
रूप में नियुक्त किया जाता है:—

क्र०	नाम तथा पद	यूनिट/कार्यालय	से लागू
सं०			
1.	श्री जे० बी० पाशी सर्वेक्षक सिल० ग्रेड (प० स०)	2 पार्टी (प० स०) मसूरी (पूर्वा०)	16 मई 1978
2.	श्री जेड० केस्केटा, सहा० सर्वेक्षक सिल० ग्रेड	75 पार्टी (द० पू० स०)	12 अक्टूबर 1978 (पूर्वा०) मधुपुर
3.	श्री नाथ० राम शर्मा सर्वेक्षक सिल० ग्रेड	74 पार्टी (व० पू० स०)	16 अक्टूबर 1978 (पूर्वा०) रांची
4.	श्री सोमरा टिके० सर्वेक्षक सिल० ग्रेड	74 पार्टी (द० पू० स०)	23 अक्टूबर 1978 (पूर्वा०) रांची
5.	श्री जगदीश चन्द्र सर्वेक्षक सिल० ग्रेड	26 (फोटो) पार्टी (उ० स०)	24 अक्टूबर 1978 (पूर्वा०) देहरादून
6.	श्री अय॒ चन्द्र रेखी सर्वेक्षक सिल० ग्रेड	26 (फोटो) पार्टी (उ० स०)	24 अक्टूबर 1978 (पूर्वा०) देहरादून
7.	श्री एस० एम० उनियाल सर्वेक्षक सिल० ग्रेड	1 पार्टी (उ० स०)	8 नवम्बर 1978 (पूर्वा०) देहरादून

के० एल० खोसला
मेजर-जनरल
भारत के महासर्वेक्षक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1978

सं० 4/47/77-एस-1—श्री पीटर बी० शांगप्लीयांग ने अपने त्यागपत्र की स्वीकृति के फलस्वरूप 29 सितम्बर, 1978 अपराह्न को आकाशवाणी, कोहिमा में कार्यक्रम निष्पादक के पद का कार्यभार छोड़ा।

ए० के० बोस,
प्रशासन उपनिदेशक,
कूले महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मन्त्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 29 नवम्बर 1978

सं० ए०-24013/39/78-सिव्वन्दी 1—श्री बी० ब्ही० राव स्थानापन्न शाखा प्रबन्धक फिल्म प्रभाग हैदराबाद को मंजूर की हुई छुट्टी समाप्ति पर श्री एस० ए० नाइक स्थानापन्न शाखा प्रबन्धक फिल्म प्रभाग हैदराबाद को दिनांक 6-11-78 के पूर्वाह्न विकेता के पद पर प्रत्यावर्तित किया।

एम० चन्द्रन नायर,
प्रशासकीय अधिकारी,
कूले प्रमुख निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर 1978

सं० ए० 38012/2/78-(एच० क्य०)/प्रशासन-I—सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ध्यूरो में उपनिदेशक (स्कूल स्वास्थ्य शिक्षा) के पद पर कार्य कर रही श्रीमती के० एस० भाटिया ने 30 जून, 1978 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गयी है।

सं० 32014/6/78-(एस० जे० एच०)प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली के हेड कलर्क श्री ओंकार सिंह गुजराल को 1 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से ग्रामीण आदेशों तक उसी अस्पताल में सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 1 दिसम्बर 1978

सं० ए० 39013/1/78-प्रशासन-I—डा० ए० ए० एस० लूथरा का त्याग-पत्र मंजूर हो जाने पर उन्होंने 11 अप्रैल, 1978 के अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, मेरठ से दत्त शल्य चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

शाम लाल कुठियाला,
उपनिदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

ग्रामीण विकास विभाग

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1978

सं० ए० 12026/2/78-प्र०-III—अपने मूल संगठन अर्थति लेखा निदेशक का कार्यालय (डाक) में प्रत्यावर्तन होने के उपरान्त श्री बी० ए० पसारकर, लेखा अधिकारी को विषय एवं निरीक्षण निदेशालय, प्रधान शाखा कार्यालय, नागपुर में दिनांक 3-11-1978 (अपराह्न) से उनके कार्य से मुक्त किया गया है।

दिनांक 1 दिसम्बर 1978

सं० ए० 19025/117/78-प्र० III—श्री के० जयनंदन, वर्गड निरीक्षक को विषय एवं निरीक्षण निदेशालय, मंत्रालय में दिनांक 13-11-1978 (पूर्वाह्न) से 31-12-1978 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, स्थानापन्न सहायक विषय अधिकारी (वर्ग-1) नियुक्त किया गया है।

बी० ए० मनिहार,

निदेशक, प्रशासन,

दूते कृषि विषय अधिकारी (वर्ग-1) नियुक्त

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 3 जुलाई 1978

सं० ए० ए०/81(11)/78-आर०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, इस अनुसंधान केन्द्र के निम्नलिखित अधिकारियों को इसी अनुसंधान केन्द्र में 1 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड-एस० बी० नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं०	नाम (1)	कोई स्थाई (2)	स्थानापन्न रूप में (3)	स्थानापन्न रूप में (4)
1.	श्री अरविंद बावूराव फडणीस	—	वैज्ञानिक सहायक (सी)	
2.	श्री पुलाश्कल राजेन्द्रन नायर	सहायक सुरक्षा अधिकारी	फोरमेन	
3.	श्री नागासुन्दरन विश्वानाथन	वैज्ञानिक सहायक (बी)	वैज्ञानिक सहायक (सी)	
4.	श्री हंसराज मिस्त्र	नक्षानवीस (बी)	नक्षानवीस (सी)	
5.	श्री जॉन जितेंद्र चरन	—	वैज्ञानिक सहायक (सी०)	
6.	श्री विष्णु जयराम खांडेकर	नक्षानवीस (ए)	नक्षानवीस (सी)	
7.	श्री पिल्लालामरी हनुमंत राव	वैज्ञानिक सहायक (बी)	वैज्ञानिक सहायक (सी)	

(1)	(2)	(3)	(4)
8.	श्री सिलवेस्टर जॉन	सहायक फोरमैन	फोरमैन
	करकाडा		—
9.	श्री विजन कुमार	„ „ „	„ „ „
	घोष		
10.	श्री नरसिंहो	„ „ „	„ „ „
	इगनाटियस मिलवेरा		
11.	श्री नारायण सुप्तु	वैज्ञानिक सहायक (ए)	वैज्ञानिक सहायक (सी)
	पिपले		
12.	श्री कोति कुलम	„ „ „	„ „ „
	नारायणन		
13.	श्री गुरुबचन सिंग	„ „ „	„ „ „
14.	श्री कुरियल श्रीधर	„ „ „	„ „ „
	सोमायाजी		
15.	श्री गिरिधर झा	„ „ „	„ „ „
16.	श्री गुरुनाथ	„ (बी)	„ „ „
	बलवंतराव जोधी		
17.	श्री चेलकारा	वैज्ञानिक सहायक (बी)	वैज्ञानिक सहायक (सी)
	सुन्नमणिया		
	सूर्यनारायणन		
18.	डा० प्रेकाशचंद्र वर्मा	—	„ „
19.	श्रीमती पूर्णम हरि	वैज्ञानिक सहायक (बी)	„ „
	परदासाली		
20.	श्री वीरेन्द्र सिंग	„ „ „	„ „ „
21.	श्री अशोक त्रिम्बक	—	„ „ „
	सोमण		
22.	श्री हरवंशलाल वर्मा	नक्षानवीस (ए)	नक्षानवीस (सी)
23.	फडु रंग	सहायक फोरमैन	फोरमैन
	दत्तात्रेय भुरुके		
24.	श्री नूर मोहम्मद	चार्जहेड	„
	गफूर पीरजादा		
25.	श्री नडुकुडि	वैज्ञानिक सहायक (ए)	वैज्ञानिक सहायक (सी)
	पूमादथिल सेथुराम		
26.	श्री मंगेश शंकरराव दलवी	„ „ „	„ „ „
27.	श्री मोहम्मदभाई	वैज्ञानिक सहायक (ए)	वैज्ञानिक सहायक (सी)
	झाहिम डाक्टर		
28.	श्री मोदुगुला	—	„ „
	सत्यनारायण		
29.	श्री अर्जय कुमार	—	„ „
	बन्द्योपाध्याय		
30.	कु० विद्या सदाशिव	वैज्ञानिक सहायक (ए)	„ „
	कांबली		
31.	श्री चन्द्रकांत बापुजी	„ „ (बी)	„ „
	गोखले		
32.	श्री हरिकिशन	„ „ „	„ „ „
	झुंबरलाल कांगला		

(1)	(2)	(3)	(4)
33.	श्री कमाल अब्दुलकरीम	—	वैज्ञानिक सहायक (सी)
	सैयद		
34.	श्री भगवान	—	„ „
	नारायण महाजन		
35.	कु० मदनलाल उषा	—	„ „
	कुमारी		
36.	श्री रघुनाथ चिट्ठुल	वैज्ञानिक सहायक (बी)	„ „
	फाटक		
37.	श्री अनिल वामन	—	„ „
	आपटे		
38.	श्री दत्तात्रेय कृष्णाजी	नक्षानवीस (ए)	नक्षानवीस (सी)
	जाधव		
39.	श्री चित्युकुड़	—	वैज्ञानिक सहायक (सी)
	हरिहरण		
40.	श्री नारायणन	वैज्ञानिक सहायक (ए)	„ „
	अनंतरमण		
41.	श्री गणेश त्रिम्बक	चार्जहेड	फोरमैन
	मराठे		

दिनांक 22 सितम्बर 1978

सं० पी० ए०/७३(13)/७८-ग्रा०-४—निदेशक, भारा० परमाणु अनुसंधान केंद्र, डा० (कुमारी) वरिन्द्र बलवंतसिंग कौर को, इस अनुसंधान केंद्र के चिकित्सा प्रभाग में, 13 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से 25 अक्टूबर 1978 के अपराह्न तक, डा० (श्रीमती) एस० आर० त्रिभुवन के स्थान पर, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, बिलकुल अस्थाई रूप से स्थानिक चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/७३(13)/७८-ग्रा०-४—निदेशक, भारा० परमाणु अनुसंधान केंद्र, डा० (श्रीमती) चन्द्रप्रभा सत्यप्रकाश मित्तल को, इस अनुसंधान केंद्र के चिकित्सा प्रभाग में, 19 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से 10 नवम्बर, 1978 के अपराह्न तक, डा० (श्रीमती) पी० के० अंजबानी के स्थान पर, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, बिलकुल अस्थाई रूप से स्थानिक चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 अक्टूबर 1978

सं० पी० ए०/८५(1)/७८-ग्रा०-४—परमाणु ऊर्जा विभाग के भारी पानी परियोजना, कोटा से तबादला होने पर, निदेशक, भारा० परमाणु अनुसंधान केंद्र, श्री शेलके प्रभाकर सूर्यमान को, 24 अप्रैल, 1978 के पूर्वाह्न से अगले श्रावणों तक, भारा० परमाणु अनुसंधान केंद्र में अस्थाई रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 अक्टूबर 1978

सं० पी० ए०/६८(6)/७७-ग्रा०-४—परमाणु ऊर्जा विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग से भारमुक्त होने पर,

निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, श्री पोंगालिउर कंडासामी भायलसामी को, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में, 19 जून, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, अस्थाई रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 10 नवम्बर 1978

सं० पी० ए०/73(13)/78-आर०-4—समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 22 सितम्बर, 1978 के सिलसिले में, निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, डा० (कुमारी) वरिन्दर बलवंतसिंग कौर को, इस अनुसंधान केंद्र के चिकित्सा प्रभाग में, अतिरिक्त अवधि 26 अक्टूबर के पूर्वाह्न से 27 अक्टूबर, 1978 के अपराह्न तक, डा० (श्रीमती) एस० आर० तिभुवन के स्थान पर, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, बिलकुल अस्थाई रूप से स्थानिक चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन,
उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक सितम्बर 1978

सं० बी०/488/स्थापना II/4083—सेवा-निवृत्ति अवस्था के होने पर, श्री मनोहर दामोदर बापट, स्थाई सहायक प्रशासनिक अधिकारी (ग्रेड रु 650-960) दिनांक 31 अगस्त, 1978 अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत हो गए।

सं० एम०-4/लेखा/स्थापना II/4085—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र ने, श्री फारुख एरचगा मिस्त्री, स्थाई सहायक लेखापाल तथा स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी, लेखा प्रभाग का, सेवा से त्यागपत्र 31 अगस्त, 1978 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 18 सितम्बर 1978

सं० 5/1/78/स्थापना II/3301—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र श्री एफ० डीसूजा, सहायक लेखापाल को, इसी अनुसंधान केंद्र में, दिनांक 30 मार्च 1977 (पूर्वाह्न) से 22 अप्रैल, 1977 (अपराह्न) तक, श्री आर० जी० मसूरकार, सहायक लेखा अधिकारी के स्थान पर, जिन्हें 30 मार्च 1977 से 30 अप्रैल, 1977 तक छुट्टी प्रदान की गई है, तदर्थे आधार पर स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 सितम्बर 1978

सं० 5/1/78-स्थापना II/3399—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के आगे लिखी अवधि के लिए, तदर्थे आधार पर, स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं०	नाम तथा पद	स्थानापन्न नियुक्ति	अवधि	
			से (पूर्वाह्न)	तक (अपराह्न)
1. श्री एफ० डी, सूजा सहायक लेखापाल		सहायक लेखा अधिकारी	10-4-78	31-7-78
2. श्रीमती एस० पी० मेहरजी सहायक लेखापाल		सहायक लेखा अधिकारी	3-7-78	2-9-78

सं० 5/1/78-स्थापना II/3400—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के आगे लिखी अवधि के लिए तदर्थे आधार पर स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी II/सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं:

क्र० सं०	नाम तथा पद	स्थानापन्न नियुक्ति	अवधि	
			सं (पूर्वाह्न)	तक (अपराह्न)
1. श्री एस० आर० डॉगरे सहायक कार्मिक अधिकारी		प्रशासनिक अधिकारी-II	26-12-77	9-4-78
2. श्री एस० डी० मेहता सहायक कार्मिक अधिकारी		प्रशासनिक अधिकारी-II	10-4-78	30-8-78
3. श्री ए० कौरे सहायक		सहायक कार्मिक अधिकारी	26-12-77	30-8-78

दिनांक 5 अक्टूबर 1978

सं० 5/1/78-स्थापना II/4089—क्य तथा भंडार निदेशालय, कोटा से तबादला होने पर, श्री गजानन

सक्षमणराव हल्दीपुर (एक स्थाई सहायक लेखापाल) ने; 11 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में, स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी II का कार्यभार ग्रहण किया।

दिनांक 13 अक्टूबर 1978

सं० 5/1/78-स्थापना II/4234—नियंत्रक, भारत परमाणु अनुसंधान केंद्र, श्री देव नारायण प्रधान, स्थाई सहायक सुरक्षा अधिकारी को, इसी अनुसंधान केंद्र में 26 जुलाई, 1978 पूर्वाह्न से 29 सितंबर, 1978 अपराह्न तक, श्री डी० एन० बागची, सुरक्षा अधिकारी के स्थान पर, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, स्थानापन्थ सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 अक्टूबर 1978

सं० 5/1/78-स्थापना II/4326—नियंत्रक, भारत परमाणु अनुसंधान केंद्र श्री के० आर० सी० पिल्लै, सहायक को, इसी अनुसंधान केंद्र में, 11 सितंबर, 1978 पूर्वाह्न से 16 अक्टूबर, 1978 अपराह्न तक, तदर्थ आधार पर स्थानापन्थ सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 7 नवम्बर 1978

सं० 5/1/78-स्थापना II/4671—नियंत्रक, भारत परमाणु अनुसंधान केंद्र, निम्नलिखित अधिकारियों को, उनके नामों के आगे लिखी अवधि के लिए, तदर्थ आधार पर स्थानापन्थ प्रशासनिक अधिकारी-II/सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं:—

क्र सं०	नाम तथा पद	स्थानापन्थ नियुक्ति	अवधि	
			से (पूर्वाह्न)	तक (अपराह्न)
1.	श्री एस० के० कपूर सहायक कार्मिक अधिकारी	प्रशासनिक अधिकारी II	11-9-78	21-10-78
2.	श्री बी० के० स्थामी सहायक कार्मिक अधिकारी	प्रशासनिक अधिकारी II	25-9-78	27-10-78
3.	श्री पी० बी० करंदीकर सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी	20-9-78	27-10-78
4.	श्री बी० एम० नाइक एस० जी० सी०	सहायक कार्मिक अधिकारी	25-9-78	27-10-78

दिनांक 15 नवम्बर 1978

सं० 5/1/78-स्थापना II/4740—नियंत्रक, भारत परमाणु अनुसंधान केंद्र, निम्नलिखित अधिकारियों को, उनके नामों के आगे लिखी अवधि के लिये तदर्थ आधार पर स्थानापन्थ सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं:—

क्र सं०	नाम तथा पद	स्थानापन्थ नियुक्ति	अवधि	
			से (पूर्वाह्न)	तक (अपराह्न)
1.	श्री एस० बी० गावडे सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी	27-9-78	7-11-78
2.	श्री एन० के० भिडे एस० जी० सी०	सहायक कार्मिक	27-9-78	7-11-78

दिनांक 17 नवम्बर 1978

सं० पी०/2269/स्थापना-II/4781—विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग से तबादला होने पर, श्री तुलसीदास टी० पिशोरी, पी० पी० ई० डी० में एक स्थाई सहायक कार्मिक अधिकारी ने, इस अनुसंधान केंद्र में 1 नवम्बर 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, सहायक प्रशासनिक अधिकारी (ग्रेड 650-960) के पद का स्थानापन्थ रूप से कार्यभार ग्रहण कर लिया।

एम० एस० राव
उप-स्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 30 सितम्बर 1978

सं. 5(5)/78-पुस्टिकरण/1857—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, निम्नलिखित अधिकारियों को इसके द्वारा, 1 फरवरी 1977 से, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में, मौलिक रूप में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

क्र० सं०	नाम	अधीका पद	प्रभाग	बी० ए० आर० सी० में स्थाई पद
1.	श्री एस० एस० सैनी	एस० सी०	प्राइमरी आयसोटोप प्रनुभाग	नक्षानवीस सी०
2.	श्री के० एन० मांडके	एस० सी०	ग्रार०-5 परियोज्ना	नक्षानवीस सी०
3.	श्री आर० डी० काले	एस० बी०	स्वास्थ्य भौतिकी	वै० स० (सी०)
4.	श्री एस० के० राय	एस० सी०	केन्द्रीय वर्कशाप	फोरमैन
5.	श्री एम० बी० जोशी	एस० सी०	प्रीफरी	वै० स० (सी०)
6.	श्री वी० डी० कांडेकर	एस० बी०	इलेक्ट्रानिकी	वै० स० (सी०)
7.	श्री डी० एस० बिष्ट	एस० सी०	न्यूक्लीय भौतिकी	वै० स० (सी०)
8.	श्री डी० के० मुलांगोकर	एस० बी०	रेडियो रसायनिकी	नक्षानवीस सी०
9.	श्री एस० जी० शुक्ला	एस० सी०	न्यूक्लीय भौतिकी	वै० स० (सी०)
10.	श्री जी० सुब्रमण्यन	एस० सी०	स्वास्थ्य भौतिकी	वै० स० (सी०)
11.	श्री एम० एन० तांबवेकर	एस० सी०	विश्लेषणात्मक रसायनिकी	वै० स० (सी०)
12.	श्री ए० सेधुमाधवन	एस० सी०	स्पीक्रोस्कोपी	वै० स० (सी०)
13.	श्री एन० ई० मेहरजी	एस० बी०	पुस्तकालय एवं सूचना सेवाएं	वै० स० (सी०)
14.	श्री जी० एस० पाणिकर	एस० बी०	तकनीकी सेवाएं	फोरमैन
15.	श्री एल० आर० चोरगे	एस० सी०	तकनीकी सेवाएं	फोरमैन
16.	श्री ए० डी० इंगले	एस० बी०	इलेक्ट्रानिकी	वै० स० (सी०)
17.	श्री वी० एन० कामथ	एस० बी०	इलेक्ट्रानिकी	वै० स० (सी०)
18.	श्री एम० पी० घंकरन	एस० सी०	विकिरण चिकित्सात्मक संरक्षण	वै० स० (सी०)
			प्रभाग	
19.	श्री के० एल० गुलिश्वानी	एस० सी०	तकनीकी सेवाएं	नक्षानवीस ए०
20.	श्री वी० पी० रानडे	एस० बी०	परिवहन अनुक्षण यूनिट	फोरमैन
21.	श्री आर० एस० उदयावर	एस० बी०	न्यूक्लीय भौतिकी	वै० स० (बी०)
22.	श्री एन० के० मेहता	एस० बी०	स्वास्थ्य भौतिकी	वै० स० (सी०)
23.	श्री एम० आर० फिरुके	एस० सी०	न्यूट्रान भौतिकी	वै० स० (सी०)
24.	श्री के० राजामनी	एस० बी०	तकनीकी सेवाएं	फोरमैन
25.	श्री एस० जी० रेमे	एस० बी०	इंधन पुनर्योग्यता	वै० स० (सी०)
26.	श्री पी० एल० के० शास्त्री	एस० बी०	स्वास्थ्य भौतिकी	वै० स० (सी०)
27.	श्री पी० सी० मित्रा	एस० सी०	न्यूट्रान भौतिकी	वै० स० (सी०)
28.	श्री के० डी० विनायक	एस० सी०	रिएक्टर प्रवालन	फोरमैन
29.	श्री जी० एल० सी० गोनसालवेस	एस० बी०	तकनीकी सेवाएं	फोरमैन
30.	श्री वी० एस० निगुण्कर	एस० बी०	तकनीकी सेवाएं	फोरमैन

सं० ५ (५)/७८-पुष्टीकरण/१८५८—निदेशक, भाभा पर-
माणु अनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को इसके
द्वारा, १ फरवरी, १९७७ से, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
में, मौलिक रूप में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस०
बी० नियुक्त करते हैं:

क्रम सं०	नाम	वर्तमान पद	प्रभाग
१. श्री ए० आर० नायक		एस० सी०	स्वास्थ्य भौतिकी
२. श्री बी० आर० एस० गुड़		एस० सी०	केन्द्रीय वर्क- शाप
३. श्री एस० पी० मुखर्जी		एस० सी०	दृश्यभूमि एवं अंगराग अनुरक्षण अनुभाग

कुमारी एच० बी० विजयकर,
उप-स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग
रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

फलपाक्षम-६०३१०२, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० ए०-३२०१३/६/७८ आर०—परियोजना निदेशक, रि-
एक्टर अनुसंधान केन्द्र इस केन्द्र के निम्नलिखित प्रस्थायी
अधिकारियों को उसी केन्द्र में १ अगस्त, १९७८ के पूर्वाह्न
से अगले आदेश तक के लिये ६५०-३०-७४०-३५-८१०-
८० रो०-३५-८८०-४०-१०००—८० रो०-४०-१२०० र०
के वेतनमान में वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड-एस० बी० के पदों
पर असंगती रूप से नियुक्त करते हैं:—

एम० आर० जनादेनम	वैज्ञानिक सहायक 'सी'
श्री के० चंचुनायडु	फोरमैन
३. श्री आर० उमापत्तेया	फोरमैन
४. श्री के० नारायणन	फोरमैन
५. श्री बेनेडिक्ट रेयन	ड्राफ्ट्समैन 'सी'

ए० सेतमाधवन,
प्रशासनिक अधिकारी
कृते परियोजना निदेशक
रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-३, दिनांक 2 सितम्बर 1978

सं० ई० (१) ०३८९२—भारत मौसम विभाग, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के स्थानापन्थ मौसम विज्ञानी श्री ए० सदागोपन निवर्तन की आयु प्राप्त कर ३०-१०-१९७८ अपराह्न से शासकीय सेवा से निवृत्त हुए।

सं० ई० (१) ०४२८७—भारत मौसम विभाग, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के स्थानापन्थ मौसम विज्ञानी श्री बी० सुन्दरेश राव निवर्तन की आयु प्राप्त कर ३०-१०-१९७८ अपराह्न से शासकीय सेवा से निवृत्त हुये।

दिनांक 4 दिसम्बर 1978

सं० ई० (१) ००८४३—भारत मौसम विज्ञान विभाग मौसम विज्ञान के महानिदेशक के मुख्यालय के सहायक मौसम विज्ञानी श्री जी० नागराजाराव का त्याग्यन्त्र १०-५-७८ अपराह्न से स्वीकार कर लिया गया है।

जी० आर० गुप्ता,
मौसम विज्ञानी

कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1978

सं० ए० ३२०१३/१०/७७-ई०-१—महानिदेशक नागर विमानन ने इस विभाग के श्री एस० डब्ल्य० एच० जाफरी, स्थायी पुस्तकाध्यक्ष को १७-११-१९७८ (पुर्वाह्न) से छः मास की अवधि के लिए या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, इस विभाग में ६० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० के वेतनमान में मुख्य पुस्तकाध्यक्ष (समूह 'ख' राजपत्रित) पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० ३२०१३/७/७८-ई०-१—इस कार्यालय की दिनांक २२-९-७८ की अधिसूचना संख्या ए० ३२०१३/७/७८ ई०-१ के क्रम में राष्ट्रपति ने श्री एस० सी० मजुमदार उपनिदेशक को २५-१०-७८ के बाद ३०-८-७९ तक या पद पर नियमित नियुक्त होने तक, जो भी पहले हो, निदेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास एकक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सी० के० वत्स,
सहायक निदेशक प्रशासन

६ दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1978

सं० ३२०१३/५/७७-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री एच० डब्ल्य० अम्बलेर, विमानक्षेत्र अधिकारी को दिनांक २६ अक्टूबर, १९७८ से छः मास के लिए अथवा पद के नियमित रूप में भरे जाने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर विरिष्ट विमानक्षेत्र अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है। श्री अम्बलेर को नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र बमरैली (इलाहाबाद) में तैनात किया जाता है।

सं० ए० ३२०१३/६/७८-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने सिविल विमानक्षेत्र वाराणसी के श्री एन० कौशल,

सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी का दिनांक 24 नवम्बर, 1978 से सरकारी सेवा में त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 30 नवम्बर 1978
सं. ए० 32013/3/78-ई० एस०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री जे० एस० विष्ट को दिनांक 21-11-1978 से नागर विमानन विभाग के केलिब्रेशन यूनिट में रेडियो अधिकारी के पद पर स्थायी रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 1 दिसम्बर 1978

सं. ए० 32013/3/78-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक विमानक्षेत्र अधिकारियों को नागर विमानन विभाग के विमान-मार्ग एवं विमानक्षेत्र संगठन में उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से और अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में विमानक्षेत्र अधिकारी के प्रेड में नियुक्त किया है:—

क्रम सं०	नाम	तारीख	तैनाती स्टेशन
1.	श्री जे० एस० गिल	5-5-78	अमृतसर
2.	श्री ए० के० सिंहा	21-5-78	दम दम
3.	श्री वी० एस० चावला	11-7-78 अपराह्न	भोपाल
4.	श्री एस० सी० श्रीआस्तव	13-11-78	ना० वि० प्र० के० बमरोली (हलाहावाद)
5.	श्री जे० के० घासन	26-6-78	बम्बई एयरपोर्ट
6.	श्री वी० के० शराफ	10-5-78	सफदरजंग एयरपोर्ट
7.	श्री हरशरण सिंह	16-10-78	जोधपुर
8.	श्री एस० के० रस्तोगी	21-7-78 अपराह्न	उदयपुर
9.	श्री के० के० पुंज	6-5-78	नागपुर
10.	श्री जे० एस० आहुजा	11-7-78	उधमपुर
11.	श्री एस० एन० खाना	11-7-78	पोरबन्दर
12.	श्री आर० सी० कोचर	1-8-78	आगग
13.	श्री जी० एस० अहवाणी	31-5-78	बम्बई एयरपोर्ट
14.	श्री पी० वी० ए० नैयर	10-8-78	कलकत्ता एयरपोर्ट
15.	श्री शिंओ रतन लाल	8-5-78	कलकत्ता एयरपोर्ट
16.	श्री साधू सिंह	22-7-78	बम्बई एयरपोर्ट
17.	श्री वाई० के० वोहरा	19-7-78	कलकत्ता एयरपोर्ट
18.	श्री के० वी० कृष्णन	6-5-78	हैदराबाद
19.	श्री जी० जी० नसेरी	6-5-78	नागपुर
20.	श्री एस० के० माटा	23-5-78	मद्रास
21.	श्री एस० के० लाला	2-6-78 अपराह्न	पालम
22.	श्री टी० वी० रामास्वामी	6-5-78	गोहाटी
23.	श्री एस० के० हाण्डा	10-7-78 अपराह्न	गोहाटी
24.	श्री एम० एन० पार्थसार्थी	8-5-78	बम्बई एयरपोर्ट
25.	श्री वी० एल० धर	12-7-78	रायपुर
26.	श्री पी० सी० लुईस	20-6-78	मद्रास
27.	श्री एस० पी० लिक्का	18-8-78	दिल्ली एयरपोर्ट पालम
28.	श्री वी० सी० मिस्री	17-5-78	भुवनेश्वर
29.	श्री कमल कान्त	10-5-78 अपराह्न	बम्बई एयरपोर्ट
30.	श्री आशा राम	29-6-78 अपराह्न	पोर्ट ब्लेयर (लाम्बा लाईंस)
31.	श्री विलियम मिज	10-7-78	गया
32.	श्री टी० एन० सोम	14-8-78	दम दम
33.	श्री वी० पंचपकेश्वर	30-8-78	तिरुपति
34.	श्री एस० एन० बनर्जी	25-8-78 अपराह्न	पानागढ़
35.	श्री पी० आर० जादव	27-7-78	बम्बई एयरपोर्ट

1	2	3	4
36. श्री एस० एस० सिह	.	31-7-78	बम्बई एयरपोर्ट
37. श्री सी० विजयकुमार	.	26-7-78	बम्बई एयरपोर्ट
38. श्री बी० आर० ककड़	.	26-7-78	बम्बई एयरपोर्ट
39. श्री एस० एन० राय	.	28-8-78 अपराह्न	नार्थ लंबीमपुर

एस० एल० खण्डपुर
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1978

सं० ए० 32013/11/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निदेशक रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली कार्यालय के श्री के० एस० नरसिंहन, तकनीकी अधिकारी को दिनांक 10-7-78 (पूर्वाह्न) से नियमित आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया गया है और उन्हें अन्य आदेश होने तक उसी कार्यालय में तैनात किया गया है।

सं० ए० 32013/3/78-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 27-12-77 की अधिसूचना सं० ए० 32013/3/77-ई० सी० तथा 7-1-78 की अधिसूचना सं० ए० 32013/5/77-ई० सी० के अम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित तीन अधिकारियों को (जो इस समय महानिदेशक नागर विमानन के कार्यालय में सहायक निदेशक संचार के रूप में तदर्थ आधार पर कार्यरत हैं) दिनांक 13-7-78 से और अन्य आदेश होने तक सहायक निदेशक संचार के ग्रेड में नियमित रूप से नियुक्त किया गया है और उन्हें उसी कार्यालय में तैनात किया गया है।

1. श्री आर० पी० शर्मा
2. श्री एल० आर० गर्ग
3. श्री पी० एस० धूता

सं० ए० 32013/5/78-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 13-11-78 की अधिसूचना सं० ए० 32013/5/78-ई० सी० के अम में राष्ट्रपति ने श्री आर० पी० शर्मा की नागर विमानन विभाग में उपनिदेशक संचार के रूप में तदर्थ नियुक्ति की अवधि 25-10-78 से 30-8-79 तक अथवा उक्त ग्रेड में रिक्ति उपलब्ध रहने तक, जो भी पहले हो, बढ़ा दी है और उन्हें महानिदेशक नागर विमानन के कार्यालय में तैनात किया गया है।

दिनांक 4 सितम्बर 1978

सं० ए० 38012/1/77-ई० सी०—निदेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय में श्री जी० आर० वर्मा, सहायक तकनीकी अधिकारी के नियर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर 30 सितम्बर, 1978 अपराह्न से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-ई० सी०—महानिदेशक, नागर विमानन ने श्री आर० के० गुप्ता, संचार सहायक, आई०

ए० एस० अनुभाग, महानिदेशक नागर विमानन मुख्यालय को दिनांक 7-6-78 से सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया है और उन्हें उसी कार्यालय में तैनात किया गया है। यह नियुक्ति श्री पी० एल० युहमा, सहायक संचार अधिकारी के स्थान पर की गई है जिन्हें दिनांक 23-5-78 से 11-8-78 तक अर्जित सुट्रियां मंजूर की गई हैं।

सत्य देव शर्मा,
उपनिदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 27 नवम्बर 1978

सं० 1/467/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा श्री पी० व्ही० एस० एन० मूर्ति को 1 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से श्री आगमीं आदेशों सक नई दिल्ली शाखा में अस्थायी तौर पर सहायक अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

2. इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 1/467/78-स्था० दिनांक 25/10/78 को रद्द जाती है।

पा० कि० गोविन्द नायर
निदेशक (प्रशा०),
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क समाहतालिय,

पटना, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

सं० 11 (7) 2-स्थापना/78/12136—भारत सरकार वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग), नई दिल्ली के आदेश संस्था 153/78 दिनांक 22-9-78 के अनुसरण में श्री एस० आर० भट्टाचार्यी, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क प्रपु 'ए' इस समाहतालिय के सहायक समाहता, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क का कार्यभार दिनांक 27-9-78 (अपराह्न) को ग्रहण किया।

सं० 11 (7) 2-स्थापना/78/12150—मंत्रालय के आदेश सं० 79/78 दिनांक 24-5-78 के अनुसार निम्नलिखित संचार पदाधिकारी को बेतनमान रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300/- तथा रु० 100/-

प्रतिमाह की दर से विशेष वेतन पर, संचार पदाधिकारी के रूप में निम्न प्रकार कार्यभार प्रहण किया:—

नाम	पदस्थापन के स्थान	कार्यभार प्रहण करने की तिथि
1. लै० क० योगिन्द्र सिंह	मोतिहारी	14-7-78 (पूर्वाह्न)
2. विंग क० क० आर० नम्बीयर	पटना	21-6-78 (पूर्वाह्न)
3. कौ० प्रदीप विरमणी	फारबिशगंज	13-10-78 (पूर्वाह्न)
		डी० कौ० सरकार समाहिता केन्द्रीय उत्पाद, पटना

नौवहन और परिवहन मंत्रालय
नौवहन महानिदेशालय
बम्बई-400001, दिनांक 1 दिसम्बर 1978
(वाणिज्य नौवहन)

सं० 6(2)-सी० आर०-ए०/78—नौवहन महानिदेशक, विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर एतद्वारा श्री डी० पी० चटर्जी, (तदर्थे रूप में) स्थानापन्न उप निदेशक, नाविक नियोजन कार्यालय, कलकत्ता, को 31 अगस्त, 1978 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक लम्बी समयावधि के आधार पर उप निदेशक, नाविक नियोजन कार्यालय, कलकत्ता के रूप में नियुक्त करते हैं।

कौ० एस० सिधू
नौवहन उप महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 6 नवम्बर 1978

सं० 1/8/78-प्रशा०-तीन—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री कृष्ण चन्द्र गुप्त को केन्द्रीय जल आयोग में हिन्दी अधिकारी के पद पर पूर्णतया अस्थायी तथा तदर्थे आधार पर रु० 650-30-740-35-810-द० रु०-35-880-40-1000-द० रु०-40-1200 के वेतनमान में 30-10-78 से 29-4-1979 तक अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

केन्द्रीय जल आयोग में हिन्दी अधिकारी के पद पर श्री कृष्ण चन्द्र गुप्त की नियुक्ति पूर्णतया स्थानीय व्यवस्था के रूप में होगी तथा केन्द्रीय जल आयोग में नियमित

आधार पर हिन्दी अधिकारी के पद पर उन्हें दावा करने का अधिकार नहीं रहेगा।

जसवंत सिंह
अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1978

सं० 1/98/69/ई० सी०-९—इस विभाग के स्थानापन्न वास्तुक सर्वश्री एस० एस० गुप्ता और जे० पी० कृष्ण वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से दिनांक 30-11-78 (अपराह्न) को सेवानिवृत्त हो गए।

कृष्ण काम्त,
प्रशासन उपनिदेशक

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022, दिनांक 25 नवम्बर 1978

सं० 6/5/78-प्र०-२—अध्यक्ष केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा निम्नलिखित तकनीकी सहायकों/पर्यवेक्षकों/प्रधान प्रारूपकार को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (श्रेणी-2) सेवा में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के ग्रेड में उनके नामों के सामने दी गई तिथियाँ के अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न तौर पर नियुक्त करते हैं:—

1. श्री सुभाष मनचंदा, तकनीकी सहायक 30-10-78
2. श्री रमेश ब्राह्मी, तकनीकी सहायक 30-10-78
3. श्री एस० कौ० चौधरी, तकनीकी सहायक 30-10-78
4. श्री एस० एल० शोहरी, प्रधान प्रारूपकार 30-10-78
5. श्री हरबंस लाल खुराना, तकनीकी सहायक 30-10-78
6. श्री जादवा बत्ता, तकनीकी सहायक 30-10-78
7. श्री ए० कौ० चन्द्रवर्ती, तकनीकी सहायक 7-11-78
8. श्री ए० कौ० रस्तोगी, पर्यवेक्षक 1-11-78
9. श्री ज्ञान चन्द्र बग्गा, पर्यवेक्षक 30-10-78
10. श्री कौ० कौ० भट्टाचार्य, पर्यवेक्षक 30-10-78
11. श्री मोहन लाल ताहिल रमानी, पर्यवेक्षक 30-10-78
12. श्री बी० कौ० भल्ला, पर्यवेक्षक 8-11-78

दिनांक 30 नवम्बर 1978

सं० 6/11/78-प्र०-२—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, एतद्वारा श्री एस० पी० गुप्ता, तकनीकी सहायक को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (वर्ग 'ब') के अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर 28-10-78 (अपराह्न) से अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न तौर पर नियुक्त करते हैं।

संसोष विष्णुस,
अवर सचिव

उत्तरी रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1978

सं० 33—भण्डार विभाग के उत्तर रेलवे के निम्नलिखित अधिकारी उनके नाम के सामने दी गई तिथि से अन्तिम रूप से रेल सेवा से निवृत हो गए हैं।

(1) श्री बी० वी० बंसल, अपर मुख्य भण्डार नियंत्रक (निर्माण)--- 31-3-78

(2) श्री एम० एम० एम० भला, महायक भण्डार नियंत्रक, आलम बाग, लखनऊ--- 30-4-78

(3) श्री एस० के० सभरवाल—मुख्य भण्डार नियंत्रक, ---30-6-78

(4) श्री के० एल० महेंद्रा, महायक भण्डार नियंत्रक, ---31-10-78

वी० एस० धीर
कृते महान्प्रबन्धक (कार्मिक)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स मेटा क्राफ्ट्स इंजीनियरिंग प्राइवेट लिंग के सम्बंध में

जयपुर, दिनांक 28 नवम्बर 1978

सं० सांख्यिकी/1610/8389—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स मेटा क्राफ्ट्स इंजीनियरिंग प्राइवेट लिंग का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किये गए तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स महालक्ष्मी लघु उद्योग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

नागपुर, दिनांक 30 नवम्बर 1978

सं० सांख्यिकी/1084—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स महालक्ष्मी लघु उद्योग प्राइवेट लिंग का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किये गए तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जावेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स विजय लक्ष्मी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जयपुर, दिनांक 30 नवम्बर 1978

सं० सांख्यिकी/595—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर

मैसर्स विजय लक्ष्मी कम्पनी प्राइवेट लिंग का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किये गए तो रजिस्टर से काट दिया जावेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जावेगी।

रामदयाल कुरील,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री करतार सेविंग्स फन्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 28 नवम्बर 1978

सं० ए० 650/3149(2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि करतार सेविंग्स फन्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स प्रोग्रेसिव टेक्नीशियन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 28 नवम्बर 1978

सं० ए० 299/3150 (2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स प्रोग्रेसिव टेक्नीशियन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स न्यू स्टूडेन्ट्स स्टोर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 28 नवम्बर 1978

सं० ए० 218/3151 (2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स न्यू स्टूडेन्ट्स स्टोर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और के उड़ीसा एन्टरप्राइजेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 28 नवम्बर 1978

सं० ए० 469/3152 (2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उड़ीसा एन्टरप्राइजेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और के महानदी इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 28 नवम्बर 1978

सं० ए० 432/3153(2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 के अनुसरण में

एतद्वारा सूचना दी जाती है कि महानदी इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है :

डी० के० पाल,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
उड़ीसा

कम्पनी अधिनियम 1956 और सदर्ने पालि प्लास्टिक प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 1 दिसम्बर 1978

सं० 6284/560(5)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सदर्ने पालि प्लास्टिक प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्रिस्तियन म्युचुअल बेनिफिट फन्ड (कोयम्बतूर) लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 1 दिसम्बर 1978

सं० 6421/560(3)/सी० IV/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्रिस्तियन म्युचुअल बेनिफिट फन्ड (कोयम्बतूर) लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अन्ने नाडु पदिक्षेषन्स लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 1 दिसम्बर 1978

सं० 6243/560(3)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अन्ने नाडु पदिक्षेषन्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लान्डरकेप ऐवलपरस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 1 दिसम्बर 1978

सं० 6261/560(3)/सी० IV/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वा-

रा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर लान्डरकेप ऐवलपरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के० पठचापकेशन, कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और तरकानंशी श्री वर्तकाशिवृद्धी कम्पनी के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 28 नवम्बर 1978

सं० 133/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर तरकानंशी श्री वर्तकाशिवृद्धी कम्पनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एमएस वैनसा प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 29 नवम्बर 1978

सं० 2766/560/78—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एमएस वैनसा प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बोक्कोसियो एजेंसीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 29 नवम्बर 1978

सं० 2413/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बोक्कोसियो एजेंसीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० एन० गुहा,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
कर्नाटका

प्र० श्री आर्द्धा दी० एन० पृष्ठ०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली-11
नई दिल्ली दिनांक 5 दिसम्बर, 198

निर्देश सं० आर्द्धा ए० सी०/एक्य०/111/०८. आर०-11/
12-78/320—श्रतः मुझे, दी० पी० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपय से अधिक है

और जिसकी संख्या ज०-13/36 है राजीरी गार्डन, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
15-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री किरोरी राम, सुपुत्र श्री लक्ष्मी राम, (अन्तरक)
निवासी ज०-10/49, राजीरी गार्डन, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री कुलबन्द राय, सुपुत्र श्री द्वरका दाम, निवासी
गली मन्दिर वाली, भकान न० 2241-2 वैस्ट
पटेल नगर, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक दुकान तथा भकान जोकि 215 वर्ग गज क्षेत्रफल
के प्लाट पर बन हूँगा है, इसका न० ज०-13/36 है, राजीरी
गार्डन नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्वः प्लाट न०. 13/35

पश्चिमः मकान न० 13/37

उत्तरः सङ्केत तथा पार्क

दक्षिणः सर्विस लेन

डी० पी० गोयल,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखः 5-12-1978

मोहरः

प्रलूप ग्राही टी० एन० एम०---

(1) श्रीमती वरुणीसा बीबी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० पी० अबूबेकर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चीन-16, दिनांक 23 अक्टूबर, 1978

निदान सं० एल० सी० 252/78-79—यत/ मुझ, वी०
मोहनलालआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो गुरुवायूर में स्थित
है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण तृप्ति से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में, कोट्टपडी में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
2-3-1978को पूर्वोंत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा
(1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रमाणि—को यह सूचना जारी करने पूर्वोंत सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अविक्षियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत अधिकारी में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
भाग अधिकारी द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।स्थावीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधाय 20क में परिभाषित हैं, वही
पर्यायों जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

68½ Census of Land Vide document No 200/78 of SRO
Kottappadyवी० मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 23-10-1978

मोहर :

प्रकप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 दिसम्बर, 1978

निदेश ए०एस०सी/78-79/88—पता: मुझ, जी० एल० गारू आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकान प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 2309/12, बाजार रामसरण वास, अमृतसर है, तथा जो अमृतसर शहर में स्थित है (और इससे उपावन्दी अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रता: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जातः—

3-386 GI/78

(1) श्री शिव कुमार पुत्र गोवर्धन वास 5-ए०, मकान रोड, अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री राम आसरा सुपुत्र आत्म राम 59-है० लार्किट, अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त मकान में यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) यदि कोई अन्य व्यक्ति इस सम्पत्ति में हित रखता हो तो

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित रखता है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभासित है, वही अर्थ होणा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 2309/12, बाजार राम शरण दास, अमृतसर, जैसा रजिस्ट्रीकर्ता 275, अप्रैल 1978 का रजिस्ट्रीकर्ता, अमृतसर शहर

जी० एल० गारूज

सकान प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तरीख : 2-2-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

निदेश सं० एक्षी०/78-79/86—यतः मुझे, जी० एल० गालू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं० म० न० 2309/12 बजार 'रामसरण दास, अमृतसर है तथा जो अमृतसर शहर में स्थित है और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वंणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-4-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का 15 प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अमृतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती राजवती विधवा गोवर्धन 5-ए०, मकबूल रोड, अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री राम आसरा पुत्र आत्मा राम 59 हावड़े मार्किट अमृतसर

(अन्तरिती)

3 श्री/श्रीमती/कूमारी उपरोक्त यदि कोई किरायदार हो तो ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4 श्री/श्रीमती/कमारी और यदि कोई अन्य व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

उपर्योक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में तथा परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 2309/12 बजार राम सरण दास, अमृतसर जैसा रजिस्ट्रीकर्ता नं० 273 अप्रैल, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अमृतसर शहर में है।

जी० एल० गालू
सक्रम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 2-12-78

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० एक्सी० /78-79/87—यतः मुझ, जी० एल०

गारु

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि इथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान नं० 2309/12 बाजार राय सरण
दास, अमृतसर है तथा जो अमृतसर शहर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 18-4-1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;श्रृः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) चिमन लाल सुपुत्र
रोड, अमृतसर
(अन्तरक)(2) श्री राम आसरा सुपुत्र आत्मा राम 59-हाईड
मार्किट, अमृतसर
(अन्तरिती)(3) उपरोक्त मकान में यदि कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
में सम्पत्ति है)(4) यदि कोई अन्य व्यक्ति सम्पत्ति में इसी रखता हो तो
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2309/12, बाजार राय सरण दास, अमृतसर
जैसा रजिस्ट्रीकर्ता 274, अप्रैल, 1978 की रजिस्ट्रीकर्ता
अमृतसर शहर में है।जी० ल० गारु
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, अमृतसर

तारीख : 2-12-1978

मोद्दूर :

प्रकाश प्राईंटो एनो एसो—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वाँ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 नवम्बर, 1978

निदेश सं० सी०एस०डी०/112/77-78—प्रतः मुझे,
नथू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1001 वर्ग गज है तथा जो नं० 2168 सैक्टर, 15 सी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारीण के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए प्रोत्तरा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269 वा० के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269वाँ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जात्—

(1) श्री सन्त सिंह बरार पुत्र श्री इन्द्र सिंह वकील मुकतरसर द्वारा श्री सुखदर्शन सिंह वासी गांव छाकधर 60-बी०, ईलीग्राम आक्सिस, श्री-करणपुर (राजस्थान)

(अन्तरक)

(2) श्री हरबन्स सिंह पुत्र श्री सन्त सिंह, वासी मकान नं० 228, सैक्टर 9 सी०, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षता की पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 21689, सैक्टर 15 सी०, चण्डीगढ़, जिसका क्षेत्रफल 1001 वर्ग गज है।

(आपदाव जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1344, मार्च, 1978 में दर्ज है)।

नथू राम,
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-11-1978

मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निदेश सं० सी एच० डी०/121/77-78—अतः मुझे, नत्यू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन सम्बन्धिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 305, सैक्टर, 21-ए, चण्डीगढ़ जिसका क्षेत्रफल 500.5 वर्ग गज है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है ('और इससे उपबाल अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ('और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है 'और अन्तरक (अन्तरकों) 'और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृत्तस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसारण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवधियों अनुसूचि—

(1) श्री गत भूषण कोशिल पुत्र बनारसी दास वासी 1 सैक्टर, 26, चण्डीगढ़

(अन्तरिक)

(2) श्री गुरदियाल भसीन पुत्र श्री जीवन दास भसीन वासी 1162, सैक्टर 21-बी०, चण्डीगढ़

(अन्तरिक)

(3) श्री डी० सी० बन्दा (किरायदार) कोठी नं० 305, सैक्टर 21-ए०, चण्डीगढ़

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सिये कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षिय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य अविक्षिय द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रमुख शब्दों प्रौढ़ों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 305, सैक्टर 21-ए०, चण्डीगढ़

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० 1441 मार्च, 1978 में दर्ज है।

नत्यू राम
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10 नवम्बर, 1978

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 1 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एल० डी० एच०/138/77-78—अतः मुझे,
नन्दू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'चक्रता अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 10 कनाल 8 मरले
हैं तथा जो गांव भैरो मशा तहसील लुधियाना में स्थित है
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी प्राय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के प्रधीन कर देने के प्रस्ताव
के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना आवृद्धि या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की
उपलब्धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात् ।—

(1) श्री मलकीत सिंह पुत्र श्री धर्म सिंह व श्री अमरीक
सिंह पुत्र श्री कर्म सिंह वासी गांव भैरो मशा
तहसील लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री दर्शन कुमार श्रीसवाल पुत्र श्री रत्न चन्द्र
श्रीसवाल वासी 534-वी०-19, कालज रोड,
लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकेपें:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

उपर्युक्त रूप :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-का में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय
में दिया गया है।

मनुष्यों

कृषि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 10 कनाल 8 मरले हैं
और जो गांव भैरो मशा, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या 6524 मार्च, 1978 में दर्ज
है)।

(नन्दू राम)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 1 नवम्बर, 1978

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निदेश सं० एल० डी०एच०/352/77-78—अतः मुझे
नत्यू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० दुकान जिसके प्लाट का क्षेत्रफल 40.1/2 2 वर्ग गज है तथा जो चौड़ी सड़क लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावन्द श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पम्बूँह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को दावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-व की संपर्का (1) के पश्चीन निम्नलिखित अन्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्री अमरनाथ सूद पुत्र श्री दुनी चन्द, वासी चौड़ी सड़क, लुधियाना (अन्तरक)

(2) सर्वश्री राधेशाम गिरधर गोपाल पुत्र श्री प्रेम सागर वासी 780, लक्ष्मण बाजार, लुधियाना (अन्तरिती)

(3) मे० ज्योति प्रशाद प्रेम सागर चौड़ी सड़क लुधियाना (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान जिसके प्लाट का क्षेत्रफल 40.1/2 वर्ग गज है और जो चौड़ी सड़क, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 3864, मार्च, 1978 में दर्ज है)।

नत्यू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10 नवम्बर, 1978

मोहर:

प्रृष्ठ प्राइंटी टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 1 नवम्बर 1978

निदेश सं० एल० डी० एच० /389/77-78—अतः मुझे,
नत्यू रामआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लाट नं० 4 बी० जिसका क्षेत्रफल 367 वर्ग
गज है तथा जो इंडस्ट्रीअल एरिया 'ए' लुधियाना में स्थित
है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में आंग पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
मार्च 1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे समतरण के
लिए तथा याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक हर पे कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी दून या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में
सविष्ठा के लिए;अतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269प की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—(1) श्रीमती कुसुम लता पति श्री कैलाश कुमार
वासी बी-9-1061, संगलांवाला शिवाला रोड,
लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री बृज रत्न पति श्री मंगल चन्द मारफत मैसर्ज
अगरवाल बूल ट्रेडर्स, औड़ी सड़क, सुनेहरी
गुरद्वारा, लुधियाना। (अन्तरिती)को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में
से किसी अविक्त द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी मन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताधरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अधीन आयकर अधिनियम, 20-क में परि-
भासित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अमृतजूली

प्लाट नं० 4 बी, जिसका क्षेत्रफल 367 वर्ग गज है
और जो इंडस्ट्रीअल एरिया 'ए' लुधियाना में स्थित है।(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या 4351, मार्च, 1978 में
दर्ज है)

नत्यू राम

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 1 नवम्बर, 1978

मोहर :

प्रस्तुति आई ० टी० एन० पृ० ०—

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निदेश सं० एल० डी०एच०/394/77-78—म्रतः मुझे,
नस्थू राम

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट जिसका क्षेत्रफल 450 वर्ग गज है तथा जो प्लाट नं० 15-ए०, साराभा नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तेश से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी माय की बादत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः प्रब, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के प्रमु. सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ष को उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—

4-386GI/78

(1) श्री गुरनाम सिंह पुत्र श्री बहादुर सिंह वासी 38-ई, साराभा नगर, लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्री ममदूर सिंह पुत्र भगवान सिंह वासी गांव नारंगवाल, तहसील, लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी मान्यता:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं वही अर्थांदोगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 450 वर्ग गज है और जो प्लाट नं० 15-ए०, साराभा नगर, लुधियाना में स्थित है।

(जायदावा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के बिलेख संख्या 4396, मार्च, 1978 में दर्ज है)।

नस्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10 नवम्बर, 1978

मोहर:

प्रृष्ठ प्राई-टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 1 नवम्बर 1978

निदेश सं० एल० डी०एन०/403/77-78—प्रतः मुझे,
नर्थू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी ने यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ०
से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद नं० बी०-4-333 है तथा जो
बाजार साराफा, लुधियाना में स्थित है (और इसे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च
1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिकल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पश्चात्
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त प्रतिशत लिखित में
वास्तविक रूप में करित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या उम्म्य आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, दिपाने में विषय के लिये;

प्रतः आय, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशासा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्ज हुकमी मल शाम लाल द्वारा श्री हरि चन्द,
एन०-९० गरेटर कैलाश, नई दिल्ली-४८।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रशोत्तम लाल पुत्र श्री अमर नाथ, ऊंची
गली, कुच्चा शिवदयाल, लुधियाना।
मार्फत मै० पिशीरी लाल अमर नाथ सराफा बाजार
लुधियाना।

(अन्तरिती)

(3) (1) श्री सन्त राम (2) मैसर्ज कृष्ण चन्द
रत्न चन्द व (3) श्री बेंद्र प्रकाश मारफत दुकान
नं० बी०-४-३३३, बाजार साराफा, लुधियाना।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है।)

को पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवादियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रार्थना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमुमूल्य

जायदाद नं० बी०-4-333 का भाग जो बाजार साराफा
लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या 4450, मार्च, 1978 में दर्ज
है।)

नर्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 1 नवम्बर 1978

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई• टी• एन• एस•

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निदेश सं० एल०डी०एच०/404/77-78—ग्रतः मुझे, नत्यू राम

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० बी०-4-333 का भाग जिसका क्षेत्रफल 43 वर्ग गज है तथा जो बाजार साराफा, लुधियाना में स्थित (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के अधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी छन या ग्राम्य प्रास्तियों को जिन्हे भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यदि उक्त प्रधिनियम की धारा 269 के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व (1) की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवधियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स हुकमी मल शाम लाल द्वारा श्री फैसल पुत्र श्री शाम लाल एन०-१० गरेटर कैशाण, नई दिल्ली-४८

(अन्तरेक)

(2) श्री अमर नाथ पुत्र श्री राम चन्द वासी समराला रोड, मुहल्ला हरबन्स पुरा, लुधियाना मारफत मैसर्स पिशीरी लाल अमर नाथ, साराफा बाजार, लुधियाना

(अन्तरिती)

3. (1) केनहिया लाल ठाकुर, (2) अमृत लाल, (3) मैसर्स कुल्हण चन्द रत्न चन्द, (4) श्री बेद प्रकाश मारफत दुकान नं० बी०-४-३३३, साराफा बाजार, लुधियाना

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह सूचना जारी होने पर्याप्त समय अन्तरित के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तारीफ से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्राम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हथज्ञकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के ग्राम्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्राम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० बी०-४-३३३ का भाग जिसका क्षेत्रफल 43 वर्ग गज है और जो बाजार साराफा, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 4451, मार्च, 1978 में दर्ज है)।

नत्यू राम

सक्षम अधिकारी,

सहायक ग्रायकर ग्रायूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 नवम्बर, 1978

मोहर :

प्रह्लप प्राई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निदेश सं० एल०डी०एच०/410/77-78—अतः मुझे,
नत्यू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 4-ए० जिसका क्षेत्रफल 517. 2/3 बर्ग गज है तथा जो हॉस्टिलयल एरिया 'ए' लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतरण लिखित में आस्तकिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के प्रधीन कर देने के प्रतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या ब्रन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ना के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्री कैलाश कुमार पुत्र श्री सत प्रकाश, वासी बी-9, 1061 शिवाला संगला बाला रोड, लुधियाना (अन्तरक)

(2) श्री बहू दत्त पुत्र श्री मंगल अन्द मारफत मैसर्स अगरवाल बल ट्रेडर्स, चौड़ी सड़क, सुनहरी गुरदारा, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 517. 2/3 बर्ग गज है और जो हॉस्टिल एरिया 'ए' लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 4558, मार्च, 1978 में डर्ज है)।

नत्यू राम
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 नवम्बर, 1978

मोहर :

प्रकृप माई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निदेश सं० एल०डी०एच०/69/78-79—ग्रतः मुझे, नथू
राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट जिसका क्षेत्रफल 203.7/9 वर्ग
गज है तथा जो तर्फ पिछबन्दा, तहसील लुधियाना में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख, अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
जहेप्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की
उपचारा (1) के प्रवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथात् :—

(1) श्री प्रेम प्रकाश पुत्र श्री हरिराम, मकान नं०
बी० 3-369, पुराना बाजार, लुधियाना
(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी राम पुत्र श्री करतार चन्द्र, मारकत
मैसर्स गाइड इलैक्ट्रीकल कम्पनी, सावन बाजार,
लुधियाना
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 203.7/9 वर्ग गज है और जो
तरक पीछबन्दा, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या 2001, अगस्त, 1978 में दर्ज
है)।

नथू राम
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 नवम्बर, 1978

मोहर :

प्रारूप प्राई-टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निदेश सं० सीएच०डी०/46/78-7.9—अतः मुझे, नत्यू
राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-म० से अधिक है,

और जिसकी सं० मकान नं० 20, सैक्टर 2-ए०, है तथा जो
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1908 का
16) के अधीन तारीख मई, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (मास्टरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत अक्षत अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्य में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों पर्यात्:—

(1) श्रीमती चान्द रानी पत्नी श्री के० सी० धूपा
व श्रीमती कृष्णा वती गोपाल पुत्री श्री के० सी०
धूपा, वासी 12/26, पंजाब एग्रीकलचर, यूनिवर्सिटी
कैम्पस, लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्रो मोहिन्दर सिंह गिल पुत्र श्री अर्जन सिंह गिल
20, सैक्टर 2-ए०, चण्डीगढ़

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी अक्षियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों
में से किसी अक्षियि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अक्षियि द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 20, सैक्टर 2-ए०, चण्डीगढ़
(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 157 मई, 1978 में दर्ज है)

नत्यू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 10 नवम्बर 1978

मंत्री:

प्रस्तुप प्राई. टी. एन. एस.---
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269वा (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक
रोहतक, दिनांक 7 नवम्बर 1978

निदेश सं० बी० जी० प्रार०/39/77-78—अतः मुझे,
रवीन्द्र कुमार पठानिया

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269वा
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है
से अधिक है

और जिसकी सं० श्रीयोगिक प्लाट नं० 78, सैकटर 6, है तथा
जो करीदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 78
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-
फल के लिये अस्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(क्ष) ऐसी किसी प्राय या किसी बन पा अम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
बाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः पर, उक्त प्रधिनियम की भारा 269वा के अनुसार भी
ने, उक्त प्रधिनियम की भारा 269वा की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मै० अलाइड इंडस्ट्रीजल सिडीकोट 138, कैनिंग
स्ट्रीट, कलकत्ता
(अन्तरक)

(2) मै० बरमेको फैब्रीकेट्र्ज, 19, इण्डस्ट्रियल एरिया
फरीदाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त माननि के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में या परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रमुखसूची

इण्डस्ट्रीयल प्लाट नं० 78 सहियत बिल्डिंग, सैक्टर,
6, फरीदाबाद और जिसका क्षेत्रफल 5000 वर्गगज है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता बलबगड़ के कार्यालय में
रजिस्ट्री क्रमांक 5502 मास मार्च 78 पर दर्ज है।)

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सकाम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 7-11-1978
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 नवम्बर 1978

निदेश सं० बी० जी० आर०/41/77-78—अतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बी० पी० नं० 49, एन० एच०-। है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बलबगड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रमत्तरक (प्रत्तरक) और प्रमत्तरिती (प्रत्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमत्तरण के लिए तथा पाया या प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमत्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रमत्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्तरक के वायित्व मेंकमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाय अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ब की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रति:—

(1) मैं० ओरिएंटल स्टील तथा इंडरट्रीज लि०, कलकत्ता, मार्फत श्री आर० के० राजगरिमा, डायरकर

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती शकुन्तला देवी, पत्नी श्री मांगे राम,
(2) श्री सूरज नाथ पुत्र श्री ईश्वर दास
(3) श्री चन्द्र पुत्र श्री अमर नाथ निवासी
एन० आई० टी० फरीदाबाद,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी वाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीज से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी पलाट नं० 49, ए० एस०-१ फरीदाबाद और जिसका क्षेत्रफल 1200 वर्ग गज है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता बलबगड़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 5789 मास मार्च, 78 पर वर्ज है)

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्ति, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 7-11-1978

मोद्दर:

प्रत्येक धारा ३० टी० एन० एस०-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 नवम्बर 1978

निदेश सं० बी० जी०आर०/42/77-78—अतः मुझे,
रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
पारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका अंतिफल 249 कनाल 19
मरले है तथा जो ग्राम कबूलपुर खादर पट्टी महताब में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लबगढ़
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक (अन्तरिकों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धर्म पा अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय धारा कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धर्म-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावधि
अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रत्येक उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपस्थाना (1)
अधीन निम्नलिखित अन्यतयों, अर्थात् :—

5-386 GI/78

(1) सर्वेश्वी नारायणदास, अर्जन देव, युधिष्ठिर लाल
पुत्रान श्री परमा नन्द निवासी डल्लू-17, राजीरी
गाँड़न नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) सर्वेश्वी प्रताप सिंह, भोहिन्द्र सिंह, गजराज सिंह,
आनन्द सिंह, पुत्रान श्री दाल चन्द निवासी अमीना-
बाद उर्फ नियाणा (पू० पी०)

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रधायाय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका रकबा 248 कनाल 19 मरले है और
जो ग्राम कबूलपुर खादर पट्टी महताब में स्थित है।

(सम्पत्ति जिसे कि रजिस्ट्रीकर्ता बल्लबगढ़ के कार्यालय में
रजिस्ट्री अमांक 5838 मास मार्च, 78 पर
दर्ज है) ।

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 7 नवम्बर, 1978

मोहर :

प्रलूप आई० ई० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, योहतक
रोहतक, दिनांक 7 नवम्बर 1978

निवेश सं० एल०एच०आर०/1/78-79—अतः मुझे, रवीन्द्र
कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि 208 कनाल है तथा जो गांव
मोहता तह० लोहारू में स्थित है (और इससे पाबद्ध अनुसूची
में शीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, लोहारू में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री नारायण दास पुत्र श्री भोजा राम निवासी
राम पुरा टाउन शिय मुख्यारे आम श्री वेद प्रकाश
(2) श्रीमती विद्या रानी पुत्री श्रीमती बसन्ती
बाई (3) श्रीमती बसन्ती बाई विद्यावा श्री
दीदा राम निवासी गांव मोहता तह० लोहारू,
जिला भिवानी

2. सर्वश्री उम्पैद सिंह, मनभर वा अन्तराम पुत्रान
श्री तीता राम, श्री रणसिंह, श्री धनसिंह व महा
सिंह पुत्रान श्री हेतु राम निवासी गांव मडान
तह० भिवानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
विवित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 208 कनाल है और जो
गांव मोहता तह० लोहारू जिला भिवानी में स्थित है।

'सम्पत्ति जिसे के रजिस्ट्रेशन नं० 7 में दी है और जो
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लोहारू के कार्यालय में अप्रैल, 1978
को लिखी गई'

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 7-11-1978

मोहर:

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 नवम्बर 1978

निदेश सं० टी एच एन/10/78-79:—अतः मुझे, रवीन्द्र
कुमार पठानिया,ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति; जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० कुषि भूमि 155 कनाल 17 मरला है तथा जो
गांव भूमा तहिं टोहाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
टोहाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1808 का 16)
के अधीन, तारीख अप्रैल, 1978पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीत्र ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी भाय या किसीधन या अन्य आस्तियों
को जिसके सारीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा; (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—1. श्रीमति राम दिती पुत्री श्री हरी राम निवासी गांव
भूमा तहिं-टोहाना जिला हिसार।

(अन्तरक)

2. सर्वे श्री राजेन्द्र बजीर सिंह, हरी सिंह, महेन्द्र पुत्रान श्री
शेर सिंह, श्री शेर सिंह, रामजी लाल, दलीप सिंह पुत्रान
श्री भागीरथ श्री पिरथी सिंह, सतवीर पुत्रान श्री धर्मपाल
निवासी गांव बैजल पुर तहिं टोहाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।इष्टोकरण :—इसमें प्रपुत्र शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 155 कनाल 17 मरला जो गांव
भूमा तहिं टोहाना जिला हिसार में स्थित है।"सम्पत्ति जैसे रजिस्ट्रेशन नं० 65 में दी है और जो रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी टोहाना के कार्यालय में 17-8-1978 को लिखा
गया"।रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख : 7-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० ई० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, सोनीपत रोड रोहतक
रोहतक, दिनांक 7 नवम्बर 1978

निवेश सं० रोहतक/दिल्ली/17/78-79:—यतः मुझे,
रवीन्द्र कुमार पठानिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानवर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 177-एल० है तथा जो माडल टाउन,
रोहतक में स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मई, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम आ
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

1. सर्व/श्री राकेश कुमार शर्मा, राजेश कुमार शर्मा पुष्टान
श्री वलायती राम शर्मा दुबारा मदन लाल सूबन
निवासी 176-एल०, माडल टाउन, रोहतक।
(अन्तरक)

2. श्री हन्स राज पुत्र श्री शन्मील दास, 44-ईस्ट एवेन्यू,
पंजाबी बाग, दिल्ली।
(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानवर सम्पत्ति में हिस्बद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास
लिखित म किए जा सकें।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 177-एल जो माडल टाउन रोहतक में स्थित
है।

"सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं० 268 में दी है और जो
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दिल्ली के कार्यालय में मई, 1978
को लिखी गई"

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 7 नवम्बर, 1978।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 नवम्बर 1978

मिदेश सं० एच० एस० आर०/1/78-79:—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कुपि भूमि जिसका क्षेत्रफल 210 कनाल है तथा जो ग्राम कैमरी, तहसील तथा जिल हिसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृत्त अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए तथा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के मनु सरज में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षितों, अर्थात् ।—

1. श्री सहदेव आर्य, बकील, हिसार, (2) सर्वश्री तिरलोक चन्द, जयदेव, सत्य पाल, आनन्द देव पुत्रान श्री फते चन्द निवासी हिसार।

(अन्तरक)

2. श्री अमर सिंह पुत्र श्री लब्बील दास निवासी हिसार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुपि भूमि जिसका रकबा 210 कनाल और खेबर नं० 7 मिन व 71 खातुनी नं० 21 व 110-111 और जोकि ग्राम कैमरी, तहसील हिसार में स्थित है।

(सम्पत्ति जिसे कि रजिस्ट्रीकर्ता हिसार के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 302 मास मई, 78 पर दर्ज है)।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 7 नवम्बर, 1978।

मोहर:

प्रस्तुत श्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर शायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास
मद्रास, दिनांक 17 नवम्बर 1978

निदेश सं० 6168:—यतः मुझे, टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 24/सी, है जो धिरी रोड, टी० नगर, मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (डाकूमेंट सं० 273/78)। मैं भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 क 16) के अधीन, तारीख की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पातः:—

1. सर्वेश्वरी शार० प्रसाद और वी० रादाकृष्णन।
(अन्तरक)
2. कुमारी एन० सत्यवती।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर—24/सी०, धिरी रोड, टी० नगर, मद्रास-17

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर शायक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 17 नवम्बर, 1978।

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 नवम्बर 1978

निवेदा सं० 6178:—यतः मुझे, टी० वी० ए० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपय से अधिक है

और जिसकी सं० 3/16ए० है, जो मौट रोड, मद्रास-2 (भाग) में स्थित है (और इससे उपावश्च में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिपुलिकेन, मद्रास डाकूमेंट नं० 215/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थति:—

1. श्री श्रीडरनीस आफ दि बनिफिषियरीस आफ लेट टी० टी० ईडालिया ।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री म्यूसी म्यूसिकलस ।

(अन्तरिती)

3. सर्वश्री म्यूसी म्यूसिकलस ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

रजिस्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और घर—3/16ए, मौट रोड, मद्रास-2 (भाग) ।

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 12 नवम्बर, 1978

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास
मद्रास, दिनांक 13 नवम्बर 1978

निदेश सं० 6119:—यतः, मुझे, टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 5 और 6 आफ सं० 5, है, जो घीमस् रोड, मद्रास-6 (1/5 भाग) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेवापैटै (डाक्मेंट सं० 219/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए काय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रमुखरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. श्री राम मुरगेस नायकर, 2. राम तिहानाकखरमु
और 3. राम आनंदन और 4. टी० गोविन्दस्वामि ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० जे० वरडन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकृताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

प्रष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा जो उस प्रध्याय में विद्या गया है ।

अनुसूची

भूमि और धर—प्लाट सं० 5 और 6, आफ सं० 5, घीमस् रोड, मद्रास-6 ।

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास ।

तारीख: 13 नवम्बर, 1978

मोहर:

प्रस्तुत शार्ट० टी० एन० एस —————

(1) श्री एम० एस० सरवेस्वरन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री जयप्रकाश और अमरथन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 नवम्बर 1978

निदेश सं० 8156:—यतः, मुझे, टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 54 और 54 विस है, जो बारती स्ट्रीट, पांडिचेरी में स्थित है (और इससे उपांगद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, पांडिचेरी (डाकूमेंट सं० 631/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह ग्रन्थि अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और घर—54 और 54 विस बारती स्ट्रीट, पांडिचेरी (डाकूमेंट सं० 631/78)।

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 13 नवम्बर, 1978

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज II, मद्रास
 मद्रास, दिनांक 13 नवम्बर, 1978

निदेश सं० 6164—अतः मुझे टी० वी० जी० कृष्ण-
 मूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
 मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है जो सीतानन्दमेयिन रोड मद्रास
 34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
 रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
 तियाकरायनगर मद्रास (डाकूमेंट सं०-265/78) में
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
 अधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
 दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमाणित की गई है और
 मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
 का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
 प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (प्रमाणितों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
 अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
 से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कायित नहीं
 किया गया है।—

(क) अन्तरण से हृदि किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
 बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोगनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए

प्रदः प्रदः; उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
 में, वे; उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री एम० एस० महाडेवन और महाडेवन अशोक
 (अन्तरक)

2 श्री भार० नवाश हुसैन।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्समंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोइस्ताकारी के
 पास लिखित में किए जा सकें।

स्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही पर्व होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

भूमि और घर-3, सीतानगर, मेयिन रोड, मद्रास-34।
 टी० वी० कृष्णमूर्ति,

स्वाम प्रधिकारी
 सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख : 13-11-1978

मोहर :

प्रख्य धार्य० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 च(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० 4-119/ गोहाटी 78-79/6253-54—अतः
मुझे राजेन्द्र नाथ बरा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पात्रता 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन
संक्षेप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० दाग नं० 569 के० पट्टा नं० 113
है तथा जो गांव जाफरीगंज सोजाबेला तो गोहाटी आसाम
में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
गोहाटी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 4-4-1978 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के सिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत
से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरि-
तियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल,
विभन्नतिकृत उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
वर्णित नहीं किया गया है।—

(क) प्रस्तरण से मुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी व्याय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा(1) के
अधीन, विभन्नतिकृत अविस्तरों, प्रथात्:—

(1) श्री जिला कान्त शर्मा बरदालई, सैक्रेटरीएट
का विस विभाग।

(प्रन्तरक)

(2) मैसर्स खेमका बायर हाउसिंग कारपोरेशन, विस-
पुर गोहाटी। (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हू।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अधाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 9 बीघा जो जाफरीगंज मौजा गांव, बेल-
तोला गोहाटी, उल्लूबारी के निकट, जी० एस० रोड काम-
रूप जिला असम में स्थित है।

राजेन्द्र नाथ बरा,
संक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II शिलांग

तारीख: 26 दिसम्बर 1978
मोहर:

प्रस्तुप धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए-198/जे आर टी०/78-79/6246-48—अतः
मुझे राजेन्द्र नाथ बरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दाग नं० 579, 574 और 2815 पट्टा नं० 252, 486 और 297 है तथा जो ए० टी० रोड, जोरहाट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय असम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-5-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के लायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री इन्द्राचन्द्र बोधरा, ए० टी० रोड, जोरहाट।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री बंशी धर अग्रवाल, ए० टी० रोड, जोरहाट,

(3) श्री प्रेमसुख खेतन, ए० टी० रोड, जोरहाट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादित्यां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्रावेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को प्रवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य अन्तरिती द्वारा, अन्तरिती के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 3 कट्ठा 10 $\frac{1}{3}$ ल० दो तल्ला आर० सी० सी० मकान के साथ जो ए० टी० रोड, जोरहाट में स्थित है।

तारीख: 2-12-1978

मोहर:

राजेन्द्र नाथ बरा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, शिलांग

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्यापा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० प्रा० अर्जन—यतः मुझे, हरी शंकर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की व्यापा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है

और जिसकी सं० — है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 अप्रैल, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः प्रब उक्त अधिनियम की व्यापा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की व्यापा 269-घ की उपव्यापा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, पर्याप्तः—

(1) बसन्ती लाल अग्रवाल, ई-168 मस्जिद मठ, निगर प्रेटर कैलाश, पार्ट 2, एक्सटेंशन स्कीम, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री राधामोहन अग्रवाल, 632 बिहुड़न्ड चान्दी की टकसाल, जयपुर।
(अन्तरिती)

(3) श्री बलदेव गोस्वामी, बी-204, बापूनगर, जयपुर (किरायदार)
(वह अवित्त जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी-204, बापूनगर, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रमांक 995 दिनांक 29-4-78 में पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर,
समक्ष प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 8 नवम्बर, 1978

मोहर :

प्रख्य प्राई० टी० एन० एस०—---

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निर्देश सं० राज०/सह० आ० अर्जन०—यतः मुझे हरी शंकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सभी प्रायिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० — है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 अप्रैल, 1978

को पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में रखित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसार में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवार्त:—

(1) श्री बसन्ती लाल अग्रवाल, ई-168 मस्जिद मठ, नियर ब्रेटर कैलाश पार्ट 2 एक्सटेंशन, न्यू दिल्ली-48। (अन्तरक)

(2) श्री ओ० पी० गुप्ता, बी-204, राजेन्द्र मार्ग, बापूनगर, जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अधीन के लिए कार्यालयाद्वारा है।

उक्त संपत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिद्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु किसी भी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी-204, बापूनगर, जयपुर का हिस्सा जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रमांक 1006 दिनांक 29 अप्रैल, 1978 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख: 8 नवम्बर, 1978
मोहर।

प्रकरण प्राइंटी० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन—यतः मुझे, हरी
शंकरभायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० 4343 है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपांच अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 8 मार्च, 1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बदत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का अम्ब आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—(1) श्री इन्द्र चन्द्र पुत्र खूब चन्द्र जैन, ओस्याल
निवासी गांधी चौक देहली, वर्तमान में नथमलजी का घेर,
जयपुर ।
(अन्तरक)(2) श्री मोती लाल पुत्र छोट लाल जैन, खजुङ्डिलालों
का रास्ता, जयपुर ।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी अविस्त द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

लिखित:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 4343 चौकड़ी घाटगेट, रास्ता पुरानी
कोलवाली, जयपुर के ग्राउन्ड फ्लोर एवं फ्लर्ट फ्लोर का
भाग जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 488 दिनांक
8 मार्च, 1978 पर पंजिकद्वारा विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है ।हरी शंकर,
सकाम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 8 नवम्बर, 1978

मोहर :

प्रकृत प्राई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन—यतः मुझे, हरी
शंकर
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा
269वाँ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4343 है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269वा० के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269वा० की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, प्रतीक्षा—

(1) श्री हन्दर चन्द्र पत्र खबर चन्द्र ओसवाल निवासी चांदनी
चौक देहली वर्तमान में नथमलजी का घर, जयपुर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती विमला देवी धर्मपति श्री मोती लाल
रास्ता खंजड़ेवालों का, चांदपोल बाजार, जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी अवित्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों
में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

मकान नं० 4343 चौकड़ी घाट गेट रास्ता पुरानी कोत-
वाली का दूसरी एवं तीसरी मंजिल जो उप पंजियक जयपुर
द्वारा क्रम संख्या 487 दिनांक 8 मार्च, 1978 पर पंजिबद्ध
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 8 नवम्बर 1978

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 8 नवम्बर 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन—यतः मुझे, हरी
शंकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और
इससे उपायदृ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 2 मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उत्तर से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित
नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से दूर्दि किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भ
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपस्थाना (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात् ।—

7—386GI/78

(1) श्री नरेन्द्र सिंह पुत्र श्री प्रताप मिहू, राजपूत,
सुरजपोल बाजार, उदयपुर। (अन्तरिक)

(2) श्री बाल किशन पुत्र हीरा लाल तेली, तेलीपाड़ा
उदयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरात्मी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन का अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अस्तरकी द्वारा अप्पोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आवासीय मकान नं० 3 का भाग, सरस्वती मार्ग,
सुरजपोल के बाहर, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर
द्वारा अन्तरिक 401 दिनांक 2 मार्च, 1978 पर पंजियक
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 8 नवम्बर, 1978

मोहर:

प्रूप ग्राई० ठी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत-सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन—यतः, मुझे, हरी शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इष्टके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 23,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 31-ए है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति लिखित में वास्तविक रूप से कथित न किया हो गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्तियों, को जिस्ते भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

1. श्री नरेन्द्र सिंह पुत्र प्रताप सिंह राजपूत, सूरजपोल बाजार, उदयपुर (अन्तरक)
2. श्रीमती प्रतिभा रानी पत्नि श्री नरेन्द्र सिंह राजपूत निवासी भगवतप्रकाश, सूरजपोल के बाहर, उदयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए रायकाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई शोषण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अवधि द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

प्राप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

31-ए, सरस्वतीमार्ग, उदयपुर में स्थित दो दुकानें जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रमांक 488 दिनांक 14 मार्च 1978 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

हरी शंकर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 8 नवम्बर, 1978
मोहर :

प्रकृष्ट ग्राही टी० एन० ए००—

(1) श्री सुखदेव दास बाहाति । (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्रीमती इन्दुमति पारिक । (अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० ए० सी०-४/अर्जनरेंज-IV/कल०/७८-७९—प्रतः, मुझे, एस० के० दासगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 111 है तथा जो ब्लाक 'सी', बांगुर एवेन्यु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और पन्तरक (अन्तरकों) और प्रत्तरिती (प्रत्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय वा किसी धूत वा अन्य ग्रासितियों को जिस्में भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा अन्न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए।

प्रतः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, वर्णतः:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं०-111, 'सी' ब्लाक, बांगुर एवेन्यु, कलकत्ता-53 में स्थित 6 कट्टा 8 छाटाक जमीन, साथ अंशन एक मंजिला अंशत दो मंजोला मकान के सब कुछ जैसे के दलित सं० 1493, दि० 18-3-78 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16
54, रफी अहमद किल्वाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 10-11-1978

मोहर:

प्रकाश आई० टी० एम० एस० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 नवम्बर 1978

निर्देश सं० ए० सी०-४२/अर्जन रेज-IV/कल०/७८-७९—
अतः, मुझे, एस० के० दासगुप्ता

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो मौजा ओक्स, थाना,
जोरा बांगलो, जिला दार्जिलिंग में स्थित है (और इससे
उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-३-१९७८
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या पन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाव
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपकारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविवादी, अवार्त्ता :—

1. रानी टिकाकुमारी देवी। (अन्तरक)

2. मेसर्स सुमन प्लाइवुड हॉल्ड्सीज लि०। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी अविक्षयों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षयों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
पन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

वि ओक्स० टि एस्टेट के नाम से परिचित खाये बागिचा,
मौजा ओक्स परगणा, सोनावा, थाना—जोरा बांगलो, जिला
दार्जिलिंग के 423.19 एकड़ जमीन के सब कुछ साथ सब
मेस्युजेस, बांगलो तथा अन्य स्ट्रक्चर्स जो सब उस खाय
बागिचा के अंग हैं जैसे कि दलिल सं० 1438 दि०
15-३-१९७८ में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता
54, रफी अहमद किल्ड्वड रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 15-11-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

60/61 एरंडवना, कवे रोड़,

अर्जन रेंज, पूना 411004

पूना-411004, दिनांक 9 नवम्बर 1978

निर्वेश सं० सी० ए० 5/हवेली-१/जुलाई, 78/373—ग्रतः, मुझे, श्रीमति पी० ललवानी

ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या 6, सी० स० क० 2-बी०, एरंडवना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावन ग्रन्ति सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय हवेली-१ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्कह प्रतिक्रिया प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की वावन उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चे में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या ग्रन्थकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ष के अनुसरण में, मे, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवाह—

1. श्री गोविन्द आत्माराम धोपेस्टी वर्कमेन टॉवर ऑफ प्राटार्नी श्रीमति मालती पी० सुलाखी फर्गयुसन कालेज रोड, पूना। (अन्तरक)

2. श्री मती देवीदास धर्माधिकारी, 359, सदाशिव पेठ, पूना-30। (अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताधारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचारित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन :—प्लाट क० 6, सीटी० सर्वे क० 2-बी०, एरंडवण क्षेत्रफल : 6616.50 वर्गमीटर

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 1815/जुलाई 1978 को सब-रजिस्ट्रार हवेली-१ पूना के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमति पी० ललवानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 9-11-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

60/61 एंरडवना, कवे रोड

अर्जन रेंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 9 नवम्बर 1978

निर्देश सं० सी० ए० 5/हवेली-I/जुलाई 78/372—अतः
मुझे, श्रीमति पी० ललदानी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे क्र० 34, हिस्सा नं० 1/ए इन हिस्सा नं० 6
है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय हवेली-I में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 25-7-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिथित में
प्राप्तिकरण से कमित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
मोद/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्म
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अवृत्ति :—

1. श्री बाबासाहेब भाऊसाहेब पवार, 'जयश्री' प्लाट नं०
25, 75, अब्दुल गफ्फूरखान रोड, बीरली, बास्टे-25.

(अन्तरक)

2. श्री संजय वसंतराव ठाकुर 1219, शुक्रवार पेठ,
पूना-2.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवृत्त
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्त के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही
पर्यांत होगा जो उस प्रधायाय में विया गया है ।

अनुसूची

प्लाट :—सर्वे नं० 34, हिस्सा नं० 1/ए इन हिस्सा
नं० 6, भोसले नगर, पुणे कार्पोरेशन नं० 37.

क्षेत्रफल :—5455 वर्ग फुट

(जिसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1489/जुलाई 78
की सब-रजिस्ट्रार हवेली-I के दफ्तर में लिखा है ।)

श्रीमति पी० ललदान
सकम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 9 नवम्बर 1978

मोहर :

प्रकल्प धार्हा० टी० एन० एम०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

26०८ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निर्देश सं० सी० ए००-५/हवेली-II/अगस्त-७८/३७४—यतः
मुझे, श्रीमती पी० ललवानी,
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26०८ के
अधीन सकारात्मक विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ०
से अधिक है

और जिसकी सं० फा० नं प्लाट क्र-३४३ एंड ३४४, सब प्लाट नं
३ है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावद
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, हवेली-II में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-८-७८
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में
कथित नहीं विद्या गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 26०८ के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 26०८ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1. श्री बी० करमरकर,
प्लाट, क्र० 17/६७ पूने बिलिंडग,
नेपियन सी रोड, बाम्बे-६

(अन्तरक)

2. श्री रमेश पुडलिक सरोदे,
ब्लाक, नं० ६०, वडार हौसिंग सोसायटी,
शिवाजी नगर, पूना-१६

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यालयिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से ३० दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय २० के परिभ्रमित हैं, वही यथा होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट : पुणे शिवाजी नगर, टाउन प्लानिंग स्कोम क्र०-१
फायल प्लाट क्र० ३४३ एंड ३४४, सब प्लाट क्र० ३

क्षेत्रफल : ५०५.८५ वर्ग मीटर।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० १३२८/अगस्त, ७८ को
सब रजिस्ट्रार हवेली-II के दफ्तर में लिखा है)

श्रीमती पी० ललवानी
सहम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 10-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 (1) के अधीन रूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पटना
पटना, दिनांक 17 नवम्बर 1978

निवेश सं० 111-281/अर्जन/78-79—अतः मुझे, एम०
एन० तिवारी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-वा
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
सम्पत्ति, वर का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।
और जिसकी सं० खाता सं० 860 संकिल नं० 252 है, तथा जो
वार्ड नं० 34, थाना नं० 10, पटना म्युनिसिपल कार्पोरेशन
सालिमपुर डुमरा थाना गरदनीबाग जिला पटना में स्थित है
(और इससे उपांचल अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-3-78
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल
के लिए अनुसूचित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाशा गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अनुसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के पश्चातक के बायित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें मार्तिय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपचारा (1)के अधीन,
निम्नलिखित अधिकारी अर्थात्:—

1. श्री मोहम्मद सीराजुल हक खान सुपुत्र स्वर्गीय हाजी
अब्दुल सकूर खान
गांव सालिमपुर डुमरा, थाना गरदनीबाग, जिला पटना
(अन्तरक)
2. मैसर्स ओरिनेट प्लास्टिक इन्डस्ट्रीज,
केरिंग केनाल रोड, पटना (RF)
द्वारा श्री शिव कुमार अग्रवाल (पार्टनर)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रव्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरारी अमीन जिसका रकवा 6 डीसमल अर्थात् करीब
2 कट्ठा जिसका खाता नम्बर, 60 संकिल, नम्बर, 252,
वार्ड नम्बर, 34, थाना नम्बर, 10 जो सालिमपुर डंगरा थाना
गरदनीबाग जिला पटना तथा पटना म्युनिसिपल कार्पोरेशन के
अन्तर्गत है, जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 1755, दिनांक
20-3-78 में वर्णित है और जो जिला अवर निवेदन पदा-
धिकारी पटना द्वारा पंजीकृत है।

एम० एन० तिवारी,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पटना

तारीख : 17-11-1978

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, बिहार

पटना, दिनांक 17 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 111-282/अर्जन-78-79—अतः मुझे एम०
एन० तिवारी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
श्री जिसकी सं० होल्डिंग्स १८५ है, सकिल नं० २७, है
तथा जो वार्ड नं० १६, प्लाट नं० १४३०, सीट नं० ८४, पटना
म्यूनिसिपल कारपोरेशन एनीवेसेंट रोड, पटना ४ में स्थित है
(और इससे उपर्युक्त अनुसूची में श्री और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
10-3-78 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्री और अन्तरक
(अन्तरकों) श्री और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रन्तरके
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; श्री/गा

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों
को, जिन्हें सारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—
8—386 GI/78

1. श्री अरुण चन्द्र मित्रा, तरुण चन्द्र मित्रा, अरुण चन्द्र मित्रा,
निवासी गोविन्द मित्रा रोड, धाना पीख होर, जिला
पटना।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती सुधा हिन्हा, पत्नि श्री राम नन्दन सहाय
सिन्हा, वी० एन० दास रोड, पटना।
(2) श्री रविनन्दन सहाय सुपुत्र श्री रामनन्दन सहाय
सिन्हा, वी० एम० दास रोड, पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
वार्षिकाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आकृपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्री और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमुसूमी

मकान सहित धरारी जमीन का रकवा 2 कट्ठा, 11 धूर
और 11 धूरकी जिस का होल्डिंग नम्बर, 185, सकिल नम्बर
27 वार्ड नम्बर, 16 प्लाट नम्बर 1430, सीट नम्बर, 86 है
और जो एनीवेसेंट रोड, पटना में स्थित है और जो पूर्ण रूप से
दस्तावेज संख्या 1543, दिनांक 10-3-1978 में वर्णित है
और जो जिला अवर निवन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा
पंजीकृत है।

एम० एन० तिवारी
सक्षम प्राधिकारी,
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त,
अर्जन रेज, पटना

तारीख : 17-11-78

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 17 नवम्बर, 1978

निदेश सं० 111-283/अर्जन/78-79—अतः मुझे एम० एन० तिवारी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसको सं० होल्डिंग नं० 184 है, तथा जो सर्किल नं० 27 बाईं नं० 16, प्लाट नं० 1430, सीट नं० 86, पटना म्युनिसिपल कार्पोरेशन, एनी वेसेन्ट रोड, पटना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-3-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सभी पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अरुण चन्द्र मित्रा, तरुण चन्द्र मित्रा, अरुण चन्द्र मित्रा, निरुप चन्द्र मित्रा सुपुत्र स्वर्गीय शरद चन्द्र मित्रा, निवासी गोविन्द मित्रा रोड, धाना, पीरवहौर, जिला पटना।

(अन्तरक)

2. (1) श्री राम नन्दन सहाय सिन्हा, सुपुत्र श्री गिरीश चन्द्र सहाय सिन्हा, वी० एम० दास रोड, पटना।

(2) श्री राज नन्दन सहाय सुपुत्र श्री राम नन्दन ससाय सिन्हा वी० एम० दास रोड, पटना।

(अन्तरिती)

(3) प्रो० के० पी० अम्बाठा, पटना कालिज।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिणी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसंधानी

मकान सहित धरारी जर्मिन का रक्खा 3 कट्ठा, 2 धूर, और 8 धुरकों जिसका हांडिंग नम्बर, 184, सर्किल नं० 27 बाईं नं० 16 प्लाट नं० 1430, सीट नं० 85 और जो एनी वेसेन्ट रोड, पटना में स्थित है और जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 1544, दिनांक 10-3-78 में वर्णित है और जो जिला अवर निवन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है।

एम० एन० तिवारी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, पटना

तारीख: 17-11-78

मोहर:

प्रस्तुत प्राइंट नं. १०८० एन० एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 17 नवम्बर 1978

निदेश सं० III-284/अर्जन/78-79—अतः, मुझे, एम०
एन० तिवारी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इ० में अधिक है

और जिसकी सं० खाता सं० 369 (नया), 360 (सुराना),
खसरा सं० 432 (नया) 917 (पुराना) है, तथा जो
बीबीगंज, ब्रह्मपुरा, जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है (और इससे
उपावड्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तरीख 3-3-78 को
पूर्योक्त सम्बात के उचित बाजार मूल्य स कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (भन्तरका)
और भन्तरिती (भन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमों करने या उससे बचने के सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किमो धन या अन्य मासितयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाद्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
मर्या था या किया जाना चाहिए था, ठिकाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्ननिवारणमें यथा ---

1. श्री प्रमोद कुमार साह और सुशोभ कुमार साह
बल्द श्री प्रयाग जी साह,
(2) श्री प्रमुदयाल साह बल्द श्री रावोंगी साह एवं
श्री रामाशोश साह, बल्द श्री रवनाथ जी साह
सा० बीबीगंज, ब्रह्मपुरा, जिला मुजफ्फरपुर।
(अन्तरक)

2. श्री ललन कुमार ज्ञा, बल्द श्री रामुदार ज्ञा,
सा० इमलोबट्टी, मुजफ्फरपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त मम्पति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त मम्पति के अर्जन के सन्दर्भ में होई भी आक्षेप —

(क) इस मूवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तन्मन्दी अवधियों पर
मूवना की तारीख में 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होने वाली, के भोतर एकत्र
अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;
(ख) इस त्रुवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि उक्त स्थावर मम्पति में हिन्दूबड़
किमी अन्य अवधियों द्वारा प्रद्योदूस्ताक्षण के पास
निश्चित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोटो व वॉटो का, जो 'उक्त
अधिनियम', के प्रधायाय 20-क में परिभाषित
है, वही शब्द द्वागा, जो उस प्रधायाय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का रकमा 69 जेसीमत है जो सारिन बीबीगंज,
ब्रह्मपुरा, मुजफ्फरपुर में स्थित है, जिसका खाता नं० 369 (नया),
360 (पुराना), खसरा नं० 432 (नया), 917 (पुराना) है,
तथा जो दस्तावेज, सं० 3068, दिनांक 3-3-78 में पूर्णतया
वर्णित है एवं इसका तिव्यर जिता प्रवर निव्यर, मुजफ्फरपुर
में हुआ है।

एम० एन० तिवारी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख: 17-11-78

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 17 नवम्बर 1978

निदेश सं III-285/अर्जन/78-79—प्रतः, मुझे, एम०
एन० तिवारीआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ
के अंतर्गत प्राप्तिकारी रूपों, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
एपए से अधिक हैऔर जिसकी खाता सं 369 (नया), 360 (पुराना), खसरा
सं 432 (नया) 917 (पुराना) है, तथा जो बीबीगंज,
ब्रह्मपुरा, मुजफ्फरपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 3-3-78को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का नारग है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उपर्युक्त दृश्यमान प्रतिफल स, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पव्वह प्रतिशत प्रयित है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिता (अन्तरितिया) के बाव इसमें अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नान्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तुत्रित रूप से छापा नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अन्तरण
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
प्रोत्यया(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।प्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अंतर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्त्ता :—1. श्री कैलाश बिहारी साह, बल्द श्री रघुनाथजी साह,
सा० बीबीगंज, ब्रह्मपुरा, जिला मुजफ्फरपुर।
(अन्तरक)2 श्री जवाहरलाल ज्ञा, बल्द श्री रामदोर ज्ञा,
मोहल्ला हमली चट्टी, मुजफ्फरपुर।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यान्वयन करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्दस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधान्या 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस प्रधान्य में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 27 लक्षीमल है जो साकिन बीबीगंज,
ब्रह्मपुरा, मुजफ्फरपुरा में स्थित है जिसका खाता नं 369
(नया), 360 (पुराना) खसरा न० 432 (नया), 917
(पुराना) है, तथा जो दस्तावेज स० 3069, दिनांक 3-3-78
में पूर्णतया वर्णित है एव इसका निवन्धन जिला अवर निवन्धक,
मुजफ्फरपुर में हुआ है।एम० एन० तिवारी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पटना

तारीख: 17-11-78

मोहर:

प्रृष्ठ प्राई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बिहार

पटना, दिनांक 17 नवम्बर 1978

निदेश सं० III-286/अर्जन/78-79—अतः मुझे एम०
एन० तिवारी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सत्रप प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक हैऔर जिसकी सं० खाता नं० 59, 68, 60 संकिल नं० 252,
है, तथा जो वार्ड नं० 34, थाना नं० 10 पटना म्युनिसिपल कार्पो-
रेशन, सालिमपुर डुमरा थाना गरदनीबाग जिला पटना में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-3-78
को गुर्वाकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और प्रत्यक्षित (अन्तरकों) और प्रत्यक्षित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्ननिमित्त उद्देश्य से उक्त प्रतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) प्रतरण से हुई निम्नों प्राप्त की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी निम्नों प्राप्त की बाबत, या अन्य अस्तित्यों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्यक्षरण में,
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
निम्ननिमित्त व्यक्तियों, के अधीन प्रथाति :—1. श्री महमद गफ्फार खान और बीबी जोवेचदा खानुम
ग्राम: सालिमपुर, डुमरा, थाना गरदनीबाग, जिला
पटना।

(प्रत्तरक)

2. श्री मैससे ओरियल प्लास्टिक इन्डस्ट्रीज,
बोरिंग केनाल रोड, पटना
द्वारा विश्वनाथ अग्रवाल (पार्टनर)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्म्बन्धी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
सिखित में किए जा सकेंगे ।इष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्शों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभासित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

तिवारी जमीन जिसका रक्खा 29 डिसम्बर, प्रथाति करीब
10 कट्ठा जिसका खाता नं० 59, 68 और 60, संकिल नं०
252, वार्ड नंबर 34 थाना नम्बर, 10 जो सालिमपुर डुमरा
थाना गरदनीबाग, जिला पटना तथा पटना म्युनिसिपल कार्पो-
रेशन के अन्तर्गत है, जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 1753,
दिनांक 20-3-78 में वर्णित है, और जो जिला अवर निबन्धन
प्रवाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है ।एम० एन० तिवारी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पटना

तारीख : 17-11-78

मोहर :

प्रस्तुत आई० ट्र० ए० ए० ए०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 17 नवम्बर 1978

निवेद सं० 111-287/अर्जन/78-79—अतः मुझे एम० एन० तिवारी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० खाता नम्बर 59, 6 एंड 60 है, संक्लिनं० 252, वार्ड नं० 34, थाना नं० 10, पटना, म्युनिसिपल कारपो-रेशन सालिमपुर डूमरा थाना गरदनीबाग जिला पटना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-3-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी धारा की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यक्रम में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी व्याय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे अन्तराय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उसके में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व का उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुहम्मद वायजुल, हक और पुत्र मुहम्मद मोखतार खान
प्राम : सालिमपुर डूमरा, थाना गरदनीबाग, जिला
पटना।

(अन्तरक)

2. श्री मेसर्स ओरियन्टल प्लास्टिक इंडस्ट्रीज,
बोरिंग केनाल रोड, पटना (RF)
द्वारा निरंजन कुमार अग्रवाल, (पार्टनर)

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाक में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षित करने के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिवारी जमीन जिसका रकवा 31 डिसम्बर, अर्थात करीब 10 कट्ठा जो खाता नंबर 59, 6 और 60, संक्लिनं० 252, वार्ड नं० 34, थाना नम्बर 10 जो सालिमपुर डूमरा थाना गरदनीबाग, जिला पटना तथा पटना म्युनिसिपल कारपो-रेशन में स्थित है और पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 1754, दिनांक 20-3-78 में वर्णित है, और जो जिला अवर निर्बन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजिकृत है।

एम० एन० तिवारी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पटना

तारीख: 17-11-78

मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 18 नवम्बर 1978

निदेश सं० III-288/अर्जन/78-79—यतः मुझे एम० एन० तिवारी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित, बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मौजा नं० 253, प्लाट नं० 13, खाता नं० 3 है, तथा जो चौरकुण्डा रोड, धनबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-3-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के व्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. डा० रणेन्द्र भूषण घोष सुपुत्र स्वर्गीय श्री सुरपति घोष आकाखाना/पुलिस स्टेशन चौरकुण्डा, जिला धनबाद।
(अन्तरक)

2. श्री मंजीत सिंह चिमनी सुपुत्र स्वर्गीय महेन्द्र सिंह द्वारा लक्ष्मी टाकीज, आकाखाना/पुलिस स्टेशन चौरकुण्डा, जिला धनबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि यां तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभासित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घरारी जमीन का रकवा, दो मंजिला मकान के साथ 11 कट्ठा, जिसका मौजा नम्बर, 253, खाता नम्बर, 3 प्लाट नं० 13 जो चौरकुण्डा, जिला धनबाद में स्थित है और जो पूर्ण रूप से दस्तबेज संख्या 2594, दिनांक 13-3-78 में वर्णित है और जो जिला अधिकारी निबन्धन पदाधिकारी धनबाद के द्वारा पंजीकृत है।

एम० एन० तिवारी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख 18-11-78
मोहर:

प्रस्तुत माई० टी० एन० एस०—

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निदेश सं० 39/एमरठ/7879—ग्रतः मुझे विजय भार्गव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सूची के अनुमार है तथा जो सं० सूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-3-1978

को पूर्वोक्त संगति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में नথित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आविहै था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के प्रयोग निष्पत्ति विवर दर्शाऊं प्रयत्नः—

1. श्री मोहम्मद रदरीश पुत्र बुद्ध एवं अन्य ।

(अन्तरक)

2. श्री महेन्द्र, किरन सत्यवीर पुत्रगण श्री बार्षसिंह निवासी कुकरा परगता, एवं तहसील मुजफ्फर नगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजेत के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजेत के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वबद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुषि भूमि स्थित ग्राम कुकरा परगता एवं तहसील मुजफ्फर नगर, 66,000 के विक्रय मूल्य में बेचों गयी।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
[सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-11-78

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निदेश सं० 1060/म० नगर/78-79—अतः मुझे विजय
भारतीयआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269वा के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मूच्ची के अनुसार है तथा जो सूची के
अनुसार स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बुद्धाना
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 30-3-78को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया याया है:—(क) अन्तरण से बुझे किसी आव की बाजार, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यारक के
दायित्व में कसी करने था उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण
में, मे, उक्त अधिनियम, की धारा 269वा की उपावदा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात्—
9-386 GI/781. श्री मोकिजुदीन शम्मा शाहजादा फिरोज़हीन पुनर्गण
मौजी जाट, निवासी कल्यानपुर, शिकारपुर,
मुजफ्फर नगर।

(अन्तरक)

2. श्री यशपाल, प्रीतम सिंह, पुनर्गण श्री मुजान सिंह
एवं अन्य
निः ग्राम: कल्यानपुर, शिकारपुर, मु० नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षियों पर सूचना की
सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से
किसी अक्षिय द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद
किसी अन्य अक्षिय द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सके।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदूषक शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में यथा परिभाषित
हैं, वही धर्य होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम कल्यानपुर, शिकारपुर जिला
मु० नगर 74900 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।विजय भारत
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 4-11-78

मोहर:

प्रकाप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

मार्ग सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर दिनांक 4 नवम्बर 1978

निवेद सं० 191 ए/कानपुर/78-79—अतः मुझे विजय
भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के
अनुसार स्थित है (और इससे उपाबह अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
30-3-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण विधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
योर/या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भारती—

1. श्रीमली कलावती, विधवा, स्वर्गीय विश्राम सिंह
निवासी ग्राम अराजी ईशपुर, विल्हार, कानपुर।
(अन्तरक)

2. श्री जोगन्द्र सिंह, जालेन्द्र सिंह एवं अन्य
निवासी उक्त।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताकारी के पास निश्चित
में किए जा सकेंगे।

एकांकिकण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ईशपुर विल्हार कानपुर 80,000 रु०
के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

विजय भार्गव
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 4-11-78

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निदेश सं० ९८९/हाथरस/७८-७९—अतः मुझे विजय भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय हाथरस (अलीगढ़) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) प्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्थस्—

1. श्री बाबूलाल पुन भगवान दास, राजेन्द्र शिशुपाल, प्रेमचन्द्र, पुनर्गण, भगवान दास निवासी गली छगन, हाथरस, अलीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री नेसीराम, जवाहर सिंह, रमन सिंह, हरी सिंह, कन्हैया, रघुबीर सिंह पुत्र हेतराम, ओंकार सिंह निवासी तालगढ़ी, हाथरस, अलीगढ़।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध निसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित हाथरस, तहसील व जिला अलीगढ़, 43000 ८० में बेची गयी।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 4-11-78

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सामैलिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निवेद स० 189/78-79—यतः मुझ के० एस० वेंकटरामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० १८५ है, जो पलीपट, रास्ता, नगरी में स्थित
है (और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नागरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 1-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रष्टरित की गई है
और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्कीर्ति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
भ्रष्टरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्—

1. श्रीमती कुवेरी अब्बानाशमल पती तनगवेलु मड्डाली
यलीयाह रास्ता, नागरी पोस्ट पुतुर-तालुक
धीलुर जिला।

(अन्तरक)

2. श्री वरी बकतावधेलम नायडू, पिता श्रावेजी नायडू
तलारी गली, नागरी पोस्ट पुतुर तालुक, धीलुर जिला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किसी अवित्त द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्त द्वारा, भ्रष्टहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

इष्टदोक्षण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
द्वारा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर नं० 9/85 पलीपट, नागरी रास्ता पुतुर तालुक धीरपुर
जिला रजिस्ट्री दस्तावेज, नं० 183-78 उप रजिस्ट्री कार्यालय
नागरी में।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-11-78

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 190/78-79—यतः मुझे, के० एस० बैंकटरामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-7-612 है, जो कलीलवाडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैजामाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-3-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पुरनलाल पिता देशराज, कलीलवाडी, नैजामाबाद (अन्तरक)

2. श्री गोपी रमेश पिता गोपी मनगदर, गुरजावादी, नैजामाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

धर नं० 5-7-612 कलीलवाडी, नैजामाबाद रजिस्ट्रीदास्ता वेज नं० 661/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद में।

के० एस० बैंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-11-78
मोहर ।

प्रकल्प ग्राही ८० दी० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वाँ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर ग्राम्यका (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निदेश सं० 191/78-79—यतः मुझ के० एस० बैंकटरामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उस अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 वा०
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
द० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 7-1-39/6, है, जो पीरधीकमपौनड
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैजामाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
19-3-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्य में कमो
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा० के मनु-
सरण में, मेरे उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा० की उपचारा
(1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोग है:—

1. श्री मती रत्नादेवी पसी श्री गंगारेडी,
1-9-837, मोहन दाकीस, घौरात्ता,
नैजामाबाद ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती साधिती देवी पसी दीनगरमल बालाजी
बाबूलाल के धार नेहरू पार्क, नैजामाबाद ।
(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

प्रधानीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, और उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही भर्ये होगा, जो उस
प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन धर नं० 7-1-39/6 मीरवी कमपौनड
नैजामाबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 940/78 उप रजिस्ट्री
कार्यालय, नैजामाबाद

के० एस० बैंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर ग्राम्यका (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-11-1978

मोहर:

प्रधान प्राईंटी• एन• एस•

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वाँ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं. नं. 192/78-79—यतः मुझे, (के० एस० वेंकट-रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269वाँ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. 18-7-24 है, जो कोयेल गली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धीतुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-3-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यकापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उपर्युक्त वर्तने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269वाँ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269वाँ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अविक्षयों अन्वान:—

(1) श्री बी० पी० शालाशम्मा पिता दीरास्वामी नायुह गुरुणा नायुह गली धीतुर। (अन्तरक)

2. (1) श्री पी० गदाक्रीशण्णा धोटी

(2) श्री बी० सत्यानारायण धेटी

(3) श्री पी० पानडु सगव्याधेटी तमाम लोग शान्द्रा टामवर कमपली के पाठंनर हैं (अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी धीतुरं

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, और भी प्रवधि बाष्प में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्राप्तोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लघुवीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के लघुवाय 20-क में परिभाषित है, वही पर्यंत होगा, जो उस लघुवाय में दिया जाता है।

मनुसूची

चर का आधा भाग नं. 18-7-24 पीनयमन कोयेल गली में धीतुर-धीतुर रजिस्ट्री दस्तावेज नं. 1316/78 उप रजीस्ट्री कार्यालय धीतुर में।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-11-1978

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० 193/78-79—यतः; मुझे, के० एस० वेंकट
रामनप्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये में अधिक हैऔर जिसकी सं० शाप 3-4-500 है, जो बरकतपुरा; हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 30-3-78को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भी और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अन्तर्गत कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए, और(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपशारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अस्ति:—(1) श्रीमती ई० इन्द्रीरा देवी पत्नी स्वर्गीय ई० रामचन्द्रा
रेडी; 3-4-500 बरकतपुरा; हैदराबाद।
(अन्तरक)(2) श्री ए० अनत रेडी वकील एच नं० 3-4-500 बरकतपुरा;
हैदराबाद; (एल० आई० जी० एच० 8/4 आर० टी०)
बरकतपुरा हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

पांच शांपम और सीहियों का एक कमरा—150
वर्ग यार्ड घर नं० 3-4-500 (8/4 आर० टी०) बरकतपुरा;
हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1105/78 उप रजिस्ट्री
कार्यालय हैदराबाद में।के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-11-1978

मोहर:

प्रृष्ठ प्राई ० टी० एन० एन०----

प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० 194/78-79—यतः मुझे के० एस० बेंकट
रामन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी खुली जमीन सर्वे नं० 59 है, जो करीमनगर मार्कीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करीमनगर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों अर्थात् :—

10-386GI/78

1. (1) श्री वी० नरसीमलु (2) श्री जीवनरेड्डी, पिता
मल्लारेड्डी, करीमनगर । (अन्तरक)

2. मंगीलाल मनदादा, पिता सीताराम, करीमनगर
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका वीस्तार एक एकड़ 37 गुन्डास 52 वर्ग यार्ड सर्वे नं० 59 में है, जीराजी मार्कीट करीम नगर—करीम नगर में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 954/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय करीमनगर में ।

के० एस० बेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-11-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269वा० (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० 195/78-79—यत., मुझे, के० एस० वेंकट रामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269वा०
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 82/बी है, जो यादव गली, तीरुपती में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुगृही में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख मार्च 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दण्डना०
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशो
अधिक है और अन्तरक (अन्तर्गतों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के निये तथ गाया गया प्रतिशो
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित ये आस्ताव०
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-वा०
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या जिया
जाता चाहिए था, स्थिति में सुविधा के लिये।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269वा० के अनुसारण
में, उक्त अधिनियम की आरा 269वा० की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् ।—

1. श्री मुदुपुत्रा राधाश्रीलाल्या—करुनाला गली, तीरुपती ।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती एम० धनयागयम पत्नी श्री कुपया तीरुपती
(2) बी० बालरामया पुत्र धरमया चित्तूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
विष कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के साक्षम्य में कोई भी आंशेण—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की गयी वे 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर नृपता
की नामील में 30 दिन की अवधि, और भी अवधि वाद
में समाप्त होनी तो, के अन्तर त्रै००० रुपयों का
गे किसी वाक्षा दाग;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त अन्तरण सम्पत्ति में उक्त अन्तरण के अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्स्ताकरी के अन्तरित
विवित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टनामरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभ्रामित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

धर नं० 82-बी, यादव गली, तीरुपती रजिस्ट्री दस्तावेज
नं० 599/78, उत्तरजिस्ट्री कार्यालय तीरुपती में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-11-1978

मंत्रहर :

प्रख्यूम आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० 196/78-79—यतः, मुझे, वी० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 22-5-131 से-138 है, जो गुलजार हाउस, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपांचद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आजम-पुरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(न) अन्तरण से हुई हिसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन रेंज, हैदराबाद

1. (1) श्री रामकूमर (2) श्री बीशवानंद, घर नं० 21-2-540/1 उर्दुशारीफ, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती सनतीणा बाई (2) श्रीमती विमला बाई (3) श्री विमल गुप्ता (4) श्रीमती कुमलता —तमाम रहते हैं 21-2-429 मीटीकाशे रचारकमान, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध हिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रतिविम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 22-5-131 से 138 पटेलगली, गुलजार हाउस के पास हैदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 877/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय, आजमगुरा, हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-11-78

मोहर:

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० नं० 197/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 6 है, जो रेड हीलस नामपली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के निए प्रन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है, और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाया प्रतिफल, निम्ननिम्नित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से निश्चित नहीं किया गया है :—

(क) ग्रन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपबारा (1) के अधीन, निम्ननिम्नित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ए० वी० प्रभाकर शासी घर नं० 7-1-212/3

सनजीव रेडी नगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमति केमर सतार पत्नि एम० ए० सतार

(2) श्रीमती मलेका अजीज पुत्री एम० ए० अजीज
11-6-852 रेडी हीलस हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त नहीं हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अध्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उग अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 6 घर नं० 11-5-152/6/ए० के० बाजुमें है रेड हीलस नामपली हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 786/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखः 13-11-1978

मोहरः

प्रश्न आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० नं० 198/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट
रामन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन अन्नप्राप्ति की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो 5-8-510 मुकरबजंग
गली में स्थित है (और इस उपावद्व अनुसूची में और पूरी
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवक्तियों पर्याप्तः—

(1) युनीवरसल कोआपरेटिव हाउस कनस्ट्रक्शन
सोसाइटी लिमिटेड सचिव द्वारा श्री गीरी राज
5-3-1053 ऊस्मानगंज हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीण प्रसाद घर नं० 21-2-293। घानसी
बाजार हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायंवादियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टोकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन म्युनीसीपल नं० 5-8-510 मुकरबजंग गली
हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 635/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-11-1978।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० नं० 199/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट
रामनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० 5-7-287 है, जो आगापुरा हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मार्च 1978 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती शेरबानु पत्नी श्री अहमद श्री धर नं०

5-7-287 आगापुरा हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री सैयद तकमीदीन (2) श्री सैयद रजीहैदीन
दोनों के नीगरानीकार उनके पिता श्री सैयद गीयासुद्दीन
हैं धर नं० 5-7-287 आगापुरा हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।इष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसंधी

धर नं० 5-7-287 आगापुरा हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज
नं० 1115/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-11-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर, 1978

सं० नं० 200/78-79—यतः मुझे के० एम० वेंकट
रामनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० मलगी नं० 5-4-448/1 है, जो नामपत्री
स्टेशन रास्ता हैदराबाद में स्थित है (अब इससे उपाध्यक्ष
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी
के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1909 का 16) के अधीन, मार्च 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दृष्टि किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राहीतः—

- (1) श्री महमद ऊमर पिता महमद सीदीकी घर नं०
220/2 सीवाजीनगर चेलगड़-महाराष्ट्र
(2) श्री महमद उसमान पीता सीदीकी 220/2 शिवा
नगर जेलमाउ—महाराष्ट्र।
(अन्तरक)
- श्री सी० राम कृष्ण पुत्र स्वर्गीय सी० कीनडप्पा
10-2-385/8 बीजयनगर कालोनी हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में फिर जा सकेंगे।

संहारीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ दोगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

धर नं० 5-4-448/9 मलगी और खुली जमीन नामपत्री
स्टेशन रास्ता हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 783/78
उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एम० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-11-1978

मोहर:

प्रकृष्ट शार्ड० टी० एन० एस०— —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 15 नवम्बर 1978

निवेदण सं० 201/78-79—यतः मुझे, के० एस० बैंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मलगी नं० 4-7-2-936 में है, जो हीसमग्नज सिकीन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकीन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-3-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आक्षितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या छन्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप ता (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षितियों पर्याप्ति:—

1. (1) श्रीप्रोद्विरी इन्द्र प्रकाश

(2) श्री प्रोद्विरी लशम्मा घर नं० 7-1-777 पुरान जेल गली सिकन्द्राबाद।

(अन्तरक)

2. श्री द्वारका वास पुनेरीया घर नं० 7-2-936 हीसमग्न नज सीकीन्द्राबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित नं० किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 4 घर नं० 7-2-9376 हीसमग्नज सीकीन्द्राबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 596/78 उपरजिस्ट्रीकार्यालय सीकीन्द्राबाद में।

के० एस० बैंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 15-11-1978।

मोहर।

प्रूप आई०टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 नवम्बर, 1978

निदेश सं० नं० 202/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० मलगी नं० 5-घर नं० 7-2-937 होसमगनज सीकीन्द्राबाद में स्थित है (और दससे उपांच्छ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सीकीन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सामिलियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के अनुसरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधृतः—

11-386 GI/78

1. (1) श्री प्रोटुरी इन्ने प्रकाश
(2) प्री०-संशमन्या घर नं० 7-1-777। जैल गली
सीकीन्द्राबाद।
(अन्तरक)

2. (1) श्री अमरनाथ पुनेरीया
(2) श्री कदारनाथ पुनेरीया घर नं० 7-2-936। हीसमन्ज—सीकीन्द्राबाद।
(अन्तरिती)
(3) श्री/श्रीती/कुमारी

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधानीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 5 घर नं० 7-2-937 हीसमगनज सीकीन्द्राबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 608/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सीकीन्द्राबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 15-11-78

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 नवम्बर, 1978

निवेश सं० नं० 203/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट
रामन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 333 है, जो चन्द्रालोक
कामपलक्षण में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सीकीन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कठीन करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मसर्स स्वास्तीक कन्स्ट्रैक्शन कम्पनी 111-एस० डी०
रास्ता सीकीन्द्राबाद।

(अन्तरक)

2. श्री के० एल० एन० रहु

(2) श्री के० वी० रमेश रहु 3:6-200 हीमायत नगर
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 333 तीसरा मंजिला पर चन्द्रालोक कामपलक्षण
111-सरोजनी देवी रास्ता सीकीन्द्राबाद दस्तावेज नं० 828/78
उपरजिस्ट्री कार्यालय सीकीन्द्राबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-11-78

मोहर :

प्रह्लद शाई०टी०एन०एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 नवम्बर 1978

निदेश सं. 204/78-79—यतः मुझे, कें. एस० बैंकट
रामन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को पहले विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 8-2-337 है, जो बनजाराहिल्स हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 27-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) प्रन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा के अनुसारण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अस्तियों पर पूर्णतः—

1. श्रीमती उमिला देवी पत्नी श्री शामसुन्दर रहुली
- (2) श्री जी० समपत कुमार रहुली धर नं. 16-ए बलबदास बालाक नामपती हैदराबाद।
(अन्तरक)
2. श्री बीला रहुली कुमार कोटी रहुली पिता वनकटेश्वर रहुली गनपावरमगढ़ भलारम बीजयावाड़ा—कुण्ड जिला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अस्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी अस्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अस्ति द्वारा, अवधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संबोधकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन नं. 8-2-337 बेस्टन 1126 मीटर बनजारा हील्स हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं. 755/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

कें. एस० बैंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-11-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1978

नि० सं० 205/78-79—यतः मुझे, के० एस० बैंकट
रामन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 32 चन्द्रलोक काम्पलैक्स में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णसूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सीकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय, आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती उशाकुमारी पत्नी के० कनकराजू जीलीमट्टा
सीकन्द्राबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्री एन० सत्यानारायण

(2) श्री सी० एच० सत्यानारायण घर नं० 32
चन्द्रलोक काम्पलैक्स सीकन्द्राबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 32 चन्द्रलोक काम्पलैक्स ऊस घर नं० 111 सरोजीनी देवी रास्ता, सीकन्द्राबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 758/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सीकन्द्राबाद में।

के० एस० बैंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 16-11-78

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1978

नि० सं० 227/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट-
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 37-बी है, जो राजाबाग आशोक
नगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 3-3-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर, अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री पी० वी० अनननदराज रायारुंग जी० पी० ए०
श्री पी० वी० चलोपती राज घर नं० 25-बी आमंद्रा
बेनक कालोनी मलकपेट हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री नालनी चोक्रेतुला बेनकटा रंगचारी घर
1-10-212 अशोकनगर हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों, पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदोंका, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट की जमीन नं० 37-बी-सर्वे नं० 776 राजाबाग
आशोकनगर हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 693/78 उप
रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-11-78

मोहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1978

सं० नं० 228/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट
रामनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 48 है, जो गगनमहल हैदराबाद
में स्थित है, (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 30-3-78को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन पा भन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में
सुविधा के लिए;प्रति, भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपकारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरा राजा गोपाला रेडी घर नं० 2-8-289/

22 शान्तीनगर हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री यू० ग्रीगरी रेडी पुत्र स्वर्गीय जोगी रेडी 3-5-
899 हीमायत नगर हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।स्पष्टीकरण :—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह
मर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 48 बीस्टन 385 वर्ग यार्ड सर्व नं० 186
का पार्ट है दायरा गांव गगन महल हैदराबाद में रजिस्ट्री
दस्तावेज नं० 1110/28 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 18-11-78

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1978

सं० 229/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० पार्ट 4-1-587 और 588 है जो तुरूप बजार हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सभी पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री एम० ए० रशीद-खान

(2) श्री प्रेम चन्द्र जीकानन्द

(3) श्री हरदासमल गोकलदास रोचलानी एस० नं० 1 और 2, एस० नं० 3 रखवाले हैं घर नं० 19 बैंक गली वर्माई-1

(अन्तरक)

2. (1) श्री सेयद महमद पाशा कादरी 21-4-201 हुसैन शालम हैदराबाद

(2) श्री एम० ए० वहीद

(3) श्री वीजय सिंह, 5-4-631-कटलमनडी हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिणी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 4-1-587 का भाग है तुरूप बजार हैदराबाद में वीस्टर्न 369 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 674/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 18-11-78

मोहर:

प्ररूप शाई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269य (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1978

सं० 230/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के प्रधीन संशोधन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से प्रधिक है और जिसकी सं० भाग 4-1-587 और 588 है, जो तुरुप बजार हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बादत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपचारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री एम० ए० रशीद खान

(2) श्री प्रेम चन्द जंठानंद

(3) श्री हरदासमल गोकल दास रोचलाणी सीर्यल नं० 1 और 2 सीर्यल नं० 3 रखवाला है धर नं० 19-बैक गली बम्बई-1।

(प्रत्यक्ष)

2. (1) श्री सैयद महमद पाशा कादरी 21-4-201 हैदराबाद

(2) श्री एम० ए० वहीद 3-5-782/62 हैदराबाद

(3) विजय सिंह, 5-4-631 नामपत्री हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए स्वार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वार्यवाहियणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर का नं० 4-1-587 और 588 का भाग है तुरुप बजार हैदराबाद बीस्टन 327 वर्ग याड़ है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 675/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन,
संशोधन प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-11-78।

मोहर:

प्रलेप शाही० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1978

सं० 231/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-587 और 588 का पार्ट है, जो तुरुप बाजार हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावधि प्रनुसारी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों, की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रदोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः यद्युपर्याप्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

12-386GI78

1. (1) श्री एम० ए० रशीद खान

(2) श्री प्रेम चन्द्र जेठानंद

(3) श्री हरदास मल गोकल दास रोचलानी सी० नं० 1 और 2 सी० नं० 3 रखाले हैं, घर नं० 19 बैंक का गली अम्बाई-1।

(अन्तरक)

2. (1) श्री संयद महमद पाशा कादरी 21-4-201, हैदराबाद ।

(2) श्री एम० ए० वहीद 3-5-782/62 कीनगोटी हैदराबाद ।

(3) श्री विजय सिंह, 5-4-631 कटलमन्डी हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 4-1-587 और 588 का भाग है तुरुप बाजार हैदराबाद बीस्टीन 314 बगं याँड़ रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 676/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्रन्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 18-11-78

मोहूर:

प्रकृष्ट प्राइंटी० टॉ० एम० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वां (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1978

सं० 232/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'दक्षत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वां
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भाग 4-1-587 और 588 है जो रूप बजार
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पेंड्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब यामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित
दरेष्यों से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से हूँई किसी भाय दी वाक्त, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी व्यवय या अन्य आमितियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
परिवर्तनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक
परिवर्तनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
नाना नामूद़ा, दिलाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269वां के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वां की उपबारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधितियों अस्ति :—

1. (1) श्री एम० ए० रशीदखान
- (2) श्री प्रेम चन्द जेठानन्द
- (3) श्री हरदास मल गोकल दास रोचलानी सी० नं० 1
और 2, सी० नं० 3 रखबाले हैं घर नं० 19-
वैक गली बम्बई-1।

(अन्तरक)

2. (1) श्री संयद महमद पाशा कादरी 21-4-2011
हैदराबाद।
- (2) श्री एम० ए० वहीद 3-5-782/62 कीनगकटी
हैदराबाद।
- (3) श्री बिजय सिंह 5-4-631 कटलमत्ती हैदराबाद।
(अन्तरिती)
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोऽन्त
अविक्षयों में से किसी अविक्षित द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उम प्रधायाय में विया गया है।

अनुसूची

घर नं० 4-1-587 और 588 का भाग है—तुरुप बजार
हैदराबाद विस्तरन 239.00 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं०
677/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एर० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 18-11-78

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

नि० सं० आई० ए० सी० एक्य०/III/12-78/321—

यतः मुझे, डि० पी० गोयल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 44-बी है, तथा जो शंकर गाँड़न, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-3-1978 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरित) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सावित्री डेवी, विधवा पत्नी श्री भेहता मोती राम, निवासी 5/1-बी०, रूप नगर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरचरण सिंह, सुपुत्र श्री दशेन सिंह, तथा श्री मोहिंद्र पाल सिंह, सुपुत्र श्री वर्षन सिंह, निवासी बी-44, शंकर गाँड़न, दिल्ली ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हेतवास किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है ।

अनुसूची

फीहोल्ड प्लाट जिसका नं० 44, ब्लाक नं० 'बी' है और क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है, शंकर गाँड़न, नई दिल्ली में निम्न अकार से स्थित है :—

पूर्व :	प्लाट नं० बी-45
पश्चिम :	प्लाट नं० बी-43
उत्तर :	15/लेन
दक्षिण :	16/रोड़

डॉ० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज III, दिल्ली नई दिल्ली-1.

तारीख : 14-12-1978.

मोहर :

संघ सोक सेवा आयोग

मोटिस

समिलित रक्षा सेवा परीक्षा—मई 1978

नई विल्सो, विनोक 23 दिसम्बर 1978

सं. का० 8/9/78-प०-१(क) —संघ सोक सेवा आयोग द्वारा निम्नांकित पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु 1 मई, 1978 से एक समिलित रक्षा सेवा परीक्षा आयोजित की जाएगी :—

पाठ्यक्रम का नाम

रिक्तियों की संभावित सं०

भारतीय सेना अकादमी, बेहराहू (जनवरी, 1980 में प्रारम्भ होने वाला 68वां पाठ्यक्रम)	120 [एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध) प्राप्त उम्मीदवारों के लिये पारक्षित 32 रिक्तियों समिलित है]
भोजन सेना अकादमी, कोकीन (जनवरी, 1980 में प्रारम्भ होने वाला पाठ्यक्रम)	80
भविकारी प्रशिक्षणशाला, मद्रास (मई, 1980 में प्रारम्भ होने वाला 31वां पाठ्यक्रम)	160

मोद I—एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध) प्रमाण-पत्र प्राप्त उम्मीदवार नौसेना अकादमी तथा अल्पकालिक सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) पाठ्यक्रमों की रिक्तियों के लिये भी प्रतियोगिता में बैठ सकते हैं। यूके भभी तक उनके लिये इन पाठ्यक्रमों में कोई आरक्षण नहीं है, यह इन पाठ्यक्रमों में रिक्तियों को भरने के लिये उन्हें सामान्य उम्मीदवारों की तरह समर्था जाएगा। जिन उम्मीदवारों को भभी भी एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध) परीक्षा असीर करनी है, किन्तु आव्याध के पारक्षित रिक्तियों के लिये प्रतियोगिता में बैठने के पात्र हों, तो वे भी भावेवन कर सकते हैं, किन्तु उन्हें एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध) परीक्षा असीर करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा, जो कि आयोग के कार्यालय में 31 दिसम्बर, 1979 तक पहुंच जाए।

मोद II—भारतीय सेना अकादमी पाठ्यक्रमों में प्रारक्षित रिक्तियों को भरने के लिये परीक्षा परिणाम के आधार पर भावृता प्राप्त एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्र प्राप्त उम्मीदवारों के पर्याप्त संख्या में न मिलने के कारण न भी गई आरक्षित रिक्तियों को भारतीय समस्त समाज द्वारा और उन्हें सामान्य उम्मीदवारों से भरा जाएगा।

आयोग द्वारा आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा आयोग द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिये आयोजित बोर्डिंग और व्यक्तित्व परीक्षण के परिणाम के आधार पर उपर्युक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। (क) परीक्षा की योजना, स्तर और पाठ्यक्रमीय (ख) अकादमी/शाला में प्रवेश हेतु शारीरिक अभ्यास-स्तर तथा (ग) भारतीय सेना अकादमी, नौसेना अकादमी और भविकारी प्रशिक्षण शाला में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों की सेवा आदि की संक्षिप्त सूचता के संबंध में क्रमसः परिशिष्ट I, II और III में विस्तार से समझाया गया है।

मोद: परीक्षा के समस्त विषयों के प्रश्न पत्रों में केवल बस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे। नमूने के प्रश्नों सहित विस्तृत विवरण हृपया परिशिष्ट V पर "उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका" में देखिए।

2. परीक्षा के केन्द्र: घट्टमध्यावाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बैरी, कलकत्ता, चंडीगढ़, फोचीन, कटक, विल्सो, दिसम्बर, (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, सखनऊ, जम्मू, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोदा), पटियाला, पटना, शिलांग, शिमला, श्रीनगर और त्रिवेन्द्रम।

3. पात्रता की शर्तेः

(क) राष्ट्रिकता:

उम्मीदवार या तो

(i) भारत का नागरिक हो या

(ii) भूटान की प्रजा हो या

(iii) नेपाल की प्रजा हो या

(iv) तिब्बती ग्रन्थार्थी जो स्थाई रूप से भारत में रहने के दूरवी से 1 जनवरी, 1962 से पहले प्रा गया हो, या

(v) भारतीय भूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थाई रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, और पूर्वी अमीरिकी देश जैसे कीन्या, उगांडा तथा तंजानिया का संयुक्त गणराज्य या जाम्बिया, मलायी, जेरे तथा इथियोपिया और बियतनाम से प्रव्रज्जन कर आया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (iii), (iv) और (v) के मत्तर्गत आने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो।

पर नेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिये यह पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक महीं होगा।

जिस उम्मीदवार के लिये यह पात्रता-प्रमाण-पत्र आवश्यक होगा, उसको इस शर्त पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है और अकादमी या शाला में भी, जैसी भी स्थिति हो, प्रवेश दिया जा सकता है कि आवश्यक भाव में भारत सरकार द्वारा वह उक्त प्रमाण-पत्र प्राप्त करे।

(क) आयु-सीमाएं, स्त्री या पुरुष या वैवाहिक स्थिति:—

(i) भा० से० अकादमी और नौ सेना अकादमी के लिये : केवल अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पात्र हैं जिनका जन्म 2 जनवरी, 1958 से पहले और 1 जनवरी, 1961 के बाद न हुआ हो।

(ii) भविकारी प्रशिक्षण शाला के लिये : केवल वही पुरुष उम्मीदवार (विवाहित या अविवाहित) पात्र हैं जिनका जन्म 2 जनवरी, 1957 से पहले और 1 जनवरी, 1961 के बाद न हुआ हो।

मोद: जन्म की तारीख केवल वही मान्य होगी जो मैट्रिक्युलेशन/हायर सेकेंडरी या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में लिखी गई हो।

(ग) शैक्षिक योग्यताएं:—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समकक्ष। जो उम्मीदवार भभी डिग्री परीक्षा में उसीर्ण होने वाले हैं, वे भी भावेवन कर सकते हैं परन्तु, उनको डिग्री परीक्षा में उसीर्ण होने का प्रमाण भी योग्यता तक आयोग के कार्यालय में पहुंचाया होगा आव्याध उनकी उम्मीदवारी ए भानी जाएगी।

(i) भा० से० अकादमी और नौ सेना अकादमी में प्रवेश के लिये—31 दिसम्बर, 1979 को या उससे पहले।

(ii) भविकारी प्रशिक्षण शाला में प्रवेश के लिये —4 अप्रैल, 1980 को या उससे पहले।

जिन उम्मीदवारों के पास व्यावसायिक और तकनीकी योग्यताएं हों, जो सरकार द्वारा व्यावसायिक और तकनीकी डिग्री के समकक्ष मान्यताप्राप्त हों, वे भी परीक्षा में प्रवेश के लिये पात्र होंगे।

प्रपत्राव की परिस्थितियों में, आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को इस नियम में निर्धारित योग्यताओं में से किसी से यकृत न होने पर भी, शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है जिसके पास ऐसी योग्यताएं हों जिनका स्तर, आयोग के विचार से, इस परीक्षा में प्रवेश पाने योग्य हो।

नोट I—ऐसे उम्मीदवार, जिन्हें छिपी परीक्षा में ग्रन्थी घर्षणा प्राप्त करनी है और जिनको संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में बैठने की ग्रन्थुमति दे दी है, उन्हें नोट कर लेना चाहिए कि उनको यह यह विशेष रूप है। उन्हें छिपी परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत करना है और तुनियां भर्तुक विषयविद्यालय परीक्षा के दैर से आयोगित किये जाने, परिणाम की शोषणा में विलम्ब या अन्य किसी कारण से इस तारीख को और भागे बढ़ाने से संबंध किसी भी ग्रन्थी रूप को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

नोट II—जो उम्मीदवार इस विद्यालय द्वारा इस सेवाओं में किसी प्रकार के कार्यालय से ग्रन्थित हैं, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पाव नहीं होंगे। अगर प्रवेश विद्या ग्रन्था तो उनको उम्मीदवारी रद्द की जायेगी।

नोट III—विशेष सेवा अनाजप्तों को छोड़कर आकी अनाजप्त नाचिक (जिनमें किंशोर और कारीगर, प्रशिक्षु सम्मिलित है), जिनको अपने नियत कार्य पूरे करने में छह महीने से कम समय आकी है, इस परीक्षा में बैठने के पाव नहीं होंगे। जिन विशेष सेवा अनाजप्तों को अपने नियत कार्य पूरे करने में छह महीने से कम समय आकी है, उनके आवेदन पत्र तभी लिये जाएंगे जब वे उनके कार्यालय अफसरों के द्वारा विधिवत् अनुशस्ति हों।

4. आवेदन के साथ देय शल्क: रु 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के लिये रु 7.00)। जिन आवेदन पत्रों के साथ यह निर्धारित शल्क नहीं भेजा जाएगा, उनको एकदम प्रस्तीकार कर दिया जाएगा।

5. शल्क से छूट: आयोग, यदि जाहू तो, निर्धारित शल्क से छूट दे सकता है जब उनको इस बात का प्रावश्यासन हो कि आवेदक भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (भव भगला देण) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 और 25-3-1971 के बीच की व्रत्ति में भारत में प्रदर्शन कर आया है या वह बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाव भारत में प्रदर्शन कर आया है या वह श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूलतः व्यक्ति है जो प्रक्तूर्वर 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के प्रत्यावर्तित 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाव भारत आया है या आने वाला है और निर्धारित शल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

6. आवेदन कैसे किया जाए: केवल सम्मिलित इस सेवा परीक्षा मर्द, 1979 के लिये निर्धारित पत्र में लिये हुए अवेदन-पत्र ही लिये जाएंगे जो इस परीक्षा के नोटिस के साथ लगे हुए हैं। आवेदन पत्र भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धोलपुर हाउस, नई विल्ली-110011 को भेजे जाने चाहिए। आवेदन प्रपत्र और परीक्षा के पूरे विवरण निम्नांकित स्थानों से प्राप्त किये जा सकते हैं:—

- (i) दो रुपये का मनीआर्डर या संघ लोक सेवा आयोग के सचिव को नई विल्ली प्रधान द्वाक्षर पर देय रेकार्डित, भारतीय पोस्टल आर्डर भेजकर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धोलपुर हाउस, नई विल्ली-110011 के यहां से डाक द्वारा।
- (ii) दो रुपये नक्कल देकर आयोग के कार्यालय के काउंटर पर।
- (iii) निकटतम भर्ती कार्यालय, मिलिटरी एरिया/सब-एरिया मुख्यालय, एन० सी० एक० एक० तथा भौ सेना प्रतिष्ठानों के यहां से निःशुल्क।

सभी उम्मीदवारों को, जाहू दे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, जिनमें सशस्त्र सेना में सेवारत कर्मचारी भी शामिल हैं, या सरकारी स्वामित्व वाले शैक्षिक उपकरणों या इसी प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हों या नीर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, आयोग को सीधे आवेदन-पत्र भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन पत्र अपने विद्योक्ता के द्वारा भेजा हो और अब संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंच जाए तो उस आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, मगे ही वह विद्योक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में, जिसमें सशस्त्र सेना भी शामिल है, या अस्थाई हैसियत से काम कर रहे हों या किसी काम के लिये विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हों जिनमें आकस्मिक या दैनिक दूर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं है, उनको इस परीक्षा में अंतिम रूप में प्रवेश पाने के पहले अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष या कमांडिंग अफसर की अनुमति प्राप्त करनी चाहिए। उनको चाहिए कि वे अपने आवेदन-पत्र को उसके अंत में संलग्न प्रमाण-पत्र की दो प्रतियां भिकास्कर, आयोग में सीधे भेज दें और प्रमाण पत्र की उन प्रतियों को ताक्स अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष या कमांडिंग अफसर को इस अनुरोध के साथ प्रस्तुत करें कि उसके प्रमाण पत्र की एक प्रति विधिवत् भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, नई विल्ली को जल्दी से जल्दी और किसी भी हालत में प्रमाण-पत्र की कार्मी में निर्विष्ट तारीख से पहले भेज दी जाए।

7. आयोग के कार्यालय में आवेदन की प्राप्ति की अंतिम तारीख—

- (i) भारत में रहने वाले उम्मीदवारों से 12 फरवरी, 1979।
- (ii) विदेश में या अंडमान निकोबार द्वीप समूह या लकड़ीप में रहने वाले उम्मीदवारों से 26 फरवरी, 1979।

8. प्रलेख जो आवेदन के साथ भेजे जाएं।

(क) सभी उम्मीदवारों द्वारा:

- (i) रु 28.00 (अनुसूचित जातियों/जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु 7.00) का शल्क जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई विल्ली प्रधान द्वाक्षर पर देय रेकार्डित भारतीय पोस्टल आर्डर के रूप में हो या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य भाषा, नई विल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी भाषा से जारी किये गये रेकार्ड बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहां के भारत के उच्चप्रायकृत या राजदूत या विदेशी प्रति-निधि के कार्यालय में निर्धारित शुल्क जमा करें जिससे वह “051 लोक सेवा आयोग-जनरेशन शुल्क” के खाले में जमा हो जाए और उसकी रसीद आवेदन-पत्र के साथ भेज दें।

- (ii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी० × 7 सें. मी०) के कोटों की एक जैसी दो प्रतियां जिनके ऊपर हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत् अंकित हों।

(ग) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों द्वारा—

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के होने के दावे के समर्थन में, जहां उम्मीदवार या उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम लौर पर रहते हों, उस जिले के (किसी प्रमाण-पत्र के नीचे उल्लिखित) सभी साधिकारी से परिशिष्ट IV में विद्ये गये प्रपत्र में लिये गये प्रमाण पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रसिलिपि।

(ग) शुल्क से छूट जाहू दे वाले उम्मीदवारों के द्वारा:—

- (i) किसी जिला अधिकारी या राजपत्रित अधिकारी या संस या राज विधान मंडल के सदस्य से लिये गये प्रमाण पत्र की

अभिप्राणाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

(ii) वस्तुतः विस्थापित/प्रत्यावर्तित व्यक्ति होने के बावें के समर्थन में निम्नलिखित प्राधिकारियों से लिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्राणाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि:

(क) भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति

(i) बंडकरण परियोजना के ट्रैटिंग केन्द्रों या विभिन्न राज्यों के राहत शिविरों का शिविर संचालक।

अथवा

(ii) उस इलाके का जिला मणिस्ट्रेट जहां पर वह, फिलहाल, रह रहा हो।

अथवा

(iii) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास का प्रधारी अंतिरिक्ष जिला मणिस्ट्रेट।

अथवा

(iv) सब-डिवीजनल अफसर अपने अधीनस्थ सब-डिवीजनल की सीमा सक।

अथवा

(v) शरणार्थी पुनर्वास उपायुक्त, पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वासन) कलकत्ता।

(x) श्रीलंका से प्रत्यावर्तित—:

श्रीलंका में भारत का उच्चायुक्त।

(ग) वर्मा से प्रत्यावर्तित

भारतीय दूतावास, रंगून या जहां का वह रहने वाला हो, उस क्षेत्र का जिला मणिस्ट्रेट।

(घ) भा० से० अ० पाठ्यक्रम में आरक्षित रिक्तियों के लिये प्रतियोगिता में भाग लेने वाले एन० सी० सी० (सी०) प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध)

प्राप्त उम्मीदवारों द्वारा—

यह दियाने के लिये कि उनके पास एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध) है अथवा वह एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध) परीक्षा में प्रवेश ले रहा है/प्रवेश ले चुका है, इस आशय के प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित प्रतिलिपि।

9. शुल्क की वापसी—आवेदन के साथ आयोग को अब किया गया शुल्क वापस करने के किसी अनुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता और न वह किसी दूसरी परीक्षा या घयन के लिये सुरक्षित रखा जा सकता है:

(i) जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क दे दिया है, पर जिसको आयोग में परीक्षा में बैठने नहीं दिया, उसको रु 15.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के मामले में रु 4.00) वापस कर दिया जाएगा। परम्परा यदि कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार डिप्पी परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ है या डिप्पी परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उसके लिये शुल्क की वापसी मंजूर नहीं की जाएगी।

(ii) जो उम्मीदवार नवम्बर, 1978 को सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा में बैठा हो और उस परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी पाठ्यक्रम के लिये उसका नाम अनुसूचित हुआ हो तो उनके मामले में रु 15.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु 4.00) का शुल्क वापस किया जा सकता है, पर यह जल्दी है कि मई, 1979 की सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिये अपनी उम्मीदवारी रद्द कराने और शुल्क वापस पाने के लिये उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 15 अक्टूबर, 1979 को या उससे पहले पहुंच जाए।

10. आवेदन प्राप्ति की सूचना—इस परीक्षा के सिवे निर्धारित कार्य में यिले सभी आवेदनों के पहुंचने की सूचना भेजी जाएगी। अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन पहुंचने की सूचना इस परीक्षा के आवेदन पहुंचने की अंतिम तारीख से एक महीने के अन्तर न मिले तो उसको प्राप्ति सूचना पाने के लिये तकाल आयोग से संपर्क करना चाहिए।

11. आवेदन का परिणाम—अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा शुरू होने की तारीख से एक महीने पहुंचे तक आयोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिये आयोग से तकाल संपर्क करना चाहिए। अगर इस बात का पालन नहीं हुआ तो, उम्मीदवार अपसे मामले में विचार किये जाने के अधिकार से विचित्र हो जाएगा।

12. परीक्षा में प्रवेश—किसी उम्मीदवार की पावता या अपावता के संबंध में संबंध लोक सेवा आयोग का निर्णय अंतिम होगा। आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

13. कवाचार के दोषी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई—उम्मीदवारों को जेताबनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई गलत बिबरण न दें और न किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं। उम्मीदवारों को यह भी जेताबनी दी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी प्रेसेक्यू या उसकी अभिप्राणित/प्रमाणित प्रति में किसी भी हालत में वे किसी तरह का संशोधन या परिवर्तन या कोई फेर-बदल न करें और न ही फेर बदल किये गये/गए हुए प्रेसेक्यू को वे प्रस्तुत करें। अगर इस प्रकार के दो अधिक प्रेसेक्यू में या उनकी अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई अनुद्धिया या असंगति हो तो इस असंगति के बारे में सार्टाकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित कवाचार का दोषी घोषित होता है या हो चुका है—

(i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना;

या

(ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या

(iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना; या

(iv) जाली प्रेसेक्यू या फेर-बदल किये गये प्रेसेक्यू प्रस्तुत करना;

या

(v) प्रशुद्ध या असत्य बक्तव्य देना या मत्स्यपूर्ण सूचना को छिपा कर रखना; या

(vi) परीक्षा के लिये अपनी उम्मीदवारी के संबंधों में किसी अनियत या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना; या

(vii) परीक्षा के समय प्राप्ति तरीके अपनाए हों; या

(viii) उत्तर पुस्तिका(ओं) पर भ्रसंगत बातें लिखी हों जो असली भाषा या अभद्र भाषाय की हों; या

(ix) परीक्षा भवत में और किसी प्रकार का दुर्घटनाकार किया हो; या

(x) परीक्षा बचतों के लिये आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेपाल किया हो या ग्रन्थ प्रकार की शारीरिक अंति पहुंचाई हो, या

(xi) ऊपर के दोषों में उल्लिखित सभी या किसी कवाचार की प्रोट्र प्रदृष्ट होना या आयोग को उत्तेजित करना।

यह अपने दो बंड-अभियोजन का शिकार बनाने के प्रतिरिक्षतः—

(क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है, उसके लिये आयोग द्वारा अमोग ठहराया जा सकता है अथवा

(घ) (i) आयोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या घयन के लिए।

(ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के लिये स्थायी रूप से या कुछ निर्दिष्ट अवधि के लिये घ्रण्य-वर्जित किया जा सकता है और

(ग) भ्रगर वह पत्र से सरकारी नौकरी में हो तो उचित नियमानुसार अनुशासनिक कार्रवाई का पात्र होगा।

14. मूल प्रमाण-पत्र—प्रस्तुतीकरण :—जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर साक्षात्कार के लिये योग्यता प्राप्त करते हैं, उनको लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित होते ही अपनी आयु, शैक्षिक योग्यता आदि के समर्थन में मूल प्रमाण-पत्र आयोग को प्रस्तुत करते ही कहा जाएगा। लिखित परीक्षा के परिणाम संभवतः जुलाई, 1979 में घोषित किया जा सकता है।

15. आवेदन के संबंध में पत्र अवहारः आवेदन के संबंध में सभी पत्र अवहार, संचित, संयोजित लोक सेवा आयोग, शीलपुर हाउस, नई विल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए और उसमें निम्नानुकूल विवरण अवलम्बन होना चाहिए :—

- (1) परीक्षा का नाम।
- (2) परीक्षा का वर्ष और महीना।
- (3) रोल नम्बर, या जन्म की तारीख (भगर रोल नम्बर नहीं मिला हो)।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा और साफ लिखा दृष्टा)।
- (5) पत्र अवहार का पता, जैसा आवेदन-पत्र में दिया है।

ध्यान दें :—जिन पत्रों के साथ ऊपर का अंदर नहीं होगा, हो सकता है, उन पर कोई कार्रवाई न हो।

16. पते में परिवर्तनः उम्मीदवार को इस बात की ध्यानस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन पत्र में दिये पते पर भेजे जाने वाले पत्र आयि आवश्यक होने पर उनके नए पते पर भिजवा दिये जायें। पते में जो भी परिवर्तन हो उसे ऊपर के वेरा 15 में उल्लिखित विवरण के साथ आयोग को यथार्थी शूलित कर दिया जाए।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिये आयोग द्वारा अनुशासित उम्मीदवारों ने भगर परीक्षा के लिये आवेदन करने के बाद अपना पता बदल दिया हो तो उन्हें परीक्षा के लिखित आग के परिणाम घोषित हो जाते ही अपना मता पता तस्काल सेना मुख्यालय, ए० जी० भांच रिकूटिंग, ८ (ए० पी०) (ई) (ii) बेस्ट ब्लाक ३, विंग १, राम-कृष्णपुरम, नई विल्ली-110022 को सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इन भांदेशों का पालन महीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिये सम्मन पत्र न मिलने पर अपने मामले में विवार किए जाने के बावें से बचत हो जायेगा।

यद्यपि प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तनों पर पूरा पूरा ध्यान देते हैं किंतु भी इस संबंध में वह अपने ऊपर कोई गिरिदारी नहीं ले सकते।

17. लिखित परीक्षा में योग्य उम्मीदवारों के साक्षात्कार के संबंध में पूछताछः जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिये अनुशासित हैं, उनको अपने साक्षात्कार के संबंध में सभी पूछताछ और अनुशोध सीधे सेना मुख्यालय, ए० जी० भांच रिकूटिंग, ८ (ए० पी०) (ई) (ii) बेस्ट ब्लाक ३, विंग १, राम-कृष्णपुरम, नई विल्ली-110022 के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिये भेजे गये सम्मन-पत्र द्वारा शूलित की गई तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समझ साक्षात्कार हेतु रिपोर्ट करनी है। साक्षात्कार को स्वीकृत करने से सम्बद्ध अनुशोध पर केवल यथार्थ परिस्थितियों में और प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिये निर्णयिक प्राधिकरण सेना मुख्यालय होगा।

विभिन्न सेवा चयन केन्द्रों पर सेवा चयन बोर्ड के समझ साक्षात्कार हेतु बुलाए गए उम्मीदवार अपने साथ निम्नलिखित यस्तुएं लाएंगे :—

- (क) सफेद कमीज में पासपोर्ट आकार के फोटो की ८ प्रतियाँ।
- (ख) बिस्टर और कम्बल (मोसम के अनुसार)
- (ग) सफेद कमीजों और हाफ पैटों के दो जोड़े।

- (द) एक जोड़ी, पी० टी० के सफेद जूते और दो जोड़े सफेद मोजे।
- (इ) पैटों और कमीजों के दो जोड़े।
- (ख) काउटेन पेन, स्टाही और पेंसिल।
- (छ) बूट पालिश और सफेद ब्लैंको
- (ज) एक मच्छरदानी।

18. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा, योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों का साक्षात्कार, अंतिम परिणाम की घोषणा और अंतिम रूप से योग्य पाए गए उम्मीदवारों का, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में, प्रवेश :—

संघ लोक सेवा आयोग, लिखित परीक्षा में आयोग के निर्णय पर निर्धारित व्यन्तरम अहंक प्रक आप्त करते वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा। ये उम्मीदवार घोषित तथा अक्षितव परीक्षणों के लिये सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होंगे।

जो उम्मीदवार आई० एम० ए० (डी० ई०) कोर्स/और या नेवी (एस० ई०) कोर्स की लिखित परीक्षा में अहंता प्राप्त करते हैं, जाहे वे एस० एस० सी० (एन० टी०) कोर्स के लिये अहंता प्राप्त करें या नहीं, उनको अगस्त/सितम्बर, 1979 में सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिये भेजा जाएगा और जो उम्मीदवार केवल एस० एस० सी० (एल० टी०) कोर्स के लिये अहंता प्राप्त करते हैं, उनको विसम्बर, 1979/अनवरी, 1980 सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिये भेजा जाएगा।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर अपनी ही जोखिम पर वहाँ के परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा चयन बोर्ड में उनका ओं परीक्षण होता है उसके द्वारान या उसके फलस्वरूप अगर उनको कोई बोट पहुंचती है तो उसके लिये सरकार की ओर से कोई अतिरूपि या सहायता पाने के बे हकदार नहीं होंगे, चाहे वह किसी व्यक्ति ही लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीदवारों जो आवेदन-पत्र के साथ संलग्न प्रपत्र में इस आशय के एक प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे।

स्वीकृति हेतु उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा तथा (ii) सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में अलग अलग व्यन्तरम अहंक प्रक आप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा, उनके निर्णय के अनुसार, निश्चित किये जाएंगे। लिखित परीक्षा तथा से० च० बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर उम्मीदवारों को योग्यता-क्रम में रखा जाएगा। अलग, अलग उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किम रूप में और किस प्रकार सूचित किये जाएं, इस बात का निर्णय आयोग अपने प्राप्त करेगा और परिणाम के संबंध में उम्मीदवारों से कोई पत्र अवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने मात्र से भारतीय सेना भकादमी, नौसेना आविकारी प्रशिक्षण साला में, जैसी स्थिति हो, प्रवेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा। अंतिम चयन शारीरिक अग्रसा और अग्र सभी बातों में उपयुक्तता के अतिरिक्त उपलब्ध रिक्तियों की संख्या को दृष्टि में रखते हुए योग्यता के क्रम से किया जाएगा।

19. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिये अनुहृताएँ : जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा भकादमी, भारतीय सेना भकादमी, वायुसेना उड़ान महाविद्यालय, नौसेना भकादमी, कोचीन और अधिकारी प्रशिक्षणसाला, मारास में वहाँ प्रवेश पा चुके हैं, पर अनुशासनिक आधार पर वहाँ से निकाल दिये गये हैं, उनको भारतीय सेना भकादमी, नौसेना भकादमी या याल-सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन में प्रवेश देने की बात पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण पहले भारतीय सेना भकादमी में वापस लिया गया हो उनकी भारतीय सेना भकादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को स्पेशल एण्ट्री नेवल फैडेस के रूप में पहले तून लिया गया हो, पर बाद में एक अधिकारी में प्रवेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण राष्ट्रीय रक्षा भकादमी या नौसेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों से वापस लिया गया हो, वे भारतीय नौसेना में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी में प्रवेशित लक्षणों के ग्राहक के कारण भारतीय सेना अकादमी, अधिकारी प्रशिक्षणशाला, एन० सी० सी० तथा स्नातक पाठ्यक्रम से वापस लिया गया हो, उनके बारे में यह सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन देने की बात पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों, को एक अधिकारी में प्रवेशित लक्षणों के ग्राहक के कारण, एन० सी० सी० तथा स्नातक पाठ्यक्रम से पहले वापस लिया गया हो, उनको भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश नहीं किया जाएगा।

20. भारतीय सेना अकादमी या नी सेना अकादमी में प्रशिक्षण के समय विवाह पर प्रतिबन्ध: भारतीय सेना अकादमी और नी सेना अकादमी के पाठ्यक्रमों के उम्मीदवारों को इस बात का वचन देन है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा, तब तक वे शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार अपने प्रवेशदाता की तारीख के बाद शादी कर लेता है, उसको प्रशिक्षण के लिये चुना नहीं जाएगा, वहाँ वह इस परीक्षा में या अगली किसी परीक्षा में भाग नहीं ले सकता है। जो उम्मीदवार प्रशिक्षण काल में शादी कर लेगा, उसे वापस भेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो दैसा छर्च किया है, वह सब उससे बसूल किया जाएगा। अल्पकालिक सेवा कमीशन (एन० टी०) के पाठ्यक्रम का कोई भी उम्मीदवार

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ शादी की हो या शादी के लिये संविदा कर ली हो जिसकी वहाँ से कोई जीवित पति है या या

(ख) जिसने, वहाँ से जीवित पति-पत्नी होते हुए भी, किसी व्यक्ति से शादी की हो या शादी के लिये संविदा कर ली हो।

अधिकारी प्रशिक्षणशाला में प्रवेश/अल्पकालिक सेवा कमीशन की प्रवत्ति का पालन नहीं होगा।

परन्तु, यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि इस तरह की शादी ऐसे व्यक्तियों के लिये भी शादी की दूसरी तरफ के व्यक्तियों के लिये लागू व्यक्तिगत कानून के अनुसार अनुमोदनीय है और ऐसा करने के ठोस कारण है तो किसी व्यक्ति को वह इस नियम के अनुपालन से छूट दे सकती है।

21. भारतीय सेना अकादमी या नी सेना अकादमी में प्रशिक्षण के समय प्रतिबन्ध: भारतीय सेना अकादमी या नी सेना अकादमी में प्रवेश प्राप्त करने के बाव उम्मीदवार किसी दूसरे कमीशन के लिये विचार योग्य नहीं होगे। भारतीय सेना अकादमी या नी सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अंतिम रूप से उनका वचन हो जाने के बाव उनको भी और किसी भी साक्षात्कार या परीक्षा में उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

22. बीड़िक परीक्षण संबंधी सूचना, रक्षा मंत्रालय (ममोरेजनिक अनुसंधान निवेशालय) ने "सेवा व्यवन बोर्ड में उम्मीदवारों की बीड़िक परीक्षण उपलब्धियों का अध्ययन" (ए स्टडी पाइक इंटेलिजेन्स टेस्ट कोर्स आफ कंडीक्यूट्स एंड सर्विसेज सेनेक्षन बोर्ड्स) शीर्षक पुस्तक प्रकाशित की है। इस पुस्तक को प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीदवार सेवा व्यवन बोर्ड के बीड़िक परीक्षणों के स्वरूप और स्वभाव से परिचित ही जाए।

यह समूल्य पुस्तक प्रकाशन है और बिक्री के लिये प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइसेंस, दिल्ली 110054 के यहाँ मिल सकती है। डाक द्वारा आदेश देकर या नकद भगतान के द्वारा उनसे यह तीव्र प्राप्त की जा सकती है। केवल नकद भगतान के द्वारा उनसे यह तीव्र प्राप्त की जा सकती है। बिक्री के लिये विचार योग्य अनुसार अनुसार अनुमोदनीय है। इस पुस्तक को प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीदवार सेवा व्यवन बोर्ड के बीड़िक परीक्षणों के स्वरूप और स्वभाव से परिचित ही जाए।

23. जिन पुस्तकाधीनों में नियमावली तथा पिछली परीक्षाधीनों के प्रश्न पत्रों का व्यौरा सम्मिलित होता है उनके बारे में सूचना।

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, मई, 1978 से इस परीक्षा की योजना में सम्मिलित सभी प्रश्न-पत्रों के लिये बस्तुपूरक प्रश्न के लागू किये जाने पर इस परीक्षा के लिये नियमावली और प्रश्न-पत्रों सहित पुस्तिका का मुद्रण बन्द कर दिया गया है। किन्तु जिन पुस्तिकाधीनों में नियमावली तथा नवम्बर, 1977 में ही सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा तक पिछली परीक्षाधीनों का व्यौरा सम्मिलित है, उनकी बिक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइसेंस, दिल्ली-110054 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहाँ से मेल आंदर अधिकार नकद भगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिवोल्वरी सिनेमा के सामने एम्पोरियम बिल्डिंग 'सी' ब्लाक, बाबा द्वारगंगासिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन शाखा का बिक्री काउंटर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001, और (iii) गवर्नर्मेंट आफ इंडिया बुक हिपो, 8-को० एस० रोड, कलकत्ता-700001 से भी नकद ऐसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाधीन प्रकाशन नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से प्राप्त की जा सकती हैं।

भार० एस० अहलुवालिया,
उप-सचिव

परिशिष्ट I

(परीक्षा की योजना, स्तर और पाठ्य-बिवरण)

क. परीक्षा की योजना

1. प्रतियोगिता परीक्षा में नियमित सम्मिलित होगा—

(क) नीचे के पैरा 2 में नियमित रीति से लिखित परीक्षा,

(ख) उन उम्मीदवारों का बद्ध और व्यक्तिगत परीक्षण (इस परिशिष्ट के भाग ब के अनुसार) के लिये साक्षात्कार जिन्हें किसी भी एक साधिसेज सेनेक्षन सेंटर में साक्षात्कार के लिये बूलाया जायेगा।

2. लिखित परीक्षा के विषय, उनके लिये दिया जाने वाला समय और प्रथमेक विषय के लिये नियत अधिकार तम अंक नियमित होंगे—

(क)—भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश के लिये

विषय	अवधि	अधिकार तम अंक
प्रतिवार्षी—		
1. अंतर्वी	2 घंटे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100
3. प्रारंभिक गणित	2 घंटे	100

बीड़िकल्पी—नियमित सम्मिलित में से कोई एक विषय

विषय	कोई संस्कार नियत समय	अधिकार तम अंक
भीतिकी	01	2 घंटे
एसायन विज्ञान	02	2 घंटे
गणित	03	2 घंटे
वनस्पति विज्ञान	04	2 घंटे
प्राणि विज्ञान	05	2 घंटे
भूविज्ञान	06	2 घंटे
भूगोल	07	2 घंटे
प्रग्रेजी साहित्य	08	2 घंटे
भारत का इतिहास	09	2 घंटे
सामाज्य अर्थशास्त्र	10	2 घंटे
राजनीति विज्ञान	11	2 घंटे
समाज शास्त्र	12	2 घंटे
मनोविज्ञान	13	2 घंटे

(ख) नोनेना श्रकादमी में प्रवेश के लिये

विषय	नियत समय	ग्राहिकतम अंक
संनिवार्य :		
1. अंगेजी	2 घंटे	100
* 2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100
वैकासिक		
* 3. प्रारम्भिक गणित या प्रारम्भिक भौतिकी	2 घंटे	100
* 4. गणित या भौतिकी	2 घंटे	150

*जो उम्मीदवार प्रारम्भिक गणित लेंगे उन्हें जीये प्रश्न पढ़ में भौतिकी विषय लेना होगा तथा जो उम्मीदवार प्रारम्भिक भौतिकी लेंगे उन्हें जीये प्रश्न-पत्र में गणित विषय लेना होगा।

(ग) ग्राहिकारी प्रशिक्षण ग्राला में प्रवेश के लिये

विषय	नियत समय	ग्राहिकतम अंक
1. अंगेजी	2 घंटे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100

लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिये जो अधिकतम अंक नियत किये गये हैं वे प्रत्येक विषय के लिये समान होंगे अर्थात् भारतीय सेना श्रकादमी, नो नोना श्रकादमी और श्रकादमी द्वेनिंग स्कूल में भर्ती के लिये लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिये नियत अधिकतम अंक क्रमशः 450, 450 और 200 होंगे।

3. समस्त विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे। नमूने के प्रश्नों सहित विस्तृत विवरण कृपया परिचार्षित V पर उम्मीदवारों को सूचनार्थी विवरणिका में देखिये।

4. प्रश्न-पत्रों में जहां भी आवश्यक होगा केवल तोल और गाप की मीटरी पद्धति से संबंधित प्रश्नों को ही पूछा जाएगा।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्रों के उत्तर प्रपत्र हाथ से लिखने चाहिये। किसी भी दशा में उन्हें प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए लिखने वाले की सहायता सुलभ नहीं की जायेगी।

6. परीक्षा के एक या सभी विषयों के अर्हक अंकों का निर्धारण आयोग की विकास पर है।

वा. परीक्षा का स्तर और पाठ्य विवरण

स्तर

प्रारम्भिक गणित के प्रश्न पत्रों का स्तर मैट्रिक्युलेशन परीक्षा का होगा, प्रारम्भिक भौतिकी के प्रश्न-पत्र का स्तर उच्चतर माध्यमिक परीक्षा जैसा होगा।

अन्य विषयों में प्रश्न-पत्रों का स्तर लगभग वही होगा जिसकी किसी भारतीय विषयविद्यालय के स्नातक से अपेक्षा की जा सकती है।

इनमें से किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

पाठ्य विवरण

अंगेजी

प्रश्न-पत्र इस प्रकार होगा जिससे उम्मीदवार की अंगेजी और अंगेजी के शब्दों के बोध की परीक्षा जी जा सके।

सामान्य ज्ञान

सामान्य ज्ञान तथा साथ में समसामयिक घटनाओं और दिन प्रतिदिन देखे और अनुभव किये जाने वाले इसी तरह के मामलों के वैज्ञानिक पथ 13-386GI/78

की जासकारी, जिसकी किसी देसे शिखित अधिकार से अपेक्षा की जा सकती है, जिसे किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो। प्रश्न-पत्र म भारत के इतिहास और भगवत् से संबंधित ऐसे प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवारों को, उन विषयों का विशेष अध्ययन किये बिना, देना चाहिये।

प्रारम्भिक गणित,

अंक गणित'

संख्या पद्धतियाँ—घनपूर्ण संख्यायें, पूर्णांक, परिमेय और वास्तविक संख्याय, मूल संक्रियायें—जोड़, घटाना गुणन, और विभाजन, वर्ग मूल, दशमलव भिन्न।

ऐकिक विधि—समय तथा दूरी, समय तथा कार्य प्रतिशतता-साधारण तथा अन्तर्वृद्धि व्याज में अनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, अनुपात और समानुपात विचरण।

प्रारम्भिक संख्या सिद्धान्त—विभाजन की कलन विधि, अभाज्य और भाज्य संख्याय, 2, 3, 4, 5, 9 और 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण अपवर्त्य और गुणन खण्ड। गुणन वैधत ग्रन्थ। महत्तम समापवर्तक तथा लघुतम समापवर्त्य, यूफिलड फी कलन विधि।

आधार 10 तक लघुगणक, लघुगणक के नियम, लघुगणकीय सारणियों का प्रयोग।

बीज गणित

आधार भूत संक्रियाएँ: साधारण गुणन खण्ड। ग्रेष फल प्रमेय, ब्रह्मपदों का महत्तम समापवर्तक और लघुतम समापवर्त्य। द्विघत समीकरणों का हल, इसके भूलों और गणकों के बीच सम्बन्ध। (केवल वास्तविक मूल पर विचार किया जाए)। दो अकात रूपिणीयों में युगपत् रैखिक समीकरण—विलोपण और ग्राफ सम्बन्धी हल। दो चरों में युगपत् रैखिक असिमिकाएँ और उनके हल प्रायोगिक प्रश्न जिनसे दो चरों में दो युगपत् रैखिक समीकरण या असमिकाएँ बनती हैं या एक चर में द्विघात, समीकरण तथा उनके हल, समुच्चय भाषा तथा समुच्चय अंकन पद्धति, परिमेय अंक तथा सप्रतिबन्ध तत्समक आतंक नियम।

त्रिकोणमिति :

ज्या X, कोटिज्या X, स्पर्श रेखा X जब $0^\circ \leq X \leq 90^\circ$ ।

ज्या X, कोटिज्या X, स्पर्श रेखा X का मान व्याप्तीक $X = 0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ, 90^\circ$ सरल त्रिकोणमितीय तत्समक।

त्रिकोणमितीय सारणियों का प्रयोग।

अंचाईयों और दूरियों के सरल कोश।

ज्याविति :

रेखा और कोण, समतल और समतल आकृति। त्रिमन्त्रित पर प्रमेय:—(i) किसी विभुत पर कोणों के गुण धर्म, (ii) समातर रेखाएँ, (iii) किसी विभज की भूताएँ, और कोण, (iv) विभुतों की समवैगमनता (v) समस्या विभुत, (vi) माध्यिकाओं और शीर्ष सम्बन्धों का संगमन, (vii) समातर चतुर्भुजों, आयत और वर्ष के कोणों, भूजाओं के विकणों के गुण धर्म, (viii) चूत और उसके गुण धर्म जिनमें, स्वर्ण रेखा तथा अभिलम्ब भी शामिल हैं (ix) स्थानिक संधक।

विस्तार कलन :

घणी, आयतों, समातर चतुर्भुजों, विभुतों और वृत्तों क्षेत्रफल। उन आकृतियों के क्षेत्रफल जो इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं। (अंचाई) घनामों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन/लम्ब वृत्तीय घंकों और बैसनों का पार्श्व-पृष्ठ तथा आयतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन।

सामिकी

सामिकीय तथ्यों का संग्रहण तथा सारणीयन। आलेखी निरूपण-बारम्बारता वहुभूज, आयत चित्र, शालाका चार्ट, पाई चार्ट आदि, केन्द्रीय प्रवृत्ति का माप, रेखाओं के वीच-कोण।

प्रारम्भिक भौतिकी

(क) विस्तार फलन:—मापन के मापक, सी० बी० एस० और एम० के० एस० मापक। आदेश और संदर्भ। बल और वेग का संयोजन तथा नियोजन। एक समानत्वरण। एक समानत्वरण, के अधीन व्यु-रेखीय गति। व्यूटन के गति नियम। बल की संकल्पना। बल के भावक। मावा और भार।

(ख) पिंड का धतु विज्ञान:—गूरुत्व के अधीन/समानान्तरण बल। गूरुत्व केन्द्र सामान्यत्वा/वाधारण मशीन/वेग अनपात आनंद समतल / वेच और गिराव सहित विशिष्ट साधारण मशीन/वर्षण, वर्षण कोण, वर्षण गुणांक कार्य, शक्ति और ऊर्जा/प्रतिलिपि और गतिज ऊर्जा।

(ग) तरल गुणधर्म:—दाव और प्रयोग/पास्कल का नियम। आर्क-मिडिल का नियम। धनत्व और विशिष्ट गूरुत्व पिंडों और ब्रह्मों के विशिष्ट गूरुत्वों को निर्धारित करने के लिये आर्कमिडिल के नियम का अनुपयोग। प्लबन का नियम के गैस द्वारा प्रयोग में लाये गये दाव का मापन। आयल नियम/वायु पम्प।

(घ) ताप—पिंडों का रेखिक विस्तार और ब्रह्मों का शालाकार विस्तार ब्रह्मों का वास्तविक तथा आमासी विस्तार। द्रव्याल्स, नियम परमशून्य आयल और बाल्स नियम, पिंडों और ब्रह्मों का विशिष्ट ताप, हीलो-रीमिटि/ताप का संचरण, धारुओं की ताप संवाहकता। स्थिति परिवर्तन। संलयन और वाष्पन की गुप्त ऊर्जा। एस० बी० पी० नमी (आइसो औरोसांक और आपेक्षिक आपेक्षा।

(इ) प्रकाश:—भूजरेखीय संचरण। परावर्तन के नियम। गोलीय दर्पण, अपवर्त्तम, अपवर्त्तन के नियम, लैन्स, प्रकाशिक यंत्र कैमरा, प्रक्षेपण, पारापार चित्रवर्णी दूरबीन, दूरधर्मी, वाइनोक्यूलर तथा परिवर्ती। पिंड, प्रकीर्ण, के माप्यम से अपवर्त्तन।

(ज) छवनि:—छवनि संचरण, छवनि परावर्तन, अनुनाद। छवनि ग्रामो-फोम का अधिसेवन।

(झ) चुम्बकत्व तथा विशुद्धि—चुम्बकत्व के नियम, चुम्बकीय धोका, चुम्बकीय धल रेखाएं, पार्थिक चुम्बकत्व। शालक और रोकी। आमनियम, पी० बी० प्रतिरोधक, विशुद्धि चुम्बकीय धल, श्रेणी पार्थे में प्रतिरोधक। विभवमापी विशुद्धि चुम्बकीय धल की तुलना। विशुद्धि धारा का चुम्बकीय प्रभाव चुम्बकीय क्षेत्र में संवाहकता। फ्लोरिंग का आम हस्तनियम। मापक यंत्र—धारामापी ऐसीटर, बोल्ट मीटर, वाटमीटर, विशुद्धि धारा का धारायनिक प्रभाव, विशुद्धि, सेपन, विशुद्धि चुम्बकीय प्रेरण, केरारे नियम, बेतिक ए० सी० तथा बी० सी० जनित।

भौतिकी (कोड 01)**1. पदार्थ के सामान्य गुण और यांत्रिकी**

मूनिटें और विमाएं, स्कैलर और बैंकटर, मात्राएं, जड़त्व आधुर्ण, कार्य ऊर्जा और संवेग। यांत्रिकी के मूल नियम, घूर्णी गति, गूरुत्वाकर्षण। सरल आवर्ती गति, सरल और असरल लोलक, प्रस्ताविता; प्रछल तमाव, दृष्टि की शयालता, रोटरी एम्प।

2. छवनि

छवमंदिर, प्रणोदित और मृक्त कम्पन, तरंग-गति, डॉप्लर प्रभाव, छवनि तरंग वेग, किसी गैस में छवनि के वेग पर शब्द, तापमान और आपेक्षा का प्रभाव, डोरियों, मिलियों और गैस स्तरों का कम्पन, अमूवाद, विस्तर, स्थिर तरंगे। छवनि का आवृत्ति वेग तथा तीव्रता। परावर्त्य के मूल तत्व। ग्रामोफोन, टार्कीज और लाउड स्पीकरों के प्रारम्भिक सिद्धान्त।

3. ऊर्जा और ऊर्जा गति विज्ञान

तापमान और उसका मापन; तापीय प्रसार, गैसों में समतापी तथा द्रोष्य परिवर्तन। विशिष्ट ऊर्जा और ऊर्जा जालकता; द्रव्य के अनुगति सिद्धान्त के तत्व; बोल्टसमन के वितरण नियम का भौतिक बोध, लोडरवाल का अवस्था समीकरण, जूल याम्पसन प्रभाव, गैसों का द्रवण; ऊर्जा इंजन; कार्नोट-प्रमेय, ऊर्जागति-विज्ञान के नियम और उनका सरल अनप्रयोग। कृत्तिका विकिरण।

4. प्रकाश

ज्यामितीय प्रकाशिकी। प्रकाश का वेग, समतापी और गोलीय पृष्ठों पर प्रकाश का परावर्तन और अपवर्तन। प्रकाशीय प्रतिविम्बों में गोलीय और वर्णिक दोष और उनका निवारण। नेत्र और अन्य प्रकाशिक यंत्र। प्रकाश का तरंग सिद्धान्त, व्यक्तिकरण।

5. विशुद्धि और चुम्बकत्व

विशुद्ध-धोके के कारण ऊर्जा, द्रव्य के वैश्वृत और चुम्बकीय गूण धर्म, हिस्टेरिसिस चुम्बकीयता और चुम्बकीय प्रवृत्ति; विशुद्ध धारा से उत्पन्न चुम्बकीय धोक; मूर्खिंग मैनेट एण्ड मूर्खिंग क्वायल गैलवेनोमीटर; धारा और प्रतिरोध का मापन; रिएक्टिव सर्किट एलिमेन्ट्स के गूण धर्म और उनका निर्धारण; ताप-विशुद्धि प्रभाव, विशुद्धि चुम्बकीय प्रेरण, प्रत्यावर्ती धाराओं का उत्पादन। ड्रॉसफार्मर और मोटर; इलेक्ट्रोनिक वाल्व और उनके सरल अनुप्रयोग।

6. आवृत्ति भौतिकी

धोर के परमाणु सिद्धान्त के तत्व, इलैक्ट्रोलैंस, गैसों द्वारा विशुद्धि का विसर्जन, क्षेत्र ए। रेडियोएक्टिवता, कृतिम रेडियों ऐक्टिवता, आई-सोरोप, विशंडन और संस्थयन की प्रारम्भिक धारणा।

रसायन विज्ञान (कोड 02)**1. अकार्बनिक रसायन विज्ञान:**

तत्वों का इलैक्ट्रोलैंस, विन्यास, आफवाऊ सिद्धान्त, तत्वों का आवर्ती वर्गीकरण। परमाणु क्रमांक। संक्षण तत्व और उनके सक्षण।

परमाणु और आयनिक विज्ञान, आयनन विभव। इलैक्ट्रॉन बैस्तूत और विशुद्धि क्षम्यात्मकता।

प्राकृतिक और हृतिम विष्टनामिकता। नाभिकीय विष्टनाम और संलयन।

संयोजकता का इलैक्ट्रोलैंस, सिम्म और पाई बन्ध के बारे में प्रारम्भिक विचार, सहस्रयोजी आवर्त्त की संकरण और विशिक प्रकृति।

वारनेर का समन्वय मिश्रण सिद्धान्त। उभयनिल धातुकर्मीय तथा विश्लेषीय प्रवालनों में निष्ठा त सम्मिश्रों का इलैक्ट्रोलैंस के विन्यास।

आकसीकरण स्थितियों और आकसीकरण संक्षण। सामान्य उपचायक तथा आपचायक आस्कोकारक। आयनिक समीकरण।

ल्यूप्स और ब्रन्सटेव के अम्ल धारा सिद्धान्त।

सामान्य तत्वों का रसायन विज्ञान और उनके आविश्य जिनकी विशेष रूप से आवर्ती वर्गीकरण की दृष्टि से अधिकार्यों की गई हो। निष्कर्षण के सिद्धान्त। महत्वपूर्ण तत्वों का नियोजन (और धातुकी)।

हाइड्रोजन पराकार्बन ईड की संरचना, डाइबोरेन, ऐलूमिनियम क्लो-राइड तथा नाइट्रोजन, फाल्सीरस क्लोरीन और ग्लैक के महत्वपूर्ण आक्सी-ऐसिड।

अकिय गैस: वियोजन तथा रसायन।

अकार्बनिक रसायन विश्लेषण के सिद्धान्त।

सोडियम कार्बोनेट सोडियम हाइड्रोक्लोराइड, अमोनिया, नाइट्रिक अम्ल, गन्धकीय अम्ल, सीमेट, ग्लास और कृतिम उर्वरकों के निर्माण की रूप रेखा।

२. कार्बनिक रसायन विज्ञान

महसूसयोगी आवधन, की आधुनिक सकलताएँ। इलैक्ट्रोन विस्थापन प्रेरणीक, मेसोमरी और अति संयुक्त प्रभाव। अनुवाद और कार्बनिक रसायन में उसका अनुप्रयोग। नियोजन स्थिराक। (विसी सिएशन कार्स्टेट)

पर संरक्षण का प्रभाव।

ऐलेक्ट्रोन और ऐलेक्ट्रोन विज्ञान। कार्बनिक मिश्रण के ग्रोव के रूप में वैद्योलियम। एलिक्ट्रोटिक मिश्रणों के सरल व्युत्पन्न। ऐल्कोहॉल, ऐल्की हाइड्रोज़, एस्टर्स, विथर, अम्ल ऐलीक्ट्रोहॉल और अमिनो। एक्स्ट्राक्ट की हाइड्रोज़ कीटी और ऐमीनो अम्ल। कार्बनिक विद्युत मिश्रण और एक्स्ट्रोएक्टिक एस्टर्स। टाटरिक, सिट्रिक और फूलरिक अम्ल। आबूहाइड्रोज़ अपीकरण और सामान्य अभिक्रिया। ग्लूकोस, फल गर्कंदा और इथू शर्फरा।

विविध रसायन: प्रकाशकीय और अमानितीय समान्यता। संरूपण की संकल्पना।

बैन्कीन और इसके साधारण व्युत्पन्न; टालूहैन, जाइलीन, फीनाल, हैलाइड, नाइट्रो, और ऐमीनो मिश्रण। बैन्काइक सैलिमिक, सिनेमिक, मैडेलिक और सिल्फोनिक अम्ल, एरोमैटिक ऐलिक्ट्रोहॉल और कीटोन। डाइजो, एजो और हाइड्रोजो मिश्रण, एरोमैटिक प्रतिस्थापन। नैपथ्यीन, पिरिजीन और क्यूनोलिन

३. भौतिक रसायन

वैसों और वैस नियमों का गतिक सिद्धान्त। मध्यसंवेद का वेग वितरण नियम। वानरेवाल का समीकरण। संगत अवस्थाओं का नियम। वैसों का ग्राविटेशन। गसों की विशेष ऊर्जा। सी० पी०/सी० वी० का अनुपात।

ऊर्जागतिकी:

ऊर्जागतिकी का पहला नियम। समतापी और द्वितीय प्रसार/पूर्ण ऊर्जा। ऊर्जा धारिता। ऊर्जरसायन अभिक्रिया। ऊर्जा; विरचन, विलयन और दहन। आवश्यकता की गणना। किरणों का समीकरण।

स्वतः प्रवर्तित परिवर्तन का मानवाङ्क। ऊर्जागतिकी का दूसरा नियम एन्ट्रोपी। सुखत ऊर्जा। रासायनिक सन्तुलन का मानवाङ्क।

घोल—पारासरण दाव, बाष्प दाव का कम करना, बाष्पहिमांक अवनयन, अवनयन की घड़ासा। घोल में अणु भार निश्चित करना। विलयों का संगणन और वियोजन।

रासायनिक सन्तुलन। विद्युतमान अनुपाती अभिक्रिया और समांगी तथा विषमांगी सन्तुलन। सा-ग्रातेलिए नियम। रासायनिक सन्तुलन पर ताप का प्रभाव।

विद्युत रसायन: फेराडे विद्युत अपघटन नियम; विद्युत अपघटन की चालकता; तुल्यांकी चालकता और तनुता में उसका परिवर्तन; अल्प विलय लवणों की विलयता; विद्युत अपघटनी वियोजन। जोस्टबाल्ड तनुता नियम, प्रवल विद्युत अपघटकी की असंगति, विलयता, गुणनफल, अम्लों और क्षारकों की प्रबलता, लवणों का जल अपघटन; हाइड्रोजेन आयन की साधाता, उमय प्रतिरोध क्रिया (बकरक्रिया) सूचक सिद्धान्त।

उत्कर्षणीय सेल। मानक हाइड्रोजेन और कैलोमेन इन्हेक्टोड और रेस्ट्राक्ट विभव। सान्द्रता सेल। पी० एच० का निर्धारण। अभिगमनकार पानी का आयनी गुणनफल। विषय मूलक अनुप्रयोग।

रासायनिक बलगतविज्ञान। अणुसंघता और अभिक्रिया की कोटि। प्रथम कोटि की अभिक्रिया और दूसरी कोटि की अभिक्रिया। तापमान अभिक्रिया की कोटि का निर्धारण, अपकानिकता तापाक और संक्रियण ऊर्जा। अभिक्रिया दरों पर सवट्ट लिंगांत। मिक्रियत मुख्य सिद्धान्त।

प्रावस्था नियम। इसकी गणकात्मियों की व्याख्या। एक और वो घटक तन्त्र का अनुप्रयोग। वितरण नियम।

कोलाइड: कोलाइडी विलयन का सामान्य स्वरूप और उनका चर्गी-करण; कोलाइड के विरचन और गुणों की सामान्य रीत। स्कन्दन। रक्षक क्रिया और स्वरूप। अधिष्ठोषण।

उपर्युक्त: समांग और विषमांग उत्प्रेरण। विवाकतन वर्धक।

प्रकाश रसायन: प्रकाश रसायन के नियम। मरन संक्षात्मक।

गणित: (कोड: 03)

१. बीजगणित:

समस्यायों की बीजगणित, संबंध और फलन, फलन का प्रतिलोम, संयुक्त फलन, तुल्यता संबंध; परिमेयसूचकांक के लिये इ-मौयवर का प्रमेय और उनका सरल अनुप्रयोग।

२. मैट्रिसेस: मैट्रिसेस की बीजक्रिया, सारणिक मारणिकों के सरल गुण, सारणिकों के गुणनकल; महान्डज-आव्यूह; मैट्रिसेसों का प्रतिलोमन, मैट्रिसेस की जाति। रैखिक समीकरण के हन निकालने के लिए मैट्रिसेसों का अनुप्रयोग (तीन अव्यात संख्याओं में)।

३. विश्वसिक ज्यामिति:

विविध की विश्वसिक ज्यामिति: सरल रेक्टांग, सरल रेक्टांग की जोड़ी, वृत्त, यून निकाय, परवलय, वीर्वृत्त अतिपरिक्षय (मूळ त्रियों के संबंध में)। द्वितीय अंश समीकरण का मानक रूप में लवकरण। सर्वरेखाएं और अभिलंब।

विविध की विश्वसिक ज्यामिति:

समतल, सीधी रेखाएं और गोलक (केवल कार्तीय निर्देशांक)।

४. फलन (केलकुलस) और विभिन्न समीकरण:

अवकल गणित: सीमान्त की संकल्पना, वास्तविक चार फलन का सीतल्य और अवकलनियता, मानक फलन का अवकलन, उत्तरोत्तर अवकलन। रील का प्रमेय। मध्यमान प्रमेय; मैक्सारिन और टेलर सीरिज (प्रमाण आवश्यक नहीं है) और उनका अनुप्रयोग; परिमेय सूचकांकों के लिए द्विपदप्रसरण चर्चातों प्रसरण, लघुगणकीय विकोण-विलोमीय और अतिपरवलयिक फलन। अनिर्धारित रूप। एकल चार फलन का उच्चिष्ठ और अल्पिष्ठ, स्पर्शरेखा, अभलम्ब, अध: स्पर्शी, अधीसम्ब, असम्भवस्पर्शी अक्षरा (केवल कार्तीय निर्देशांक) जैसे ज्यामितीय अनुप्रयोग। एनक्सेप, आंशिक अवकलन। समांगी फलनों से संबंधित आवलर प्रमेय।

समाकलन-गणित—समाकलन की मानक प्रणाली। भवत फलन के निपित्त समाकलन की रीमान—परिमाण। समाकलन गणित के मूल विद्यान्त। परिशोधन, घोकलन, आपतन और परिक्रमण अनाकृति का पृष्ठीय घोकलन। संबंधित समाकलन के बारे में सिस्प्सन का नियम।

अवकल समीकरण: प्रथम कोटि के मानक अवकल समीकरण का हल निकालना। नियम गुणांक के साथ द्वितीय और उच्चतर कोटि के रैखिक समीकरण का हल निकालना। वृद्धि और क्षय की नमृत्याओं का मरल अनुप्रयोग, सरल हारमोनिक रूपन्तरण। माधारण। नेन्हुलम और समदिश।

५. अविकल (वेक्टर पद्धति का उपयोग किया जा सकता है)।

स्थिति विज्ञान:—समतलीय तथा सामानी शब्दों की सम्यावस्था की स्थिति। साधारण तत्वों के गुहात्व केन्द्र। स्वरूपित घण्टण, साम्यावर्षण और सीमान्त घण्टण। घण्टण कोण। रूप आनंद समतल पर के कण की साम्यावस्था। कल्पित कार्य (दो आयामों में)।

गति-विज्ञान:—गुद्ध गति विज्ञान—कण का त्वरण, वेग, चाल और विस्थापन, अपेक्षित, वेग। निरन्तर त्वरण की अवधारण में सीधी रेखा की गति। न्यूटन गति संबंधी विद्यान्त। सकेन्ड कक्ष। सरल प्रसंवदा गति। (निर्वात में) गुरुवावस्था में गति। गति और ऊर्जा, रैखिक संवेद और ऊर्जा का सरज्ञ। समान वर्तुल गति।

६. सांख्यिकी—प्रायिकता—प्रायिकता की गालीय और सांख्यिकीय परिमाण, संचयात्मक प्रणाली की प्रायिकता। गार्फार्ड, पोर्ट एवं गणन प्रमाण, सप्रतियथ विविकता। यादृच्छिक चर (विवरण और आवरण), घनत्व फलन, गणितीय प्रत्यापा।

मानक वितरण—हिंपद वितरण, परिभाषा, माध्य और प्रसरण, वैषम्य सीमात्मक रूप सरल अनुप्रयोग। व्यासो वितरण परिभाषा-माध्य और प्रसरण, योज्यता, उपलब्ध आंकड़ों में व्यासों बटन का सम्बंध। सामान्य वितरण, सरल समानुपात और सरल अनुप्रयोग, उपलब्ध आंकड़ों में सामान्य में प्रसामान्य बटन का सम्बंध।

द्वितीय वितरण—सह सबधार, वो चरों का रैखिक समान्वयण, सीधी रेखा का सम्बंध, परवलयिक और चलधारातीकी वक, सह संबंधित गुणों के गुण।

सरल प्रतिदर्श वितरण और परिकल्पनाओं का सरल परीक्षण यादृ-किञ्चित प्रतिदर्श। सांख्यिकी, प्रतिवर्णी बटन और मानक लूटि। मध्य पदों के अन्तर की अर्थात् को परीक्षण में प्रयामान्य दी, सी. एच. ० आई.० (CH12) और एक० का सरल वितरण।

ट्रिप्पणी—उभीद्वारा को दो विषयों—सं० ५ यांत्रिकी और सं० ६ सांख्यिकी—में से किसी एक विषय पर प्रश्नों के उत्तर लिखने का विकल्प होगा।

वनस्पति विज्ञान (कोड 04)

1. वनस्पति जगत का सर्वेक्षण—प्राणियों और पौधों में अन्तर:—
जीवित जीव की विवेषताएः: एक कोशिक और बहु कोशिक जीव: बाहरस वनस्पति जगत के विभाजन का आधार।

2. आकृति विज्ञान:—(i) एक कोशिका पौधे—कोशिका, इसकी संरचना और अन्तर्बंधु कोशिकाओं का विभाजन और संबंध।
(ii) बहुकोशिका पौधे—असंबहनी और संबहनी पौधों के कार्य में भेद: संबहनी पौधों का बाह्य और आंतरिक आकृति विज्ञान।

3. जीवन वृत्त: इन पादप वर्गों के प्रत्येक वर्ष के कम से कम एक पौधे का जीवनवृत्त—बबटीरिया, नील रहित शेवाल वर्ग (साइनोफाइसी), फ्लोरोफाइसी: भरा शेवाल वर्ग, वियाकालाल शेवाल वर्ग (रोडोफाइसी), पाइक्स्पासाइसिटीज, एस्कोमाइसिटीज, बेसिडिमी, कवक, लिवरबटे; मासेस; टेरिडोफाइटीज, जिम्नोस्पर्म और ऐनियोस्पर्म।

4. वर्गीकरण के नियम, ऐनियोस्पर्म के वर्गीकरण की मुख्य पद्धतियाँ:

विन्मलिखित कुलों के विशिष्ट लक्षण और आंतरिक महत्व:—
ग्रामिन सिटामिन, पामेसी, लिलिएसी, आकिडेसी, मोरेसी, सौरेन्येसी; मनोलिएसी, लारेसी, कृसिकेरी; लाग्युमिनोसी, रटेसी; मीलिएसी, यूफो-नियासी; एनाकार्डिएसी, मालवासी, एसोसाइटेसी; एफकीपिएडेसी; डिं-रोकारमसी; मर्टेसी, अम्बेलीफेरी, तुलसीकुल (लेबिएटी), सीलेनेसी; रुवाएसी फुरकरविटेरिएसी; बनानेसी और कम्पोजिटी।

5. पादप शारीर विविज्ञान—स्थिरोषण, परपोषण, जल और पोषक तत्वों का अन्तर्गत, वाष्पोत्सर्जन, प्रकाश संस्लेषण; अनिष्ट पोषण; श्वसन, वृद्धि, जनन, पादप प्राणि सबधार, महजीवन, परजीवित, एन्जाइम, अस्सिम द्वारा सेवन; दीविकालिता।

6. पादप रोग विज्ञान—पौधों की बीमारियों के कारण और उनके प्रभाव; रोग जीव, वाइरस, हीनत, जन्म रोग; प्रतिरोध।

7. पादप पारिस्थिति विज्ञान—विशेष रूप से भारतीय पेड़-पौधों और भारत के वनस्पति क्षेत्रों के सदर्भ में परिस्थिति विज्ञान और पादप भूगोल से सबधित आधार भूत तत्व।

8. सामान्य जीव विज्ञान—कांडिका—विज्ञान, आनुवंशिक विज्ञान पादप प्रजनन मण्डलेश्वाद, सकरओज, उत्परिवर्तन, विकास।

9. आंतरिक वनस्पति विज्ञान—पौधों का विषेषता: अनाजों, दालों, कालों, चीनी, स्टार्च, तिलहनों, मसालों पैदा पावारी, रेशों, लकड़ीयों, रखर, औषधियों और व्यष्टियों तेलों आदि वनस्पति उत्पादों में सबधित पुष्ट पादपों का मानन वह्याण के लिए लाभकारी उपयोग।

10. वनस्पति विज्ञान का इतिहास—वनस्पति विज्ञान संबंधी विज्ञान के विकास की सामान्य जानकारी।

प्राणि विज्ञान: (कोड 05)

प्राणि जगत का प्रमुख समूहों, में वर्गीकरण विभिन्न वर्गों के विशिष्ट लक्षण।

रज्जू रहित (नान-कार्डेट) किस्म के प्राणियों की बनावट, आदतें और जीवन वृत्त:

अमीवा, मर्लेया—परवीनी। संज, हाइड्रा, लिवरफ्लू, फीता कृमि; गोल कृमि, केवूआ; जोक; तिलचट्टा, गृह मक्की; विचू; ताजे पानी का मस्त, ताल धोधा और स्टार-फिश (केवल बाह्य लक्षण)।

कीटों का आंतरिक महत्व। निम्नलिखित कीटों की परिस्थिति और जीवन वृत्त:

दीमक; टिर्डी; शहव की मरक्की और रेशम का कीड़ा।

रज्जुकी—क्रम वर्गीकरण।

निम्नलिखित प्रकार के रज्जुमान प्राणियों की बनावट और तुलनात्मक शारीर:

ब्रिकिओस्टोमा; स्कोलिओडोमा; मेंढक; यरोमिटिक या कोई अन्य छिपकली (बेरनस का अस्थिपंजर), कबूतर (फुक्कुट का अस्थिपंजर); और अरगोश, बूहा या गिलहरी।

मेंढक और खरगोश के संबर्ध में जन्तु कार्य के विभिन्न अंगों के उत्तरक्षणान और शारीर किया विज्ञान की प्रारम्भिक जानकारी; अन्तःस्थानी प्रणियाँ और उनका कार्य।

मेंढक और खरजे के विकास की रूपरेखा, स्तनी जन्तुओं की बनावट और कार्य।

विकास के सामान्य नियम; विविधता, आनुवंशिकता; अनुकूलम; दुनरावर्तन परिकल्पना; मेंढलीय आनुवंशिकता; अनैशिक जनन और सैंगिक जनन की विधियाँ; अनिष्ट जनन (पार्थनोजेनसिस); कायांतरण, पीढ़ी एकोन्टरण।

विशेष रूप से भारतीय जन्तु समूह के संबर्ध से जन्तुओं का पारिस्थितिक और भूवैज्ञानिक वितरण।

भारत के वन्य प्राणी जिनम विषैले और विषहीन सांप भी शामिल हैं। शिकार पश्चि।

सामान्य भूविज्ञान: (कोड 06)

सामान्य भूविज्ञान:

पृथ्वी की उत्तराति, काल शारीर आंतरिक भाग, विभिन्न भूवैज्ञानिक एजेंसिया और स्थलाकृति, अपश्रय और अपरवन (इरोजन) पर उनका प्रभाव, भूवा के प्रकार, उनका वर्गीकरण और भारत के मूदा समूह, सार्वत्र के भ-आकृति उप-भार, वनस्पति श्रीर भूवैज्ञानिक स्थलाकृति, ज्वालामुखी, भूकम्प, पर्वत पटलविस्तृपण (डिम्बोफिजिम)।

2. सरजनात्मक भूविज्ञान:

आनन्द, अवसादी और कायांतरण भाग, विभिन्न भूवैज्ञानिक एजेंसिया और कायांतरण भाग, निलम्ब और छलान, ग्रस और विषम विन्यास और दृश्यांशों पर उनका प्रभाव, भूवैज्ञानिक रावर्धण और मानविवरण की विधियों के सम्बन्ध में प्रारम्भिक जानकारी।

3. फिस्टल विज्ञान प्रीर व्यवहार विज्ञान:

फिस्टल सम्मिलित के बारे में प्रारम्भिक जानकारी। फिस्टल विज्ञान के नियम, किस्टल ही प्रकृत श्रीर यमलन (ट्रिवनिंग)।

मृद्घ खनिजा, मृद्घपूर्ण शैष-रसना, रसायनिक सधटन, भौतिक गुण, प्रकाशित गुण-वर्म, परिवर्तन प्राणि और वाणिज्यिक उपयोग संबंधी प्रधारण। प्रधारण।

4. आधिक भू विज्ञान :

भारत के महत्वपूर्ण खनियों और उनकी उपस्थिति की अवस्था का अध्ययन। अस्त्रक निषेधों का उद्भव और वर्गीकरण।

5. गैल विज्ञान :

आधेय, अवसादी और कायातरित चट्टानों तथा उनके उद्भव और वर्गीकरण का प्रारम्भिक अध्ययन। चट्टानों के सामान्य प्रकारों का अध्ययन।

6. स्तर क्रम विज्ञान :

स्तर क्रम विज्ञान नियम; वैज्ञानिक अभिलेखों का अध्ययन वैज्ञानिक और कालानुक्रम उप-विभाजन। भारतीय स्तर क्रम विज्ञान की महत्वपूर्ण विषेषताएं।

7. जीवाशम विज्ञान :

जीवाशम विज्ञान सम्बन्धी आधार सामग्री का विकास से संबंध, जीवाशम (कासिल्स) उनका स्वरूप और परिशेष की विधि। प्राणी-जीवाशमों और पादप-जीवाशमों की निरूप आकृतियों के आकृति विज्ञान और विभाजन की प्रारम्भिक जानकारी।

भूगोल (कोड 07)

(i) प्रारम्भिक भू-आकृति विज्ञान : सौर मंडल और पृथ्वी का उद्भव, भू-प्राकृति, भू-लक्षण, प्रारम्भिक, भू-विज्ञान, चट्टानों और मिट्टी का बनाना।

(ii) जलवायु विज्ञान : जलवायु और इसके तत्व, तापमान वाय, आद्रेता, पवन पद्धति, बक्कलात और प्रतिचक्रवात का प्रारम्भिक ज्ञान, वृष्टिप्राप्ति के प्रकार।

(iii) समुद्र विज्ञान : भूमि और जल का वितरण, समुद्र जल का संचरण, ज्वार, धारायें, लवणता, रामुद्रल निषेधों।

(iv) पादप भूगोल : बनस्पतियों के प्रकार, भौगोलिक पर्यावरण से उनका सम्बन्ध, बन, धारा के भौतिक, रेगिस्तान, प्रशान प्राकृतिक थेल।

(v) मानव भूगोल :—पर्यावरण में मानव, मनुष्य की प्रजातियां, मनुष्य के कायकलाप और जनसंख्या का विभाजन।

(vi) आधिक भूगोल :—मूल्य बनस्पतियां, पशु, खनिज उत्पादन, उनका वितरण और भौगोलिक पृष्ठ भूमि, उत्थोग और उनका स्थानीकरण, कल्पना माल, ज्ञानाश्रम और विनियमित माल का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार।

(vii) शेषीय भूगोल :—भारत का विस्तार से और संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रिटन, रस्त, चीन, जोपान, दक्षिण पूर्वी एशिया, मध्य पूर्व श्रीलंका, बर्मा और पाकिस्तान का सामान्य रूप से ज्ञान।

अंग्रेजी साहित्य (कोड 08)

उम्मीदवार को स्पेसर काल से लेकर महारानी विकेंटिया का शासन समाप्त होने तक के अंग्रेजी साहित्य के इतिहास का सामान्य, और निम्न-लिखित लेखों की कृतियों का विशेष ज्ञान होना चाहिए :—

शेक्सपीयर, मिल्टन, जानसन, डिक्केन्स, वर्डस्यर्थ, कीट्स, कार्लाईल, देनिसन और हार्डी।

भारत का इतिहास (कोड 09)

1600 ई० से लेकर भारतीय गणराज्य की स्थापना तक का भारत, तथा इस अधिक मध्यिक सांविधिक प्रगति।

टिप्पणी —इस विषय में उम्मीदवारों को भूगोल के उस पथ का भी ज्ञान होना चाहिए जिसका संबंध इतिहास से होता है। किसी अधिक के प्रारम्भ होने की यदि कोई निश्चित तारीख वी जाए तो उम्मीदवारों को सामान्य रूप से यह भी जानना चाहिए कि हम प्रारम्भिक स्थिति तक किस प्रकार पहुंचे हैं।

सामान्य अध्यास्त्र (कोड 10)

उम्मीदवारों की अध्यास्त्र के सिद्धांत का ज्ञान होना चाहिए और उनकी तथ्यों की सहायता से रिदान्त का निरूपण करना और सिद्धांत के आधार पर तथ्यों का विशेषण करना धोनों आना चाहिए। भारत और इंग्लैंड के आधिक इतिहास और उन वेशों की आधिक स्थिति का कुछ ज्ञान भी होना चाहिए।

राजनीति विज्ञान (कोड 11)

उम्मीदवारों को राजनीति विज्ञान और उसके इतिहास का ज्ञान होना चाहिए। राजनीति विज्ञान का ज्ञान केवल विधि-निर्माण के सिद्धांत के रूप में नहीं, बरत राज्य के सामान्य सिद्धांत के रूप में भी होना चाहिए। सांविधिक शासक के प्रकारों (प्रतिनिधि सरकार, संघवाद आदि) और लोक प्रशासन-केन्द्रीय और स्थानीय—पर पी प्रस्तु पूछे जायेंगे उम्मीदवारों को वर्तमान संस्थाओं के उद्भव और विकास का भी ज्ञान होना चाहिए।

समाज विज्ञान (कोड 12)

समाज विज्ञान की प्रकृति और लक्ष्य : समाज का अध्ययन, समाज विज्ञान और अन्य सामाजिक विज्ञानों से उनका संबंध।

मूल धारणाएं : महत्व एवं कार्य, प्राथमिक एवं गोण वग, सामाजिक सम्बन्ध, समाजिक संरचना, सामाजिक नियन्त्रण एवं अपवर्ती आचरण, सामाजिक वृद्धि, सामाजिक परिवर्तन :—

मूल सामाजिक संरचनाएं एवं संस्थाएं, विवाह, परिवार एवं रिश्वेदारी राजनीति संस्थाएं; धार्मिक संस्थाएं; सामाजिक स्तरण-जाति, वर्ग एवं वंश।

वातावरण; समाज एवं संस्कृति : भारतीय समाज विज्ञान, जाति एवं जाति वाद, परिवार एवं रिश्वेदारी, व्राम समाज आषुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन।

मनोविज्ञान (कोड 13)

सामान्य मनोविज्ञान

मनोविज्ञान की परिमाणा और विवरण-वस्तु, मनोविज्ञान की पद्धतियां, अनुकूलन एवं आचारण क्रियाविधि की अवधारण; आचरण का शरीर सास्त्रीय आधार।

(क) अभिप्रायक, चार्शु, एवं अवण संबंधी, (ख) नाड़ी तत्व की सामान्य रूप रेखा;

(ग) कार्क—मासपेशियों एवं घंथियों :—

मानव विकास के तत्व—आनुवंशिकता एवं पर्यावरण, परिपक्षता एवं शिक्षा प्राप्ति।

अभिप्रायण एवं मनोवेग—उनकी प्रकृति, किस्म और विकास। प्रत्यक्ष ज्ञान एवं उनकी प्रकृति—रूप रंग और स्थान।

अधिगम—उनकी प्रकृति, अनुकूलन, अन्तर्वृष्टि और प्रयत्न लक्षि।

अधिगम तथा स्मरण गतिशील और विस्मरण प्रक्रियाओं को प्रभावित करने वाले तत्व, स्मरण करने की सफल विधियां।

चिन्तन और तर्क।

प्रज्ञा और योग्यताएं—उनकी प्रकृति और मापन।

अवितरण—प्रकृति, निर्वारक और मापन।

असामान्य मनोविज्ञान

असामान्य आचरण—अवधारणा और कारण।

कुंठा और इन्द्र, रक्षात्मक युक्ति।

मनोवैज्ञानिक विकार—मनस्ताप एवं मनोविधिति, अक्षिमत्र एवं मनो-शारीरिक विकार।

मानसिक विकार के उपचार का तामान्य ज्ञान—मनोरोग विकिरण।

सामाजिक मनोविज्ञान

समूह प्रक्रियाएँ—व्यक्ति और समूह, नेतृत्व, मनोवैज्ञानिक भीड़ का व्यवहार।

प्रधार और मनोविज्ञानिक युद्ध।

बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीदवारों की बुद्धियाँ बुद्धि की जांच करने के लिए साक्षात्कार के अतिरिक्त भौतिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा भी आएगी। उनके पुष्प परीक्षण भी किए जाएंगे जैसे पुष्प परिचर्चा, पुष्प योजना, बहिरंग पुष्प कार्यकलाप तथा उन्हें निरिष्ट विषयों पर सक्षिप्त व्याख्यात देने के लिए कहा जाएगा। ये सभी परीक्षा उम्मीदवारों की मेंदाशक्ति की जांच के लिए हैं। भीट लौर पर ये परीक्षण बास्तव में उनके व्यक्तिगत गुणों की जांच के लिए हैं। अपितु इससे उनकी सामाजिक विशेषताओं तथा सामयिक घटनाओं के प्रति दिलचस्पी का भी पता लगेगा।

परिचय II

(अकादमी/स्कूल में प्रवेश के लिए स्वास्थ्य का मानक)

टिप्पणी—उम्मीदवारों को निर्वाचित स्वास्थ्यता मानक के अनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। स्वस्थता संबंधी मानक नीचे बताए गए हैं।

बहुत से अहंताप्राप्त उम्मीदवार वाद में अस्वस्थता के आधार पर अस्वीकृति कर दिए जाते हैं अतः उम्मीदवारों के अपने हित के लिए सालाह दी जाती है कि अन्त में निराशा से बचने के लिए उन्हें अपना शावेदन पत्र भेजने से पहले अपने स्वास्थ्य की जांच करा लेनी चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड द्वारा अनुशंसित बहुत से उपयुक्त उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा देना के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा की जाएगी। जो उम्मीदवार में डिक्टिकल बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जाएगा उसकी अकादमी या स्कूल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सेवा के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा कर दिए जाने का अर्थ यह नहीं होगा या नहीं निकासा जाएगा कि उम्मीदवार अंतिम रूप से चुन लिया गया है। डिक्टिकल बोर्ड की कार्यवाही गुप्त होती है जिसको किसी को नहीं बताया जा सकता। अनुप्रयुक्त या अस्थायी रूप से अनुपयुक्त घोषित उम्मीदवारों का परिणाम उन्हें स्वस्थता प्रमाण-पत्र तथा अधिक प्रस्तुत करने की कार्यविधि के साथ सूचित कर दिया जाता है। डिक्टिकल बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा डिक्टिकल बोर्ड के परिणाम से सम्बद्ध कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों को अपने हित में परामर्श दिया जाएगा कि यदि उनकी दृष्टि अपेक्षित स्तर की न हों तो सेवा चयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार स्वास्थ्य-परीक्षा हेतु बुलाए जाने पर उन्हें अपने साथ संशोधक ऐनक सारी आहिए।

1. अकादमी/स्कूल में प्रवेश के लिए उस उम्मीदवार को ही योग्य समझा जाएगा जिसका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक होगा और जिसमें कोई ऐसी अशक्ता नहीं होगी जिससे कुशलतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. किसी निम्नलिखित बातों के सम्बन्ध में तसल्ली कर ली जाएगी:

(क) कमज़ोर शरीर गठन, अपूर्ण विकास, गम्भीर कुरचता या स्थूलता तो नहीं है।

(ख) हड्डियों और संधियों का कुविकास तो नहीं हुआ है और उन में किसी प्रकार की क्षीणता तो नहीं हो गई है।

टिप्पणी—अधिकारित ग्रेड पर्सन्का वाले उम्मीदवारों को भी स्वस्थ माना जा सकता है यदि उसमें उक्त रोग के लक्षण न हों। तथापि चिकित्सा बोर्ड की कार्यवाही में इस दोष का उल्लेख छोटी-मोटी अशक्ता के रूप में कर दिया जाएगा।

(ग) खोलने में तो बाधा नहीं पड़ती है।

(घ) सिर की रक्तनास में तो दोष नहीं है या खोपड़ी की हड्डी दूटने या दबाने से विरुद्धता तो नहीं था गई है।

(ङ) कम सुनाई तो नहीं पड़ता है। कोई कान बह तो नहीं रहा है या रोगरसन तो नहीं है। टिमीनिक मस्तिन में कम्पा जड़म तो नहीं है या उग्र या पुराना मध्य कर्ण शोध के चिह्न तो नहीं है या आमूल [या संशोधित आमूल कर्ण तो नहीं हुआ है।

टिप्पणी—यदि कान के पर्दे का छेद पूरी तरह से भरा गया हो, तो इसको और क्षति न पहुंची हो तथा सुनाई ठीक पड़ता है तो इस अवस्था को थल सेना के लिए उम्मीदवार को स्वीकार करने में व्यापक नहीं समझना चाहिए।

(च) नाक की हड्डी या उपरिस्थि का कोई रोग तो नहीं है या नोज पालिपस तो नहीं है अथवा नासाक्रसनी या सहायक कोटरी का कोई रोग तो नहीं है।

टिप्पणी—नासा पट के छोटे ग्रस्त्रणी ऊवधातज छोटे के कारण उम्मीदवार को एक दम अस्वीकृत नहीं किया जाएगा वरन् ऐसे मामलों को जांच और मत के लिए कर्णविज्ञान सलाहकार के पास भेजा जाएगा।

(छ) गर्वन या शरीर के ग्रन्थि भागों की ग्रथियाँ बड़ी हुई हो नहीं हैं और याइराइड ग्रथि तामान्य है।

टिप्पणी—तपेदिक की ग्रथियों को हटाने के लिए किए गए आपरेशन के निशान उम्मीदवार की अस्वीकृति का कारण नहीं बन सकते हैं बशर्ते कि गत 5 वर्षों में सत्रिय रोग न हुआ हो तो छाती लाक्षणिक जांच तथा प्रवर्तने करने पर रोग मुक्त पाई जाए।

(ज) गले, तालु, टीमिल या भूमिकों का कोई रोग नहीं है तथा किसी भी चम्बकी संधियों की सामान्य त्रिया पर प्रशाप डालने वाली कोई बीमारी या चोट तो नहीं है।

टिप्पणी—यदि बार-बार टीमिल शोध होने का कोई यथा न हो तो टीमिलों की अतिवृद्धि अस्वीकृति का कारण नहीं होती।

(झ) हृदय तथा रक्त बाहिकांगों का किया सम्बन्धी या श्रंग रोग के लक्षण तो नहीं हैं।

(अ) फेफड़ों की तपेदिक या इस बीमारी का पूर्ववृत्त या फेफड़ों की कोई जीर्णी बीमारी का प्रमाण तो नहीं है।

(ट) जिगर और तिलमी की किसी विलम्बण नहीं बाचक तन्त्र के किसी रोग का चिह्न तो नहीं है।

(ठ) बंधन हर्मिया तो नहीं है या उसके बोने की प्रवृत्ति तो नहीं है।

टिप्पणी—(i) बंधन हर्मिया (जिसके ग्रन्थि चिकित्सा न की गई हो), अस्वीकृति का कारण होगा।

(ii) जिनका हर्मिया का आपरेशन ही खड़ा है उन्हें शारीरिक रूप से स्वस्थ माना जाएगा बशर्ते कि :

(i) आपरेशन तुएँ एक वर्ष व्यतीत हो गया हो। इसके लिए उम्मीदवार को लिखित प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

(ii) पेट की वेशी समूह सामान्यतया ठीक है।

(iii) हर्मिया की पुनरावृत्त नहीं हुई है, या इसकी शरीर किंवद्दन से संशोधित कोई उल्लंघन नहीं हुआ।

(इ) हाइड्रोसिल या निश्चिन वैरिकोसील या जननेद्विदो की ग्रन्थि कोई रोग या खराबी तो नहीं है।

ज्ञान में—(i) यदि हाइड्रोग्राफ व ग्राफरेशन के बाद कोई रेजनु और अण्ड प्रथियों की विनशनताएँ न हों और काइले-रियासिस का प्रणाल न हो तो उम्मीदवार को स्वीकार कर दिया जाएगा।

(ii) मदि एक भीर की भूततः उद्दीप्त अपृष्ठ प्रनिय आरोही हो तो इस प्राधार पर उम्मीदवार को अस्तीकार नहीं किया जाता बल्कि कि दूसरी अपृष्ठ प्रनिय असामान्य हो तथा इस आरोही अपृष्ठ प्रनिय के कारण कोई गारीरिक या मनोवैज्ञानिक कुप्रभाव न हो। यदि आरोही अपृष्ठ प्रनिय वृक्षण नलिका में प्रथम उद्दीप्त विषय में रुकी हो और आपरेशन से ठीक न हो सकती तो इस स्थिति में उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(क) फिस्टुला और या गुदा का विदर या ब्यासीर के मस्ते तो नहीं है।

(ग) गुदी की कोई धीमारी तो नहीं है। ग्लुकोजमेह या एजम्ब-मिन मेह के सभी रोगी प्रस्तुति कर रिए जाएं।

(ह) अस्थायी प्रथमा मामूली भाव विहृतों को छोड़कर कोई ऐसा चर्च में रोग तो नहीं है कि जिसके प्रचार प्रथमा स्थिति के कारण उम्मीदवार में अप्रकृतता या अदृश अधिक कुरुपस्ता आ गई हो या आने की संभावना हो। उसी उम्मीदवार को इसी प्राधार पर अस्तीकार किया जाएगा।

(घ) कोई सक्रिय गुप्त या जन्मजात रतिज रोग तो नहीं है।

(इ) उम्मीदवार या उसके परिवार में मानसिक रोग का कोई पूर्ण बृत या प्रमाण तो नहीं है। जिन उम्मीदवारों को मिर्ची धीमी हो, जिनका पेशाव बैमे ही या नीचे में निकल जाता हो उन्हें स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(ष) भ्रेंगापन या आंख या पलवरों की ऐसी विकृति तो नहीं जिसके बढ़ने या दुश्यारा होने का अतरा हो सकता है।

(न) सक्रिय रोटै (ट्रोमो) या इम्की जटिलताएं तथा अनुप्रभाव तो नहीं हैं।

टिप्पणी—इलाज के लिए आपरेशन प्रवेश से पूर्व करवाए जाएं। अन्तिम रूप से स्वीकार किए जाने की गारन्टी महों वो जाती है तथा उम्मीदवारों को यह स्पष्टतया समझ लेना चाहिए कि क्या आपरेशन घांटनीय है या आवश्यक है, इस बात का निर्णय उनके निजी चिकित्सा सलाहकार को ही करता है। आपरेशन के परिणाम प्रथमा किसी और खर्चों का क्षयित्व सरकार अपने ऊपर नहीं लेगी।

3. कद, वजन तथा छाती के मापों के लिए मानक :

(क) कद :

(i) उम्मीदवार के कद की नाम उसे मापदण्ड के सामने दोनों दौर विलक्षक छड़ा करके ली जाएगी। उस समय वजन एकड़ीयों पर होना चाहिए वजे पर या पांच के बाहरी पार्श्वों पर महीं। वह बिना अकड़े इस प्रकार सीधा छड़ा होगा कि उसकी एड़िया, पिल्लियां, नितन्मा और कम्ही मापदण्ड के साथ लगे होंगे, उसकी ठोड़ी भी जो की ओर रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर आड़ी छड़ के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा। 0.5 सेंटीमीटर से कम दशमलव भिन्न की अपेक्षा की जाएगी, 0.5 सेंटीमीटर का इसी रूप में रिकार्ड किया जाएगा तथा 0.6 सेंटीमीटर या उससे अधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

(ii) उम्मीदवार के लिए न्यूनतम स्वीकार्य 157.5 सेंटीमीटर (नीसेना के लिए 157 सेंटीमीटर) है, किन्तु गोरखा, नेपाली, असमिया, गढ़वाली उम्मीदवारों के लिए नीचे (ज.) (i) में दी गई उससे संबंधित सारणी में दिए गए कद से 5.0 सेंटीमीटर कम किया जा सकता है। मणिपुर, नेपाल, मेवालय और शियुरा के नीसेना के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद 5 सेंटीमीटर और लकड़ीप के उम्मीदवारों के मामले में कद 2 सेंटीमीटर कम कर दिया जाएगा।

(ब) वजन :

(i) उम्मीदवार का वजन पूरी तरह से कपड़े उतरवा कर या केवल जाधिया के साथ किया जाएगा। वजन करते समय 1/2 किलोग्राम का रिकार्ड नहीं किया जाएगा। आयु, कद तथा औसत वजन विषय परस्पर संबंधी सारणी मार्गदर्शन के लिए दी जा रही है:

पिछले जन्म विवर की आयु	बिना जूतों के ऊंचाई	वजन	
		न्यूनतम	अधिकतम
1	2	3	4
17 से 18 वर्ष	सेंटीमीटर	किलोग्राम	किलोग्राम
	157.5 तथा 165.0 से कम	43.5	55.0
	165.0 तथा 172.0 से कम	48.0	59.5
19 वर्ष	172.5 तथा 183.0 से कम	52.5	64.0
	183.0 तथा इससे अधिक	57.0	—
	160.0 तथा 165.0 से कम	44.5	58.0
20 वर्ष अधिक	165.0 तथा 172.5 से कम	49.0	60.5
	172.0 तथा 178.0 से कम	53.5	65.0
	178.0 तथा 183.0 से कम	58.0	69.5
20 वर्ष अधिक	183.0 तथा इससे अधिक	62.5	—
	160.0 तथा 165.0 से कम	45.5	56.5
	165.0 तथा 172.5 से कम	50.0	61.0
20 वर्ष अधिक	172.5 तथा 178.0 से कम	54.5	66.0
	178.0 तथा 183.0 से कम	59.0	50.5
	183.0 तथा इससे अधिक	63.5	—

केवल नीसेना के लिए

सेंटीमीटरों में ऊंचाई	वजन		
	आयु	18 वर्ष	20 वर्ष
	22 वर्ष		
	किंवा ३० म वजन		
157	.	.	47
160	.	.	48
162	.	.	50
165	.	.	52
168	.	.	53
170	.	.	55
173	.	.	57
175	.	.	59
178	.	.	61
180	.	.	63
183	.	.	65
185	.	.	67
188	.	.	70
190	.	.	72
193	.	.	74
195	.	.	77
			78

(ii) कद तथा आयु के संबंध में वजन का ठीक-ठीक मानक निश्चित करना संभव नहीं है। प्रतः परस्पर संबंधी सारणी केवल निर्देशिका मान

है तथा सभी मामलों में लागू नहीं की जा सकती है। सरणी में दिये गये भीस बजन से 10 प्रतिशत (नौसेना के मामले में 6 किंवद्दं ग्राम कम-ज्यादा) होने पर उसे बजन की सामान्य सीमा के प्रत्यक्ष माना जाता है। ऐसा भी हो सकता है कि कुछ व्यक्तियों का बजन उपर्युक्त मानक से अधिक हो किन्तु शरीर के सामान्य गठन की दृष्टि से वे सभी प्रकार से योग्य हो सकते हैं। ऐसे व्यक्तियों के अधिक बजन का कारण भारी हड्डियों और पेशीय विकास हो सकता है न कि भोटापा। इसी प्रकार जिसका बजन मानक से कम हो उसके बारे में भी उपर्युक्त सारणी मानकों के पूरी तरह पालन की अपेक्षा उनका सामान्य शरीर गठन और ग्राम-पातिक विकास की कसौटी होना चाहिए।

(ग) छाती:—छाती भाली प्रकार विकसित होनी चाहिए और फलाने पर न्यूनतम फैलाव 5.0 सेंटीमीटर होना चाहिए। उम्मीदवार की छाती का नाप लेते समय उसे इस प्रकार सीधा बड़ा किया जाए कि उसके पावं जुड़े हों और उसकी बाहरी सिर के ऊपर उठी हों। कींति को छाती के गिर्व इस प्रकार से लाया जाएगा कि धीरे की ओर उसका ऊपरी किनारा असफलको (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणों (इन्कीरियर एंगिल्स) के साथ लगा रहे और इसका निचला किनारा सामने बूँदों के ऊपरी भाग से लगा रहे। फिर बाही को सीधा किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ सटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे उठे या धीरे की ओर बुके न हों जिससे कि कींति हट जाए, जब उम्मीदवार को कई बार गहरा सास लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिकतम तथा न्यूनतम फैलाव सावधानी से लिख दिया जाएगा। अधिकतम तथा न्यूनतम फैलाव सेंटी मीटर में निकार्ड किया जाएगा जैसे 84/89, 86/91 इत्यादि।

नाप को रिकार्ड करते समय 0.5 सेंटीमीटर से कम दारामस्व भिन्न ही उपेक्षा की जाएगा तथा 0.5 सेंटीमीटर को इसी रूप में रिकार्ड किया जाएगा तथा 0.6 सेंटीमीटर या इससे अधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

नौसेना के लिए—छाती का एकसरे अनिवार्य है।

4. बांतों की हालत

इस बात की सुनिश्चित कर देना चाहिए कि बांतों का काम अच्छी तरह करने के लिए प्राकृतिक तथा मजबूत बांत काफी सख्ती में हो।

(क) स्वीकृत होने के लिए मह भावधारक है कि उसने बांतों के लिए कम से कम 14 प्वाइंट प्राप्त किये हैं। किसी भी व्यक्ति के दांतों की हालत का पता लगाने के लिए परस्पर प्रचली तरह सटे और दूसरे जबडे के अनुरूप दांतों को निम्न प्रकार प्वाइंट दिये जाएंगे:—

- (i) बोल के काटने वाले बांत, बगल के काटने वाले बांत, रक्तक प्रथम तथा द्वितीय छीटी बांत तथा कम विकसित तृतीय बड़ी बांत प्रत्येक के लिए एक-एक प्वाइंट।
- (ii) प्रथम तथा द्वितीय छीटी बांत तथा पूर्णतया विकसित तृतीय बड़ी बांत के लिए दो-दो प्वाइंट।

पूरे 32 बांत होने पर कुल 22 प्वाइंट दिये जाएंगे।

(ख) प्रत्येक जबड़े के निम्नलिखित बांत एक दूसरे से इस प्रकार सटे हुए हों कि उनसे प्रचली तरह काम लिया जा सके:—

- (i) धारों के 6 में से कोई 4 बांत।
- (ii) धीरे के 10 में से कोई 6 बांत।

टिप्पणी:—जिन उम्मीदवारों के मफली बांत अच्छी तरह लगे हों उन्हें कमीशन के लिए स्वीकार कर लिया जाएगा।

(ग) तीव्र पायरिया वाले उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिस उम्मीदवार का पायरिया दंत अधिकारी की राय में बिना बांत निकाले अच्छा किया जा सकता है उसे स्वीकार किया जा सकता है।

(5) दृष्टिमानक (थलसेना)

प्रचली आंख खराब आंख	दूर की नजर (चरमा लगाकर)	6/6	6/18
---------------------	-------------------------	-----	------

निकट दृष्टि (मायोपिया) जिसमें व्यक्त भविन्दुकता (एस्टिग्मेंटिज्म मीनीफल्ट) सम्मिलित—3.5 शी.० से अधिक नहीं। दीर्घ दृष्टि (हाइपर-मेट्रोपिया) जिसमें भविन्दुकता (एस्टिग्मेंटिज्म) सम्मिलित है +3.5 शी.० से अधिक नहीं।

टिप्पणी:—1. फै-डस तथा मीडिया स्वस्य तथा सामान्य सीमा में हो चाहिए।

2. बघान निकट दृष्टि के सूचक विद्यमास या कोरियोरेटिना के भ्रन्तव्यक न्यूपगनन चिह्न महों।

3. दोनों आंखों में दिनेली (बाइनोक्युलर) दृष्टि संमिल अविक्षित और पूर्ण दृष्टि ज्ञेव होना चाहिए।

4. कोई ऐसा ग्रामिक रोग नहीं होना चाहिए जिसके प्रकोपण अवयव खराब होने की संभावना हो।

निकट दृष्टि (मायोपिया)

किसी भी एक मेरेडियम में 0.5 डायोप्ट्रिस अधिक नहीं होना चाहिए।

दिनेली दृष्टि—उम्मीदवार की दिनेली दृष्टि ठीक होनी चाहिए। (दोनों आंखों में फ्यूजन फैलस्टी और पूर्ण दृष्टि ज्ञेव होना चाहिए)। रंग का प्रव्यक्ष ज्ञान

जिन उम्मीदवारों को अधोपरिभाषित न्यूनतम वर्ण भवगम भानक सी पी.०.३ (सदोष सुधारा) न होता हो उन्हें अव्याय माना जाएगा:—

सी.० पी.०.३ (सदोष सुधारा)—उम्मीदवार इस योग्य न हों कि वे 1.5 मीटर की दूरी से सफेद, संकेत लाल और संकेत हरे रंगों को ठीक प्रकार से वहचान सकें जैसा कि मार्टिन लैटर्न में दिखाया गया है या इशिहारा बुक/टोकियो मैडिकल कालिज बुक की अपेक्षित प्लेटों को पढ़ सकें।

दृष्टि मानक (नौसेना)

(क) दृष्टि शीक्षणता	भानक 1
दूर की नजर	प्रचली आंख खराब आंख शी 6/6 शी.० 6/9 चरमा सहित 6/6

(i) नौसेना दृष्टिमानक 1:

कार्य-प्राप्त शाखा के उम्मीदवार ज्ञाना नहीं लगायेंगे लेकिन नौसेना मुद्दायालय की अनुमति से इस भानक में ढील दी जा सकती है। हजारीनियरी, इसेक्ट्रिकल सलार्क और सविवालय शाखा के सब प्रकार उपर्युक्त उम्मीदवारों के मामले में 6/18, 6/36 तक ढील दी जाए बशर्ते कि चरमा ज्ञाने पर दृष्टि 6/6 हो।

(ii) विशेष अपेक्षाएं:

सामान्यतः नौसेना की सभी शाखाओं के फैडेटों/डाइरेक्ट एंट्री प्रकारों की राशि दृष्टि नीक्षणता के बास्टे डेलाकासा की जाए नहीं की जाएगी और स्वास्थ्य परीक्षा के समय उनसे निम्नलिखित प्रमाण वन्न देने के लिए कहा जाएगा जो मेडिकल बोई की रिपोर्ट के साथ नर्सी कर दिया जाएगा:

“मैं प्रमाणित करता हूँ कि मुझे रस्ती नहीं है और जहाँ तक मेरी जानकारी है मेरे परिवार के किसी सबस्य की भी जन्म से रस्ती नहीं है।”

ह० उम्मीदवार

चिकित्सा अधिकारी के प्रति हस्ताक्षर

रंग का प्रत्यक्ष शाम

सेवा विचलन प्रति मेडोक्स राइ/विंगटेस्ट के साथ (बशर्ते कि ग्राम-सरण धोष तथा ग्रन्थ रोग लक्षण न हो) निम्नलिखित से अधिक नहीं होनी चाहिए :—

(क) 6 मीटर की दूरी से

एक्सोफोरिया	8 प्रिज्म	डायोप्टर
एक्सोफोरिया	8 प्रिज्म	डायोप्टर
हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म	डायोप्टर

(ख) 30 में 0 मीटर की दूरी से

एक्सोफोरिया	6 प्रिज्म	डायोप्टर
एक्सोफोरिया	16 प्रिज्म	डायोप्टर
हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म	डायोप्टर

दूर दृष्टिता की सीमा

दूर दृष्टिता
साधारण दीर्घ दृष्टिता वैषम्य

संयुक्त दीर्घ दृष्टिता वैषम्य

दूर दृष्टिता

साधारण दूर दृष्टिता वैषम्य
संयुक्त दूर दृष्टिता वैषम्य

अवण मात्रक

अवण परीक्षा वाक परीक्षण डारा की जाएगी। जहां ग्राम-क्षय होगा अस्थता मापी (ग्रामोमेट्रिक) रिकार्ड भी ले लिए जाएंगे।

(क) वाक परीक्षा :—उम्मीदवार को जो कि एक उचित ढंग से मात्र कमरे में परीक्षण की ग्रामोमेट्रिक रिकार्ड भी ले लिए जाएंगे। वाक वाक हो प्रत्येक कान से फसकसाहृष्ट की ग्रामाज सुनार्ह पड़ी जाहिए। परीक्षक को अवधिष्ट वायु से फूसफूनामा जाहिए अर्थात् वह साधारण निःश्वास भास में लेगा।

(ख) अस्थता मितिक रिकार्ड :—उम्मीदवार को प्रत्येक कान से 128 से 4096 साइक्ल वृति सेकंड की ग्रामति पर मुनामा जाहिए। (अस्थता-मितिक पाल्योक + 10 तथा—10 के बीच होना जाहिए) (नी सेना के लिए लाग नहीं है)।

परिशिष्ट III

सेवा ग्राम के संभिष्ट विवरण नीचे दिए गए हैं :—

(क) भारतीय सेना ग्रकादमी, देहरादून में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों के लिए :—

1. भारतीय सेना ग्रकादमी में भर्ती करने से पूर्व—

(क) उसे इस ग्राम का प्रमाण पत्र देना होगा कि वह यह समझता है कि ग्राम के प्रशिक्षण के दौरान या उसके पश्चात्तव्यरूप यदि उसे कोई चौट लग जाए या उपर तिरिच्छ किसी कारण से या ग्रन्थया ग्राम-

यक किसी सजिकल आपरेशन या संवेदनाहृष्ट वादा के परिणाम-स्वरूप उसमें कोई शारीरिक ग्रामकता ना जाने या उसकी मत्त्यु हो जाने पर वह या उसके बैठ उत्तराधिकारी को सरकार के विरुद्ध किसी मुश्रितजे या ग्रन्थ प्रकार की राहत का वादा करने का इक न होगा।

(ख) उसके माता-पिता या संरक्षक को इस ग्राम के बन्ध-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके नियंत्रण में समझे जाते हैं, उम्मीदवार ग्रामकतम प्रा होने से पहले वापस आना चाहता है या ग्रामकतम ग्रामकार कर देता है तो उस पर शिक्षा शुल्क, भोजन, बदल पर किए गए व्यय तथा विए गए बेतन ग्राम भासे की कुल राशि या उत्तरी राशि जो सरकार निश्चित करे उसे वापस करनी होगी।

2. अंतिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को लगभग 18 महीनों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन उम्मीदवारों के नाम सेना ग्रामकतम के अधीनी “जैन्टलमैन कैडेट” के रूप में दर्ज किए जाएंगे। जैन्टलमैन कैडेट पर साधारण ग्रामकातात्मक प्रयोजनों के लिए भारतीय सेना ग्रकादमी के नियम ग्राम विनियम लागू होंगे।

3. यद्यपि, ग्रामास, पुस्तक, बर्दी, बोडिंग ग्राम विकित्सा सहित, प्रशिक्षण के खर्च का भार सरकार बहुत लेकिन यह आशा की जाती है कि उम्मीदवार प्रपना जेव खर्च लुप्त बदलस्त करेंगे। भारतीय सेना ग्रकादमी में (उम्मीदवार का न्यूनतम मासिक व्यय 55.00 इ० से ग्रामक होने की संभावना नहीं है)। यदि किसी कैडेट के माता-पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या ग्रामिक रूप में बदलस्त करते में ग्रामर्ग व्यय हो तो सरकार द्वारा उन्हें वित्तीय सहायता दी जा सकती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता-पिता या संरक्षक की मासिक व्यय 450.00 इ० या इससे अधिक हो, वे इस वित्तीय सहायता के पात्र नहीं होंगे वित्तीय सहायता की पादता निर्धारित करने के लिए ग्राम शुल्क सम्पत्तियों ग्राम सभी साधनों से होने वाली ग्राम का भी ध्यान रखा जाएगा।

यदि उम्मीदवार के माता-पिता/संरक्षक किसी प्रकार की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें अपने पुत्र/संरक्षक के भारतीय सेना ग्रकादमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने जाने के तरन्त ग्राम प्रपने जिसे के जिला मणिस्टेट के माध्यम से एक ग्रामादेन-पत्र देना चाहिए जिसे जिला मैजिस्ट्रेट ग्रपनी ग्रन्थान्तर्सा सहित भारतीय सेना ग्रकादमी, देहरादून के कमाण्डेट द्वारा अधिवित कर देगा।

4. भारतीय सेना ग्रकादमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को आने पर, कमाण्डेट के पास निम्नलिखित राशि जमा करनी होगी :—

(क) प्रतिमास 63.00 के हिसाब से

पांच महीने का जेव खर्च	275.00
------------------------	--------

(ख) बदल तथा उपस्कर की मर्दों के

लिए	800.00
-----	--------

योग	1075.00
-----	---------

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राशि में से नीचे लिखी राशि वापिस कर दी जाएगी :—

55.00 प्रतिमाह के हिसाब से पांच महीने का जेव खर्च

275.00

5. भारतीय सेना ग्रकादमी में निम्नलिखित छात्रवृत्तियां उपलब्ध हैं :—

(1) परखाराम ग्राम पदवर्धनछात्रवृत्ति :—यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैडेटों की जाती है। इस छात्रवृत्ति की राशि ग्रामिक से ग्रामिक 500.00 इ० प्रति वर्ष है जो कि कैडेटों ने भारतीय सेना ग्रकादमी में रहने की ग्रामिक के दौरान दी जाती है। बशर्ते कि उसकी ग्रामिक सेना ग्रकादमी को यह छात्रवृत्ति ग्रामिक है तो किसी ग्राम वित्तीय सहायता के द्वारा न होगे।

(2) कर्नल कैडल फैक्टरी में भवित्व छाक्कर्वास —

इस छाक्कर्वास की राशि 360/- रुपया प्रति वर्ष है और यह किसी ऐसे समय मराठा कैडेट को दी जाती है जो किसी भूतपूर्व रैनिक का पुत्र हो। यह छाक्कर्वास सरकार से प्राप्त होने वाले किसी वित्तीय सहायता के अतिरिक्त होती है

6. भारतीय सेना अकादमी के प्रस्थेक कैडेट के लिए सामान्य शर्तों के अन्तर्गत समय-समय पर लागू होने वाली दरों के अनुसार परियास भत्ता अकादमी के कमांडेट को सौप दिया जाएगा। इस भत्ते की जो रकम खर्च होगी वह

(क) कैडेट को कमीशन दिए जाने पर वह दी जाएगी।

(ख) यदि कैडेट को कमीशन नहीं दिया गया तो भत्ते की यह रकम राज्य को बापस कर दी जाएगी।

कमीशन प्रवान किए जाने पर इस भत्ते से खरीदे गए वस्तु तथा अन्य आवश्यक व्यंजन कैडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जाएगी। किन्तु यदि प्रशिक्षणाधीन कैडेट द्याग पत्र देके, या कमीशन से पूर्व उसे निकाल दिया जाए या बापस बला लिया जाए तो उपर्युक्त वस्तुओं को उससे बापस ले लिया जाएगा। इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित का दृष्टिगत रखते हुए निपटान कर दिया जाएगा।

7. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान द्यागपत्र देने की इनमें नहीं दी जाएगी। सेकिन प्रशिक्षण के दौरान द्यागपत्र देने वाले जैंटलमैन कैडेटों को थल सेना मुख्यालय द्वारा उनका द्यागपत्र स्वीकार होने तक धर जाने की आज्ञा दी जानी चाहिए। उनके प्रस्थान से पूर्व उनके प्रशिक्षण, भोजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाला खर्च उनसे वसूल किया जाएगा। भारतीय सेना अकादमी में उम्मीदवारों को भर्ती किए जाने से पूर्व उनके माता-पिता अधिभावकों को इस आशय के एक बांड पर हस्ताक्षर करने होंगे। जिस जैंटलमैन कैडेट को प्रशिक्षण का सम्पूर्ण पालयक्रम पूरा करने के बाय नहीं समझा जाएगा उसे सेना मुख्यालय की अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सिनिक उम्मीदवार को अपनी रेजिमेंट या कोर में बापस भेज दिया जाएगा।

8. यह कमीशन प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने पर ही दिया जाएगा। कमीशन देने की तारीख प्रशिक्षण की सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख अगले दिन से शुरू होगी। यह कमीशन स्थायी होगा।

9. कमीशन देने के बाद उन्हें सेना के नियमित अफसरों के समान वे 1 ग्रो. ८ अर्थे, पेशन, और छट्टी दी जाएगी तथा सेवा की अन्य शर्तें भी वही होंगी जो सेना के नियमित अफसरों पर समय-समय पर लागू होंगी।

प्रशिक्षण :—

10. भारतीय सेना अकादमी में आमी कैडेट को "जैंटलमैन कैडेट" का नाम दिया जाता है तथा उन्हें 18 मास के लिए कहा सैनिक प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इन्हें के उप धूमियों का नेतृत्व करने के लिये बन सकें। प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत जैंटलमैन कैडेटों को सेकिन लैपिटनेंट के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है वर्षतः कि एस० एच० ४० पी० ई० म शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।

II सेवा की शर्तें :—

(i) बेतन :—

शैक्षणिक	बेतनमान
सेकिन लैपिटनेंट	750-790
लैपिटन	830-950
फैसल	1100-1550
सेजर	1400-1800
लैपिटनेंट-कर्नल (चयन द्वारा)	1750-1950
लैपिटनेंट कर्नल (समय बेतनमान)	1800 तियत
कर्नल	1950-2175
क्रिपेडियर	2200-2400
सेजर जनरल	2500-125/2-2750
लैपिटनेंट जनरल	3000 प्रतिमास

(ii) भत्ते :—

बेतन के अतिरिक्त अफसरों को इस समय निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं।—

(क) सिविलियन राजपत्रित अफसरों पर समय-समय पर लागू रखी

और शर्तों के अनुसार ही इन्हें भी भत्ता प्रतिक्रिया नहीं महगा है भत्ते दिए जाते हैं।

(ख) 50 रु. प्रतिमास की वर से किट अनुरक्षण भत्ता।

(ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रयास भत्ता मिलेगा। यह विदेश भत्ते की तदनुसूपी एकल वर का 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक होगा।

(घ) विद्युतित भत्ता, जब विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहाँ परिवार सहित नहीं रहा जा सकता है तब वे अफसर 70/- रु. प्रतिमास की वर से विद्युतित भत्ता प्राप्त करने के हक्कावाह होते हैं।

(iii) तैनाती

पल सेना असफर भारत में या विदेश में कही भी तैनात किए जा सकते हैं।

(iv) पदोन्नति :

(क) स्थायी पदोन्नति :

उच्चतर रैंकों पर स्थायी पदोन्नति के लिये निम्नलिखित सेवा सीमाएँ हैं :—

समय बेतनमान से

लैपिटनेंट	2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
फैसल	6 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
सेजर	13 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
सेजर जनरल	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लैपिटनेंट जनरल	कोई प्रतिवर्ष नहीं
जनरल	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
समय द्वारा	16 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लैपिटनेंट जनरल	20 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
फैसल	23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
सेजर जनरल	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लैपिटनेंट जनरल	28 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
जनरल	कोई प्रतिवर्ष नहीं

(ख) कार्यकारी पदोन्नति

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमाएँ पूरी करने पर, अफसर उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिए पल होंगे वर्षतः कि नियमित उपलब्ध हों :—

लैपिटन	3 वर्ष
सेजर	5 वर्ष
लैपिटनेंट कर्नल	8-1/2 वर्ष
कर्नल	8-1/2 वर्ष
क्रिपेडियर	12 वर्ष
सेजर जनरल	20 वर्ष
लैपिटनेंट जनरल	25 वर्ष

(ख) नौसेना अकादमी, कोचीन में भर्ती होने वाले उम्मीदवारों के लिये :

(क) जो उम्मीदवार अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अविष्य रूप से जून लिये जायेंगे, उन्हें नौसेना की कार्यकारी शाखा में कड़टों के रूप में नियुक्त किया जायेगा। उन उम्मीदवारों को नौसेना अकादमी, कोचीन के प्रशासी अफसर के पास निम्नलिखित राशि जमा करानी होगी।

(1) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिये आवेदन पर नहीं दिया है :

(i) 45.00 रुपये प्रतिमास की वर से पांच मास के लिये जेव खंच 225.00 रु.

(ii) कपड़ों और सज्जा-सामग्री के लिये 460.00 रु.

जोड़

685.00 रु.

(2) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिये आवेदन पत्र दिया हो,

(i) 45.00 रु० प्रति मास की	रु०
दर से दो मास के लिये जेब खर्च 90.00	
(ii) कपड़ों और सज्जा-सामग्री के लिये 460.00	
जोड़	550.00

(3) (i) चुने हुए उम्मीदवारों को कैडेटों के रूप में नियुक्त किया जायेगा तथा उन्हें नौसेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में नीचे दिया गया प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा—

(क) कैडेट प्रशिक्षण तथा नौकायं	
प्रशिक्षण	6 मास—1 वर्ष
(ख) मिडलशिपमैन नौकायं प्रशिक्षण	6 मास
(ग) कार्यकारी सब-ऑफिसर्स नौकायं	
पाठ्यक्रम	8 मास

(य) सभ-लेपिटनेट :

पहला बेने का प्रमाण-पत्र लेने के लिये 6 मास की न्यू-नतम गमुद्धी सेवा आवश्यक है।

(ii) नौसेना अकादमी में कैडेटों के प्रशिक्षण, आवास और संबद्ध सेवाओं, पुरताकों, वर्दी मोजन तथा डाक्टरी इलाज का खर्च सरकार वहन करेगी। किन्तु कैडेटों के माता-पिता/अभिभावकों को उनका जेब खर्च और निजी खर्च वहन करना होगा। यदि कैडेट के माता-पिता अभिभावकों की मासिक आय 450 रु० से कम हो और वह कैडेट का जेब खर्च पुण्यतया अवश्य आशिक रूप से पूरा न कर सकते हों तो, सरकार कैडेट के लिए 55 रु० प्रतिमास वित्तीय सहायता स्वीकार कर सकती है। वित्तीय सहायता लेने का इच्छुक उम्मीदवार अपने चुने जाने के बाद शीघ्र ही अपने जिला मैजिस्ट्रेट के माध्यम से आवेदन पत्र दे सकता है। जिला मैजिस्ट्रेट उस आवेदन पत्र को अपनी अनुशासा के साथ नियोजक, कार्यकारी सेवा, नौसेना मुख्यालय नई विस्ती के वास सेवा देगा।

यदि किसी माता-पिता/अभिभावक के बीच अवश्य उससे अधिक पुत्र या आश्रित नौसेना जहाजों/प्रतिष्ठानों में साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हों तो उन सभी को साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की प्रवधि के लिए उपर्युक्त वित्तीय सहायता दी जा सकती है बास्ते कि माता-पिता/अभिभावक की मासिक आय 400/ रु० से अधिक न हो।

(iii) बाद का प्रशिक्षण भारतीय नौसेना के जहाजों और स्थापनाओं में भी उन्हें सरकारी खर्च पर दिया जाता है। अकादमी छोड़ने के बाद उनके पहले छह मास के प्रशिक्षण के दौरान उन्हें उपर्युक्त पैरा (ii) के अनुसार अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों को मिलने वाली वित्तीय सहायता के समान सहायता दी जाएगी। भारतीय नौसेना के जहाजों और उनके प्रतिष्ठानों में छह मास का प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने के बाद जिन कैडेटों की मिडलशिपमैन के रैक में पदोन्नति कर दी जाएगी और वे बेतन प्राप्त करने लगें, तब उनके माता-पिता को उनका कोई खर्च नहीं देना होगा।

(iv) कैडेटों को सरकार से निःशुल्क वर्दी मिलेगी किन्तु उन्हें इसके ग्राहकों कुछ और कपड़े भी देने होंगे। इन कपड़ों के सही नमूने और उनकी एकलूकता को सुनिश्चित करने के लिए, ये कपड़े नौसेना अकादमी में तैयार किए जाएंगे तथा उनका खर्च कैडेटों के माता-पिता/अभिभावकों को वहन करना होगा। वित्तीय सहायता के लिए आवेदन-पत्र लेने वाले कैडेटों को कुछ कपड़े निःशुल्क या उदाहरण दिए जा सकते हैं। उन्हें कुछ विशेष कपड़े ही खरीदने होंगे।

(v) प्रशिक्षण के दौरान सर्विस कैडेटों को अपने मूल रैक के बही बेतन और वही मत्ते मिलेंगी जो वे कैडेटों के लिए जाने के समय नाविक या सेवक या अप्रैटिस के पवर पर काम करते हुए प्राप्त कर रहे होंगे। यदि उन्हें उस रैक में बेतन बढ़ावी जानी हो तो वे उस बेतन बढ़ावी को पाने के भी लकड़ार होंगे यदि उनके मूल रैक का बेतन और भर्ते, सीधे भर्ती होने वाले कैडेटों को मिलने वाली वित्तीय सहायता से कम हों तथा वे उप सहायता को प्राप्त करने के पावर हों तो उन्हें उपर्युक्त दोनों राशियों के प्रत्यक्ष की राशि भी मिलेगी।

(vi) सामान्यतः किसी कैडेट को प्रशिक्षण के दौरान त्यागपत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिस कैडेट को भारतीय नौसेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में कोई पूरा करने के योग्य नहीं समझा जाएगा उसे सरकार के अनुमोदन से प्रशिक्षण से बापस बुलाया जा सकता है तथा उसे प्रशिक्षण से हटाया भी जा सकता है। इन परिस्थितियों में किसी सर्विस कैडेट को उसकी मूल सर्विस पर बापस भेज दिया जाएगा। जिस कैडेट को इस प्रकार प्रशिक्षण से हटाया जाएगा या मूल सर्विस पर बापस मजा जाएगा, वह परवर्ती कोसे में दुबारा दाखिल होने का पत्र नहो रहेगा। किन्तु जिन कैडेटों को कुछ करणालज्ज्य कारणों के आधार पर त्यागपत्र देने की अनुमति दी जाती है उनके मामलों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाता है।

2. किसी उम्मीदवार के भारतीय नौसेना में कैडेट चुने जाने से पूर्व माता-पिता/अभिभावक को :

(क) इस आशय के प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भली भांति समझता है कि यदि उसके पुत्र को या आश्रित को प्रशिक्षण के दौरान या उसके कारण कोई चोट सग जाए या आरोरिक दुबलता हो जाए या उपर्युक्त कारणों या अन्य कारण से चोट लगते पर किंग गाए आपरेशन से या आपरेशन के दौरान मूर्छित करने की श्रोपियि के प्रयोग के फलस्वरूप मृत्यु हो जाए तो उसे या उसके पुत्र या आश्रित को सरकार से मुआशजा मांगने के दावे का या सरकार से अन्य सहायता मांगने का कोई हक नहीं होगा।

(ख) इस आशय के बाद पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी ऐसे कारण से जो उनके नियन्त्रण के अधीन हो, यदि उम्मीदवार कोई पूरा होने से पहले वापस जाना चाहे या यदि कैप्टन दिए जाने पर स्वीकार न करे तो किंग गाए आपरेशन से या आपरेशन के दौरान मूर्छित करने की श्रोपियि के प्रयोग के फलस्वरूप मृत्यु हो जाए तो उसे या उसके पुत्र या आश्रित को सरकार से मुआशजा मांगने के दावे का या सरकार से अन्य सहायता मांगने का कोई हक नहीं होगा।

3. बेतन भीर भर्ते

(क) बेतन

रैक	बेतनमान
मिडलशिपमैन	560.00 रुपए
दबिटग सब लेपिटनेट	750.00 रुपए
सब-लेपिटनेट	830-870 रुपए
लैपिटनेट	1100-1450 रुपए
लैपिटनेट कमोडोर	1450-1800 रुपए
कमांडर (चयन मान द्वारा)	1750-1950 रुपए
कमांडर (समय बेतन द्वारा)	1800.00 रुपए (नियत)
कप्टन	1950-2400 रुपए (कमोडोर वह बेतन प्राप्त करता है जिसके लिए वह कैप्टन के रूप में घरिष्ठाता के आधार पर हकदार होता है)
रिवर एडमिरल	2500-125/2-2750 रुपए
वाइस एडमिरल	3000 रुपए

(ब) भत्ते

वेतन के अतिरिक्त अफसरों को निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं:—

- (i) सिविलियन राजपत्रित अफसरों पर समय-समय पर लागू होंगी और शतों के अनुमार उन्हें भी वेतन प्रतिकरता तथा मंहगाई भत्ता मिलता है।
- (ii) 50/--रु० प्रति मास की वर से किट अनुरक्षण भत्ता (कमोडोर ईक के तथा उन से नीचे के ईक के अफसरों को)।
- (iii) जब अफसर भारत के बाहर सेवा कर रहा हो, तब धारित ईक के अनुसार 50/- रुपए से 250/- तक प्रतिमास भत्ता।
- (iv) 70/-रु० प्रति मास के हिसाब से इन अफसरों को नियमित भत्ता मिलेगा:—

- (i) जिन विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर सेवाना किया जाएगा जहां वे परिवार सहित नहीं रह सकते।
- (ii) जिन विवाहित अफसरों को शार्दूल एवं जहाजों पर सेवाना किया जाएगा अवश्य जितनी अवधि के लिए वे बेस पल्टनों से दूर जहाजों पर रहेंगे।
- (iii) जितनी अवधि के लिए बेस पल्टनों से दूर जहाजों पर रहेंगे, उसनी अवधि के लिए उन्हें मूल्य राशन मिलेगा।

टिप्पणी I:—उपर्युक्त के अलावा संकट के समय काम करने की राशि पन-दुन्ही सत्ता, पनदुन्ही वेतन, सर्वेक्षण आमुतोषिक/प्रहृता वेतन/अनुदान तथा गोताखोरी वेतन जैसी कुछ विशेष रियायत भी अफसरों को दी जा सकती हैं।

टिप्पणी II:—अफसर पनदुन्ही तथा विमान सेवाओं के लिए अपनी सेवाएं प्राप्ति कर सकते हैं। इन सेवाओं में सेवा के लिए बुने गए अफसर वह हुए वेतन तथा भत्तों को पाने के हक्कार होते हैं।

4. पदोन्नति

(क) समय वेतनमान द्वारा

मिडिपिमेन से एकिटग सब-लेपिटनेट

तक

1/2 वर्ष

एकिटग सब-लेपिटनेट से सब-लेपिटनेट

तक

1 वर्ष

सब-लेपिटनेट से लेपिटनेट कमोडोर तक

लेपिटनेट से लेपिटनेट कमोडोर तक

लेपिटनेट कमोडोर से कमोडोर तक

यदि व्यवहार द्वारा पदोन्नति न हुई हो

(ब) चयन द्वारा

लेपिटनेट कमोडोर से कमोडोर तक

कमोडोर से कैप्टन तक

कैप्टन से चियर एडमिरल और उससे ऊपर तक।

5. तैनाती

अफसर भारत और विदेश में कही भी तैनात किए जा सकते हैं। टिप्पणी:—यदि किसी और मूल्यालय, नौसेना मुद्र्यालय, नई विल्ली-110011 से प्राप्त की जा सकती है।

(ग) अफसर ट्रेनिंग स्कूल, गद्वाय में भर्ती होने वाले उम्मीदवारों के लिए:

1. इसमें पूर्व कि उम्मीदवार अफसर ट्रेनिंग स्कूल, मद्रास, मद्रास में भर्ती होते:

(क) उसे इस भाष्य से प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भली भांति समझता है कि उसे या उसके वैध वारिसों को सरकार से मुआवजे या अन्य किसी सहायता के दावे का कोई हक नहीं होगा, यदि उसे प्रशिक्षण के दौरान कोई जोट या आरोरिक दुर्बलता हो जाए या मृत्यु हो जाए या उपर्युक्त कारणों से चोट लगने पर किए गए आपरेशन या आपरेशन के दौरान मुश्तिकरन की भ्रष्टाचार के प्रयोग के कालस्थल ऐसा हो जाए।

(ख) उसके मात्रा पिता या अभिभावक को एक बाण्ड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी कारण से जो उसके नियंत्रण के द्वारा सामान लिया जाए यदि उम्मीदवार को संपूर्ण करने से पूर्व वापिस जाना चाहे या यदि विए जाने पर फर्माशन द्वारा करने के अफसर ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण, प्राप्त करते हुए शार्ची कर ले तो उसे शिक्षा, शाना, वस्त्र और वेतन तथा भत्ते जो उसने प्राप्त किए हैं, उनकी लागत या उनका वह अंग जो सरकार निर्णय करें, बुकाने के जिम्मेदार होंगे।

2. जो उम्मीदवार अतिम रूप से जुमे जाएंगे उन्हें अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 महीने का प्रशिक्षण कोर्स पूरा करना होगा। इन उम्मीदवारों को “सेना प्रशिक्षियत के अन्तर्गत जैंटलमैन कैडेट” के रूप में नामांकित किया जाएगा। सामान्य अनुसासन की दृष्टिंग से ये जैंटलमैन कैडेट अफसर ट्रेनिंग स्कूल के नियमों तथा विनियमों के अन्तर्गत रहेंगे।

3. प्रशिक्षण की लागत विभिन्न साधारण, पुस्तकों, बर्फी, भोजन तथा विकिसा सुविधा आमिल है, सरकार वहन करेगी और उम्मीदवारों को अपना जेब खर्च स्वयं वहन करना होगा। कमीशन पूर्व प्रशिक्षण के दौरान न्यूनतम 55 रु० प्रतिमास से अधिक खर्च की संभावना नहीं है। किन्तु यदि उम्मीदवार कोई फोटोग्राफी, शिकार खेलना, सैरसपाटा इत्यादि का शोक रखता हो, तब उसे अतिरिक्त धन की आवश्यकता होगी, यदि कोई कैडेट यह न्यूनतम व्यय भी पूर्ण या आंशिक रूप में वहन नहीं कर सके तो उसे समय-समय पर परिवर्तीय दरों पर इस हेतु वित्तीय सहायता दी जा सकती है बशर्ते कि कैडेट और उसके माता पिता/अभिभावक की आय 450 रुपए प्रति मास से कम हो। वर्तमान आदेशों के अनुसार वित्तीय सहायता की दर 55 रुपए प्रति मास है। जो उम्मीदवार वित्तीय सहायता प्राप्त करने का इच्छक हो, उसे प्रशिक्षण के लिए संविधान रूप से जुने जाने के बाद निर्धारित प्रपत्र पर एक आवेदन अपने जिले के जिला नियन्त्रित को भेजना होगा जो अपनी सत्यापन रिपोर्ट के साथ आवेदन पत्र को कमांडेट, अफसर ट्रेनिंग स्कूल, मद्रास को भेज देगा।

4. अफसर ट्रेनिंग स्कूल में अतिम रूप से प्रशिक्षण के लिए यह उम्मीदवारों को वहां पहुंचने पर कमांडेट के पास निम्नलिखित धन राशि भावस कर दी जाएगी:—

(क) 55.00 रु० प्रतिमास की दर से दस महीने के लिए जेब खर्च—550.00 रुपए।

यदि कैडेटों को आर्थिक सहायता स्वीकृत हो जाती है तो उन्हें उपर्युक्त धन राशि भावस कर दी जाएगी।

5. समय-न्यूनतम पर जारी किए गए आदेशों के अन्तर्गत परिधान भत्ता मिलेगा।

कमीशन मिल जाने पर इस भत्ते से खरीदे गए वस्त्र, तथा अन्य आवश्यक जीजें कैडेट की व्यवस्थात सम्पूर्ण बन जाएगी। यदि कैडेट प्रशिक्षणाधीन अवधि में त्याग पत्र दे दे या उसे निकाल दिया जाए या कमीशन से पूर्व वापस बुला लिया जाए तो इन वस्तुओं को उससे वापस ने लिया जाएगा। इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित की दृष्टिंगत रखते हुए निपटान कर दिया जाएगा।

6. सामान्यता: किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान स्थान-पत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। नियन्त्रित प्रशिक्षण प्रारंभ होने के बाद स्थान-पत्र देने वाले जैंटलमैन कैडेटों को वस्त्र सेवा मुद्र्यालय, भारत उनका स्थान-पत्र स्वीकृत होने तक भर जाने की आवश्यकता है। प्रस्थान से पूर्व उससे प्रशिक्षण भोजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाला खर्च

बहुल किया जाएगा। अफसर प्रशिक्षण स्कूल में उम्मीदवारों को भर्ती किए जाने से पूर्व उन्हें तथा उनके मातापिता/अभिभावकों को इस मार्ग पर का एक बोड मरना होगा।

7. जिस जैटलमैन कैंडेट को प्रशिक्षण का संपूर्ण कोर्स करने के योग्य नहीं समझा जाएगा जैसे सरकार की अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीदवार को उसकी रेजिमेंट कोर में बापस भेज दिया जाएगा।

8. कमीशन प्रदान कर दिए जाने के बाब बेतन तथा भर्ते, पेशन, छुट्टी तथा अन्य सेवा भर्ते निम्न प्रकार होंगी।

9. प्रशिक्षण

1. जूने गए उम्मीदवारों को सेना अधिनियम के अन्तर्गत [जैटलमैन कैंडेटों के हय में नामांकित किया जाएगा तथा वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल में समाप्त 9 मास तक प्रशिक्षण कोर्स पूरा करेंगे। प्रशिक्षण सफलता पूर्वक पूरा करने के उपरात जैटलमैन कैंडेट को प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख से सैकेन्ड लैफिटनेट के पद पर अल्पकालिक सेवा कमीशन प्रदान किया जाता है।

10. सेवा की शर्तें:—

(क) परिवीक्षा की अवधि

कमीशन प्राप्त करने की तारीख से अक्टूबर 6 मास की अवधि तक परिवीक्षाधीन रहेगा। यदि उसे परिवीक्षा की अवधि के दौरान कमीशन धारण करने के अनुपयुक्त बताया गया तब उसकी परिवीक्षा अवधि के समाप्त होने से पूर्व या उसके बाब किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त किया जा सकता है।

(भ) तैनाती

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त करने पर उन्हें भारत या विदेश में कही भी नीकरी पर तैनात किया जा सकता है।

(ग) नियुक्ति की अवधि तथा पदोन्नति

नियमित यत्न सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रदान किया जाएगा जो अफसर सेना में पांच वर्ष के अल्पकालिक सेवा कमीशन की अवधि के बाद सेना में सेवा करने के इच्छुक होंगे वे, यदि हर प्रकार से पांच तथा उपर्युक्त पांच वर्ष, तो संबंधित नियमों के अनुसार उनके अल्पकालिक सेवा कमीशन के अंतिम वर्ष में उनको स्थाई कमीशन प्रदान किए जाने पर विचार किया जाएगा। जो पांच वर्ष की अवधि के दौरान स्थायी कमीशन प्रदान किए जाने की अर्हता प्राप्त नहीं कर पाएं। उन्हें पांच वर्ष की अवधि पूरी होने पर नियुक्त कर दिया जाएगा।

(घ) बेतन और भर्ते

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर वही बेतन और भर्ते प्राप्त करेंगे जो सेना के नियमित अफसरों को प्राप्त होता है।

सैकेन्ड लैफिटनेट और लैफिटनेट के बेतन की दर इस प्रकार है:—
सैकेन्ड लैफिटनेट, 750-780 रु प्रति मास।
लैफिटनेट, 830-850 रु प्रति मास।

तथा अन्य भर्ते जो नियमित अफसरों को मिलते हैं।

(घ) छुट्टी

छुट्टी के संबंध में ये अफसर अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त करने के लिए, लागू नियमों से जासित होंगे जो सेना अवधिकारी नियमाबली खंड-1 यत्न सेना, के अध्याप्त पांच में उल्लिखित है। वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल के पासिंग प्राउट करने पर तथा दृश्यों ग्रहण करने से पूर्व उक्त नियम 91 में दी गई व्यवस्थाओं के अनुसार भी छुट्टी के हफदार होंगे।

(च) कमीशन की समाप्ति

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर को पांच वर्ष सेवा करनी होगी किन्तु भारत सरकार नियमित वर्ष कारणों से किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त कर सकती है:—

(i) अवकाश करने या भ्रमित वर्ष के रूप से सेवा करने पर; या

(ii) स्वास्थ्य की वृद्धि से अग्रयोग्य होने पर;

(iii) उसकी सेवाओं की और अधिक अवश्यकता होने पर; या

(iv) उसके किसी निर्धारित परीक्षण या कोर्स में अर्हता प्राप्त करने से असफल रहने पर।

तीन महीने का नोटिंग देने पर किसी अफसर को कशणाजन्य कारणों के प्राधार पर कमीशन से व्याप-पत्र देने की अनुमति दी जा सकती है किन्तु इसकी पूर्णतः नियमित भारत सरकार ही होगी। करणाजन्य कारणों के प्राधार पर कमीशन से व्याप-पत्र देने की अनुमति प्राप्त कर देने पर कोई अफसर सेवांत उपचान पाने का पाव नहीं होगा।

(ङ) पेशन लाभ

(i) ये अभी विचाराधीन हैं।

(ii) अल्पकालिक सेवा कमीशन अफसर 5 वर्ष की सेवा पूरी करने पर 5000.00 रु का सेवांत उपचान पाने के हफदार होंगे।

(ज) रिजर्व में रहने का दायित्व

5 वर्ष की अल्पकालिक सेवा कमीशन सेवा या बढ़ाई गई कमीशन सेवा पूर्ण करने के बाब वे 5 वर्ष की प्रवधि के लिए या 40 वर्ष की मायूसित करने के बाब वे 5 वर्ष की प्रवधि के लिए लाग हैं।

(झ) विविध

सेवा संबंधी प्रथ्य सभी शर्तें, जब तक उनका उपर्युक्त उपर्युक्तों के साथ भेद नहीं होता है, वही होगी जो नियमित अफसरों के लिए लाग है।

परिचय IV

भारत सरकार के प्रधीन पदों पर नियुक्त हेतु आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का कार्य।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री
सुपुत्र श्री
जी गाँधी/कस्ता
जिला/मंडल*

राज्य/संघ राज्य के
निवासी
हैं
जाति / जन जाति* के
नियमित
संविधान के
अनुसूचित जातियों
जन जाति/अनुसूचित* जन जाति के रूप में मान्यता
दी गई है :—

संविधान (अनुसूचित जातियों) आवेदा, 1950

संविधान (अनुसूचित जन जातियों) आवेदा, 1950*

संविधान (अनुसूचित जातियों) (संघ राज्य क्षेत्र) आवेदा, 1951*

संविधान (अनुसूचित जन जातियों) (संघ राज्य क्षेत्र) आवेदा, 1951*

[अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों सूचिया (प्राप्तोधन) आवेदा, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1968, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971, और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों आवेदा (संशोधन) प्रधानमंत्री अधिनियम, 1976 द्वारा भवा संशोधित]

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातिया आवेदा, 1956*

संविधान (झंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जातियां आवेदा, 1959* अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों आवेदा (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (वादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातिया आवेदा, 1962*

संविधान (वादरा और नागर हवेली), अनुसूचित जन जातियों आवेदा, 1962*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आवेदा, 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातियों) (उत्तर प्रदेश), आवेदा, 1967*

संविधान (गोआ, दमन और दीनू) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968*	
संविधान (गोआ, दमन और दीनू) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968*	
संविधान (नागार्लेण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970*	
2 श्री
और/या* उसका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा*
..... जिला/मण्डल*
राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र में रहता है।
स्थान	हस्ताक्षर
तारीख	**पद्धतिम् (कार्यालय की मोहर के साथ) राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

मोट :- यहां "आम तौर से रहता है" का अर्थ वही होगा जो "रिप्रेंटेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950" की घारा 20 में है।

**जाति/जनजाति प्रभाग-पत्र जारी करने के लिए सक्षम प्रधिकारी ।

(i) जिला मजिस्ट्रेट/अधिकारी जिला मजिस्ट्रेट/कैरेक्टर/डाकी कमिशनर/एडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कैरेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/ सिटी मैजिस्ट्रेट/ *सब डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/तालुक मैजिस्ट्रेट/ एकीकृतिव मैजिस्ट्रेट/ एसट्रा असिस्टेंट कमिशनर ।

(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहवे का नहीं) ।

(ii) चीफ प्रैसिडेन्टी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रैसिडेन्टी मैजिस्ट्रेट प्रैसिडेन्टी मैजिस्ट्रेट ।

(iii) रेक्ट्रो अफसर जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो ।

(iv) उस इसके का सब डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/ या उसका परिवार आमतौर से रहता हो ।

(v) एडमिनिस्ट्रेटर /एडमिनिस्ट्रेटर का रान्चिव/उल्लंपमेट अफसर (संभवाप) ।

परिशिष्ट V

संघ सोक सेवा आयोग

उम्मीदवारों को सूचनात्म विवरणिका

क. वस्तु पत्रक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं, उसको "वस्तुपत्रक परीक्षण" कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में आपको उत्तर फैलाकर लिखने मही होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आप प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कहीं संभाष्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको आप प्रत्युत्तर कहा जाएगा) आपको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

ख. परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न पत्र "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3 के कम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे a, b, c, कम में संभावित प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही या यदि एक से अधिक प्रत्युत्तर सही है तो उनमें से सर्वोत्तम प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। (अंत में यिए गए समूने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

ग. उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिए आपको अलग से एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक की छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जांचे नहीं जाएंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांशों की संख्याएँ 1 से 200 तक घार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d, e.. के क्रम से प्रत्युत्तर छापे होंगे। परीक्षण 'पुस्तिका' के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाव कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के अधिकार को विश्वास बाने आयत को पेसिल से काला बनाकर उसे अंकित कर देना है, जसा कि संलग्न उत्तर पत्रक के समूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के आयत को काला टूटनाने के लिए स्थाही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

1. a b c d e

2. a b c d e

3. a b c d e

आपके उत्तर पत्रक में यिए गए उत्तरों का मूल्यांकन मशीन से किया जाएगा जो गलत उत्तर, एच० बी० पेसिल के अतिरिक्त दूसरी पेसिल के प्रयोग और विकृत उत्तर पत्रक को पहचानने में बड़ी सुगमी है। इस लिए यह ज़रूरी है कि प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किस्म की एच० बी० पेसिल (पेसिलों) ही लाएं और, उन्हीं का प्रयोग करें। दूसरी पेसिलों या पेन के द्वारा बनाए गए निशान संभव हैं, मशीन से ठीक ठीक न पढ़े जाएं।

2. अगर आपने गलत निशान लगाया है, तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रक्कड़ भी लाएं।

3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए या उसमें भोड़ व सलवट आदि पढ़ जाएं और वह टेका हो जाए।

ष कुछ महत्वपूर्ण नियम :

1. आप को परीक्षा आरंभ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुँचना होगा और पहुँचते ही अपना स्थान प्रह्ल दिया जाएगा।

2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद फिसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक फिसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाव, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौंप दें। (आप को परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है)। इन नियमों का उल्लंघन करते पर कड़ा बंड दिया जाएगा।

5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, अपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की कम संख्या स्थाही से साफ साफ लिखें। उत्तर पत्रक पर आप कहीं भी अपना नाम न लिखें।

6. परीक्षण पुस्तिका म दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। चूंकि मूल्यांकन मशीन के द्वारा होता है, इसलिए संभव है कि इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नंबर हर

हो जाएं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि नहीं है, तो उत्तर प्रणाली के लिए आपको कोई नंबर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के लिए गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरंभ या समाप्त करने को कह दें तो उसके अनुदेशों का ताकाल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण पत्र साथ लाएं। आपको अपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रबड़, एक पेंसिल शाखानर और नीली या काली स्थाही बाली कलम भी लानी होगी। आपको परीक्षा भवन में कोई कल्पना कागज या कागज का टुकड़ा, पैमाना या अरेक्षण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप अच्छा काम गुरु करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोप नम्बर और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को पास कर दें।

इ. विशेष अनुदेश

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। प्रत्येक परीक्षण पुस्तिका पर हाशिये में सील लगी होगी जिससे कि परीक्षण गुरु हो जाने के पहले उसे कोई खोल नहीं पाए। जैसे ही आपको परीक्षण-पुस्तिका मिल जाए, सर्वत आप देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है और सील लगी हुई है। अन्यथा, उसे बदलवा दें। जब यह ही जाए तब आपको उत्तर पत्रक के संबद्ध खाने में अपनी परीक्षण पुस्तिका की कम गम्भीर लिखनी होगी जब तक पर्यवेक्षक परीक्षण पुस्तिका की मील तोड़ने को न करें तब तक आप उसे न तोड़।

च. कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण या उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता को जांचना है, किर भी यह जल्दी है कि आप अपने समय का, दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ आगे फिरनी जल्दी आगे बढ़ सकते हैं बड़े, पर सापरवाही न हो। अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दें पाते हैं तो चिंता न करें। आप को जो पर्याय अत्यन्त कठिन मालूम पड़े उन पर समय बर्जन करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़े और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार कर।

सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। आपके द्वारा आकिन मही प्रत्येक शब्द के आधार पर प्रापको अक दिए जाएंगे।

प्रश्न इस तरह बनाए जाते हैं कि उनसे आपकी स्मरण शक्ति की अपेक्षा, जानकारी सूक्ष्मवूज और विशेषण-क्षमता की परीक्षा हो। आपके लिए यह सामान्यक होगा कि आप संगत विषयों को एक बार सरसरी निगाह से देख लें और इस बात से आश्वस्त हो जाएं कि आप अपने विषय की अच्छी तरह समझते हैं।

छ. परीक्षण का समाप्त

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बंद करने को कहे, आप लिखना बन्द कर दें। जो उम्मीदवार इस तरह बत नहीं करते हैं, वे शब्द के भागी होंगे।

अब आपका उत्तर लिखना समाप्त हो जाए तब आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके यहाँ आकर आपकी परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक न से जाएं और आपको "हाल" ठोड़ने की अनुमति न दें। आपकी परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने वाले दंड के भागी होंगे।

नमूने के प्रश्न

1. मौर्य वंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरदायी नहीं है ?

- (a) अशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमज़ोर थे।
- (b) अशोक के बावजूद साधारण का विभाजन हुआ।
- (c) उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।
- (d) अशोकोत्तर युग में आर्यिक रिक्तता थी।

उत्तर (d)

2. संसदीय स्वरूप की मरकार में

- (a) विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (b) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (c) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (d) न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (e) कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

उत्तर (c)

3. पाठशाला के छात्र के लिए पाठ्यरेतर कार्य क्लाप का मुख्य प्रयोजन

- (a) विकास की सुविधा प्रदान करता है।
- (b) अनुशासन की समस्याओं की रोकथाम है।
- (c) नियत कक्षा-कार्य से राहत देना है।
- (d) शिक्षा के कार्यक्रम में विकला देना है।

उत्तर (a)

4. सूर्य के मवेश निकट ग्रह है,

- (a) एक
- (b) मंगल
- (c) बृहस्पति
- (d) बृद्ध

उत्तर (d)

5. वन और बाढ़ के पारस्परिक संबंध को निम्नलिखित में से कौन-सा विवरण स्पष्ट करता है ?

- (a) वैड पौधे जिनमें अधिक होते हैं, मिट्टी का शरण, उतना अधिक होता है जिसमें बाढ़ होती है।
- (b) वैड पौधे जिनमें कम होते हैं, नदिया उतनी ही गाढ़ से भरी होती है जिसमें बाढ़ होती है।
- (c) वैड पौधे जिनमें अधिक होते हैं, नदिया उतनी ही कम गाढ़ से भरी होती है जिसमें बाढ़ रोकी जाती है।
- (d) वैड पौधे जिनमें कम होते हैं उतनी ही धीमी गति से बर्फ पिघल जाती है जिसमें बाढ़ रोकी जाती है।

उत्तर (c)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 18th November 1978

No. A. 32014/1/78-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following permanent Assistants of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to officiate as Section Officer, on *ad-hoc* basis, for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier:—

S. No.	Name	Period for which promoted as Section Officer	Remarks
1	2	3	4
S/Shri			
1. S. R. Khanna	.	for a period from 1-9-78 to 15-11-78	—
2. N. K. Dhingra	.	for a period from 14-9-78 to 12-11-78	—
3. B. L. Sharma	.	for a period from 17-9-78 to 15-11-78	—
4. Kailash Chandra	.	for a period from 22-9-78 to 6-11-78	—
5. N. M. L. Bhatnagar	.	for a period from 9-10-78 to 23-11-78	—
6. M. N. Arora	.	for a period from 3-11-78 to 18-12-78	—

The 28th November 1978

No. A.38013/5/76-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri R. L. Jhingan, a permanent Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 30th November 1978 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated the 24th November, 1973.

S. BALACHANDRAN, Under Secy.
(Incharge of Administration),
Union Public Service Commission.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 30th November 1978

No. A-20014/5/75-Ad.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri M. K. Banerjee an Officer of West Bengal Police on deputation as Inspector in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central Bureau of Investigation/EOW Calcutta Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 23-10-1978 until further orders.

RIPDAMAN SINGH,
Administrative Officer (E)/C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 1st December 1978

No. O.II-1094/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Swarupananda Naik as GDO; Grade-II (Dy. S.P./Coy. Commander) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 28th September, 1978 until further orders.

The 2nd December 1978

No. O.II-1098/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Rabindra Nath Behera as a General Duty Officer Grade-II (Dy. S.P./Coy. Commander) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the afternoon of 5th October, 1978 until further orders.

No. O.II-1099/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Yogendra Prakash as DGO; Grade-II (Dy. S.P./Coy. Commander) in the C.R.P. Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 3rd November, 1978 until further orders.

The 4th December 1978

No. O.II-845/72-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Krishna Kishore Saini as a Senior Medical Officer (Com-

mandant) in the C.R.P. Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 20th Oct. 1978 until further orders.

2. Consequent on his appointment as a Senior Medical Officer, Dr. Krishna Kishore Saini relinquished charge of the post of GDO; Gd-I in Base Hospital-I CRPF, New Delhi on the forenoon of 6th Oct. 1978.

No. II-1/78-CB(Estt.).—The President is pleased to accept resignation of Lt. Col. R.L. Sircar, Medical Superintendent of the Dto. General, CRPF, New Delhi with effect from 29-8-1978.

A. K. BANDYOPADHYAY,
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 29th November 1978

No. 10/6/78-Ad.I.—In supersession of this office notification of even number dated 17-6-1978, the President is pleased to appoint Shri V. P. Pandey, an officer of the Selection Grade Select List of the C.S.S., as Deputy Registrar General, India, on a purely temporary and *ad-hoc* basis for a period of three months with effect from the afternoon of 26 May 1978 to 25 August, 1978.

2. The President is also pleased to appoint Shri V. P. Pandey to the post of Deputy Registrar General, India, on a regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 26 August, 1978, until further orders.

3. The headquarters of Shri Pandey are at New Delhi.

The 4th December 1978

No. 11/5/77-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 19-9-1978, the President is pleased to extend the appointment of Shri S. Jayashankar, an Investigator in the office of the Director of Census Operations, Kerala as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, with his headquarters at Trivandrum, on a purely temporary and *ad-hoc* basis for a further period of three months with effect from 1-10-1978 to 31-12-1978, or until further orders, whichever period is shorter.

P. PADMANABHA,
Registrar General, India

**OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR,
WESTERN RAILWAY, BOMBAY**

Bombay, the 4th December 1978

No. SA/HQ/Adm./PC/5412.—Shri H. T. Kanal, Officiating Audit Officer retired from service on 31-8-1978 (AN) on attaining the age of superannuation.

A. N. BISWAS,
Chief Auditor

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
Calcutta, the 29th November 1978

No. 80/78/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri T. P. Ghosh, Offg. Assistant Manager (Subst. and Permit. Foreman), retired from service w.c.f. 28-2-1978 (A/N).

V. K. MEHTA,
Assistant Director General, Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE
CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION
(DEPARTMENT OF COMMERCE)
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS
New Delhi, the 29th November 1978
IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(Establishment)

No. 6/661/62-Admn.(G)/8429.—On attaining the age of superannuation, Shri H. N. Sahai, Controller of Imports and Exports in the office of the Deputy Chief Controller of Imports and Exports (Now Joint Chief Controller of Imports and Exports), Kanpur, was permitted to retire from Government service on the afternoon of the 30th April, 1976.

2. This office Notification No. 6/661/62-Admn.(G)/2462 dated 31-3-1977 stands cancelled.

K. V. SESHADRI,
Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF STEEL)

IRON AND STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 26th September 1978

No. EI-13(107)/78.—Shri Hari Mohan Das, Superintendent is hereby appointed to officiate in the ex-cadre post of Asstt. Commissioner of payments (IISCO COMPENSATION) on an *ad-hoc* basis, purely as a stop-gap measure, for a period of three months for the present, with effect from 13-9-1978 (F.N.).

The 20th October 1978

No. EI-12(10)/78(—).—Shri A. K. Misra, Accounts Officer, Office of the Senior Deputy Accountant General, Commerce, Works and Miscellaneous, Calcutta is hereby appointed on deputation as Accounts Officer, with effect from the afternoon of 6th October, 1978, until further order.

P. K. SARKAR,
Iron and Steel Controller

SURVEY OF INDIA
SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun the 28th November 1978

No. C-5438/707.—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each, purely on *ad-hoc* provisional basis:—

Sl. No.	Name and Designation	Unit/Office	With effect from
1	2	3	4
1.	Shri J.B. Pawsey, Surveyor Sel. Gde.	No. 2 Party (W.C.) Mussoorie.	16th May 1978 (F.N.)
2.	Shri Z. Kerketta, Survey Asstt. Sel. Gde.	No. 75 Party (SEC), Madhupur.	12th October, 1978 (F.N.)
3.	Shri Nathu Ram Sharma, Surveyor Sel. Gde.	No. 74 Party (SEC), Ranchi.	16th October, 1978 (F.N.)
4.	Shri Somra Tirkey, Surveyor Sel. Gde.	No. 74 Party (SEC), Ranchi	23rd October, 1978 (F.N.)
5.	Shri Jagdish Chandra, Surveyor Sel. Gde.	No. 26 (Photo) Party (NC), Dehra Dun.	24th October, 1978 (F.N.)
6.	Shri Jai Chand Rekhi, Surveyor Sel. Gde.	No. 26 (Photo) Party (NC), Dehra Dun.	24th October, 1978 (F.N.)
7.	Shri S.M. Uniyal, Surveyor Sel. Gde.	No. 1 Party (NC), Dehra Dun.	8th November, 1978 (F.N.)

K. L. KHOSLA,
Major General
Surveyor General of India.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 28th November 1978

No. 4/47/77-SI.—Consequent upon the acceptance of his resignation, Shri Peter B. Shangpliang, relinquished charge of the post of Programme Executive of All India Radio, Kohima on the afternoon of 29th September, 1978.

A. K. BOSE
Dy. Director of Administration
for Director General

FILMS DIVISION

Bombay-26, the 29th November 1978

No. A24013/39/78-Fst-I.—On expiry of the leave granted to Shri P. V. Rao, officiating Branch Manager, Films Division—386 GI/78

tion, Hyderabad, Shri S. A. Naik officiating Branch Manager, Films Division, Hyderabad reverted to the post of Salesman with effect from the forenoon of 6-11-1978.

M. CHANDRAN NAIR
Administrative Officer,
for Chief Producer.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 27th November 1978

No. A.38012/2/78(HQ)Admn.I.—On attaining the age of superannuation Smt. K. S. Bhatia, Deputy Director (School of the Directorate General of Health Services retired from Government Service on the afternoon of the 30th June, 1978.

No. A.32014/6/78(SJH)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Onkar Singh

Gujral, Head Clerk, Safdarjang Hospital, New Delhi to the post of Assistant Administrative Officer at the same Hospital, with effect from the forenoon of the 1st November, 1978, on temporary basis and until further orders.

The 1st December 1978

No. A.39013/1/78-Admn.I.—Consequent on the acceptance of his resignation, Dr. S. S. Luthra relinquished charge of the post of Dental Surgeon, Central Government Health Scheme Meerut on the afternoon of 11th April 1978.

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Administration

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 27th November 1978

No. A.12026/2/78-A.III.—Consequent on his repatriation

to his parent cadre i.e. Office of the Director of Accounts (Postal), Shri B. A. Pasarkar, Accounts Officer has been relieved of his duties at Branch Head Office, D.M.I. Nagpur w.e.f. 3-11-78 (AN).

The 1st December 1978

No. A.19025/117/78-A.III.—Shri K. Jeyanandan, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at Madras with effect from 13-11-1978 (FN) upto 31-12-1978, or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

BHA BHAATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)

BOMBAY-400 085, 3rd JULY 1978

No. PA/81(11)/78-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints the undermentioned officers of the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity, with effect from the forenoon of February 1, 1978, until further orders:—

Sl. No.	Name	Post held, if any	Officiating as
1.	Shri Aravind Bhaburao Phadnis	—	Scientific Assistant (C)
2.	Shri Poolakkal Rajendran Nair	Assistant Security Officer	Foreman
3.	Shri Nagasundaran Viswanathan	Scientific Assistant (B)	Scientific Assistant (C)
4.	Shri Hans Raj Mittal	Draughtsman (B)	Draughtsman (C)
5.	Shri John Jitendra Charan	—	Scientific Assistant (C)
6.	Shri Vishnu Jayaram Khadekar	Draughtsman (A)	Draughtsman (C)
7.	Shri Pillalmarri Hanumanta Rao	Scientific Assistant (B)	Scientific Assistant (C)
8.	Shri Silverster John Karkada	Assistant Foreman	Scientific Assistant (C)
9.	Shri Bijan Kumar Ghosh	Do.	Foreman
10.	Shri Narciso Ignatius Silveira	Do.	Do.
11.	Shri Narayan Supdu Pimpale	Scientific Assistant (A)	Scientific Assistant (C)
12.	Shri Koti Kulam Narayanan	Do.	Do.
13.	Shri Gurbachan Singh	Do.	Do.
14.	Shri Kuriyal Shridhara Somayaji	Do.	Do.
15.	Shri Giridhar Jha	Do.	Do.
16.	Shri Gurunath Balwantrao Joshi	Scientific Assistant (B)	Do.
17.	Shri Chelakara Subramania Suryanarayanan	Do.	Do.
18.	Dr. Prakash Chandra Verma	—	Do.
19.	Smt. Poonam Hari Pardasani	Scientific Assistant (B)	Scientific Assistant (C)
20.	Shri Virendra Singh	Scientific Assistant (B)	Do.
21.	Shri Ashok Trimbak Soman	—	Draughtsman (C)
22.	Shri Harbans Lal Verma	Draughtsman (A)	Foreman
23.	Shri Pandurang Dattatraya Bhurke	Assistant Foreman	Foreman
24.	Shri Noor Mohammed Gaffur Peerzada	Chargehand	Scientific Assistant (C)
25.	Shri Nadukkudi Poomadathil Sethuram	Scientific Assistant (A)	Do.
26.	Shri Mangesh Shankarrao Dalvi	Do.	Do.
27.	Shri Mohammedbhai Ebrahim Doctor	—	Do.
28.	Shri Modugula Satyanarayana	—	Do.
29.	Shri Ajay Kumar Bandyopadhyay	—	Do.
30.	Kum. Vidya Sadashiv Kamblu	Scientific Assistant (A)	Do.
31.	Shri Chandrakant Bapuji Gokhale	Scientific Assistant (B)	Do.
32.	Shri Hari kisan Zumerlal Kangla	Do.	Do.
33.	Shri Kamal Abdul Karim Sayed	—	Do.
34.	Shri Bhagwan Narayan Mahajan	—	Do.
35.	Kum. Madanlal Usha Kumari	—	Do.
36.	Shri Raghunath Vithal Phatak	Scientific Assistant (B)	Scientific Assistant (C)
37.	Shri Anil Vaman Apte	—	Do.
38.	Shri Dattatraya Krishnaji Jadhav	Draughtsman (A)	Draughtsman (C)
39.	Shri Chthukadu Harisharan	—	Scientific Assistant (C)
40.	Shri Narayanan Anantharaman	Scientific Assistant (A)	Do.
41.	Shri Ganesh Trimbak Marathe	Chargehand	Foreman

The 22nd September 1978

No. PA/73(13)/78-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. (Kum) Varinder Balwantsingh Kaur as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in purely temporary capacity with effect from the forenoon of September 13, 1978 to the afternoon of October 25, 1978 vice Dr. (Smt.) S. R. Tribhuvan granted leave.

No. PA/73(13)/78-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. (Smt.) Chandraprabha Satyaprakash Mittal as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of September 19, 1978 to the afternoon of November 10, 1978 vice Dr. (Smt.) P. K. Ajbani granted leave.

The 16th October 1978

No. PA/85(1)/78-R-IV.—On transfer from the Heavy Water Project, Kota of Department of Atomic Energy, Director, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri Shelke Prabhakar Suryabhan in a temporary capacity as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of April 24, 1978 until further orders.

The 20th October 1978

No. PA/68(6)/77-R-IV.—On relief from the Civil Engineering Division of the Department of Atomic Energy, the Director, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri Pongaliur Kandasamy Mylsamy as Scientific Officer/Engineer Grade SB in a temporary capacity in the Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of June 19, 1978 until further orders.

The 25th September 1978

No. 5/1/78-Estt. II/3399—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undementioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Assistant Accounts Officer for the period shown against their names:

Sl. No.	Name and Designation	Appointed to officiate as	Period	
			From	To
1.	Shri F. D'Souza Asstt. Accountant	Asstt. Accounts Officer	10-4-78 (FN)	31-7-78 (AN)
2.	Smt. S.P. Meherjee Asstt. Accountant	Asstt. Accounts Officer	3-7-78 (FN)	2-9-78 (AN)

No. 5/1/78-Estt. II/3400—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Administrative Officer-II/Assistant Personnel Officer for the period shown against their names:

Sl. No.	Name & Designation	Appointed to officiate as	Period	
			From	To
1.	Shri S.R. Dongre Asstt. Personnel Officer	Administrative Officer-II	26-12-77 (FN)	9-5-78 (AN)
2.	Shri S.D. Mehta Asstt. Personnel Officer	Administrative Officer-II	10-4-78 (FN)	30-8-78 (AN)
3.	Shri A.K. Katre Assistant	Asstt. Personnel Officer	26-12-77 (FN)	30-8-78 (AN)

The 5th October 1978

No. 5/1/78-Estt. II/4089.—On transfer from Directorate of Purchase and Stores, Kota, Shri Gajanan Laxmanrao Haldipur, (a permanent Asstt. Accountant) has assumed charge as Accounts Officer II in the Bhabha Atomic Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of September 11, 1978 until further orders.

The 13th October 1978

No. 5/1/78-Estt. II/4234.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Dev Narayan Pradhan, Pmt. Assistant Security Officer to officiate as Security Officer in this Research Centre for the period from 26-7-1978

The 10th November 1978

No. PA/73(13)/78-R-IV.—In continuation of Notification of even number dated September 22, 1978, the Director, BARC appoints Dr. (Kum.3) Varinder Balwantsingh Kaur as Resident Medical Officer in the Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity for a further period from the forenoon of October 26, 1978 to the afternoon of October 27, 1978 vice Dr. (Smt.) S. R. Tribhuvan granted leave.

S. RANGANATHAN
Dy. Establishment Officer (R)

Bombay-400085, 1978

No. B/488/Estt. II/4083.—Consequent on attaining the age of superannuation, Shri Manohar Damodar Bapat, permanent Assistant Administrative Officer (Grade Rs. 650—960/-) retired from Government Service with effect from 31-8-1978 (AN).

No. M-4/Accts/Estt. II/4085.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre has accepted the resignation from service tendered by Shri Furrokh Erachshaw Mistry, permanent Assistant Accountant and officiating Assistant Accounts Officer, Accounts Division with effect from the afternoon of August 31, 1978.

The 18th September 1978

No. 5/1/78/Estt. II/3301.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri F. D'Souza, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer on an *ad hoc* basis in this Research Centre with effect from 30-3-1977 (FN) to 22-4-1977 (AN) vice Shri R. G. Masurkar, Assistant Accounts Officer granted leave from 30-3-1977 to 30-4-1977.

(FN) to 29-9-1978 (AN) vice Shri D. N. Bagchi, Security Officer granted leave.

The 19th October 1978

No. 5/1/78-Estt. II/4326.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri K. R. C. Pillai, Assistant, to officiate as Assistant Personnel Officer on an *ad hoc* basis in this Research Centre with effect from 11-9-1978 (FN) to 16-10-1978 (AN).

The 23rd October 1978

No. 5/1/78/Estt. II/4403.—In continuation of this Division Notification No. 5/1/77/Estt. II/2764 dated November

15, 1977, the Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri U. R. Menon, Assistant, to officiate as Assistant Personnel Officer on *ad hoc* basis for a further period from 15-9-1977 (FN) to 20-10-1977 (AN).

The 27th October 1978

No. 5/1/78-Estt. II/4579.—The Controller, Bhabha Ato-

mic Research Centre appoints Shri N. C. Gop, Assistant Security Officer to officiate as Security Officer in Variable Energy Cyclotron, Calcutta for the period from 13-2-1978 (FN) to 18-3-1978 (AN) vice Shri A. K. Chakraborty, Security Officer granted leave.

The 7th November 1978

No. 5/1/78-Estt. II/4671—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials officiate on an ad-hoc basis as Administrative Officer-II/Assistant Personnel Officer for the period shown against their names :

Sl. No.	Name and Designation	Appointed to officiate as	Period	
			From	To
1.	Shri S.K. Kapur Asstt. Personnel Officer	Administrative Officer-II	11-9-78(FN)	21-10-78(AN)
2.	Shri B.K. Swamy Asstt. Personnel Officer	Administrative Officer-II	25-9-78 (FN)	27-10-78(AN)
3.	Shri P.B. Karanikar Assistant	Asstt. Personnel Officer.	20-9-78 (FN)	27-10-78(AN)
4.	Shri B.M. Nuk S.G.C.	Asstt. Personnel Officer	25-9-78 (FN)	27-10-78(AN)

The 15th November 1978

No. 5/1/78-Estt. II/4740—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Assistant Personnel Officer for the period shown against their names :

Sl. No.	Name & Designation	Appointed to officiate as	Period	
			From	To
1.	Shri L.B. Gawde Assistant	Asstt. Personnel Officer	27-9-78 (FN)	7-11-78 (AN)
2.	Shri N.K. Bhide S.G.C.	Asstt. Personnel Officer	27-9-78 (FN)	7-11-78(AN)

The 17th November 1978

Rs. 650—960/- in this Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of November 1, 1978 until further orders.

M. S. RAO
Dy. Establishment Officer

Bombay-400 085 The 30th September 1978

No. 5(5)/78-Confirmation/1857—The Director, Bhabha Atomic Research Centre hereby appoints the undermentioned officers in a substantive capacity as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in Bhabha Atomic Research Centre with effect from February 1, 1977.

Sl. No.	Name	Present Grade	Division	Permanent post held in BARC	
				3	4
1	2				
1.	Shri S.S. Salni	SC	Primary Isotope Section		D'man C
2.	Shri K.N. Mandke	SC	R-5 Project		D'man C
3.	Shri R.D. Kale	SB	Health Physics		SA C
4.	Shri S.K. Roy	SC	Central Workshops		Foreman
5.	Shri M.V. Joshi	SC	PREFRE		SA C
6.	Shri V.D. Kandekar	SB	Electronics		SA C
7.	Shri D.S. Bish	SC	Nuclear Physics		SA C
8.	Shri D.K. Mulaokar	SB	Radio Chemistry		D'man C
9.	Shri S.G. Shukla	SC	Nuclear Physics		SA C
10.	Shri G. Subramanian	SC	Health Physics		SA C
11.	Shri M. Tambwekar	SC	Analytical Chemistry		SA C
12.	Shri A. Sethumadhavan	SC	Spectroscopy		SA C
13.	Shri N.E. Meherji	SB	Lib. & Inf. services		SA C
14.	Shri G.S. Panicker	SB	Technical Services		Foreman
15.	Shri L.R. Chorge	SC	Technical Services		Foreman
16.	Shri A.D. Ingale	SB	Electronics		SA C
17.	Shri V.N. Kamath	SB	Electronics		SA C
18.	Shri M.P. Sankaran	SC	Division of Radiological Protection		SA C
19.	Shri K.L. Guliani	SC	Technical Services		'D' man A
20.	Shri V.P. Ranade	SB	Transport Maint. Unit		Foreman
21.	Shri R.S. Udyavar	SB	Nuclear Physics		SA C
22.	Shri N.K. Mehta	SB	Health Physics		SA C
23.	Shri M.R. Phiske	SC	Neutron Physics		SA C

1	2	3	4	5
24. Shri K. Rajamani		SB	Technical Services	Foreman
25. Shri S.G. Rege		SB	Fuel Reprocessing	SA C
26. Shri P.L.K. Sastry		SB	Health Physics	SA C
27. Shri P.C. Mitra		SC	Neutron Physics	SA C
28. Shri K.D. Vinaik		SC	Reactor Operations	Foreman
29. Shri G.L.C. Gonsalves		SB	Technical Services	Foreman
30. Shri V.S. Nigudkar		SB	Technical Services	Foreman

No. 5(5)/78-Confirmation/1858.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints the undermentioned officers in a substantive capacity as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in Bhabha Atomic Research Centre with effect from February 1, 1977.

Sl. No.	Name	Present Grade	Division
1. Shri A.R. Nayak		SC	Health Physics
2. Shri B.R.S. Gund		SC	Central Workshops
3. Shri S.P. Mukherjee		SC	Landscape & Cosmetic Maintenance section.

Kum. H.B. VIJAYAKAR
Dy. Establishment Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam-603102, the 16th November 1978

No. A. 32013/6/78-R.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints the following temporary officials of this Centre as Scientific Officers Grade-SB in scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in the same Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1978 until further orders.

1. Shri M. R. Janardhanam—Scientific Assistant 'C'.
2. Shri K. Chenchu Naidu—Foreman.
3. Shri R. Umapathaiah—Foreman.
4. Shri K. Narayanan—Foreman.
5. Shri Benedict Rayon—Draughtsman 'C'.

A. SETHUMADHAVAN
Administrative Officer
for Project Director, Reactor Research Centre

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 2nd December 1978

No. E(I)03892.—On attaining the age of superannuation Shri A. Sadagopan, offg. Assistant Meteorologist, office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, India Meteorological Deptt., retired from the Government service with effect from the afternoon of 31-10-1978.

No. E(I)04287.—On attaining the age of superannuation Shri V. Sundaresa Rao, officiating Assistant Meteorologist, office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, India Meteorological Department, retired from the Government service with effect from the afternoon of 31-10-1978.

The 4th December 1978

No. E(I)00843.—Resignation of Shri G. Nagaraja Rao, Assistant Meteorologist, Headquarters Office of the Director General of Meteorology, India Meteorological Department

has been accepted with effect from the afternoon of 10-5-1978.

G. R. GUPTA
Meteorologist
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 24th November 1978

No. A-32013/10/77-E.I.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. W. H. Jafri, substantive Librarian in this Department to the post of Chief Librarian (Group 'B' Gazetted) on *ad hoc* basis in this Department in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/-, for a period of six months with effect from 17-11-1978 (Forenoon) or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A. 32013/7/78-E. I.—The President has been pleased to appoint Shri S. C. Majumdar, Deputy Director to the post of Director, Radio Construction & Development Units on *ad hoc* basis beyond 25-10-1978 and upto 30-8-1979 or till regular appointment to the post is made whichever is earlier, in continuation of this office Notification No. A-32013/7/78-E.I., dated 22-9-1978.

C. K. VASTA
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 28th November 1978

No. A-32013/5/77-EA.—The President has been pleased to promote Shri H. W. Ambler, Aerodrome Officer to the post of Senior Aerodrome Officer, on an *ad hoc* basis, with effect from the 26th October, 1978 for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier. Shri Ambler is posted at the Civil Aviation Training Centre, Bamrauli (Allahabad).

No. A-39013/6/78-EA.—The Director General of Civil Aviation hereby accepts the resignation from Govt. service of Shri N. Kaushal, Asstt. Aerodrome Officer, Civil Aerodrome, Varanasi with effect from the 24th November, 1978.

The 30th November 1978

No. A. 32013/3/78-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri J. S. Bist in a substantive capacity in the post of Radio Officer in the Calibration Unit in the Civil Aviation Deptt. With effect from 21-11-1978.

The 1st December 1978

No. A. 32013/3/77-EA.—The President has been pleased to appoint the following Asstt. Aerodrome Officers to the grade of Aerodrome Officer, in the Air Routes & Aerodomes Organisation of the Civil Aviation Department in an officiating capacity,

with effect from the date noted against their names and until further orders :—

S. No.	Name	Date	Station of posting.
1	2	3	4
S/Shri			
1.	Shri J.S. Gill	5-5-78	Amritsar.
2.	A.K. Sinha	21-7-78	Dum Dum.
3.	B.S. Chawla	11-7-78	Bhopal.
4.	S.C. Srivastava	13-11-78	CATC Bamrauli (Allahabad).
5.	C.K. Gharat	26-6-78	Bombay Airport.
6.	V.K. Shroff	10-5-78	Safdarjung Airprt.
7.	Harsaran Singh	16-10-78	Jodhpur.
8.	S.K. Rastogi	21-7-78	Udaipur.
9.	K.K. Punj	6-5-78	Nagpur.
10.	J.S. Ahuja	11-7-78	Udhampur.
11.	S.N. Khanna	11-7-78	Porbandar.
12.	R.C. Kochhar	1-8-78	Agra.
13.	G.S. Advani	31-5-78	Bombay Airport.
14.	P.V.A. Nair	10-8-78	Calcutta Airport.
15.	Shro Rattan Lal	8-5-78	Calcutta Airport.
16.	Sadhu Singh	22-7-78	Bombay Airport.
17.	Y.K. Vohra	19-7-78	Calcutta Airport.
18.	K.V. Krishnan	6-5-78	Hyderabad.
19.	G.G. Naseri	6-5-78	Nagpur.
20.	S.K. Matta	23-5-78	Madras.
21.	S.K. Lala	2-6-78	Palam.
22.	T.V. Ramaswamy	6-5-78	Gauhati.
23.	S.K. Handa	10-7-78	Gauhati.
24.	M.N. Parthasarthy	8-5-78	Bombay Airport.
25.	B.L. Dhar	12-7-78	Raipur.
26.	P.C. Louis	20-6-78	Madras.
27.	S.P. Sikki	18-8-78	Delhi Airport, Palam.
28.	B.C. Bistry	17-5-78	Bhubaneshwar.
29.	Kamal Kant	10-5-78	Bombay Airport.
30.	Asa Ram	29-6-78	Port Blair (Lamba Lines).
31.	William Minz	10-7-78	Gaya.
32.	T.N. Som	14-8-78	Dum Dum.
33.	V. Panchapakesan	30-8-78	Tirupathi.
34.	S.N. Banerjee	25-8-78	Panagarh.
35.	P.R. Jadav	27-7-78	Bombay Airport.
36.	S.S. Singh	31-7-78	Bombay Airport.
37.	C. Vijaykumar	26-7-78	Bombay Airport.
38.	B.R. Kakar	26-7-78	Bombay Airport.
39.	S.N. Ray	28-8-78	North Lakhimpur.

S.L. Khandpur,
Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 30th November 1978

No. A. 32013/11/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri K. S. Narasimhan, Technical Officer in the office of the Director, Radio Const. & Dev. Units, New Delhi to the grade of Senior Technical Officer on regular basis w.e.f. 10-7-1978 (FN) and to post him in the same office until further order.

No. A. 32013/3/78-EC.—In continuation of this Department Notification No. A. 32013/5/77-EC dated 27-12-1977 and No. A. 32013/5/77 dated 7-1-1978, the President is pleased to appoint the following three officers (at present holding the appointment of Assisst. Director of Communication in DGCA's Office, on *ad hoc* basis) w.e.f. 13-7-1978 to the grade of Assistant Director of Communication on a regular basis until further orders and to post them in the same office :—

1. Shri R. P. Sharma.
2. Shri L. R. Garg.
3. Shri P. S. Dhuntra.

No. A. 32013/5/78-EC.—In continuation of this Department Notification No. A-32013/5/78-EC, dated 13-11-1978, the President is pleased to sanction the continuance of *ad hoc* appointment of Shri R. P. Sharma, as Deputy Director of Communication in the Civil Aviation Deptt. beyond 25-10-1978 and upto 30-8-1979 or till the vacancy in the

grade is available, whichever is earlier and to post him in the DGCA office.

The 4th December 1978

No. A. 38012/1/77-EC.—Shri G. R. Verma, Assistant technical Officer o/o the Director, Radio Const. & Dev. Units, New Delhi relinquished charge of his office on the 30th Sept, 1978 (AN) on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation.

No. A. 32014/1/78-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri R. K. Gupta, Communication Assistant, A.I.S. Section, DGCA (HQ) to the grade of Assistant Communication Officer on *ad hoc basis* w.e.f. 7-6-78 and to post him in the same office vice Shri P. L. Yuhanna, Assistant Communication Officer granted earned leave for 81 days w.e.f. 23-5-1978 to 11-8-1978.

S. D. SHARMA
Deputy Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 27th November 1978

No. 1/467/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri P. V. Suryanarayana Murthy, as Assistant Engineer, in an officiating capacity in New Delhi with effect from the forenoon of the 1st September, 1978, and until further orders.

2. This office Notification of even number dt. 25-10-1978 is hereby cancelled.

P. K. G. NAYAR
Director (Admn.)
for Director General

OFFICE OF THE COLLECTOR CENTRAL EXCISE

Patna, the 2nd December 1978

No. II(7)2-ET/78/12136.—In pursuance of Ministry's order No. 153/78 dated 22-9-1978, Sri S. R. Bhattacharjee, Superintendent of Central Excise Group "A" of this Collectorate assumed charge as Assistant Collector, Central Excise & Customs, Patna in the afternoon on 27-9-1978.

No. II(7)2-ET/78/12150.—Following officers appointed Communication Officer vide Ministry's order No. 79/78 dated 24-5-78 in the scale of Rs. 700-40-900-E.B.-40-1100-50-1300 plus special pay of Rs. 100/- per month assumed charge as Communication Officer of Customs, at the places mentioned below:—

Name	Place of posting	Date of assumption of charge
1. Lt. Cmdr. Joginder Singh Motihari		14-7-78 (F.N.)
2. Wg. Comdr. K.R. Nambir	Patna	21-6-78 (F.N.)
3. Capt. Pradeep Vimani	Forbesganj	13-10-78 (F.N.)

D.K. Sarkar
Collector,
Central Excise : Patna

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 1st December 1978

MERCHANT SHIPPING

No. 6(2)CRA/78.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the Director General of

Shipping is pleased to appoint Shri D. P. Chatterjee, Officiating Dy. Director, Seamen's Employment Office, Calcutta (on *ad hoc* basis), as Dy. Director, Seamen's Employment Office, Calcutta, on a long-term basis with effect from the 31st August, 1978 (F.N.), until further orders.

K. S. SIDHU
Dy. Director General of Shipping

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 6th November 1978

No. 1/8/78-Adm. III.—The Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri K. C. Gupta, to the post of Hindi Officer in the Central Water Commission in a purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB 35—880—40—1000—EB—40—1200/-, with effect from 30-10-1978 unto the 29-4-1979 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The appointment of Shri K. C. Gupta to the post of Hindi Officer in the Central Water Commission, will be in the nature of a purely local arrangement and will not confer upon him any right of claiming appointment to the post of Hindi Officer in the Central Water Commission, on a regular basis.

JASWANT SINGH
Under Secretary
Central Water Commission

DIRECTOR GENERAL OF WORKS
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 30th November 1978

No. 1/98/69-ECIX.—S/ Shri S. S. Gupta and J. P. Krishna Architects of this Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 30-11-1978 (A.N.).

KRISHNA KANT
Dy. Director of Administration

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-22, the 28th November 1978

No. 5/6/78-Adm. II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the undermentioned supervisors/Technical Assistants/Head Draftsman to the grade of Extra Assistant Directors/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity with effect from the dates shown against their names until further orders:—

S/Shri

1. Subhash Manchanda, Technical Asstt.—30-10-78.
2. Ramesh Bahri, Technical Assistant—30-10-78.
3. S. K. Chowdhury, Technical Asstt.—30-10-78.
4. S. L. Ohri, Head Draftsman—30-10-78.
5. Harbans Lal Khurana, Tech. Asstt.—30-10-78.
6. Jadav Datta, Technical Assistant—30-10-78.
7. A. K. Chakraborty, Technical Asstt.—7-11-78.
8. A. K. Rastogi, Supervisor—1-11-78.
9. Gian Chand Bagga, Supervisor—30-10-78.
10. K. K. Bhattacharya-II, Supervisor—30-10-78.
11. Mohan Lal Tahirramani, Supervisor—30-10-78.
12. V. K. Bhalla, Supervisor—8-11-78.

The 30th November 1978

No. 6/11/78-Adm. II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri S. P. Gupta, Technical Assistant to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service

in an officiating capacity with effect from the forenoon of 28-10-1978 until further orders.

S. BISWAS
Under Secy.

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 28th November 1978

No. 33.—The following officers of Stores Department, Northern Railway have finally retired from Railway Service from the dates noted against each:—

1. Shri B. B. Bansal, Addl. COS/Const.—31-3-1978.
2. Shri M. M. S. Bhalla, ACOS/AMV-LKO—30-4-1978.
3. Shri S. K. Sabharwal, COS/N. Rly., NDLS.—31-6-1978.
4. Shri K. L. Malhotra, ACOS/IC, Hd. Qrs.—31-10-1978.

R. SRINIWASAN
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND
COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Meta Krafts Engineering Private Limited*

Jaipur, the 28th November 1978

No. STAT/1610/8389.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date of hereof the name of the M/s. Meta Krafts Engineering Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Mahalaxmi Laghu Udyog Private Limited*

Jaipur, the 30th November 1978

No. STAT/1984/8455.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date of hereof the name of the M/s. Mahalaxmi Laghu Udyog Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Vijay Laxmi Company Private Limited*

Jaipur, the 30th November 1978

No. STAT/595/8452.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date of hereof the name of the M/s. Vijay Laxmi Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

R. D. KUREEL
Registrar of Companies
Rajasthan, Jaipur

*In the matter of the Companies Act 1956, and of
M/s. Kartar Savings Fund Private Limited*

Cuttack, the 28th November 1978

No. S.O./650/3149(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Kartar Savings Fund Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Progressive Technicians Private Limited*

Cuttack, the 28th November 1978

No. S.O./299/3150(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Progressive Technicians Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. New Students Stores Private Limited*

Cuttack, the 28th November 1978

No. S.O./218/315(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. New Students Stores Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Orissa Enterprises Private Limited*

Cuttack, the 28th November 1978

No. S.O./469/3152(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Orissa Enterprises Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Mahanadi Industries Private Limited*

Cuttack, the 28th November 1978

No. S.O./432/3153(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Mahanadi Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

D. K. PAUL
Registrar of Companies, Orissa

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Southern Poly Plastic Private Limited*

Madras-600 006, the 1st December 1978

No. 6284/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Southern Poly Plastic Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Christian Mutual Benefit Fund (Coimbatore) Limited*

Madras-600 006, the 1st December 1978

No. 6421/560(3)/C. IV/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Christian Mutual Benefit Fund (Coimbatore) Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Annai Nadu Publications Limited*

Madras-600 006, the 1st December 1978

No. 6243/560(3)/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Annai Nadu Publications Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Landscape Developers Private Limited*

Madras-600 006, the 1st December 1978

No. 6261/560(3)/C.IV/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Landscape Developers Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN
Assistant Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Tara Kanambi Sri Varthaakabhlvrdhi Company Ltd.*

Bangalore, the 29th November 1978

No. 133/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Tara Kanambi Sri Varthaakabhlvrdhi Company Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Emes Wires Private Ltd.*

Bangalore, the 29th November 1978

No. 2766/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Emes Wires Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Boeaccio Agencies Private Ltd.*

Bangalore, the 29th November 1978

No. 2413/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Boeaccio Agencies Private Ltd unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. N. GUHA
Registrar of Companies
Karnataka, Bangalore

FORM ITNS

(1) Shri Kirori Ram s/o Sh. Lakh Ram,
R/o J-10/49, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kulwant Rai s/o Sh. Dwarka Dass, Gali Mandir
walli, H. No. 2241/2, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE III,
4/14A, ASAFA LI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 5th December 1978

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/12-78/320.—Whereas I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J-13/36 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 15-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop-cum-residential House No. J-13/36, Rajouri Garden, New Delhi built on plot of land measuring 215 sq. yds. and is bounded as under :—

East : Plot No. 13/35.
West : House property No. 13/37.
North : Road & Park.
South : Service Land.

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 5-12-1978.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
6—386 GI/78

FORM ITNS —

(1) Smt. Nurunnissa Beevi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS, ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 23rd October 1978

Ref. No. L.C. 252/78-79.—Whereas, I V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No.

as per schedule situated at Guruvayoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kottappady on 2-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

68½ cents of land vide document No. 200/78 of S.R.O. Kottappady.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. MOHANLAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-10-1978.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Shiv Kumar s/o Shri Goverdhan Dass,
5A, Maqbool Road, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd December 1978

Ref. No. ASR/78-79.—Whereas, I G. L. GAROO, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 2309/12 situated at Bazar Ram Saran Dass, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on 1 April, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(2) Shri Ram Asra s/o Shri Atma Ram,
59, Hidc Market, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 2309/12, Bazar Ram Saran Dass, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 275 of April 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 2-12-1978.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Rajwati wd/o Shri Goverdhan Dass,
5A, Maqbool Road, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd December 1978

Ref. No. ASR/78-79.—Whereas, I G. L. GAROO, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 2309/12 situated at Bazar Ram Saran Dass, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on 1 April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Ram Asra s/o Shri Atma Ram,
59, Hide Market, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 2309/12, Bazar Ram Saran Dass, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 273 of April, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 2-12-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chiman Lal s/o Shri Goverdhan Dass,
5A, Maqbool Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Ram Asra s/o Shri Atma Ram,
59, Hide Market, Amritsar.

(Transferee)

*(3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

House No. 2309/12, Bazar Ram Saran Dass, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 274 of April, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 2-12-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th November 1978

Ref. No. CHD/112/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 1001 sq. yards bearing No. 2168, Sector 15-C, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Sant Singh Brar s/o Sh. Inder Singh, Advocate, Muktsar through General Attorney, Sh. Sukhdarshan Singh, r/o V & P.O. 60-B Telegraph Office, Sri-Karanpur (Rajasthan).

(Transferor)

(2) Shri Harbans Singh s/o Sh. Sant Singh, r/o H. No. 228, Sector 9-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2168, Sector 15-C, Chandigarh measuring 1001 sq. yards.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1344 of March, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 10 Nov. 1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jagat Bhushan Kaushal s/o Banarsi Dass,
r/o 1, Sector 26, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th November 1978

Ref. No. CHD/121/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House Property No. 305, Sector 21-A, Chandigarh on a plot measuring 500.5 sq. yards (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagat Bhushan Kaushal s/o Banarsi Dass,
r/o 1, Sector 26, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Gurdial Bhasin s/o Sh. Jiwan Dass Bhasin,
r/o 1162, Sector 21-B, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Shri D. C. Nanda (Tenant)
Kothi No. 305, Sector 21-A, Chandigarh.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 305, Sector 21-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1441 of March, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10 Nov. 1978,
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING
Ludhiana, the 10th November 1978

Ref. No. LDH/138/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 10 kanal 8 marlas situated in Village Bhairo Munna, Tehsil Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Malkiat Singh s/o Shri Dharam Singh and Shri Amrik Singh s/o Shri Karam Singh, r/o Village Bhairo Munna, Tehsil Ludhiana. (Transferor)
(2) Shri Darshan Kumar Oswal s/o Shri Rattan Chand Oswal, r/o 534/B-XIX, College Road, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 10 kanal 8 marlas situated in village Bhairo Munna, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 6524 of March, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10 Nov. 1978.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th November 1978

Ref. No. LDH/352/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop on land measuring 40½ sq. yds situated on Chauri Sarak, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—386GI/78

- (1) Shri Amar Nath Sood s/o Shri Duni Chand, r/o Chauri Sarak, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) S/Shri Radhey Sham Girdhar Gopal sons of Shri Prem Sagar, r/o 780, Lakkar Bazar, Ludhiana.
(Transferee)
- (3) M/s. Jyoti Parsad Prem Sagar
Chauri Sarak, Ludhiana.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop on plot measuring 40½ sq. yds. situated at Chauri Sarak, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3864 of March, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10 Nov. 1978.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th November 1978

Ref. No. LDH/389/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 4-B measuring 367 sq. yards situated in Industrial Area A, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shmt. Kusam Lata w/o Shri Kailash Kumar, r/o B-9, 1061, Sanglanwala Shivala Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Brij Rattan w/o Shri Mangal Chand, s/o M/s Aggarwal Wool Traders, Chauri Sarak, Sunehri Gurudwara, Ludhiana.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4-B, measuring 367 sq. yards situated in Industrial Area A, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4351 of March, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10 Nov. 1978.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Gurnam Singh s/o Shri Bahadur Singh,
r/o 38-E, Sarabha Nagar, Ludhiana.
(Transferor)

(2) Shri Gamdoor Singh s/o Sh. Bhagwan Singh,
r/o Village Narangwal, Tehsil Ludhiana.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th November 1978

Ref. No. LDH/394/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 15-A, Sarabha Nagar, Ludhiana measuring 450 sq. yards situated at Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15-A, Sarabha Nagar, Ludhiana measuring 450 sq. yards.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4396 of March, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10 Nov. 1978.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th November 1978

Ref. No. LDH/403/77-78.—Whereas I, NATHU RAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property No. B-IV-333, situated at Bazar Sarafan, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Hukmi Mal Sham Lal, through Sh. Hari Chand s/o Sh. Sham Lal, N-90, Greater Kailash, New Delhi-48.
(Transferor)

(2) Shri Parshotam Lal s/o Shri Amar Nath, Uchi Gali, Kucha Shivalay, Ludhiana c/o M/s Pishori Lal Amar Nath, Bazar Sarafan, Ludhiana.
(Transferee)

(3) 1. Shri Sant Ram,
2. M/s Krishan Chand Rattan Chand &
3. Shri Ved Parkash
c/o Shop No. B. IV-333, Bazar Sarafan, Ludhiana.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property No. B. IV-333, situated at Bazar Sarafan, Ludhiana.

(The Property as mentioned in the Registered Deed No. 4450 of March, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10 Nov. 1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
 CENTRAL REVENUE BUILDING
 Ludhiana, the 10th November 1978

Ref. No. LDH/404/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Portion of Shop No. B-IV-333 on plot measuring 43 sq. yds. situated in Bazar Sarafan, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s Hukmi Mal Sham Lal, through Shri Hari Chand, s/o Sh. Sham Lal, N-90, Greater Kailash, New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Shri Amar Nath s/o Shri Ram Chand r/o Samrala Road, Moh. Harbans Pura, Ludhiana c/o M/s Pishori Lal Amar Nath, Sarafan Bazar, Ludhiana.

(Transferee)

(3) 1. Shri Kanhaya Lal Thakur,
 2. Sh. Amit Lal,
 3. M/s Krishan Chand Rattan Chand &
 4. Sh. Ved Parkash c/o Shop No. B-IV-333, Bazar Sarafan, Ludhiana.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property No. B. IV-333, on a plot measuring 43 sq. yds. situated at Bazar Sarafan, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4451 of March, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10 Nov. 1978.

Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Shri Kailash Kumar s/o Sh. Sat Parkash,
r/o B-9, 1061, Shivala Sanglawa Road,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Brahm Datt s/o
Shri Mangal Chand, c/o
M/s Aggarwal Wool Traders, Chauri Sarak,
Sunheri Gurudwara, Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th November 1978

Ref. No. LDH/410/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 4-A measuring 517.2/3 sq. yards situated at Industrial Area A, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot measuring 517.2/3 sq. yards situated in Industrial Area A, Ludhiana bearing No. 4-A.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4558 of March, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 10 Nov. 1978.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Prem Parkash s/o Shri Hari Ram,
H. No. B. 3. 369, Purana Bazar, Ludhiana,
(Transferor)

(2) Shri Lashkari Ram s/o Shri Kartar Chand,
c/o M/s Guide Electric Co., Saban Bazar,
Ludhiana.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th November 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

Ref. No. LDH/69/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot measuring 203.7/9 sq. yards situated at Taraf Peerubanda, Tehsil Ludhiana.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

THE SCHEDULE

Plot measuring 203.7/9 sq. yards situated at Taraf Peerubanda, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2001 of August, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10 Nov. 1978.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th November 1978

Ref. No. CHD/146/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House property No. 20, Sector 2-A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Mrs. Chand Rani w/o Sh. K. C. Dhupa and Smt. Krishna Wati Gopal d/o Sh. K. C. Dhupa, r/o 12/26, Punjab Agriculture University Campus, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Singh Gill s/o Shri Arjan Singh Gill, 20, Sector 2-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 20, Sector 2-A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 157 of May, 78 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10 Nov 1978,
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Allied Industrial Syndicate,
138, Canning Street.
Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1978

Ref. No. BGR/39/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Industrial Plot No. 78, Sector 6, situated at Faridabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in March, 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—386 GI/78

(2) M/s. Bermaco Fabricators,
19, Industrial Area.
Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial plot No. 78 with construction thereon situated in Sector 6, Faridabad. The area of plot is 5000 sq. yds.

(Property as mentioned in the sale deed registered at serial No. 5502 dated 10-3-1978 with the Sub-Registrar, Ballabgarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 7-11-1978.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1978

Ref. No. BGR/41/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B.P. No. 49, N.H. 1, situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabhbagh in March, 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Orient Steel & Industries Ltd., Calcutta through Shri R. K. Rajgarhia, Director. (Transferee)

(2) (1) Smt. Shakuntla Devi w/o Shri Mange Ram,
(2) Sh. Suraj Nath s/o Sh. Ishwar Dass,
(3) Sh. Harish Chander s/o Sh. Amar Nath Residents of N.I.T., Faridabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bungalow plot No. 49, N.H. 1, Faridabad. The area of plot is 1200 sq. yards.

(Property as mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5789 of March, 78 with the Sub-Registrar, Ballabhbagh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 7-11-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1978

Ref. No. BGR/42/77-78. Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 248 kanal 19 marlas situated at Village Kaboolpur Khadar Patti Mehtab (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in March, 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Narain Dass, Arjan Dev, Yudhister Lal sons of Sh. Parma Nand, R/o W-17, Rajauri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Partap Singh, Mohinder Singh, Gajraj Singh, Anand Singh sons of Sh. Dal Chand, R/o Aminabad Alias Niyana (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 248 kanal 19 marlas situated in Village Kaboolpur Khadar Patti Mehtab.

(Property as mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5838 of March, 78 with the Sub-Registrar, Ballabgarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 7-11-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK
Rohtak, the 7th November 1978

Ref. No. LHR/1/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 208 kanal situated at Vill. Mohta, Teh. Loharu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Loharu in April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Narsin Dass s/o Sh. Bhoja Ram
R/o Rampura Township, through
G.P.A. Sh. Ved Parkash,
(2) Smt. Vidya Rani D/o Smt. Basanti Bai,
(3) Smt. Basanti Bai Wd/o Sh. Dida Ram,
R/o Vill. Mohta, Teh. Loharu, Distt. Bhiwani.
(Transferor)

(2) S/Sh. Umed Singh, Manmar and Anant Ram,
sons of Sh. Tota Ram,
Sh. Ran Singh, Sh. Dan Singh and Sh. Maha Singh
sons of Shri Hetu Ram,
R/o Village Madan, Teh. Bhiwani.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 208 kanal situated at Vill. Mohta, Teh. Loharu, Distt. Bhiwani.

"Property as mentioned in sale deed registration No. 7 of April, 1978 and registered in the office of the Registering Authority, Loharu."

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 7-11-1978.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Ram Ditti D/o
Sh. Hari Ram, R/o
Vill. P.O. Bhuna,
Teh. Tohana, Distt. Hissar.

(Transferor)

(2) S/Sh. Rajinder, Wazir Singh, Hari Singh,
Mahender sons of Sh. Sher Singh,
Sh. Sher Singh, Ramji Lal, Dalip Singh
sons of Sh. Bhagirath and
Sh. Pirthi Singh, Satbir sons of Sh. Dharam Pal
Vill. Baijalpur, Teh. Tohana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1978

Ref. No. THN/10/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 155 kanal 17 marlas situated at Vill. Bhuna, Teh. Tohana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Tohana in April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 155 kanal 17 marlas situated at Vill. Bhuna, Teh. Tohana, Distt. Hissar.

"Property as mentioned in sale deed registration No. 65, dated 17-4-1978 and registered in the office of the Registering Authority, Tohana.

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Date : 7-11-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1978

Ref. No. RTK/DLI/17/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 177-L, situated at Model Town, Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Sh. Rakesh Kumar Sharma, Rajesh Kumar Sharma, sons of Sh. Walaiti Ram Sharma, through Sh. Madan Lal Sudan R/o House No. 176-L, Model Town, Rohtak.

(Transferor)

(2) Sh. Hans Raj s/o Sh. Chhabil Dass, 44, East Avenue, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 177-L, situated at Model Town, Rohtak.

(Property as mentioned in sale deed registration No. 268 of May, 1978 and registered in the office of the Registering Authority, Delhi.)

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 7-11-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE.
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1978

Ref. No. HSR/1/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 210 kanal situated at Village Kemri, Teh. & Distt. Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hissar in May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Sh. Sahdev Arya, Advocate, Hissar.
(2) S/Sh. Tirlok Chand, Jai Dev, Satya Paul, Anand Dev sons of Sh. Fateh Chand, R/o Hissar.

(Transferor)

(2) Shri Amar Singh s/o Shri Chhabil Dass, R/o Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 210 kanal bearing Khewat No. 7, Min 71, Khatoni No. 21 and 110-111, situated in Vill. Kemri, Teh. Hissar.

(Property as mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 302 of May, 78 with the Sub-Registrar, Hissar).

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 7-11-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) R. Prasad, S/o Radhakrishnan,
B. Radhakrishnan S/o Bashyam Reddhar,
24/D, Giri Road, T. Nagar, Madras-17.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss N. Satyavathi, D/o V. V. Satyanarayana
66, Archbishop Mathias Avenue, Madras-28.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-2,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 13th November 1978

Ref. No. F. 6168.—Whereas I, T. V. G. KRISHNAMURTHY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

24/C situated at Giri Road, T. Nagar, Madras
No. 273/78)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
T. Nagar on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land and building at 24/C, Giri Road, T. Nagar, Madras-17
(Doc. No. 273/78)

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

T. V. G. KRISHNAMURTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Madras-6.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-11-1978.
Seal.

FORM ITNS

(1) Attorneys of the Beneficiaries of
late D. D. Italia.
(Transferor)

(2) Musee Musicals, 3/16, Mount Road,
Madras.
(Transferee)

(3) Musee Musicals, Mount Road, Madras-2.
(Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 13th November 1978

Ref. No. 6178.—Whereas, I. T. V. G. KRISHNA-MURTHY, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3/16A, situated at Mount Road, Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane, Madras (Doc. No. 215/78) on March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at 3/16A, Mount Road, Madras-2 (part)
(Doc. No. 215/78)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

T. V. G. KRISHNAMURTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely:—

19—386 GI/78

Date : 13-11-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 13th November 1978

Ref. No. 6119.—Whereas, I T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, situated at Greams Road, Madras-6 (1/5th share) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. No. 219/78) on March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) 1. M. Murugesa Naicker, 2. M. Thirunavukkarasu
3. M. Anandan, No. 1, 1st Link St., Madras-4
4. T. Govindaswamy, 62B, Mowbrays Road,
Madras-18.

(Transferor)

(2) S. J. Varadan, S/o Seni Naicker, Sole Prop :
Sri Rajan Transports, 132, Mannarswami Koil
St., Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share in Plot Nos. 5 & 6 of No. 5, Greams Road, Madras-6.

T. V. G. KRISHNAMURTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 13-11-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) M. S. Sarveswaran, S/o Sivasubramanian Chettiar, 28, Masilamani St., Balajinagar, Royapettah, Madras-14.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 13th November 1978

Ref. No. F. 8156.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 54 & 54 Bis situated at Bharathy St., Pondicherry (Covered by Doc. No. 631/78) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pondy on April 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Jayaprakash, & Annayyan, S/o Kasi Viswanatha Chettiar 82, Kalvey Subbaraya Chettiar St. Pondy.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

54 & 54 Bis, Bharathy St., Pondicherry (Doc. No. 631/78)

T. V. G. KRISHNAMURTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-11-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) M. S. Mahadevan & Mahadevan Ashok
116, 28th Cross Road, 7th Block
Jayanagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) R. Nawaz Hussain, 52, Santhome
High Road, Madras-28.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-2,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 13th November 1978

Ref. No. F. 6164.—Whereas, J. T. V. G. KRISHNAMURTHY, Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 situated at Seethanagar Main Road, Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras Doc. No. 265/78 on March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 3, Seethanagar Main Road, Madras-34.

T. V. G. KRISHNAMURTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 13-11-1978.

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Nila Kanta Sarma Bardalei, Revenue Department of Secretariat, Dispur, Gauhati.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 2nd December 1978

Ref. No. A-199/Gan/78-79/6253-54.—Whereas, I R. N. BARA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Dag No. 565, K. P. Patta No. 113 situated at Village Jafrigog, Mouza Beltola, Gauhati, Assam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gauhati on 4-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) M/s. Khemka Ware Housing Corporation, Dishpur, Gauhati.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 1 (One) Bigha of village Jafrigog mouza Bellola, Gauhati near Ulubari, G. S. Road in the district of Kamrup, Assam.

R. N. BARA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-12-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sri Indar Chand Bothra, A.T. Road, Jorhat.
(Transferees)

(2) 1. Shri Banshidhar Agarwalla, A.T. Road, Jorhat.
2. Shri Premshukh Khetan, A.T. Road, Jorhat.
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 2nd December 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. A-198/JKT/78-79/6246-48.—Whereas, I R. N. BARA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Dag No. 579, 574 and 2815 P. Patta No. 252, 486 & 297 situated at A. T. Road, Jorhat, Assam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jorhat on 15-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 3 (three) Kathas 12.1/3rd Lessas along with one R.C.C. two storeyed building and two Assam type houses situated at A. T. Road, Jorhat, in the district of Sibsagar, Assam.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. N. BARA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date : 2-12-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Basanti Lal Agarwal, E-168 Masjid Moth,
Near Greater Kailash Part II Extension Scheme,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Radhamohan Agarwal, 632 Behind Chandi Ki
Taksal, Jaipur.

(Transferee)

(3) Shri Baldeo Goswami, B-204, Bapu Nagar, Jaipur
(Tenant).

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th November 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas, I Hari Shanker being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

— situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 29-4-78.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Part of Plot No. B-204 Bapunagar, Jaipur and more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Jalpur vide registration No. 995 dated 29-4-78.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

HARI SHANKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-11-78

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th November 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas, I Hari Shanker being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 29-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

(1) Shri Basanti Lal Agarwal, E-168 Masjid Moh, Near Greater Kailash Part II Extension Scheme, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri O. P. Gupta, B-204, Rajender Marg, Bapunagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot No. B-204, Bapunagar, Jaipur and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1006 dated 29-4-78.

HARI SHANKER
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 8-11-78

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Inderchand S/o Khub Chand Jain Oswal resident of Chandni Chowk Delbi at present at Nathmalji Ka Gher, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Vimla Devi wife of Shri Motilal Rasta Khejrewalon Ka Chandpole Bazar, Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th November 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas, I HARI SHANKER being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4343 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 8-3-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Second and third floor of house bearing No. 4343 Chokri Ghat Gate Rasta Purani Kotwali and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 487 dated 8-3-78.

HARI SHANKER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—386 GI/78

Date : 8-11-78
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Inderchand S/o Khub Chand Jain Oswal resident of Chandni Chowk Delhi at present at Nathmalji Ka Gher, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Motilal S/o Choteylal Jain, Khejrewalon Ka Rasta, Jaipur.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th November 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas, I Hari Shanker being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4343 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 8-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Ground floor and first floor portion of house Bearing No. 4343 Chokari Gate Rasta Purani Kotwali, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 488 dated 8-3-78.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

HARI SHANKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 8-11-78

Seal :

FORM ITNS —

(1) Shri Narendersingh S/o
Shri Pratapsingh, Rajput Surajpole Bazar,
Udaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 8th November 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3, situated at Udaipur and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Udaipur on 2-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Balkishan S/o Heeralal Teli,
Telepada,
Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of residential house bearing No. 3, Saraswati Marg, Outside Surajpole, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Udaipur *vide* registration No. 401 dated 2-3-1978.

HARI SHANKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (C.A.)
Acquisition Range, Jaipur

Date : 8-11-1978
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Narender Singh S/o Pratapsingh Rajput,
Surajpole Bazar,
Udaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 8th November 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

31-A, situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Udaipur on 14-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shrimati Pratibha Rani, w/o
Shri Narendersingh Rajput Bhagawatprakash,
outside Surajpole, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Two shops situated at 31-A Saraswatinagar, Udaipur and more fully described in the conveyance deed registered by the S.R. Udaipur *vide* registration No. 488, dt. 14-3-1978.

HARI SHANKER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Sukhdeo Das Bahati.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Indumati Parik.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 10th November 1978

Ref. AC-41/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

111, situated at Block 'C', Bangur Avenue

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Calcutta on 18-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land, measuring 6 cottahs 8 chittaks together with partly one storied and partly two storied building thereon situated at Plot No. 111, 'C' Block Bangur Avenue, Calcutta-53 more particularly as per deed No. 1493 dated 18-3-1978.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-11-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Rani Tika Kumari Devi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Suman Plywood Industries Pvt. Ltd.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV.
CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1978

Ref. No. AC-42/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Mouza Oaks P.S. Jorabangalow, Dist. Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 15-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring an area of 423.21 acres together with all messuages, bungalows and other structures whatsoever forming parts of the tea garden known as the Oaks Tea Estate in Mouza Oaks, Parganah Sonada, P.S. Jorabangalow, Dist. Darjeeling more particularly as per deed No. 1438 dated 15-3-1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004

Poona-411004, the 9th November 1978

Ref. No. CA5/Haveli-I/July '78/373.—Whereas I, Smt. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 6 out of CTS No. 2-B, Erandawana, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-I, on 25-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Govind Atmaram Dhopesti, Workman, through his power of Attorney holder Smt. Malati P. Sulakhe, Fergusson College Road, Pune.

(Transferors)

(2) Mrs. Malati Devidas Dharmadhikari, 359, Sadashiv Peth, Pune-30,

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6 out of C.T.S. No. 2B, Erandawana within the limits of Pune Municipal Corporation. Area: 5516.50 sq.ft.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1815 dated 25-7-78 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I).

Smt. P. LALWANI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 9-11-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004

Poona-411004, the 9th November 1978

Ref. No. CA5/Haveli-I/July '78/372.—Whereas I, Smt. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 34, Hissa No. 1/A in Hissa No. 6, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-I on 25-7-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Babasaheb Bhausaheb Pawar,
'Jayashri' Flat No. 25,
75, Abdul Gafoorkhan Road,
Worli, Bombay-25.

(Transferor)

(2) Shri Sanjay Vasantrao Thakur,
1219. Shukrawar Peth,
Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 34, Hissa No. 1/A in Hissa No. 6, Bhosale Nagar, Pune Corporation bearing No. 37—Area 5455 sq. ft. (Property as described in the sale deed registered under No. 1489 dated 28-7-1978 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I.).

Smt. P. LALWANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 9-11-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004

Patna-411004, the 10th November 1978

Ref. No. CA5/Haveli-II/Aug '78/374.—Whereas I, Smt. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F.P. No. 343 & 344, Sub plot No. 3, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II on 14-8-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri B. Karmarkar,
Plot No. 17/61, Pune Building,
Napean Sea Road, Bombay-6.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Pundalik Sarode,
Block No. 60, Vadar Housing Society,
Shivaji Nagar, Pune-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Pune Shivajinagar Town Planning Scheme No. 1, F.P. No. 343 and 344 sub plot No. 3. Area : 505.85 sq. mts. (Property as described in the sale deed registered under No. 1328 dated 14-8-78 in the office of the Sub-Registrar,

Smt. P. LALWANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21--386GI/78

Date : 10-11-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Md. Serajul Haque Khan S/o
Hazi Abdul Sakoob Khan (late)
Village : Salempur Dumra, P.S. Gardanibagh,
Dist. Patna.

(Transferor)

(2) M/s. Orient Plastic Industries, Bording Canal Road,
Patna (R.F.) through Shri Sheo Kumar Agrawal,
partner.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 17th November 1978

Ref. No. III-281/Acq/78-79.—Whereas I, M. N. TIWARY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna, Bihar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khata No. 60 Circle No. 252, Ward No. 34, Thana No. 10 under Patna Municipal Corporation situated at Salimpur Dumra P.S. Gardanibagh, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Patna on 20-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Homestead land measuring 6 decimals i.e. about 2 Kathas bearing Khata No. 60, Circle No. 252, Ward No. 34, Thana No. 10 under Patna Municipal Corporation, situated at Salimpur Dumra, P.S. Gardanibagh, Dist. Patna described in deed No. 1755 dated 20-3-1978 registered with the District Sub Registrar, Patna.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

M. N. TIWARY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna
Bihar

Date : 17-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 17th November 1978

Ref. No. III-282/Acq/78-79.—Whereas I, M. N. TIWARY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna, Bihar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Holding No. 185, Circle No. 27, Ward No. 16, Plot No. 1430, Sheet No. 86 of Patna Municipal Corporation, situated at Auni Basant Road, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patna on 10-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other acts which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Arun Chandra Mitra, Tarun Chandra Mitra, Arupchandra Mitra, Niroop Chandra Mitra S/o Late Sarad Chandra Mitra, Resident of Govind Mitra Road, P.S. Pirbahore, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) (i) Smt. Sudha Sinha W/O Shri Ram Nandan Sahay Sinha, B. M. Das Road, Patna.
 (ii) Shri Rabinandan Sahay, S/o Shri Ramnandan Sahay Sinha, B. M. Das Road, Patna-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 Katha 11 Dhur and 11 Dhurki with building bearing holding No. 185, Circle No. 27, Ward No. 16, Plot No. 1430 Sheet No. 86 situated at Auni Basant Road, Patna, described in deed No. 1543 dated 10-3-78 registered with the District Sub Registrar, Patna.

M. N. TIWARY
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Patna

Date : 17-11-1978
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 17th November 1978

Ref. No. III-283/Acq/78-79.—Whereas J. M. N. TIWARY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna, Bihar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Holding No. 184, Circle No. 27, Ward No. 16, Plot No. 1430, Sheet No. 86 of Patna Municipal Corporation situated at Anne Basant Road, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 10-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Arun Chandra Mitra, Tarun Chandra Mitra, Arupchandra Mitra, Niroop Chandra Mitra S/o Late Sarad Chandra Mitra, Resident of Govind Mitra Road, P.S. Pirbahore, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) (i) Shri Ram Nandan Sahay Sinha, S/o Shri Girish Chandra Nandan Sahay Sinha, B. M. Das Road, Patna-4.
(ii) Shri Rajnandan Sahay, S/o Shri Ramnandan Sahay Sinha, B. M. Das Road, Patna-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 Katha 2 Dhur and 8 Dhurki with building bearing holding No. 184, Circle No. 27, Ward No. 16, Plot No. 1430, Sheet No. 86, situated at Anne Basant Road, Patna described in deed No. 1544 dated 10-3-1978 registered with the District Sub Registrar, Patna.

M. N. TIWARY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna

Date : 17-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 17th November 1978

Ref. No. III-284/Acq/78-79.—Whereas I, M. N. TIWARY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna, Bihar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khata No. 369 (new) 360 (old) Khesra 432 (new) 917 (old) situated at Bibiganj, Brahmampura, Dist. Muzaffarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 3-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—
30—376GI/78

- (1) Shri Pramod Kumar Sah and Subodh Kumar Sah, S/o Shri Prayagjee Sah,
- 2. Shri Prabhudayal Sah S/o Shri Raghojee Sah and Shri Ramashish Sah S/o Shri Raghunathjee Sah, of Bibiganj, Brahmampura, Dist. Muzaffarpur.

(Transferor)

- (2) Shri Lalan Kumar Jha, S/o Shri Ramudar Jha, Imlichatti, Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 69 decimal situated in village Bibiganj, Brahmampura, Muzaffarpur bearing Khata No. 369 (new) 360 (old), Khesra No. 432 (new) 917 (old) described more fully in deed No. 3068 dated 3-3-1978 registered with the District Sub Registrar, Muzaffarpur.

M. N. TIWARY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna

Date : 17-11-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 17th November 1978

Ref. No. III-285/Acq/78-79.—Whereas I, M. N. TIWARY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna, Bihar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khata No. 369(new) 360(old), Khesra No. 432(new), 917(old), situated at Bibiganj, Brahmmpura, Muzaffarpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at—

Muzaffarpur on 3-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kailashbihari Sah S/o Shri Raghunathjee Sah, of Village Bibiganj, Brahmmpura, Muzaffarpur,

(Transferor)

(2) Shri Jawaharlal Jha, S/o Shri Ramudar Jha Mohalla Imlichatti, Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 27 decimal situated in Bibiganj, Brahmmpura, Muzaffarpur bearing Khata No. 369 (new) 360 (old), Khesra No. 432 (new) 917 (old) described more fully in deed No. 3069 dated 3-3-1978 registered with the District Sub Registrar, Muzaffarpur.

M. N. TIWARY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna

Date : 17-11-1978

Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 17th November 1978

Ref. No. III-286/Acq/78-79.—Whereas I, M. N. TIWARY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khata No. 59, 6 & 60, Circle No. 252, Ward No. 34, Thana No. 10 under Patna Municipal Corporation, situated at Salimpur Dumra, P.S. Gardanibagh, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patna on 20-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Md. Gaffar Khan & Bibi Zobaida Khatoon, Vill. Salimpur Dumra, P.S. Gardanibagh, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) M/s. Orient Plastic Industries, Boring Canal Road, Patna (R.F.) through Shri Bishwanath Agrawal, partner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Homestead land measuring 29 decimals i.e. about 10 Kathas bearing Khata No. 59, 6 & 60, Circle No. 252, Ward No. 34, Thana No. 10 under Patna Municipal Corporation situated at Salimpur Dumra, P.S. Gardanibagh, Dist. Patna described in deed No. 1753 dated 20-3-1978 registered with the District Sub Registrar, Patna.

M. N. TIWARY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar
Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-11-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME TAX,
 ACQUISITION RANGE BIHAR
 BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 17th November 1978

Ref. No. III-287/Acq/78-79.—Whereas I, M. N. TIWARY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khata No. 59, 6 & 60, Circle No. 252, Ward No. 34, Thana No. 10 under Patna Municipal Corporation situated at Salempur Dumra, P.S. Gardanibagh, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 20-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Md. Waizul Haque and his son Md. Mokhtar Khan, Vill. Salempur Dumra, P.S. Gardanibagh, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) M/s. Orient Plastic Industries, Boring Canal Road, Patna (R.F.) through Shri Niranjan Kumar Agrawal, partner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Homestead land measuring 31 decimals *i.e.* about 10 Kathas bearing Khata No. 59, 6 & 60, Circle No. 252, Ward No. 34, Thana No. 10 under Patna Municipal Corporation, situated at Salempur Dumra, P.S. Gardanibagh, Dist. Patna described in deed No. 1754 dated 20-3-1978 registered with the District Sub Registrar, Patna.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. N. TIWARY
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bihar
 Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-11-1978

Seal :

FORM ITNS —

(1) Dr. Ravendra Bhushan Ghosh, S/o
Late Shri Surapati Ghosh
P.O./P.S. Chirkunda,
Dist. Dhanbad.

(Transferor)

(2) Shri Majit Singh Chimni, S/o
Late Mahendra Singh, C/o
Laxmi Talkies,
P.O./P.S. Chirkunda,
Dist. Dhanbad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 18th November 1978

Ref. No. III-288/Acq/78-79.—Whereas I, M. N. TIWARY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mouza No. 253 Khata No. 3, Plot No. 13
situated at Chirkunda Road, Dhanbad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 13-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

22—386GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Home stated land measuring about 11 katha together with a double storied building bearing Mouza No. 253, Khata No. 3, Plot No. 13, situated at Chirkunda, Distt. Dhanbad described in deed No. 2594 dated 13-3-1978 registered with the district Sub Registrar, Dhanbad.

M. N. TIWARY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar,
Patna

Date : 18-11-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Mohd. Idrish S/o Buddhu & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 39/Meerut/78-79.—Whereas I, VIJAY BHARGAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muzaffar Nagar on 15-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

(2) S/Shri Mahendra, Kiran, Satyabir, S/o Shri Babu Singh R/o Kukra, Pargana & Tahsil Muz. Nagar.

(Transferee)

(2) As in 2 above. [Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Kukra Pargana & Tahsil Muz. Nagar transferred for an apparent consideration of Rs. 66,000/- as against fair market value of Rs. 1,00,425/-.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-11-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 106/Muz. Ngr./78-79.—Whereas I, VIJAY BHARGAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budhana, Muzaffar Nagar on 30-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mofijuddin, Shamma, Shahzada, Firozuddin
S/o Maujut Jat
R/o Kalyanpur, Shikarpur,
Muzaffar Nagar.

(Transferor)

(2) S/Shri Yashpal, Preetam Singh S/o
Shri Sujan Singh & others.
R/o Vill. Kalyanpur, Shikarpur,
Muzaffar Nagar.

(Transferee)

(3) As in 1 above.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Kalyanpur, Shikarpur, Distt. Muzaffar Nagar transferred for an apparent consideration of Rs. 74,900/- as against Rs. 98,500/- as per Stamp value.

VIJAY BHARGAV.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-11-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shrimati Kalawati (Widow)
Late Bishram Singh R/o
Vill. Araji, Ishpur, Bilhaur,
Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Jagendra Singh, Jalendra Singh & Others,
R/o As above.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
KANPUR

Kanpur, the 4th November 1978

Ref. No. 191/Knp./78-79.—Whereas I, VIJAY BHARGAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 3-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land situated at Ishpur, Bilhaur, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 80,000/- as against Stamp value of Rs. 1,21,000/-.

VIJAY BHARGAV
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Shri Babulal S/o Shri Bhagwan Das.
 2. Rajendra, Sishupal, Prem Chandra
 Sons of Shri Bhagwan Das
 R/o Gali Chagan,
 Hathras, Aligarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Nesiram, Jawahar Singh, Ramna Singh, Hari
 Singh, Kanhaiya, Raghbir Singh S/o Hateram,
 Onkar Singh,
 R/o Tal Garhi,
 Hathras, Aligarh.

(Transferee)

(3) As in 2 above.

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
 immovable property, within 45 days from the
 date of the publication of this notice in the
 Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in that
 Chapter.

Ref. No. 989/Acq./Hathras/78-79.—Whereas I, VIJAY BHARGAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule, situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hathras, Aligarh on 29-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Hathras Tahsil, Distt. Aligarh transferred for an apparent consideration of Rs. 43,000/- as against stamp value of Rs. 1,25,000/-.

VIJAY BHARGAV,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-11-1978
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th November 1978

Ref. No. RAC. No. 189/78-79.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9/85, situated at Pallipat Road, Nagari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagari on 1-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Koveri Avanakshammal, W/o Thangavelu, Mudali, R/o Pallipat Road, Nagari-Post, Puttur-Tq, Chittoor-Dist.

(Transferor)

(2) Sri Veeri Bhakthavatchalam Naidu, S/o Abboji Naidu, Thalari Street, Nagari-Post, Puttur-Tq, Chittoor-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 9/85 at Pallipat, Nagari Road, Puttur-Tq, Chittoor-Dist, registered vide Document No. 183/78 in the office of the Sub-Registrar Nagiri.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-11-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Puranlal S/o Desraj,
R/o Khaleelwadi,
Nizamabad.

(Transferor)

(2) Sri Gope Ramesh S/o Gope Gangadhar
R/o Gurbabadi,
Nizamabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th November 1978

Ref. No. RAC. No. 190/78-79.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-7-612, situated at Khaleelwadi, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Nizamabad on 4-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

House building No. 5-7-612 situated at Khaleelwadi, Nizamabad, registered vide Document No. 661/78 in the Office of the Sub-Registrar, Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Date : 10-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th November 1978

Ref. No. RAC. No. 191/78-79.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot 7-1-39/6, situated at Mirchi Compud, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 19-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Ratna Devi, W/o G. Gangareddy, 1-9-837 at Mohan Talkies, Chowrasta, Nizamabad.

(Transferor)

(2) Smt. Savithri Devi W/o Dingarmal, C/o Balaji Babulal, Nehru Park, Nizamabad.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot in H. No. 7-1-39/6 situated at Mirchi compound Nizamabad, registered vide Document No. 940/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-11-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri V. P. Visalakshamma, W/o
Dorasamainaidu,
R/o Gurapanaidu Street, Chittoor.

(Transferor)

S/Shri
(2) 1. P. Radhakrishnaiahetty,
2. B. Sathyanarayananachetty,
3. S. Pandurangiahetty,
all partners in M/s Andhra Timber Co.,
Chittoor.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 13th November 1978

Ref. No. RAC. No. 192/78-79.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18-7-24, situated at Koil Street, Chittoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chittoor on 22-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

33—386GI78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 18-7-24 situated at Ponniamman Koil St. Chittoor, registered vide Document No. 1316/78 in the office of the Sub-Registrar, Chittoor.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Acquisition Range. Hyderabad

Date : 13-11-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 13th November 1978

Ref. No. RAC. No. 193/78-79.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding **Rs. 25,000/-** and bearing No. Shops 3-4-500, situated at Barakatpura, Hyderabad has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 30-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. E. Indira Devi, W/o
late Sri E. Ramachandra Reddy,
H. No. 3-4-500 at Barakatpura,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri A. Anantha Reddy, Advocate,
H. No. 3-4-500 Barakatpura, Hyderabad
(L.I.G. H. 8/14 RT) Barakatpura,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Five Shops and a stair case room with total area 150 Sq. Yds in the premises bearing M. No. 3-4-500 (8/4 RT) Barakatpura, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1105/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Sri B. Narsinhloo,
2. Sri A. Jeevan Reddy,
S/o Malla Reddy,
both residing at Kareemnagar.

(Transferor)

(2) Sri Mangilal Mundada, S/o
SeethaRao Kareemnagar.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 13th November 1978

Ref. No. RAC. No. 194/78-79.—Whereas I. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land in S. No. 59, situated at Kareemnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kareemnagar on 31-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring One acre 37 Guntas, 52 Sq. Yds. in survey No. 59, situated at Agricultural Market Kareemnagar, Kareemnagar, registered vide Document No. 954/78 in the Office of the Sub-Registrar, Kareemnagar.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-11-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Mudupula Radhakrishnaiah,
Karunala Street,
Thirupathi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 13th November 1978

Ref. No. RAC. No. 195/78-79.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

82/B, situated at Yadawa Street, Thirupathi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thirupathi in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely :—

(2) 1. Smt. M. Dhanabhagyam, W/o
Sri Kudppaiah, Thirupathi
2. Sri B. Balramiah, S/o Dharmiah,
Chittoor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 82-B Yadawa Street, Thirupathi, registered vide Document No. 599/78 in the Office of the Sub-Registrar, Thirupathi.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 13-11-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Ram Kunwar, 2. Sri Viswanand, both residing at H. No. 21-2-540/1 at Urdu Sherif Hyderabad.
(Transferor)

(2) 1. S/Smt. Santosh Bai, 2. Vimala Bai, 3. Vimal Gupta, 4. Smt. Kusumalata, all residing at H. No. 21-2-429 at Mittika Sher, Charkaman, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th November 1978

Ref. No. RAC No. 196/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22-5-131 to 138 situated at Gulzar House Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Azampura, in March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 22-5-131 to 138 situated at Patel Gally, Gulzar House, Hyderabad, registered vide Doc. No. 377/78 in the Office of the Sub-Registrar Azampura, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 13-11-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th November 1978

Ref. No. RAC No. 197/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 6 situated at Red Hills, Nampally, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad in 30-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri A. V. Prabhakara Sastry, H. No. 7-1-212/3 at Sanjeevareddynagar, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Smt Qaisar Sattar, W/o M. A. Sattar, 2, Smt. Maleka Aziz, D/O M. A. Aziz, H. No. 11-6-852 at Red Hills, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6 by the side of H. No. 11-5-152/6/A at Red Hills, Nampally, Hyderabad, registered vide Document No. 786/78 in the Office of the Sub-Registrar Khairtabad, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 13-11-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Universal Cooperative House Construction Society Ltd. by Secretary Sri Giriraj. H. No. 5-3-1053 Osmangunj, Hyderabad.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th November 1978

Ref. No. RAC No. 198/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Open plot situated at 5-8-510 Mukarabjung land (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in March 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Sri Jagdishprasad H. No. 21-2-293 at Ghansi Bazar Hyderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot of land in M. No. 5-8-510 situated at Mukarabgunj lane Hyderabad, registered vide Document No. 635/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Dated : 13-11-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sher Banoo, W/O Ahmed Ali, H. No. 5-7-287 at Aghapura, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th November 1978

Ref. No. RAC No. 199/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 5-7-287 situated at Agapura, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Sri Syed Taquiuuddin 2. Syed Raziuddin, both are minors, under guardianship of their father Sri Syed Giasuddin, H. No. 5-7-287 at Aghapura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing M. No. 5-7-287 at Aghapura, Hyderabad, registered vide Document No. 1115/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 13-11-1978.

Seal :

FORM JTNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th November 1978

Ref. No. RAC No. 200/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mugi No. 5-4-448/1 at Nampally, Station Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24-386GI/78

(1) Mr. Mohd. Omar, S/o Mohd. Siddique, H. No. 220/2 Shivajinagar, Jalgaon, Maharashtra-State. 2. Mr. Mohd. Osman, S/o Mohd. Siddique, H. No. 220/2 Shivajinagar, Jalgaon, Maharashtra-State.

(Transferor)

(2) Sri Ch. Ramakrishna, S/o late Ch. Kondappa, H. No. 10-2-385/8, Vijayanagar, Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

M. No. 5-4-448/1 consisting a mulgi, and open space at Nampally Station Road, Hyderabad, registered vide Doc. No. 783/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Dated : 13-11-1978.

Seal ;

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th November 1978

Ref. No. RAC No. 201/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4 of 7-2-936 situated at Hissamgunj, Secunderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration officer at Secunderabad in 13-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) 1. Poddaturi Inder Prakash, 2. Poddaturi, Lakshamma, both at H. No. 7-1-77 at Old Jail St. Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Dwarakadas Puneria, H No 7-2-936 at Hissamgunj, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mugi No. 4 M. No. 7-2-936 situated at Hissamgunj, Secunderabad registered vide Document No. 596/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 13-11-1978,
Seal :

FORM ITNB

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th November 1978

Ref. No. RAC No. 202/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mulgi No. 5 in 7-2-937 situated at Hissamgunj, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in March 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Poddaturi Inder Prakash, 2. Poddaturi Lakshmamma both residing at H. No. 7-1-777 Old Jail Street, Secunderabad.

(Transferor)

(2) 1. Amarnath Puneria, 2. Kadarnath Puneria both residing at H. No. 7-2-936 at Hissamgunj, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi No. 5 in H. No. 7-2-937 situated at Hissamgunj, Secunderabad, registered vide Document No. 608/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 13-11-1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Swastik Construction Co., at 111-S.D. Road, Secunderabad.
(Transferor)

(2) Sri K. L. N. Reddy, 2, Sri K. V. Ramesh Reddy, both at H. No. 3-6-200 at Himayatnagar, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th November 1978

Ref. No. RAC No. 203/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

333 in Chandralok Complex, S.D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in March 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 333 in III-rd floor of Chandralok Complex at 111-Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 828/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 13-11-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th November 1978

Ref. No. RAC No. 204/78-79.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
8-2-337 situated at Banjara Hills, Hyderabad
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
Khartabab in 27-3-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per-
cent of such apparent consideration and that the consi-
deration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

(1) 1. Smt. G. Urmila Devi, W/o Sri G. Shyam Sunder Reddy, 2. Sri G. Sampathkumar Reddy, both residing at H. No. 14-A at Vallabhdas Blocks, Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Bollareddy Kumar Koti Reddy, S/O Venkateswara Reddy, R/o Ganapavaram Village, Mylavaram Sub-Dist. Vijayawada-Tq. Krishna, Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land in the premises No. 8-2-337 admeasuring 1126 Sq. Mts. at Banjara Hills, Hyderabad, registered vide Document No. 755/78 in the office of the Sub-Reg Khartabab.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 13-11-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Usha Kumari W/O Sri K. Kanakaraju, Jeealimatl, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sri N. Satyanarayana, 2. C. H. Satyanarayana, both residing at Shop No. 32 in Chandralok Complex Building at Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th November 1978

Ref. No. RAC No. 205/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 32 situated at Chandralok Complex Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 32 in Chandralok Building in compound No. 111-Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide Document No. 758/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely :—

Dated : 13-11-1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri P V. Ananda Rao, R/O Rayadurg, G.P.A. Sri Colony, Malakpet, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th November 1978

Ref. No. RAC No. 227/78-79.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Plot 37-B situated at Rajbagh, Ashoknagar, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Hyderabad in 3-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid
property, and I have reasons to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in respect
of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land No. 37-B in Survey No. 176 situated at Raja
Bagh Ashoknagar, Hyderabad, registered vide Document No.
693/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property
by the issue of this notice under sub-section (1) of
Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to
the following namely:—

Dated: 18-11-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Sura Rajagopalan Reddy, H. No. 2-8-289/22 at
Shantinagar, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri U Gregory Reddy, S/o late Sri Jogi Reddy, H.
No. 3-5-899 at Himayatnagar, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th November 1978

Ref. No. RAC No. 228/78-79.—Whereas, I,
K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Plot No. 48 situated at Gagan-mahal Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Hyderabad on 30-3-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act in respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot No. 48 admeasuring 385 Sq. Yds. in part of Survey-
No. 186 at Daira Village of Gaganmahal, Hyderabad, regis-
tered vide Document No. 1110/78 in the office of the Joint
Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 18-11-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-
perty by the issue of this notice under sub-section (1) of
Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to
the following namely:—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th November 1978

Ref. No. RAC No. 229/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part 4-1-587 situated at 588 Troopbazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 1978 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following namely:—

25—386GI/78

(1) 1. S/Shri M. A. Rasheed Khan, 2. Premchand Jethanand, 3. Hardasmal Gokaldas Rochalani, S. No. 1 and 2 are represented by S. No. 3, resident of H. No. 19 at Bank Street, Bombay-1. (Transferor)

(2) S/Shri Syed Mohd. Pasha Quadri, 21-4-201, Husainai Alam, Hyderabad. 2. M. A. Waheed, 3-5-782/62 at King Koti, Hyderabad. 3. Sri Vijaya Singh H. No. 5-4-631 at Kattalmandi, Station Road, Nampally, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of premises M. No. 4-1-587 and 588 at Troop Bazar, Hyderabad admeasuring 369 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 674/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 18-11-1978

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th November 1978

Ref. No. RAC No. 230/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of 4-1-587 and 588 situated at Troop Bazar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following namely:—

(1) 1. S/Sri M. A. Rasheed Khan, 2. Premchand Jethanand 3. Hardasmal Gokaldas Rochalani, S. No. 1 and 2 are represented by S. No. 3, resident of H. No. 19 at Bank Street, Bombay-1.

(Transferor)

(2) S/Sri Syed Mohd. Pasha Quadri, 21-4-201, Husaini Alam, Hyderabad. 2. M. A. Wadheed, 3-5-782/62 at Kingh Koti, Hyderabad. 3. Sri Vijaya Singh, H. No. 5-4-631 at Kattalmandi, Nampally Station Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of premises M. No. 4-1-587 and 588 situated at Troop Bazar, Hyderabad admeasuring 327 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 675/78 in the office of Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 18-11-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th November 1978

Ref. No. RAC No. 231/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Part 4-1-587 & 588 situated at Troop Bazar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri M. A. Rasheed Khan, 2. Prem Chand Jethanand, 3. Hardasmal Gokaldas Rochlani, S. No. 1 and 2 are represented by S. No. 3, H. No. 19 Bank Street Bombay-1.

(Transferor)

(2) S/Sri Syed Mohammed Pasha Qadri, 21-4-201 at Inside Musa Qadri Compound, Hussaini Alam, Hyd. 2. Sri M. A. Wadheed, 3-5-782/62 at Wing Koti, Hyderabad. 3. Vijay Singh 5-4-631 at Kattalmandi, Station Road, Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Part of premises M. No. 4-1-587 and 588 situated at Troop Bazar, Hyderabad, admeasuring 314 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 676/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 18-11-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th November 1978

Ref. No. RAC No. 232/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part 4-1-587 & 588 situated at Troop Bazar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Sri M. A. Rasheed Khan, 2. Prem Chand Jethanand, 3. Hardasmal Gokaldas Rochlani, S. No. 1 and 2 are represented by S. No. 3 at 19 Bank Street, Bombay-1.

(Transferor)

(2) S/Sri Syed Mohammed Pasha Qadri, 21-4-201 at Inside Musa Qadri Compound, Hussaini Alam, Hyd. 2. Sri M. A. Wadheed 3-5-782/62 at King Koti, Hyderabad. 3. Sri Vijay Singh 5-4-631 at Kattakmandi, Station Road, Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of premises No. 4-1-587 and 588 situated at Troop Bazar, Hyderabad, admeasuring 239.00 Sy. Yds. registered vide Doc. No. 677/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 18-11-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Savitri Devi W/o
Late Mehta Moti Ram R/o
5/10-B, Roop Nagar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Gurcharan Singh S/o
Shri Darshan Singh and
Shri Mohinder Pal Singh
S/o Shri Darshan Singh,
R/o B-44, Shankar Garden, New Delhi-18.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 14th December 1978

Ref. No. IAC/ACQ-III/12-78/321.—Whereas, I,
D. P. GOYAL
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 44-B, situated at Shankar Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 17-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Free-hold plot of land bearing No. 44 in Block B measuring 400 sq. yds. situated in Shankar Garden New Delhi and bounded as under :—

North : Lane 15'
South : Road 36'
East : Plot No. B-45
West : Plot No. B-43

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-12-1978

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION

MAY, 1979

New Delhi, the 23rd December 1978

No. F.8/9/78-EI(B).—A Combined Defence Services Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing from 1st May, 1979 for admission to the undermentioned courses :—

Name of the Course	Approximate No. of Vacancies
Indian Military Academy, Dehra Dun (68th Course commencing in January, 1980)	120
[Includes 32 vacancies reserved for NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders].	
Naval Academy, Cochin (Course commencing in January, 1980)	80
Officers' Training School Madras (31st course commencing in May, 1980)	160

NOTE I: NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders may also compete for the vacancies in the Naval Academy and Short Service Commission (Non-Technical) Courses, but since there is no reservation of vacancies for them in these courses, they will be treated as general candidates for the purpose of filling up vacancies in these Courses. Candidates who have yet to pass NCC 'C' Certificate (Army Wing) examination, but are otherwise eligible to compete for the reserved vacancies, may also apply but they will be required to submit the proof of passing the NCC 'C' Certificate (Army Wing) examination to reach the Commission's office by 31st December, 1979.

NOTE II: In the event of sufficient number of qualified NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders not becoming available on the results of the examination to fill up the vacancies reserved for them in the Indian Military Academy Course, the unfilled reserved vacancies shall be treated as unreserved and filled by general candidates.

Admissions to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board, of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, standard and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy/School, and (c) brief particulars of service etc. for candidates joining the Indian Military Academy, Naval Academy and Officers' Training School, are given in Appendices I, II and III respectively.

NOTE: THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

2. CENTRES OF EXAMINATION.—Ahmedabad, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Jaipur, Jammu, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patiala, Patna, Shillong, Simla, Srinagar and Trivandrum.

3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY

(a) Nationality

A candidate must either be—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Bhutan, or
- (iii) a subject of Nepal, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not however, be necessary, in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also be provisionally admitted to the Academy or School, as the case may be, subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

(b) Age limits, sex and marital status :—

- (i) For I.M.A. and Naval Academy : Unmarried male candidates born not earlier than 2nd January, 1958 and not later than 1st January, 1961 are only eligible.
- (ii) For Officers' Training School—Male candidates (married or un-married) born not earlier than 2nd January, 1957 and not later than 1st January, 1961 are only eligible.

NOTE: Date of birth as recorded in Matriculation/Highest Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

(c) Educational Qualifications :—Degree of a recognised University or equivalent. Candidates who have yet to pass the degree examination can also apply but they will be required to submit proof of passing the degree examination to reach the Commission's office by the following date failing, which their candidature will stand cancelled :—

- (i) For admission to I.M.A. & Naval Academy—on or before the 31st December, 1979.
- (ii) For admission to Officers' Training School—on or before 4th April, 1980.

Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degrees would also be eligible for admission to the examination.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

NOTE I: Those candidates who have yet to qualify in the Degree Examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit proof of passing the Degree examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of basic qualifying University Examination, delay in declaration of result or any other ground whatsoever.

NOTE II: Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of Commission in the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.

NOTE III: Naval Sailors (including boys and artificer apprentices) except Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagements are not eligible to take this examination. Applications from Special Service Sailors having less than six months to complete their engagements will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.

4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION.—Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates). Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.

5. REMISSION OF FEE.—The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and has migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1st November, 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

6. HOW TO APPLY.—Only printed applications on the form prescribed for the Combined Defence Services Examination May, 1979 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources:—

- (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.
- (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's office.
- (iii) Free of charge from nearest Recruiting Office, Military Area/Sub-Area Headquarters, N.C.C. Directorates and Naval Establishments.

All candidates whether already in Government service including those serving in the Armed Forces or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service including those serving in the Armed Forces, whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees, are, however, required to obtain the permission of Head of their Office/Department/Commanding Officer before they are finally admitted to the examination. They should send their applications direct to the Commission after detaching the 2 copies of the form of certificate attached at the end of the application form and submit the said forms of certificate immediately to their Head of Office/Department/Commanding Officer with the request that one copy of the form of certificate duly completed may be forwarded to the Secretary, Union Public Service Commission, New Delhi, as early as possible and in any case not later than the date specified in the form of certificate.

7. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS IN THE COMMISSION'S OFFICE:—

- (i) From candidates in India 12th February 1979.
- (ii) From candidates abroad or in Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep 26th February 1979.

8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION.

(A) By all candidates:—

- (i) Fee of Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador, or Representative abroad as the case may be for credit to the account Head "051 Public Service Commission—Examination fees" and the receipt attached with the application.

- (ii) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photographs of the candidate duly signed on the front side.

(B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates:—

Attested/certified copy of certificate in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe.

(C) By candidates claiming remission of fee:—

- (i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(a) An attested/certified copy of a certificate from the following authorities in support of the claim to be a *bona fide* displaced person/repatriate—

(a) *Displaced person from erstwhile East Pakistan:*
 (i) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranaya Project or of Relief Camps in various States.

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be a resident.

OR

(iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

(iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.

OR

(v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

(b) *Repatriates from Sri Lanka:*

High Commission for India in Sri Lanka.

(c) *Repatriate from Burma:*

Embassy of India, Rangoon or District Magistrate of the area in which he may be resident.

(D) By NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders competing for the vacancies reserved for them in the I.M.A. Course.

An attested/certified copy of a certificate to show that he is a NCC 'C' Certificate (Army Wing) holder or a certificate to the effect that he is among those appeared in the N.C.C. 'C' Certificate (Army Wing) examination.

9. REFUND OF FEE.—No refund of fee paid to the Commission with the application will be entertained except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection :—

(i) A refund of Rs. 15/- (Rs. 4/- in case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the degree examination or will not be able to submit the proof of passing the degree examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.

(ii) A refund of Rs. 15/- (Rs. 4/- in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be allowed in the case of a candidate who took the Combined Defence Services Examination November 1978 and is recommended for admission to any of the courses on the results of that Examination provided his request for cancellation of candidature for the Combined Defence Services Examination May, 1979 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 15th October, 1979.

10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATIONS.—All applications received in the prescribed form for this examination will be acknowledged. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from

the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. RESULT OF APPLICATION.—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. ADMISSION TO THE EXAMINATION.—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT.—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them.
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and

(e) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

14. Original Certificates—Submission of.—Candidates who qualify for interview on the results of the written examination will be required to submit original certificates in support of their age and educational qualification etc. to the Commission soon after the declaration of the results of the written examination. The results of the written examination are likely to be declared in the month of July, 1979.

15. COMMUNICATION REGARDING APPLICATIONS.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—

- (1) NAME OF EXAMINATION
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS)
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

16. CHANGE OF ADDRESS.—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15 above.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, A.G.'S BRANCH RTG. 6(SP)(e)(ii) WEST BLOCK, 3 WING 1, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS/LETTERS FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION.—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch RTG, 6(SP)(e)(ii) West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in very genuine circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ will be the sole deciding authority.

26—386GI/78

The candidates called for SSB interview at different Services Selection Centres will bring with them the following articles:

- (a) Passport size photographs in white shirt—6 Nos
- (b) Bedding and blankets. (according to season)
- (c) Two pairs of white shirts and shorts.
- (d) A pair of white PT shoes and two pairs of white socks
- (e) Two pairs of trousers and shirts
- (f) Fountain Pen, ink and pencils
- (g) Boot Polish and white blanco
- (h) One mosquito net.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests.

Candidates who qualify in the written examination for IMA (D.E.) Course and/or Navy (S.E.) Course irrespective of whether they have also qualified for SSC (NT) Course or not, will be detailed for S.S.B. tests in August/September, 1979 and candidates who qualify for SSC (NT) Course only will be detailed for SSB tests in December, 1979/January, 1980.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief, from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Candidates will be required to sign a certificate to this effect on the form appended to the application.

To be acceptable, candidates should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination, and (ii) S.S.B. tests as fixed by the Commission in their discretion. The candidates will be placed in the order of merit on the basis of the total marks secured by them in the written examination and in the S.S.B. tests. The form and manner of communication of the results of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success at the examination confers no right of admission to the Indian Military Academy, the Naval Academy or the Officers' Training School as the case may be. The final selection will be made in order of merit subject to medical fitness and suitability in all other respects and number of vacancies available.

19. DISQUALIFICATIONS FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE:—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, Indian Military Academy, Air Force Flying College, Naval Academy, Cochin, Officers' Training School, Madras but were removed therefrom on disciplinary grounds will not be considered for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy or for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the Indian Military Academy for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

Candidates who were previously selected as Special Entry Naval Cadets but were withdrawn from the National Defence Academy or from Naval Training Establishments for lack of Officer-like qualities will not be eligible for admission to the Indian Navy.

Candidates who were withdrawn from Indian Military Academy Officers' Training School, N.C.C. and Graduate Course for lack of Officer-like qualities will not be considered for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the N.C.C. and Graduates' Course for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

20. RESTRICTIONS ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY :—Candidates for the Indian Military Academy Course or Naval Academy Course must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application, though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

No candidate for the Short Service Commission (N.T.) Course—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for admission to the Officers' Training School/grant of Short Service Commission.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

21. OTHER RESTRICTIONS DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY :—After admission to the Indian Military Academy or the Naval Academy, candidates will not be considered for any other Commission. They will also not be permitted to appear for any interview or examination after they have been finally selected for training in the Indian Military Academy, or the Naval Academy.

22. INTELLIGENCE TEST— INFORMATION ABOUT :—The Ministry of Defence (Directorate of Psychological Research) have published a book with the title "A Study of Intelligence Test Scores of candidates at Services Selection Boards." The purpose of publishing this book is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Services Selection Boards.

The book is a priced publication and is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publication Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001.

23. PAMPHLETS CONTAINING RULES AND QUESTION PAPERS OF PREVIOUS EXAMINATIONS—INFORMATION ABOUT

With the introduction of objective type questions for all the papers included in the scheme of this examination with effect from the Combined Defence Services Examination, May 1978, the printing of pamphlets containing rules and question

papers for this examination has been discontinued. However, copies of pamphlets containing rules and question papers of preceding examination upto Combined Defence Services Examination held in November, 1977 are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

R. S. AHLUWALIA
Deputy Secretary

APPENDIX I

(*The scheme, standard and syllabus of the examination*)

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

1. The Competitive examination comprises :—

- (a) Written examination as shown in para 2 below;
- (b) Interview for intelligence and personality test (*vide* Part 'B' of this Appendix) of such candidates as may be called for interview at one of the Services Selection Centres.

2. The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows :—

(a) For admission to Indian Military Academy

Subject	Duration	Maximum Marks
1	2	3
<i>Compulsory</i>		
1. English	2 Hours	100
2. General Knowledge	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics	2 Hours	100

Optional:—Any one of the following

Subject	Code No.	Time allowed	Maximum Marks
1	2	3	4
Physics	01	2 Hours	150
Chemistry	02	2 Hours	150
Mathematics	03	2 Hours	150
Botany	04	2 Hours	150
Zoology	05	2 Hours	150
Geology	06	2 Hours	150
Geography	07	2 Hours	150
English Literature	08	2 Hours	150
Indian History	09	2 Hours	150
General Economics	10	2 Hours	150
Political Science	11	2 Hours	150
Sociology	12	2 Hours	150
Psychology	13	2 Hours	150

(b) For Admission to Naval Academy :

Subject	Time allowed	Maximum marks
1	2	3

Compulsory

1. English	2 Hrs.	100
2. General Knowledge	2 Hrs.	100

Optional

*3. Elementary Mathematics or Elementary Physics	2 Hrs.	100
*4. Mathematics or Physics	2 Hrs.	150 *Candidates offering Elementary Mathematics will take Physics as their 4th paper and Candidates offering Elementary Physics will take Mathematics as their 4th paper.

(c) For Admission to Officers Training School

Subject	Time allowed	Maximum Marks
1. English	2 Hours	100
2. General Knowledge	2 Hours	100

The maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be equal for each course i.e. the maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be 450, 450 and 200 each for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy and Officers' Training School.

3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

4. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

B. STANDARD AND SYLLABUS OF THE EXAMINATION

STANDARD

The standard of the paper in Elementary Mathematics will be of Matriculation Examination and that of Elementary Physics will be of Higher Secondary Examination.

The standard of papers in other subjects will approximately be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

There will be no practical examination in any of the subjects.

SYLLABUS
ENGLISH

The question paper will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanlike use of words.

GENERAL KNOWLEDGE

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

ELEMENTARY MATHEMATICS

Arithmetic

Number System—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers. Fundamental operations—addition, subtraction, multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work. Percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory—Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11. Multiples and factors. Factorisation Theorem. H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

Algebra

Basic Operations; simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. of polynomials. Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns—analytical and graphical solutions. Simultaneous linear inequations in two variables and their solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations or inequations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expressions and conditional identities. Laws of indices.

Trigonometry

Sine X, Cosine X, Tangent X when $0^\circ \leq x \leq 90^\circ$.

Values of sin x, cos x and tan x, for $x = 0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$ and 90° .

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometrical tables.

Simple cases of heights and distances.

Geometry

Lines and angles, Plane and plane figures. Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and its properties including tangents and normals, (ix) Loci.

Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circles. Areas of figures which can be split up into these figures (Field Book). Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms, bar charts, pie charts etc.

Measures of central tendency.

ELEMENTARY PHYSICS

(a) *Mensuration*.—Units of measurement; CGS and MKS units. Scalars and vectors. Composition and resolution of forces and velocities. Uniform acceleration. Rectilinear motion under uniform acceleration. Newton's Laws of Motion, concept of Force. Units of Force. Mass and weight.

(b) *Mechanics of Solids*.—Motion under gravity. Parallel forces. Centre of Gravity. States of equilibrium. Simple Machines. Velocity Ratio. Various simple machines including inclined plane, Screw and Gears. Friction angle of friction, coefficient of friction. Work, Power and energy, Potential and kinetic energy.

(c) *Properties of fluids*.—Pressure and Thrust. Pascal's Law, Archimedes principle. Density and Specific gravity. Application of the Archimedes principle for the determination of specific gravities of solids and liquids. Laws of floatation. Measurement of pressure exerted by a gas. Boyle's Law. Air pumps.

(d) *Heat*.—Linear expansion of solids and cubical expansion of liquids. Real and apparent expansion of liquids. Charles Law. Absolute Zero; Boyles and Charles' Law; specific heat of solids and liquids; calorimetry. Transmission of heat; Conductivity of metals. Change of State. Latent heat of fusion and vaporization. SVP humidity, dew point and relative humidity.

(e) *Light*.—Rectilinear propagation. Laws of reflection, spherical mirrors; Refraction, laws of refraction, Lenses, Optical instruments, camera, projector, epidiascope, telescope. Microscope, binocular & periscope. Refraction through a prism, dispersion.

(f) *Sound*.—Transmission of sound; Reflection of sound, resonance. Recording of sound-gramophone.

(g) *Magnetism & Electricity*.—Laws of Magnetism, Magnetic field. Magnetic lines of force, Terrestrial Magnetism, Conductors and Insulators. Ohm's Law. P.D. Resistances EMF (Resistances in series and parallel). Potentiometer, Comparison of EMFs. Magnetic effect of an electric current; A conductor in a magnetic field. Fleming's left hand rule. Measuring instruments—Galvanometer, Ammeter, Voltmeter, Wattmeter, chemical effect of an electric current, electroplating; Electromagnetic induction, Faraday's Laws; Biot AC & DC-generator.

PHYSICS (Code—01) Basic**1. General properties of matter and mechanics**

Units and dimensions, scalar and vector quantities; Moment of Inertia, Work, energy and momentum. Fundamental laws of mechanics; Rotational motion; Gravitation. Simple harmonic motions, simple and compound pendulum. Elasticity, Surface tension; Viscosity of liquids. Rotary pump.

2. Sound

Damped, forced and free vibrations. Wave motion. Doppler effect, velocity of sound waves; effects of pressure, temperature and humidity on velocity of sound in a gas. Vibration of strings, membranes and gas columns. Resonance, beats; Stationary waves. Measurement of frequency, velocity and intensity of sound. Elements of ultra sonics. Elementary principles of gramophone, talkies and loudspeakers.

3. Heat and Thermodynamics

Temperature and its measurement; thermal expansion; Isothermal and adiabatic changes in gases. Specific heat and thermal conductivity; Elements of the kinetic theory of matter; Physical ideas of Boltzmann's distribution law; Van der Wall's equation of state; Joule Thompson effect; liquefaction of gases; Heat engines; Carnot's theorem; Laws of thermodynamics and simple applications. Black body radiation.

4. Light

Geometrical optics. Velocity of light. Reflection and refraction of light at plane and spherical surfaces. Spherical and chromatic defects in optical images and their correction. Eye and other optical instruments. Wave theory of light, interference.

5. Electricity and Magnetism

Energy due to a field; Electrical and magnetic properties of matter; Hysteresis permeability and susceptibility; Magnetic field due to electrical current; Moving magnet and moving coil galvanometers. Measurement of current and resistance; Properties of reactive circuit elements and their determination, thermoelectric effect; Electromagnetic induction; Production of alternating currents. Transformers and motors; Electronic valves and their simple applications.

6. Modern Physics

Elements of Bohr's theory of atom, Electrons. Discharge of Electricity through gases; Cathode Rays and X-rays. Radioactivity. Artificial radioactivity, Isotopes, Elementary ideas of fission and fusion.

CHEMISTRY (Code—02)**1. Inorganic Chemistry**

Electronic configuration of elements. Aufbau Principle. Periodic classification of elements. Atomic number. Transition elements and their characteristics.

Atomic and ionic radii ionization potential, electron affinity and electronegativity.

Natural and artificial radioactivity. Nuclear fission and fusion.

Electronics Theory of valency. Elementary ideas about sigma and pi-bonds, hybridization and directional nature of covalent bonds.

Warner's theory of coordination compounds. Electronic configuration of complexes involved in the common metallurgical and analytical operations.

Oxidation states and oxidation number. Common oxidising and reducing agents. Ionic equations.

Lewis and Brønsted theories of acids and bases.

Chemistry of the common elements and their compounds treated especially from the point of view of periodic classification. Principles of extraction, isolation (and metallurgy) on important element.

Structures of hydrogen peroxide, diborane, aluminium chloride and the important oxyacids of nitrogen, phosphorus, chlorine and sulphur.

Inert gases; Isolation and chemistry.

Principles of inorganic chemical analysis.

Outlines of the manufacture of Sodium carbonate, sodium hydroxide, ammonia, nitric acid, sulphuric acid, cement, glass and artificial fertilizers.

2. *Organic Chemistry* :

Modern concepts of covalent bonding. Electron displacements—Inductive, mesomeric and hyperconjugative effects. Resonance and its application to organic chemistry. Effect of structure on dissociation constants.

Alkanes, alkenes and alkynes. Petroleum as a source of organic compounds. Simple derivatives of aliphatic compounds. Alcohols, Aldehydes, ketones, acids, halides, esters ether, acid anhydrides, chlorides and amides. Monobasic hydroxy ketonic and amino acids. Organometallic compounds and acetoacetic esters. Tartaric, citric, maleic and fumaric acids. Carbohydrates classification and general reaction. Glucose, fructose and sucrose.

Stereochemistry : Optical and geometrical isomerism. Concept of conformation.

Benzene and its simple derivatives : Toluene, xylenes, phenols, halides, nitro and amino compounds. Benzoic, salicylic, cinnamic, mandelic and sulphonic acids. Aromatic aldehydes and ketones. Diazo, azo and hydrazone compounds. Aromatic substitution. Naphthalene, pyridine and quinoline.

3. *Physical Chemistry* :

Kinetic theory of gases and gas laws. Maxwell's law of distribution of velocities. Van der Waal's equation. Law of corresponding states. Liquefaction of gases. Specific heats of gases. Ratio of C_p/C_v .

Thermodynamics. The first law of thermodynamics. Isothermal and adiabatic expansion. Enthalpy. Heat capacities. Thermochemistry—heats of reaction, formation, solution and combustion. Calculation of bond energies. Kirchhoff equation.

Criteria for spontaneous change. Second Law of Thermodynamics. Entropy, Free energy. Criteria of Chemical equilibrium.

Solutions. Osmotic pressure, Lowering of vapour pressures, depression of freezing point elevation of boiling point. Determination of molecular weights in solution. Association and dissociation of solutes.

Chemical equilibria. Law of mass action and its application to homogeneous and heterogeneous equilibria. Le Chatelier principle. Influence of temperature on chemical equilibrium.

Electrochemistry : Faraday's laws of electrolysis conductivity of an electrolyte; equivalent conductivity and its variation with dilution; solubility of sparingly soluble salts; electrolytic dissociation. Ostwald's dilution law; anomaly of strong electrolytes; solubility product; strength of acids and bases; hydrolysis of salts; hydrogen ion concentration; buffer action theory of indicators.

Reversible cells. Standard hydrogen and calomel Electrodes. Electrode and red ox-potentials. Concentration cells. Determination of pH. Transport number. Ionic product of water. Potentiometric titrations.

Chemical Kinetics, Molecularity and order of a reaction. First order and second order reactions. Determination of order of a reaction temperature coefficients and energy of activation. Collision theory of reaction rates. Activated complex theory.

Phase rule : Explanation of the terms involved. Application to one and two component systems. Distribution law.

Colloids : General nature of Colloidal solutions and their classification; general methods of preparation and properties of colloids. Coagulation. Protective action and gold number Adsorption.

Catalysis Homogeneous and heterogeneous catalysis. Promoters. Poisoning.

Photochemistry. Laws of photochemistry. Simple numerical problems.

MATHEMATICS (Code—03)

1. *Algebra*

Algebra of Sets, relations and functions; inverse of functions; composite function; equivalence relation; De Moivre's theorem for rational index and its simple applications.

2. *Matrices*

Algebra of Matrices, determinants, simple properties of determinants, product of determinants; adjoint of a matrix; inversion of matrices, rank of a matrix. Application of matrices to the solution of linear equations (in three dimensions).

3. *Analytical Geometry**Analytical Geometry of two dimensions*

Straight lines, pair of straight lines, circles, systems of circles, ellipse, parabola, hyperbola (referred to principal axis). Reduction of a second degree equation to standard form. Tangents and normals.

Analytical Geometry of three dimensions

Planes, straight lines and spheres (Cartesian co-ordinates only).

4. *Calculus and Differential Equation*

Differential calculus—Concept of limit, continuity and differentiability of a function of one real variable, derivative of standard functions, successive differentiation. Rolle's theorem. Mean value theorem; Maclaurin and Taylor series (proof not needed) and their applications; Binomial expansion for rational index, expansion of exponential, logarithmic, trigonometrical and hyperbolic functions. Indeterminate forms. Maxima and Minima of a function of a single variable, geometrical applications such as tangent, normal, sub-tangent, sub-normal, asymptotic curvature (Cartesian co-ordinates only). Envelope: Partial differentiation, Euler's theorem for homogeneous functions.

Integral calculus—Standard methods of integration. Riemann definition of definite integral of continuous functions. Fundamental theorem of integral calculus. Rectification, quadrature, volumes and surface area of solids of revolution. Simpson's rule for numerical integration.

Differential equations—Solution of standard first order differential equations. Solution of second and higher order linear differential equations with constant coefficients. Simple application of problems on growth and decay, simple harmonic motion. Simple pendulum and the like.

5. *Mechanics (Vector methods may be used)*

Statics—Conditions of equilibrium of coplanar and concurrent forces. Moments. Couples. Centre of gravity of simple bodies. Friction, Static and limiting friction, angle of friction, equilibrium of a particle on a rough inclined plane. Virtual work (two dimensions).

Dynamics—Kinematics Displacement, speed velocity and acceleration of a particle, relative velocity. Motion in a straight line under constant acceleration. Newton's laws of motion. Central Orbits. Simple harmonic motion. Motion under gravity (in vacuum). Impulse work and energy. Conservation of energy and linear momentum. Uniform circular Motion.

6. *Statistics*. Probability—Classical and statistical definitions of probability, calculation of probability of combinatorial methods, addition and multiplication theorems, conditional probability. Random variables (discrete and continuous), density function. Mathematical expectation.

Standard distributions—Binomial distribution, definition, mean and variance, skewness, limiting form simple application; Poisson distribution,—definition, mean and variance additive property fitting of Poisson distribution to given data. Normal distribution, simple properties and simple applications, fitting a normal distribution to given data.

Rivariate distribution—Correlation, linear regression involving two variables, fitting of straight line, parabolic and exponential curves, properties of correlation coefficient.

Simple sampling distribution and simple tests of hypothesis; Random sample. Statistics, Sampling distribution and standard error. Simple application of the normal, t, Chi² and F distributions to testing of significance of difference of means.

Note :—Out of the two topics No. 5 Mechanics and No. 6 Statistics, the candidates will be allowed the option of answering questions on any one of the two topics.

BOTANY (Code—04)

1. *Survey of the plant Kingdom*.—Differences between animals and plants: Characteristics of living organism: unicellular and multicellular organism: Viruses: basis of the division of the plant kingdom.

2. *Morphology*.—(i) Unicellular plants—cell, its structure and contents: division and multiplication of cell.

(ii) *Multicellular plants*.—Differentiation of the body of non-vascular plants and vascular plants: external and internal morphology of vascular plants.

3. *Life history*.—Of at least one member of the following categories of plants:—Bacteria, Cyanophyceae, Chlorophyceae, Phaeophyceae Rhodophyceae, Phycomycetes Ascomycetes Basidiomycetes Liverworts. Mosses. Pteridophytes. Gymnosperms and Angiosperms.

4. *Taxonomy*.—Principles of classification, principal systems of classification of angiosperms: distinctive features and economic importance of the following families:—

Gramineae Scitaminac. Palmaceae. Liliaceae. Orchidaceae Moraceae, Loranthaceae. Magnoliaceae, Laureace, Cruciferae, Rosaceae, leguminosae, Rutaceae, Meliaceae, Euphorbiaceae, Anacardiaceae, Malvaceae, Apocynaceae, Asclepiadaceae; Dipterocarpaceae, Myrtaceae, Umbelliferae, Labiate, Solanaceae, Rubiaceae, Cucurbitaceae Verbenaceae and Compositae.

5. *Plant Physiology*.—Autotrophy, heterotrophy. Intake of water and nutrients, transpiration, photosynthesis, mineral nutrition, respiration, growth, reproduction: plants-animal relation, symbiosis, parasitism enzymes, auxins, hormones photoperiodism.

6. *Plant Pathology*.—Cause and cure of plant diseases. Disease organisms. Viruses, deficiency disease; Disease resistance.

7. *Plant Ecology*.—The basic facts relating to ecology and plant geography with special relation to Indian flora and the botanical regions of India.

8. *General Biology*.—Cytology, genetics, plant breeding Mendelism, hybrid vigour. Mutation, evolution.

9. *Economic Botany*.—Economic uses of plants, especially flowering plants in relation to human welfare, particularly with reference to such vegetable products like foodgrains, pulses, fruits, sugar and starches, oilseeds, spices, beverages, fibres, woods, rubber, drugs and essential oils.

10. *History of Botany*.—A general familiarity with the development of knowledge relating to the botanical science.

ZOOLOGY (Code—05)

Classification of the animal kingdom into principal groups distinguishing features of the various classes.

The structure habits and life-history of the following non-chordate types:

Amoeba, malarial parasite, a sponge, hydra, liverfluke tape-worm, roundworm, earth worm, leech, cockroach, housefly mosquito scorpion freshwater mussel pond snail and starfish (external characters only).

Economic importance of insects, Bionomics and life-history of the following insects; termite locust, honey bee and silk moth.

Classification of Chordate up to orders.

The structure and comparative anatomy of the following chordate types.

Branchiostoma; Scolopendron; frog; Uromastix or any other lizard (skeleton of Varanus) pigeon (skeleton of fowl); and rabbit; rat or squirrel.

Elementary knowledge of the history and physiology of the various organs of the animal body with reference to frog and rabbit. Endocrine glands and their functions.

Outlines of the development of frog and chick structure and functions of the mammalian placenta.

General principles of evolution, variations heredity, adaptation; recapitulation hypothesis; Mendelian inheritance; asexual and sexual modes of reproduction; parthenogenesis; metamorphosis alteration of generations.

Ecological and geological distribution of animals with special reference to the Indian fauna.

Wild life of India including poisonous and non-poisonous snakes; game birds.

GEOLOGY (Code—06)

1. General Geology :

Origin age and interior of the Earth, different geological agencies and their effects on topography, weathering and erosion; Soil types, their classification and soil groups of India; Physiographic sub-division of India. Vegetation and topography. Volcanoes, earthquakes, mountain diastrophism.

2. Structural Geology :

Common structures of igneous, sedimentary and metamorphic rocks, Dip, strike and slopes; folds, faults and unconformities including their effects on outcrops. Elementary ideas of methods of Geological Surveying and Mapping.

3. Crystallography and Mineralogy :

Elementary knowledge of crystal symmetry. Laws of Crystallography. Crystal habits and twinning.

Study of important rock-forming including clay minerals with regard to their chemical composition, physical properties, optical properties, alteration, occurrence and commercial uses.

4. *Economic Geology* :

Study of important economic minerals of India including mode of occurrence. Origin and classification of ore deposits.

5. *Petrology* :

Elementary study of igneous, sedimentary and metamorphic rocks including origin and classification. Study of common rock types.

6. *Stratigraphy* :

Principles of Stratigraphy; lithological and chronological sub-divisions of geological record. Outstanding features of Indian Stratigraphy.

7. *Palaeontology* :

The bearing of palaeontological data upon evolution. Fossils, their nature and mode of preservation. An elementary idea of the morphology and distribution of representative forms of animal and plant fossils.

GEOGRAPHY (Code—07)

(i) *Elementary Geomorphology*.—Origin of the solar system and the earth, landforms, land sculpture, elementary geology, rocks and soil formation.

(ii) *Climatology*.—Climate and its elements, temperature, pressure, humidity, wind system elementary knowledge of cyclones and anti-cyclones, precipitation types of rain.

(iii) *Oceanography*.—Distribution of land and water, movements of ocean-water, tides, currents, salinity, deposits, of the ocean beds.

(iv) *Plant Geography*.—Types of vegetation, their relation to geographical environment, forests, grasslands, deserts, major natural regions.

(v) *Human Geography*.—Man in environment races of mankind, man's activities and distribution of population.

(vi) *Economic Geography*.—Principal vegetable, animal and mineral products, their distribution and geographical background principal industries and their localisation; international trade in raw material, food-stuffs and manufactured goods.

(vii) *Regional Geography*.—India in detail and the U.S.A., the U.K., the U.S.S.R., China, Japan, South-East Asia, the Middle East, Sri Lanka, Burma and Pakistan in outline.

ENGLISH LITERATURE (Code—08)

Candidates will be expected to show a general knowledge of the history of English literature upon the time of Spencer to the end of the reign of Queen Victoria with special reference to the works of the following authors:—

Shakespeare, Milton, Johnson, Dickens, Wordsworth, Keats, Carlyle, Tennyson and Hardy.

INDIAN HISTORY (Code—09)

India from 1600 to the establishment of Indian Republic, including the constitutional developments during this period.

NOTE.—In this subject candidates should be acquainted with geography in its relation to history. When a fixed date is given for the beginning of the period candidates will be expected to know in general outline how the initial position was reached.

GENERAL ECONOMICS (Code—10)

Candidates will be expected to have a knowledge of economic theory and should be prepared both to illustrate theory by facts and to analyse facts by the help of theory. Some knowledge of the economic history of India and of England and of economic conditions in these countries will be expected

POLITICAL SCIENCE (Code—11)

Candidates will be expected to show a knowledge of political theory and its history, political theory being understood to mean not only the theory of legislation but also the general theory of the State. Questions may also be set on constitutional forms (Representative Government, Federalism etc.) and Public Administration. Central and Local. Candidates will be expected to have knowledge of the origin and development of existing institutions.

SOCIOLOGY (Code—12)

Nature and Scope of Sociology; Study of Society; Sociology and its relation to other Social Sciences.

Basic concepts Status and Role; Primary and Secondary Groups; Social institutions; Social structure; Social control and Deviant behaviour; Social Conflict; Social Change.

Basic Social Structures and Institutions; Marriages; Family and Kinship; Political Institutions; Religious Institutions Social stratification—Caste, Class and Race.

Environment, society and culture.

Sociology of India; Caste and Casteism; Family and Kinship; Village community; Social change in modern India.

PSYCHOLOGY (Code—13)*General Psychology*

Definition and subject-matter of Psychology; methods of Psychology; Concept of adjustment and behaviour mechanism; Physiological basis of behaviour; (a) receptors—visual and auditory; (b) general idea of the nervous system; (c) effectors—muscles and glands.

Factors in human development—heredity and environment, maturation and learning.

Motivation and emotion—their nature, kind and development.

Perception and its nature; Perception of form; colour and space.

Learning: its nature, conditioning, insight and trial and error.

Memory and forgetting—factors effecting the processes; efficient methods of memorising.

Thinking and reasoning.

Intelligence and abilities—their nature and measurement.

Personality—nature, determinants and measurement.

Abnormal Psychology

Abnormal behaviour—its concept and causes.

Frustration and conflicts; defence mechanisms.

Forms of psychological disorders—neurotic, psychotic, personality and psychophysiological disorders.

General idea of treatment of mental disorders—psychotherapy.

Social Psychology

Group processes; individual and the group; leadership morale and crowd behaviour.

Propaganda and psychological warfare.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition, to the interview the candidates will be put to Intelligence Tests both verbal and non-verbal, designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests such as group discussions, group planning, outdoor group tasks, and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

APPENDIX II

(Physical Standards for Admission to the Academy/School)

NOTE.—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARD. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A sufficient number of suitable candidates recommended by the Services Selection Board will be medically examined by a Board of Service Doctors. A candidate who is not declared fit by the Medical Board will not be admitted to the Academy or the School. The mere fact that medical examination has been carried out by a Board of Service Doctors will not mean or imply that the candidate has been finally elected. The proceedings of the Medical Board are confidential and cannot be divulged to anyone. The results of candidates declared unfit/temporarily unfit are intimated to them along with the procedure for submission of fitness certificate and appeal. No request for the results of Medical Board will be entertained by the President of the Medical Board.

Candidates are advised in their own interest that if their vision does not come up to the standard they must bring with them their correcting glasses if and when called for Services Selection Board Interview/Medical Examination.

1. To be passed fit for admission to the Academy/School a candidate must be in good physical and mental health and free from any disability likely to interfere with the efficient performance of duty.

2. It will, however, be ensured that—

- (a) there is no evidence of weak constitution, imperfect development, serious malformations or obesity;
- (b) there is no maldevelopment or impairment of function of the bones or joints;

NOTE : A candidate with a rudimentary cervical rib in whom there are no signs and symptoms referable to the cervical rib may be considered fit. However, the defect is to be recorded as a minor disability in the medical board proceedings.

- (c) there is no impediment of speech;
- (d) there is no malformation of the head or deformity from fracture or depression of the bones of the skull;
- (e) there is no impaired hearing, discharge from or disease in either ear, unhealed perforation of the tympanic membranes or signs of acute or chronic suppurative otitis media or evidence of radical or modified radical mastoid operation;

NOTE : A soundly healed perforation without any impairment of the mobility of the drum and without impairment of hearing should not be a bar to acceptance of a candidate for the Army.

- (f) there is no disease of bones or cartilages of the nose or nasal polypus or disease of the nasopharynx and accessory sinuses;

NOTE : A small asymptomatic traumatic perforation of the nasal septum would not be a cause for outright rejection. But such cases will be referred to the Adviser in Otology for examination and opinion.

- (g) there are no enlarged glands in the neck and other parts of the body and that thyroid gland is normal;

NOTES : Scars of operations for the removal of tuberculosis glands are not a cause for rejection provided that there has been no active disease within the preceding 5 years and the chest is clinically and radiologically clear.

- (h) there is no disease of the throat palate, tonsils or gums or disease or any injury affecting the normal function of either mandibular joint;

NOTE : Simple hypertrophy of the tonsils, if there is no history of attacks of tonsillitis is not a cause for rejection.

- (i) there is no sign of functional or organic disease of the heart and blood vessels;
- (j) there is no evidence of pulmonary tuberculosis or previous history of this disease or any other chronic disease of the lungs;
- (k) there is no evidence of any disease of the digestive system including any abnormality of the liver and spleen;
- (l) there is no inguinal hernia or tendency thereto;

NOTE : (1) Inguinal hernia (unoperated) will be a cause for rejection.

(2) Those who have been operated for hernia may be declared medically fit provided :

- (i) One year has elapsed since operation. Documentary proof to this effect is to be produced by the candidate.
- (ii) General tone of the abdominal musculature is good.
- (iii) There has been no recurrence of the hernia or complication thereto concerned with the operation.
- (m) there is no hydrocele or definite Varicocele or any other disease or defect of the genital organs.

N.B.—(i) A candidate who has been operated for hydrocele will be accepted if there are no abnormalities of the cord and testicle and there is no evidence of filariasis.

- (ii) Undescended inter abdominal testicle on one side should not be a bar to acceptance provided the other testicle is normal and there is no untoward physical or psychological effect due to the undescended testicle. Undescended testis retained in the inguinal canal or the external abdominal ring is, however, a bar to acceptance unless corrected by operation.
- (n) there is no fistula and/or fissure of the anus or evidence of haemorrhoids;
- (o) there is no disease of the kidneys. All cases of Glycosuria or Albuminuria will be rejected;
- (p) there is no disease of the skin unless temporary or trivial scars which by their extent or position cause or are likely to cause disability or marked disfigurement are a cause for rejection;
- (q) there is no active, latent or congenital venereal disease;
- (r) there is no history or evidence of mental disease of the candidate or his family. Candidates suffering from epilepsy, incontinence of urine or enuresis will not be accepted;
- (s) there is no squint or morbid condition of the eyes or of the lids which is liable to a risk of aggravation or recurrence;
- (t) there is no active trachoma or its complication and sequelae.

NOTE—Remedial operations are to be performed prior to entry. No guarantee is given of ultimate acceptance and it should be clearly understood by the candidates that the decision whether an operation is desirable or necessary is one to be made by their private medical adviser. The Government will accept no liability regarding the result of operation or any expense incurred.

3. Standards for Height, Weight and Chest Measurement—

(a) Height—

- (i) The height of a candidate will be measured by making him stand against the standard with his feet together. The weight should be thrown on the heels, and not on the toes or outer sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres, decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored; 0.5 centimetre will be recorded as such and 0.6 cm. and above will be recorded as one.
- (ii) The minimum acceptable height for a candidate is 157.5 cm. (157 cm. for the Navy) except in the case of Gorkha, Nepalese, Assamese and Garhwali candidates in whose case the height in correlation table at (b)(i) below may be reduced by 5.0 cm. The minimum height of naval candidates from MANIPUR, NEFA, MEGHALAYA AND TRIPURA may also be reduced by 5 cm. and 2 cm. in the case of candidates from LACCADIVES.

(b) Weight—

- (i) Weight will be taken with the candidate fully stripped or with underpants only. In recording weight fraction of 1/2 kg. will not be noted. A correlation table between age, height and average weight is given below for guidance:—

Age last birth day	Height without shoes	Weight	
		Average Minimum	Average Maximum
Years	Centimetres	Kgs.	Kgs.
17 to 18	157.5 & under 165.0	43.5	55.0
	165.0 & under 172.5	48.0	59.5
	172.5 & under 183.0	52.5	64.0
	183.0 & upwards	57.0	—
19	160.0 & under 165.0	44.5	56.0
	165.0 & under 172.5	49.0	60.5
	172.5 & under 178.0	53.5	65.0
	178.0 & under 183.0	58.0	69.5
	183.0 & upwards	62.5	—
29 & upwards	160.0 & under 165.0	45.5	56.5
	165.0 & under 172.5	50.0	61.0
	172.5 & under 178.0	54.5	66.0
	178.0 & under 183.0	59.0	70.5
	183.0 & upwards	63.0	—

HEIGHT AND WEIGHT STANDARDS

For Navy only

Height in Centimetres	Age		
	18 years	20 years	22 years
Weight in Kilograms			
157	47	49	50
160	48	50	51
162	50	52	53
165	52	53	55
186	53	55	57
170	55	57	58
173	57	59	60
175	59	61	62
178	61	62	63
180	63	64	65
183	65	67	67
185	67	69	70
188	70	71	72
190	72	73	74
193	74	76	77
195	77	78	78

- (ii) It is not possible to lay down precise standards for weight in relation to height and age. The correlation table is, therefore, only a guide and cannot be

applied universally. A 10 per cent (± 6 kg. for the Navy) departure from the average weight given in the table is to be considered as within normal limits. There may nevertheless be some individuals who according to the above standard may be overweight but from the general build of the body are fit in every respect. The overweight in such cases may be due to heavy bones and muscular development and not to obesity. Similarly for those who are underweight, the criteria should be the general build of the body and proportionate development rather than rigid adherence to the standards in the above table.

(c) *Chest*.—The chest should be well-developed with a minimum range of expansion of 5.0 cm. The candidate's chest will be measured by making him stand erect with his feet together, and his arms raised over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and its lower edge the upper part of the nipples in front. The arms will then be lowered to hang loosely by the sides. Care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum and minimum expansion of the chest will be carefully noted. The minimum and maximum will then be recorded in cm. thus 84/89 and 86/91 etc.

In recording the measurements, decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored: 0.5 centimetre will be recorded as such and 0.6 cm. and above will be recorded as one.

For Navy

"X-Ray" of chest is compulsory.

4. Dental Condition—

It should be ensured that sufficient number of natural and sound teeth are present for efficient mastication.

(a) A candidate must have a minimum of 14 dental points to be acceptable. In order to assess the dental condition of an individual points are allotted as under for teeth in good apposition with corresponding teeth in the other jaw—

- (i) Central incisor, Lateral incisor, canine, 1st and 2nd pre-molar and under developed 3rd molar—1 point each.
- (ii) 1st and 2nd molar and fully developed 3rd molar—2 points each.

When all 32 teeth are present, there will be a total count of 22 points.

- (b) The following teeth in good functional apposition must be present in each jaw—
 - (i) any 4 of the 6 anteriors.
 - (ii) any 6 of the 10 posteriors.

NOTE.—Candidate for direct commission and technical graduates, with well fitting dentures will, however, be accepted for commission.

- (c) Candidate suffering from severe pyorrhoea will be rejected. Where the state of pyorrhoea is such that in the opinion of the dental officer it can be cured without extraction of teeth, the candidate may be accepted.

5. Visual Standard (Army)

	Better eye	Worse eye
Distant vision (corrected)	6/6	6/18

Myopia of not more than -3.5 D including astigmatism
Manifest Hypermetropia of not more than $+3.5$ D including astigmatism.

NOTE 1. Fundus and Media to be healthy and within normal limits.

2. No undue degenerative signs of vitreous or chorioretina to be present suggesting progressive myopia.
3. Should have good binocular vision, fusion faculty and full field of vision in both eyes.
4. There should be no organic disease likely to exacerbations or deterioration.

Myopia—Not to exceed 0.5 dioptre in any one meridian.

Binocular Vision

The candidates must possess good binocular vision (fusion faculty and full field of vision in both eyes).

Colour Vision

Candidates who do not possess the minimum colour perception standard CP-3 (Defective Safe), defined below will be declared Unfit:—

CP-3 (Defective Safe)—Candidates should be able to recognise white, Signal red and signal green colours correctly as shown by Martin's Lantern at a distance of 1.5 metres or read the requisite plates of Ishihara Book/Tokyo Medical College Book.

Visual Standard (Navy)

(a) Visual Acuity

Standard I Better eye Worse eye
V-6/6 V-6/9

Distant Vision

Correctable to 6/6

Navy (i)—Visual standard I. No glasses will be worn by candidates for the Executive Branch but these standards may be relaxed if permitted by Naval Headquarters, for a limited number of otherwise suitable candidates of Engineering, electrical and Supply and Secretariat Branches up to 6/18, 6/36 correctable to 6/6 both eyes with glasses.

(ii) Special requirements:

Normally Cadets/Direct entry officers for all Branches of the Navy will not be tested for Delta Case for Night Vision acuity (NVA) as a routine and will be asked to furnish the following certificate at the time of medical examination which will be attached to the medical board proceedings:—

"I hereby certify that to the best of my knowledge there has not been any case of congenital night blindness in our family, and I do not suffer from it."

Signature of the candidate

Countersignature of the Medical Officer.

Heterophoria

Limits of Heterophoria with the Maddox Rod/Wing tests (provided convergence insufficiency and other symptoms are absent) must not exceed :—

(a) At 6 metres—

Exophoria 8 prism dioptres
Esophoria 8 prism dioptres
Hyperphoria 1 prism dioptre

(b) At 30 cms—

Esophoria 6 prism dioptres
Exophoria 16 prism dioptres
Hyperphoria 1 prism dioptre

Executive level

Limits of hypermetropia (under homatropine) Better Eyes

Hypermetropia . . . 1.5 dioptres

Simple Hypermetropic . . 0.75 dioptre

Astigmatism

Compound Hypermetropic
Astigmatism

The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 1.5 dioptres of which not more than 0.75 dioptre may be due to astigmatism.
Worse-Eyes

Hypermetropia . . . 2.5 dioptres

Simple Hypermetropic
Astigmatism . . 1.5 dioptres

Compound Hypermetropic
Astigmatism

The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 2.5 dioptres of which not more than 1.0 dioptre may be due to astigmatism.

6. Hearing Standard—

Hearing will be tested by speech test. Where required audiometric records will also be taken.

(a) *Speech test.*—The candidate should be able to hear a forced whisper with each ear separately standing with his back to the examiner at a distance of 609.5 cm. in a reasonably quiet room. The examiner should whisper with the residual air; that is, to say at the end of an ordinary expiration.

(b) *Audiometric record.*—The candidate will have no loss of hearing in either ear at frequencies 128 to 4096 cycles per second. Audiometry reading between plus 10 and minus 10. (Not applicable to Navy).

APPENDIX III***(Brief Particulars of service etc.)*****(A) FOR CANDIDATES JOINING THE INDIAN MILITARY ACADEMY, DEHRA DUN.**

1. Before the candidate joins the Indian Military Academy—

(a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or

other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment any injury received as aforesaid or otherwise;

(b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that if for any reason considered within his control, the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

2. Candidates finally selected will undergo a course of training for about 18 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as 'gentlemen cadets'. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Indian Military Academy.

3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Indian Military Academy are not likely to exceed Rs. 55.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 450.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately after his son/ward has been finally selected for training at the Indian Military Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will, with his recommendations, forward the application to the Commandant, Indian Military Academy, Dehra Dun.

4. Candidates finally selected for training at the Indian Military Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival :—

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 55.00 per month.—Rs. 275.00

(b) For items of clothing and equipment.—Rs. 800.00

Total : Rs. 1075.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in event of financial assistance being sanctioned to them :—

Pocket allowance for five months at Rs. 55.00 per month—Rs. 275.00.

5. The following scholarships are tenable at the Indian Military Academy :—

(1) PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholarship.—This scholarship is awarded to cadets from MAHARASHTRA AND KARNATAKA. The value of one scholarship is up to the maximum of Rs. 500.00 per annum for the duration of a cadet's stay at the Indian Military Academy subject to the cadet making satisfactory progress. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.—This Scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to an eligible Maratha cadet who should be a son of ex-serviceman. The Scholarship is in addition, to any financial assistance from the Government.

6. An outfit allowance at the rates adn under the general conditions applicable at the time for each cadet belonging to the Indian Military Academy will be placed at the disposal of the Commandant of the Academy. The unexpended portion of this allowance will be—

(a) handed over to the cadet on his being granted a Commission; or

(b) if he is not granted a commission, refunded to the state.

On being granted a commission, article of clothing and necessaries purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles will, however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The article withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

7. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Indian Military Academy. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may, with permission of the Government, be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

8. Commission will be granted only on successful completion of training. The date of commission will be that following the date of successful completion of training. Commission will be permanent.

9. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service after the grant of commission will be identical with those applicable from time to time to regular officers of the army.

Training :

10. At the Indian Military Academy, Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous military training for a period of 18 months aimed at turning out officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd Lt. subject to being medically fit in S.H.A.P.E.

11. Terms and Conditions of Service

(I) PAY

Rank	Pay scale	Rank	Pay Scale
	Rs.		Rs.
2nd Lieut	750—790	Lt. Colonel	1800 fixed (Time scale)
Lieut	830—950	Colonel	1950—2175
Captain	1100—1550	Brigadier	2200—2400
Major	1400—1800	Maj General	2500—125/2— 2750
Lt. Colonel (By selection)	1750—1950	Lt. General	3000 p.m.

((i) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer at present receives the following allowances—

(a) Compensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted Officers from time to time.

(b) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.

(c) Expatriation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.

(d) Separation allowance : Married officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 70 p.m.

((ii) POSTING

Army officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

((iv) PROMOTION

(a) Substantive promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks :—

by time scale

Lt.	2 years of Commissioned Service
Capt.	6 years of Commissioned Service
Major	13 years of Commissioned Service
Lt. Col. from Major	25 years of Commissioned Service (if not promoted by Selection)

by selection

Lt. Col	16 years of Commissioned Service
Col.	20 years of Commissioned Service
Brigadier	23 years of Commissioned Service
Major Gen	25 years of Commissioned Service
Lt. Gen,	28 years of Commissioned Service
Gen	No restriction

(b) Acting promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum Service limits subject to availability of vacancies :

Captain	3 years
Major	5 years
Lt. Colonel	6-1/2 years
Colonel	8-1/2 years
Brigadier	12 years
Major General	20 years
Lt. General	25 years

(B) FOR CANDIDATES JOINING THE NAVAL ACADEMY, COCHIN.

1. (a) Candidates finally selected for training at the Academy will be appointed as cadets in the Executive Branch of the Navy. They will be required to deposit the following amount with the Officer-in-Charge, Naval Academy, Cochin.

(1) Candidates not applying for government financial aid :

- (i) Pocket allowance for five months @ Rs. 45.00 per month Rs. 225.0
- (ii) For items of clothing and equipment Rs. 460.0

Total Rs. 685.00

(2) Candidates applying for Government financial aid :

(i) Pocket allowance for two months, @Rs. 45.00 per month	Rs. 90.00
(ii) For items of clothing and equipment	Rs. 460.00
Total	Rs. 550.00

(b) (i) Selected Candidates will be appointed as cadets and undergo training in Naval Ships and Establishments as under :—

- (a) Cadets Training including afloat training for 6 months 1 year
- (b) Midshipmen afloat Training 6 months
- (c) Acting Sub-Lieutenants Technical Courses 12 months
- (d) Sub-lieutenants—

A minimum period of 6 months sea service to obtain a watch-keeping certificate.

(ii) The cost of training including accommodation and allied services, books, uniform, messing and medical treatment of the cadets at the Naval Academy will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses while they are cadets. When a cadet's parent or guardian has an income less than Rs. 450 per mensem and is unable to meet wholly or partly the pocket expenses of the cadet, financial assistance up to Rs. 55 per mensem may be granted by the Government. A candidate desirous of securing financial assistance may immediately after his selection, submit an application through the District Magistrate of his District, who will, with his recommendations, forward the application to the Director of Personnel Service, Naval Headquarters, New Delhi :

Provided that in a case where two or more sons or wards of a parent or guardian are simultaneously undergoing training at Naval ships/establishments, financial assistance as aforesaid may be granted to all of them for the period they simultaneously undergo training, if the income of the parent or guardian does not exceed Rs. 400 p.m.

(iii) Subsequent training in ships and establishments of the Indian Navy is also at the expense of the Government. During the first six months of their training after leaving the Academy financial concession similar to those admissible at the Academy vide sub-para (ii) above will be extended to them. After six months of training in ships and establishments of the Indian Navy, when Cadets are promoted to the rank of Midshipman they begin to receive pay and parents are not expected to pay for any of their expenses.

(iv) In addition to the uniform provided free by the Government cadets should be in possession of some other items of clothing. In order to ensure correct pattern and uniformity these items will be made at Naval Academy and cost will be met by the parents or guardians of the cadets. Cadets applying for financial assistance may be issued with some of these items of clothing free or on loan. They may only be required to purchase certain items.

(v) During the period of training Service Cadets may receive pay and allowances of the substantive rank held by them as a sailor or as a boy or as an apprentice at the time of selection as cadets. They will be entitled to receive increments of pay, if any, admissible in that rank. If the pay and allowances of their substantive rank be less than the financial assistance admissible to direct cadets and provided they are eligible for such assistance, they will also receive the difference between the two amounts.

(vi) No cadet will normally be permitted to resign while under training. A cadet who is not considered suitable to complete the full course at the Indian Naval Ships and establishment may, with the approval of the Government be withdrawn from training and discharged. A service cadet under these circumstances may be reverted to his original appointment. A cadet thus discharged or reverted will not be eligible for re-admission to a subsequent course. Cases of cadets who are allowed to resign on compassionate grounds may, however, be considered on merits.

2. Before a candidate is selected as a cadet in the Indian Navy, his parent or guardian will be required to sign—

- (a) A certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or whose bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
- (b) A bond to the effect that if for any reasons considered within the control of the candidate, he wishes to withdraw from training or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

3. PAY AND ALLOWANCES

(a) PAY

Rank	Pay Scale	
	General Service	
Midshipman	Rs. 560	
Ag. Sub. Lieut.	Rs. 750	
Sub. Lieut.	Rs. 830—870	
Lieut.	Rs. 1100—1450	
Lieut. Cdr.	Rs. 1450—1800	
Commander (By selection)	Rs. 1750—1950	
Commander (By time scale)	Rs. 1800 fixed	
Captain	Rs. 1950—2400 (Commodore receives pay to which entitled according to seniority as Captain).	
Rear Admiral	Rs. 2500-125/2-2750	
Vice Admiral	Rs. 3000	

7. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may with permission of Government be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

8. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service, after the grant of commission, are given below.

9. Training

1. Selected candidates will be enrolled under the Army Act as Gentlemen Cadets and will undergo a course of training at the Officers Training School for an approximate period of nine months. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Short Service Commission in the rank of 2/Lt from the date of successful completion of training.

10. Terms and conditions of Service

(a) Period of probation

An officer will be on probation for a period of 6 months from the date he receives his Commission. If he is reported on within the probationary period as unsuitable to retain his commission, it may be terminated at any time, whether before or after the expiry of the probationary period.

(b) Posting

Personnel granted Short Service Commissions are liable to serve anywhere in India and abroad.

(c) Tenure of appointment and Promotion

Short Service Commission in the Regular Army will be granted for a period of five years. Such officers who are willing to continue to serve in the Army after the period of five years' Short Service Commission may if eligible and suitable in all respects, be considered for the grant of Permanent Commission in the last year of their Short Service Commission in accordance with the relevant rules. Those who fail to qualify for the grant of Permanent Commission during the tenure of five years, would be released on completion of the tenure of five years.

(d) Pay and Allowances

Officers granted Short Service Commission will receive pay and allowances as applicable to the regular officers of the Army.

Rates of pay for 2/Lt and Lieut, are:—

Second Lieut.	Rs. 750—790 p.m.
Lieut. Plus other allowances as laid down for regular officers	Rs. 830—950 p.m.

(c) *Leave*: For leave, these officers will be governed by rules applicable to Short Service Commission Officers as given in Chapter V of the Leave Rules for the Service Vol. I—Army. They will also be entitled to leave on passing out of the Officers Training School and before assumption of duties under the provisions of Rule 91 *ibid.*

(f) *Termination of Commission*: An officer granted Short Service Commission will be liable to serve for five years but his Commission may be terminated at any time by the Government of India—

- (i) for misconduct or if services are found to be unsatisfactory; or

- (ii) on account of medical unfitness; or
- (iii) if his services are no longer required; or
- (iv) if he fails to qualify in any prescribed test or Course.

An officer may on giving three months notice be permitted to resign his Commission on compassionate grounds of which the Government of India will be the sole judge. An officer who is permitted to resign his Commission on compassionate grounds will not be eligible for terminal gratuity.

(g) Pensionary benefits

- (i) These are under consideration.
- (ii) SSC officers on expiry of their five years' term are eligible for terminal gratuity of Rs. 3,000.00.

(h) Reserve Liability

On being released on the expiry of the five years Short Service Commission or extension thereof, they will carry a reserve liability for a period of five years or up to the age of 40 years whichever is earlier.

- (i) *Miscellaneous*: All other terms and conditions of Service where not at variance with the above provisions will be the same as for regular officers.

APPENDIX IV

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes Candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri _____ son of Shri _____ of village/town _____ in District/Division _____ of the State/Union Territory _____ belongs to the _____ Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under:—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Orders, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry), Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*.

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order 1968*.

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*.

2. Shri _____ and/or* his family ordinarily reside(s) in village/town* _____ of _____ District/Division* of the State/Union Territory* of

Signature.....

**Designation.....

State/Union Territory*
(with seal of office)

Place.....

Date.....

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term 'ordinarily reside(s)' used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates :

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner /Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

APPENDIX V CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called on 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, . . . etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best response. (see "sample items" at the end.). In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet, number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts'. Against each item, responses, a, b, c, d, e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.

1.

2.

3.

Your answer sheet will be scored by an optical scoring machine which is sensitive to improper marking, use of non-HB pencils, and mutilated answer sheets. It is, therefore important that—

1. You bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items. The machine may not read the marks with other pencils or pens correctly.
2. If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also;
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spindle it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for starting of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have passed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator Supervisor. You ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.

5. Write clearly in ink the name of the examination/test, your Roll No., Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.

6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. Since the evaluation is done mechanically, you may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your sheet in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet. Each Test Booklet will be sealed in the margin so that no one opens it before the test starts. As soon as you have got your Test Booklet, ensure that it contains the booklet number and it is sealed, otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet. You are not allowed to break the seal of the Test Booklet until you are asked to do so by the supervisor.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct response indicated by you.

The questions are designed to measure your knowledge, understanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant topics, to be sure that you UNDERSTAND the subject thoroughly.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Candidates who do not stop writing will be penalised. After you have finished answering, remain in your seat and wait till the invigilator collects the Test Booklet and answer sheet from you and permits you to leave the Hall. You are NOT

allowed to take the Test Booklet and the answer sheet out of the examination Hall. Those who violate this direction shall be severely penalised.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty?

- (a) the successors of Asoka were all weak.
- (b) there was partition of the Empire after Asoka.
- (c) the northern frontier was not guarded effectively.
- (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.

(Answer—d)

2. In a parliamentary form of Government

- (a) the Legislature is responsible to the Judiciary.
- (b) the Legislature is responsible to the Executive.
- (c) the Executive is responsible to Legislature.
- (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.
- (e) the Executive is responsible to the Judiciary.

(Answer—c)

3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to

- (a) facilitate development.
- (b) prevent disciplinary problems.
- (c) provide relief from the usual class room work.
- (d) allow choice in the educational programme.

(Answer—a)

4. The nearest planet to the Sun is

- (a) Venus
- (b) Mars
- (c) Jupiter
- (d) Mercury

(Answer—d)

5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods?

- (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
- (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
- (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
- (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.

(Answer—c)

